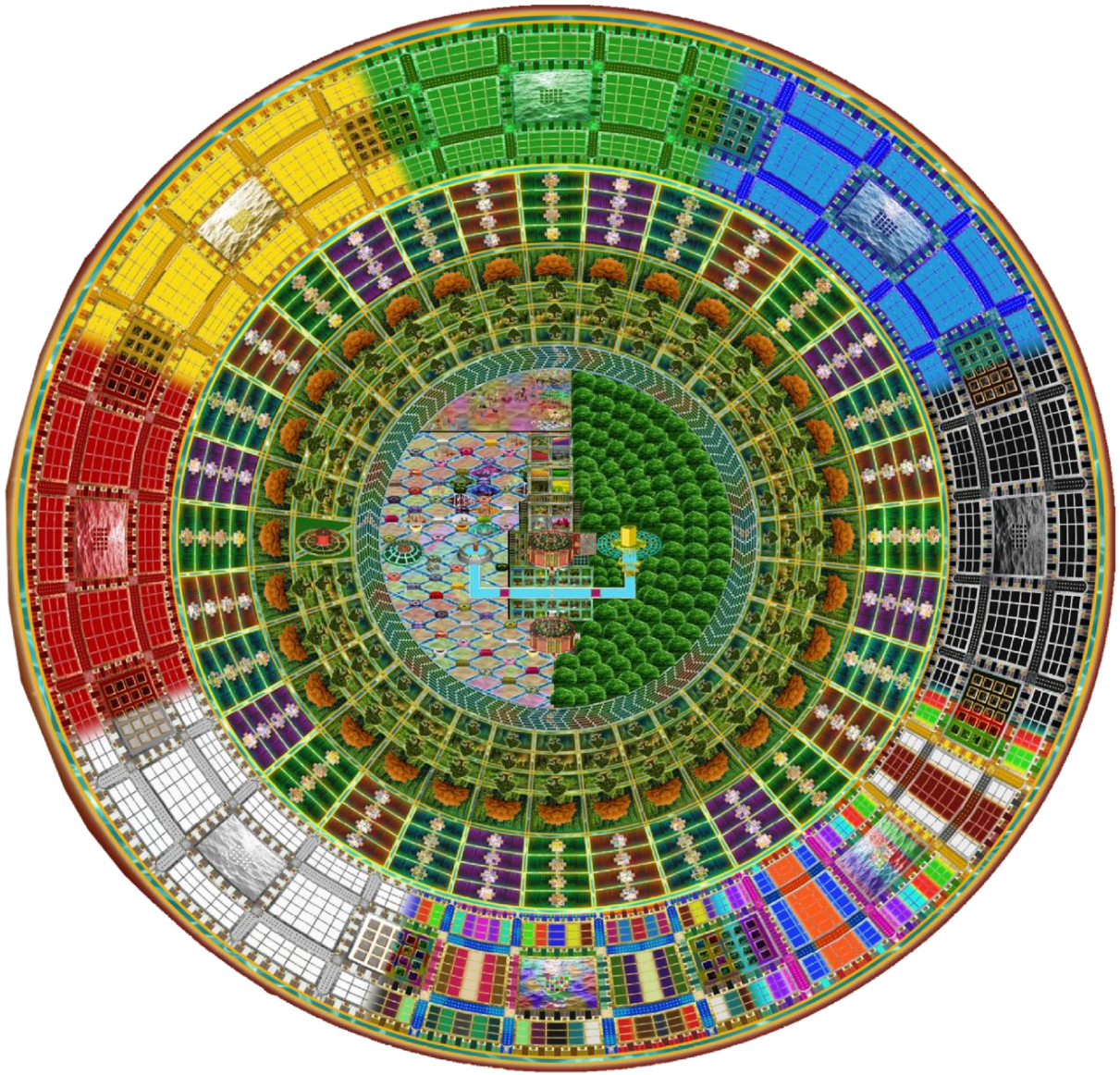


परमधाम







परमधाम

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

रंगमहल बाहरी सोभा - सीढ़ियाँ सोभा



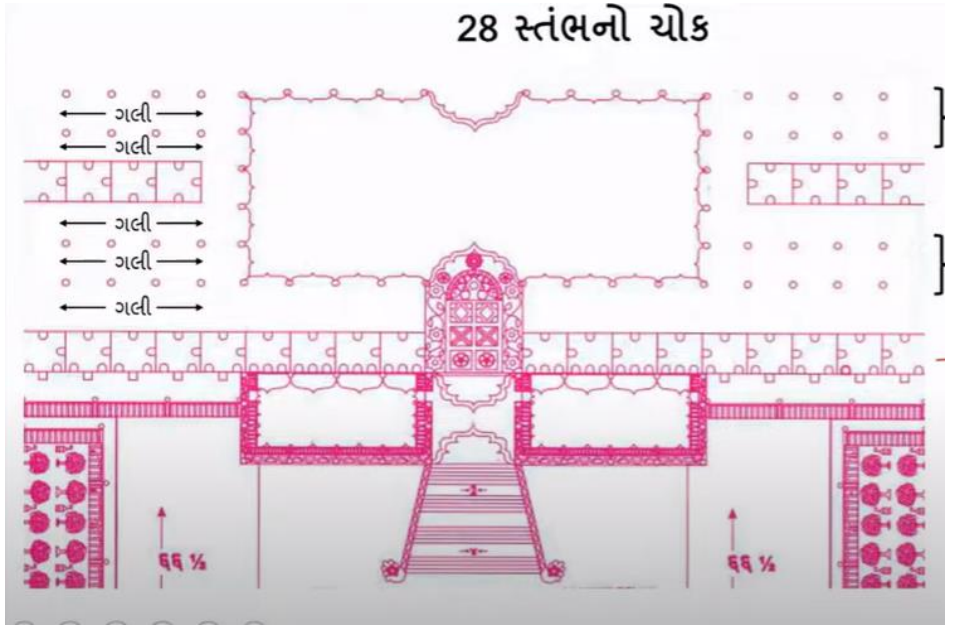


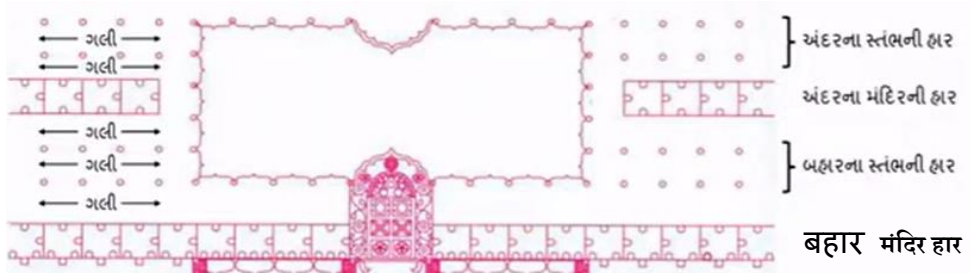
रंगमहल पहेली भोम – 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U



बड़ा चौक शोभा लेत है, बड़े दरवाजे अंदर ।
बड़ी बैठक इत गिरोह की, आगूं रसोई के मंदिर ।। परि. 31/1





रंगमहल रंगमहल पहेली भोम - 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U





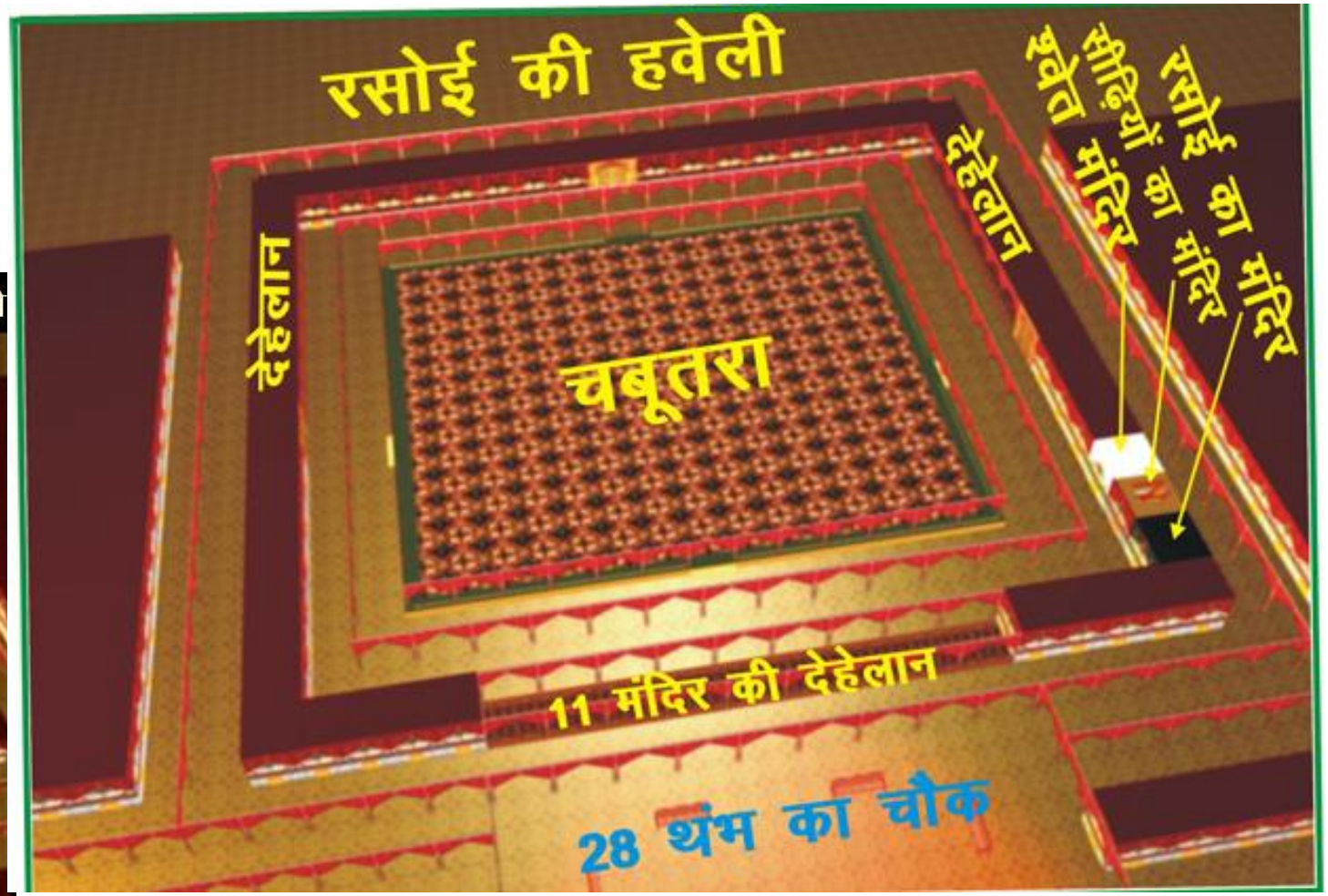


रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

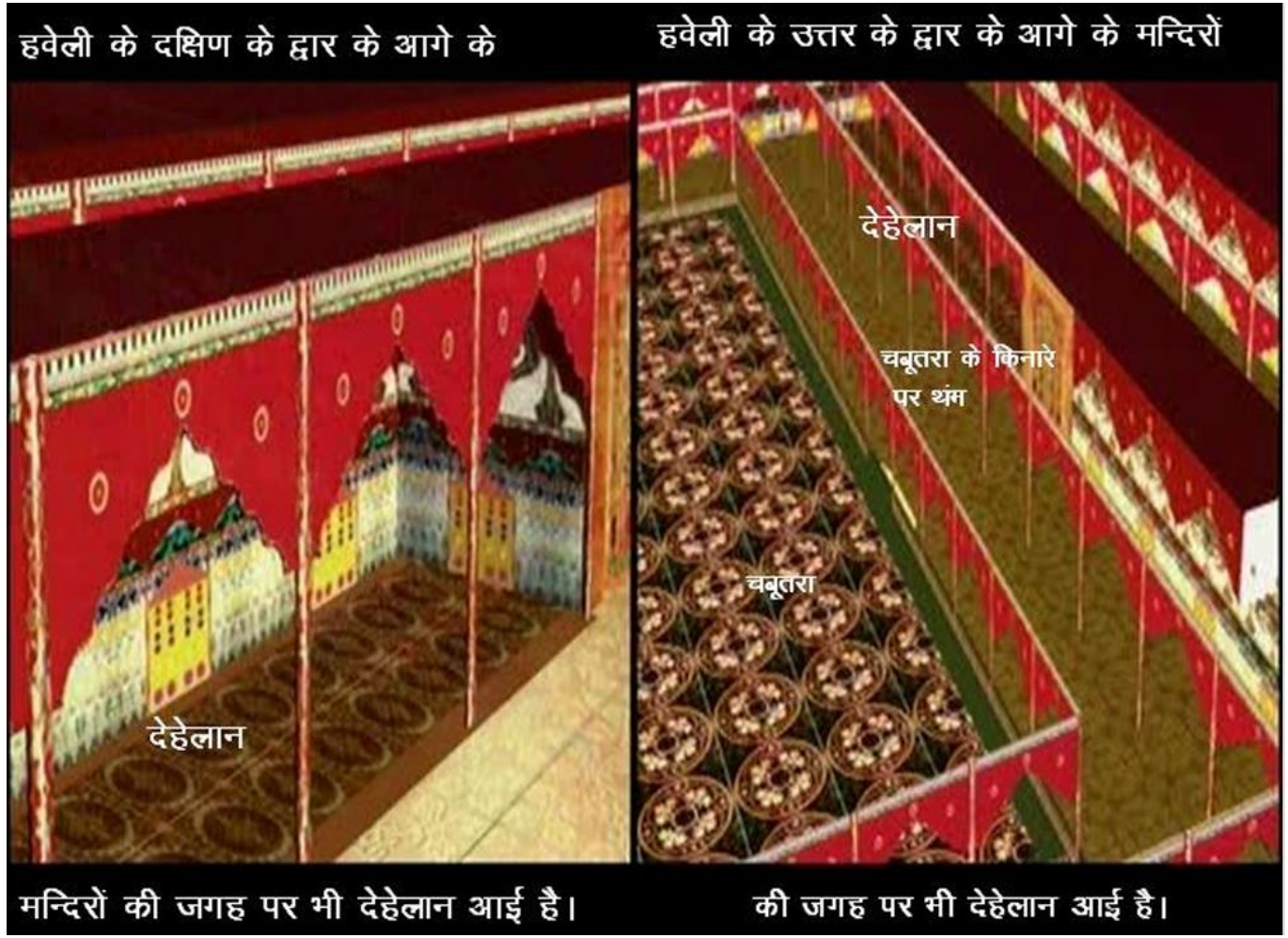
विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

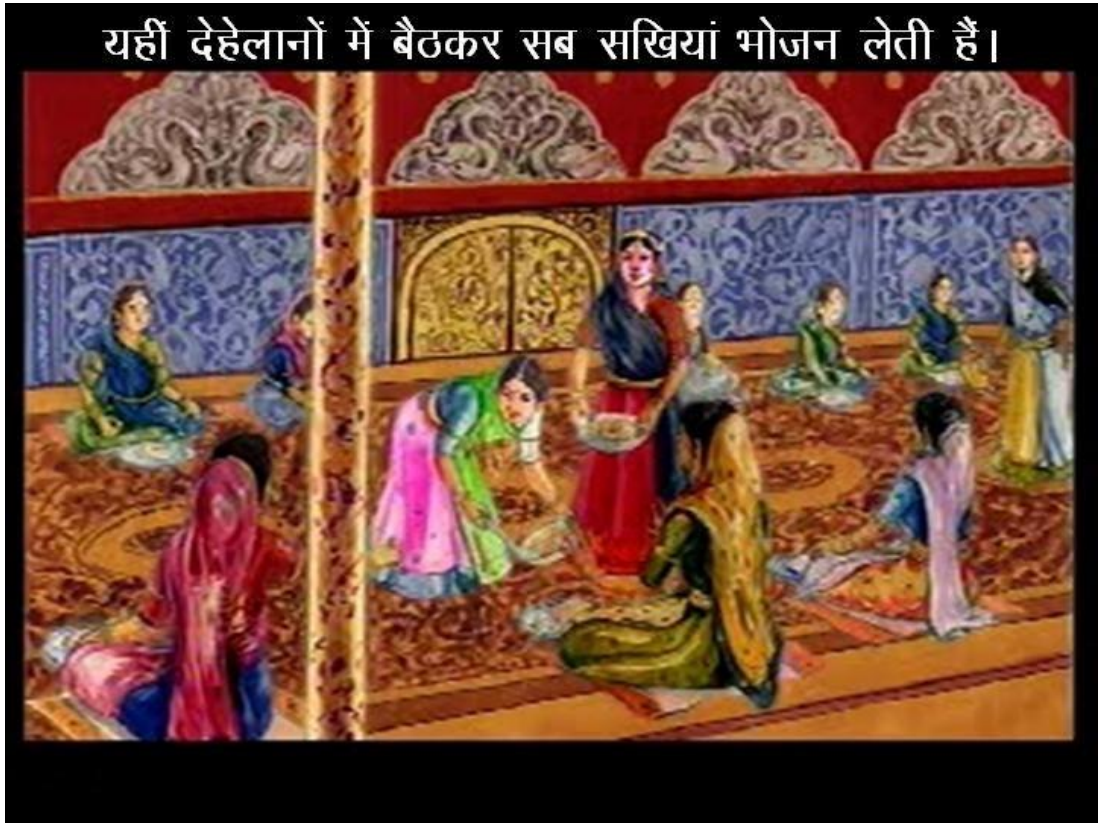
दोऊ जोड़े इन चबूतरे , जब बैठे युगल किशोर ।
ठाड़ी रूहें मिल बातां करें , इत प्यार बतावत जोर ।। बड़ी वृत्त 13/29
क्यों कहूँ सुंदरता सरूप की , क्यूँ कहूँ मीठे नैन ।
क्यूँ कहूँ इन मेहेर की , रस भरे काढ़े बैन ।। बड़ी वृत्त 13/28
एक बात करे राज सों , इत दूजी पावत सुख ।
कोई ढ़िग ठाड़ी रहे , देखे नूरजमाल का मुख ।। बड़ी वृत्त 13/31





विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U



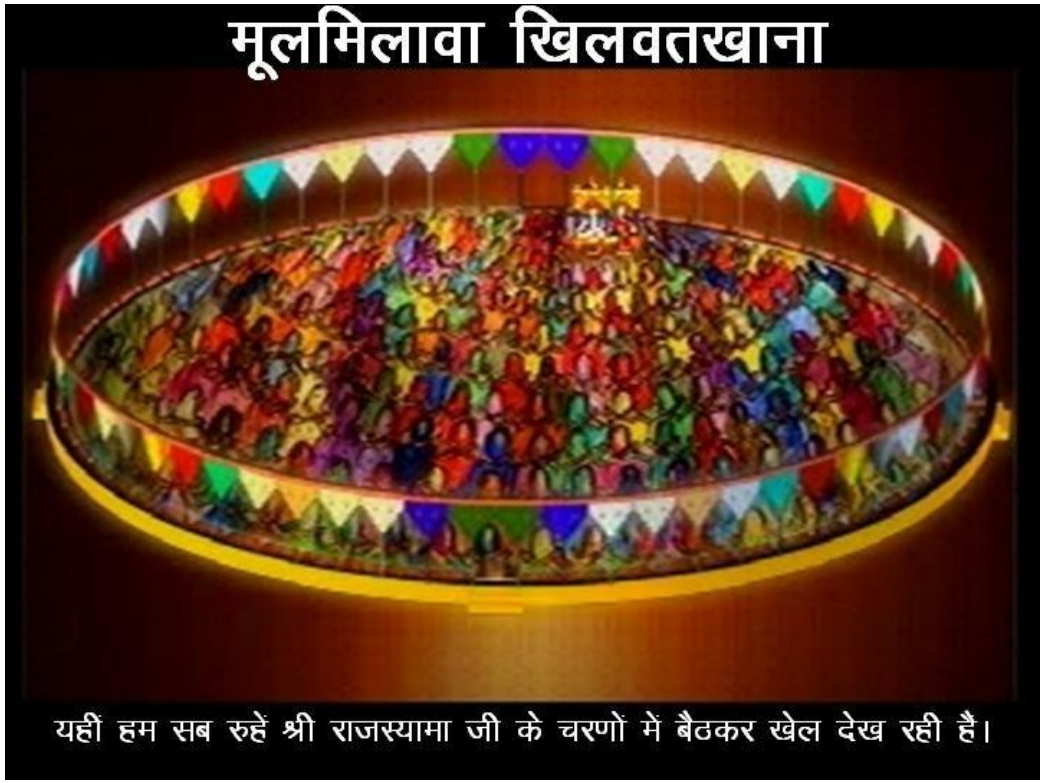


रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

सुरता एकै राखिये , मूल मिलावे माहें ।
स्याम स्यामाजी साथजी , तले भोम बैठे हैं जाहें ।। सागर 7/3





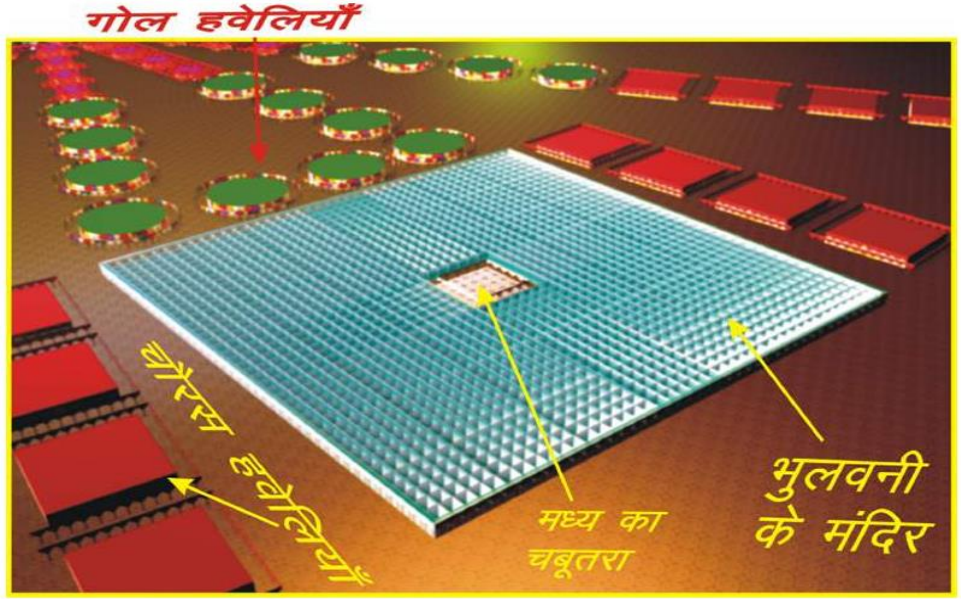
रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

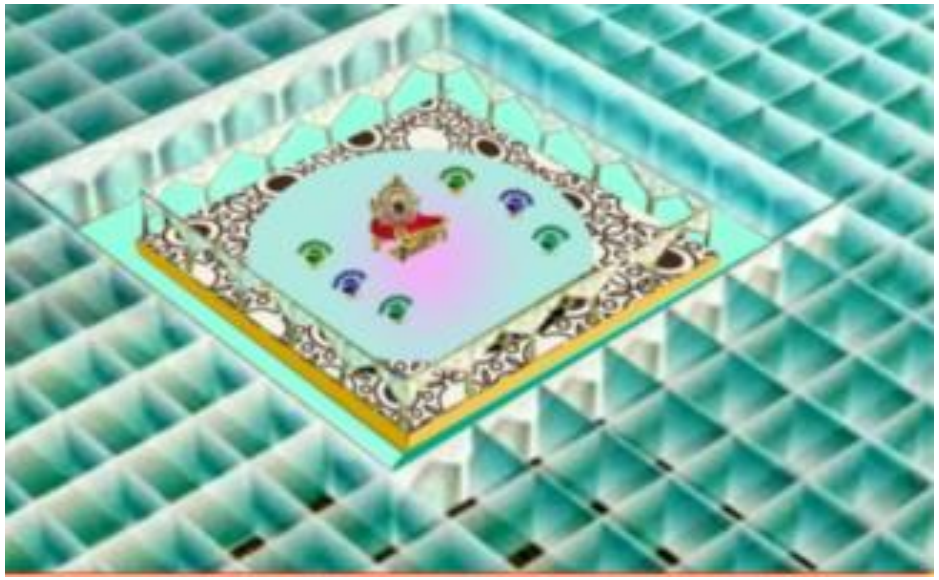
विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

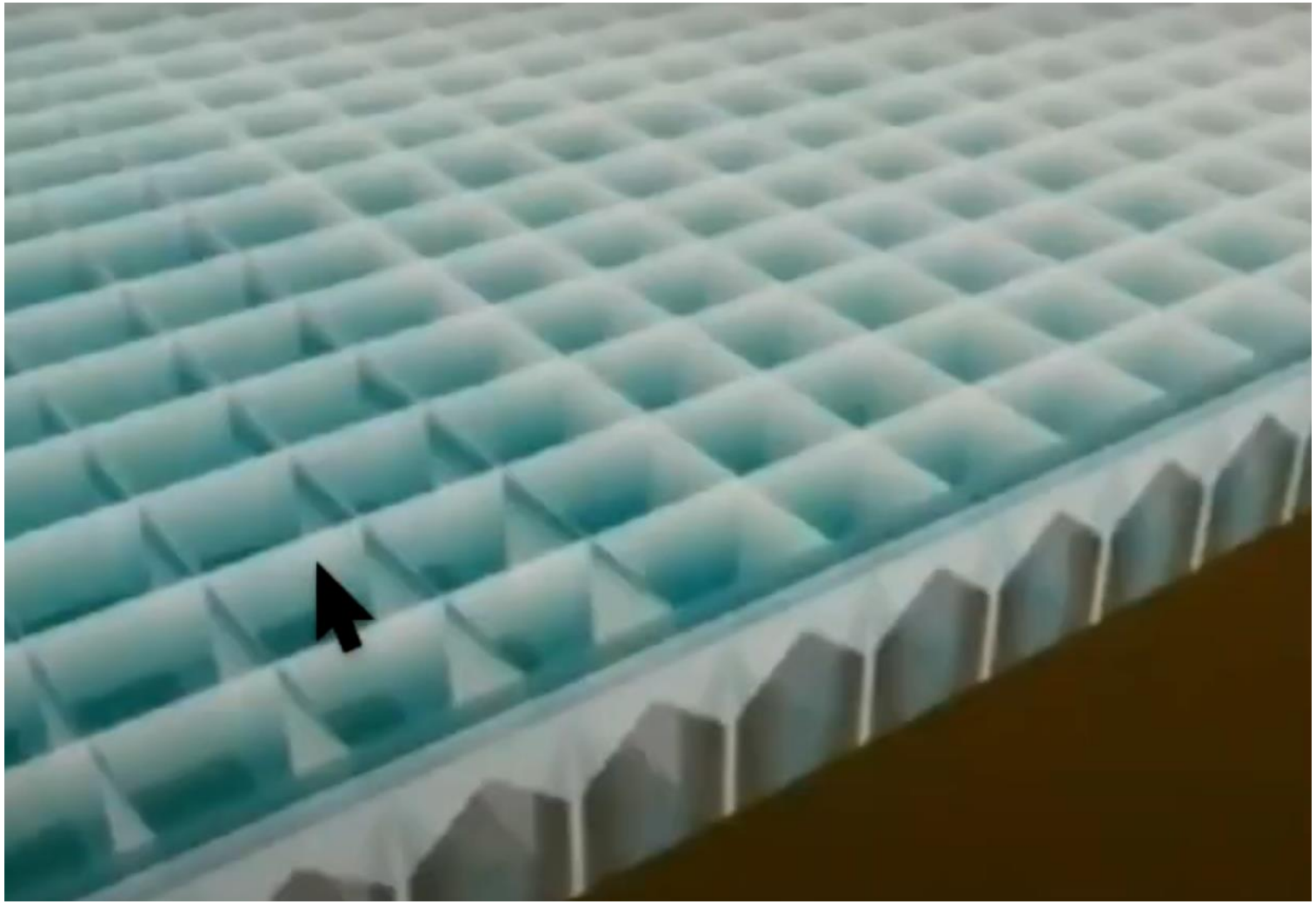


रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC



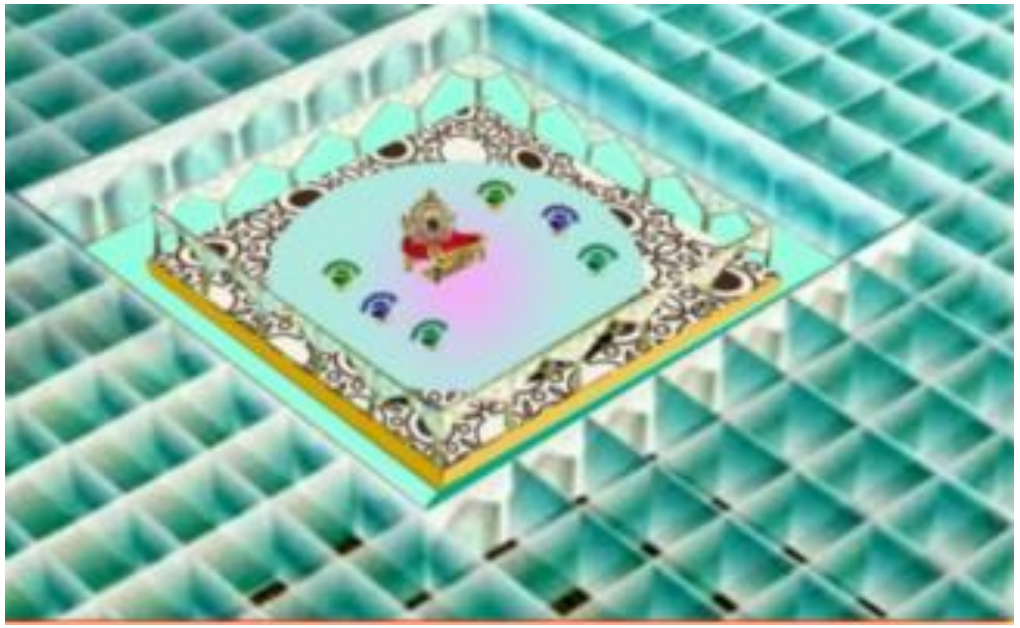




चौक खड़े जब देखिए, चारों तरफो दस दस हार ।
पचास पचास मंदिर की, सब साम सामी पड़े द्वार ॥४५॥

रंगमहल दूसरी भोम - भुलवनी मंदिरों चबूतरा लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC







रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

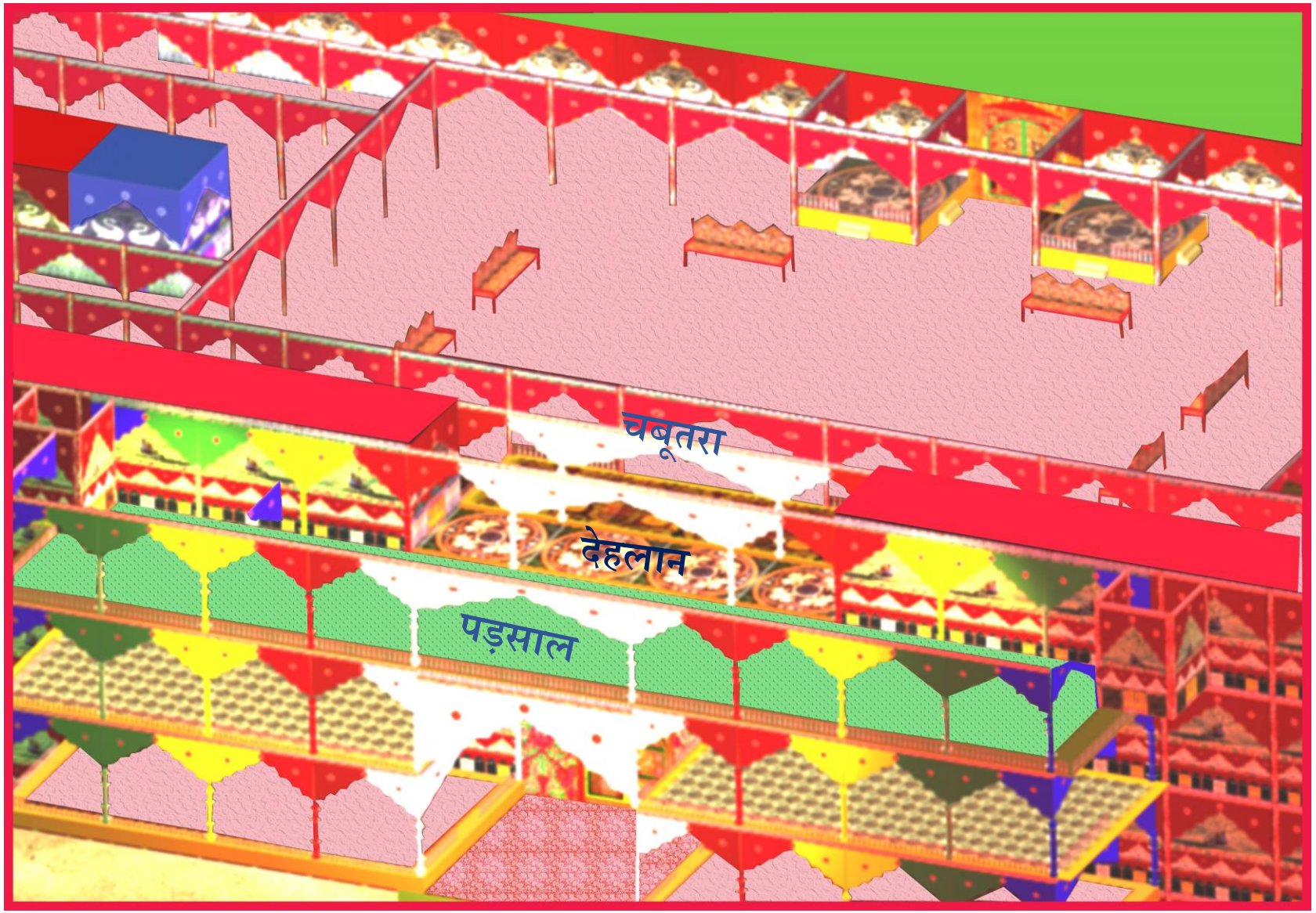






रंगमहल तीसरी भोम – पडसाल

विडिओ : https://youtu.be/04Y5UjUHXIY?si=cn4qOnW4EfmAU3FJ









विडिओ : https://youtu.be/04Y5UjUHXIY?si=cn4qOnW4EfmAU3FJ





अर्श मिलावा ले चली , अपने संग सुभान ।
किया चाह्या सब दिल का , आगूं आए लिए मेहेरबान ।। सागर 6/129

रंगमहल चौथी भोम – निरत की हवेली

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8



तीनों तरफों मंदिर, आगूं दो दो थंभों की हार ।
बड़ा मोहोल अति सोभित, सुन्दर अति सुखकार ॥४४॥

थम्भों लगत सिंघासन, ज्यों है मूल मिलावे के ।
शोभित रंग कंचन, त्यों ही रोशन जानियों सोए ॥५७॥



रंगमहल चौथी भोम – निरत की हवेली

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

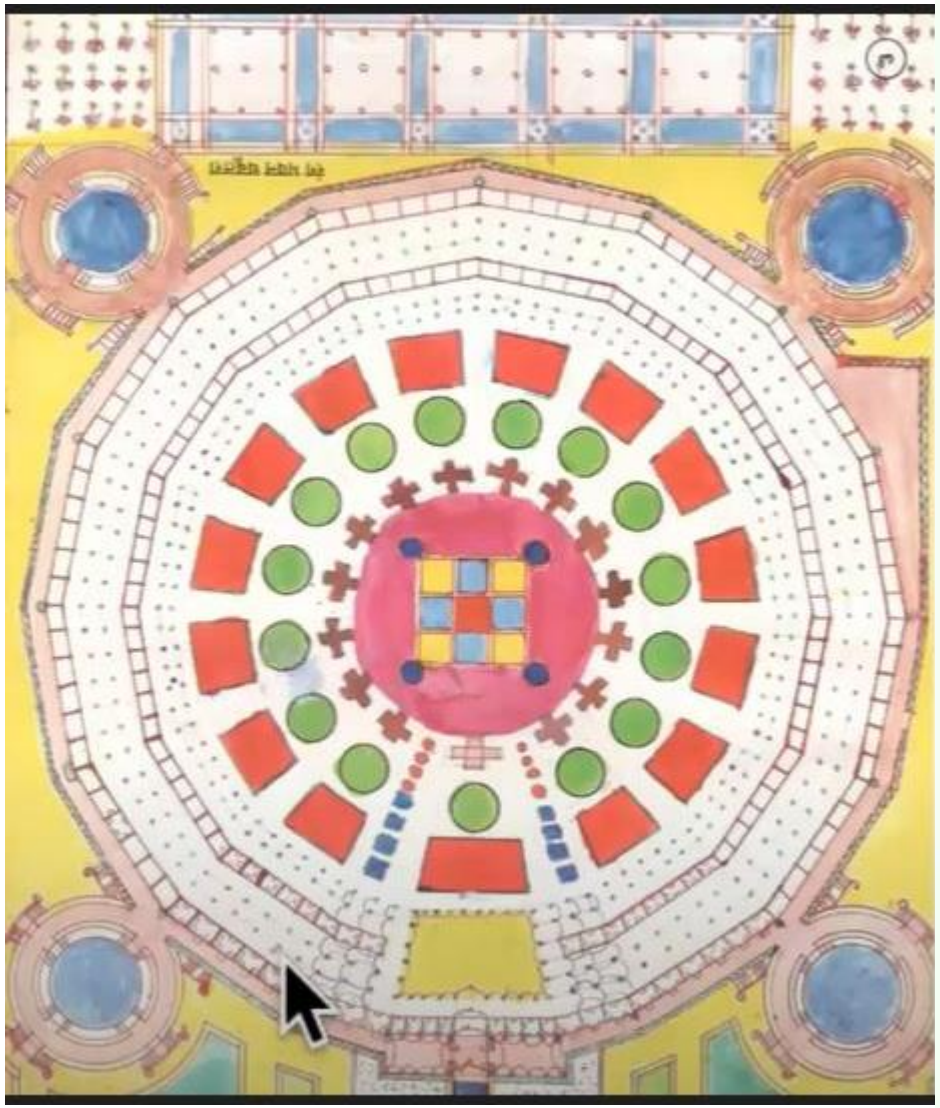


नामै जाको नवरंग, ताकी निरत कहूं क्यों कर ।
अनेक गुन रंग ल्यावहीं, नए नए दिल धर ॥६३॥

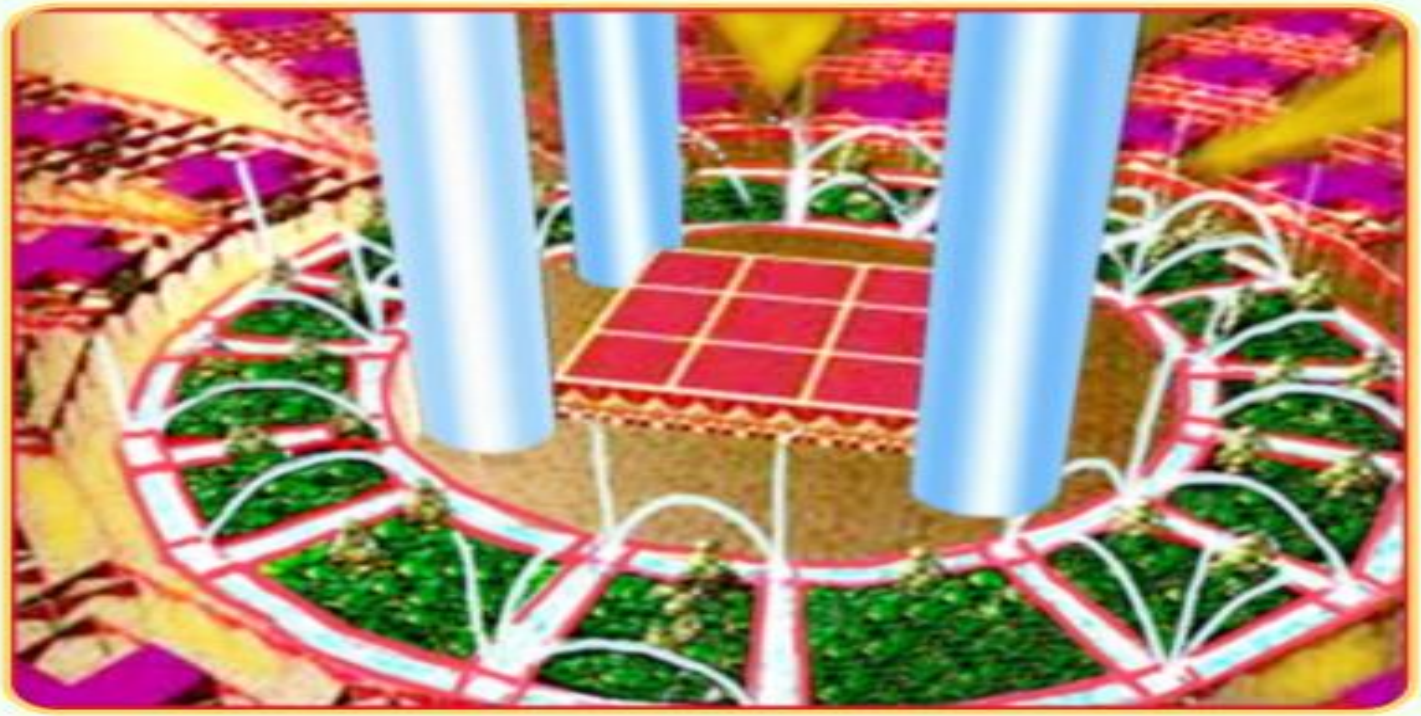
मेहेबूब को रिझावने, अनेक कला साधत ।
और नजर ना कर सकें, बंध ऐसे ही बांधत ॥७४॥

रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8



सुख बड़ो भोम पांचमी, मध्य मंदिर बारे हजार ।
बीच मोहोल स्यामाजीय को, इन चारों तरफों द्वार ।।

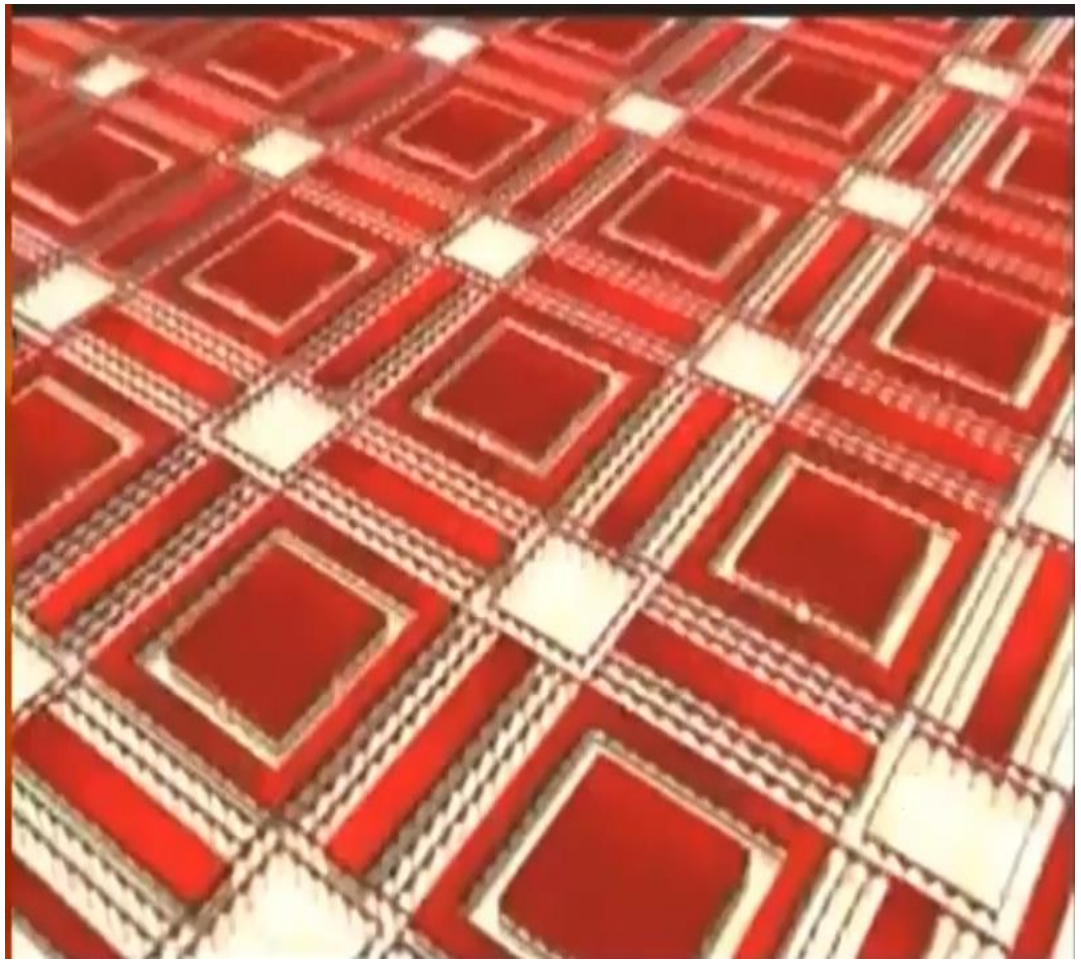


भोम पांचवी मध की, इत पौढ़त हैं रात ।
स्याम स्यामा जी साथ सब, जोलों होए प्रभात ।।

रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

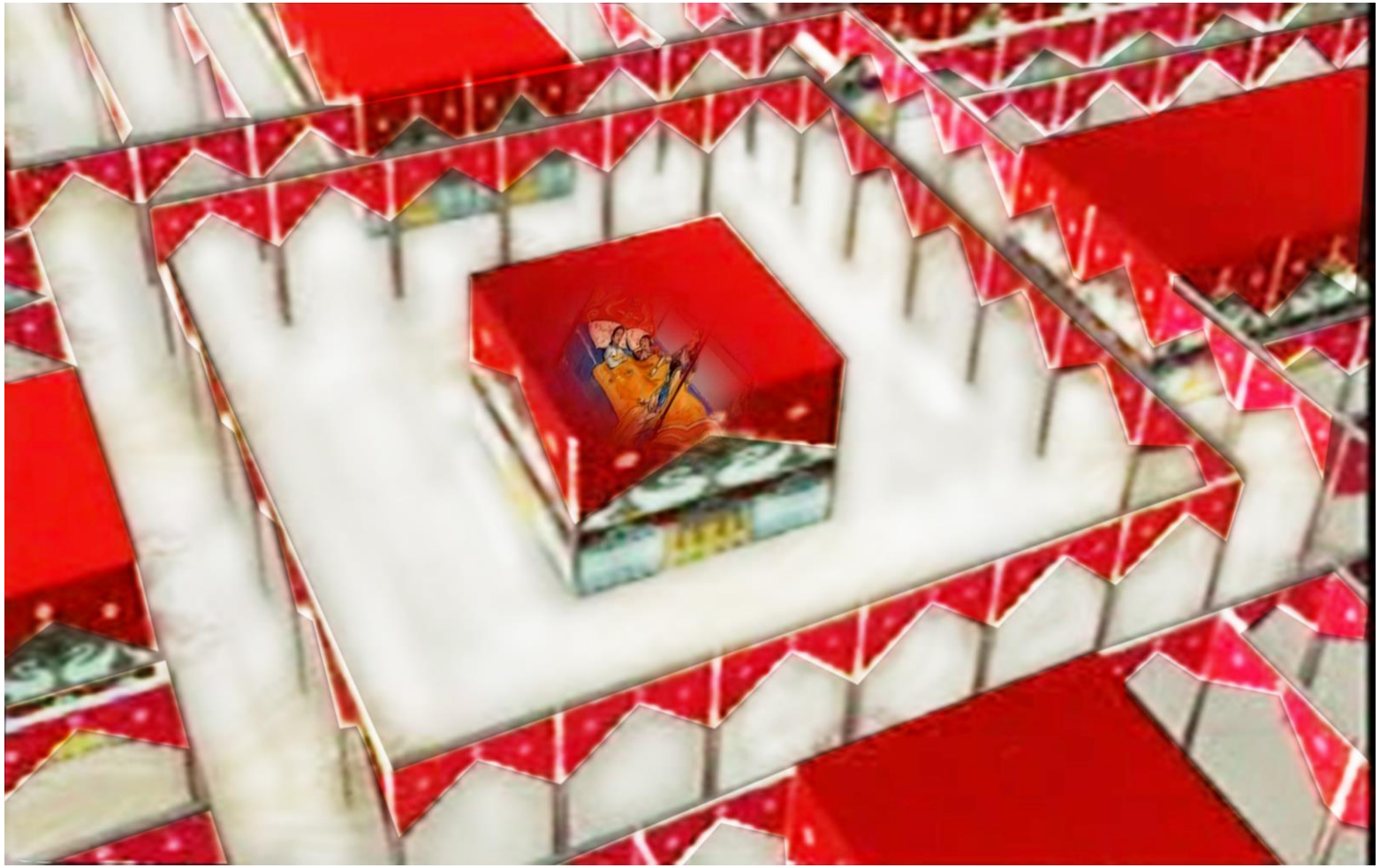




ऐ मंदिर रंग परवाली , सो मैं क्या कहूँ ताकी लाली ।
माहें अनेक रंगों की जोत , सो मैं कही न जाए उद्योत ।। परि. 3/156

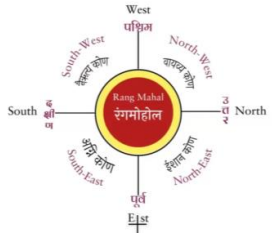
रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8



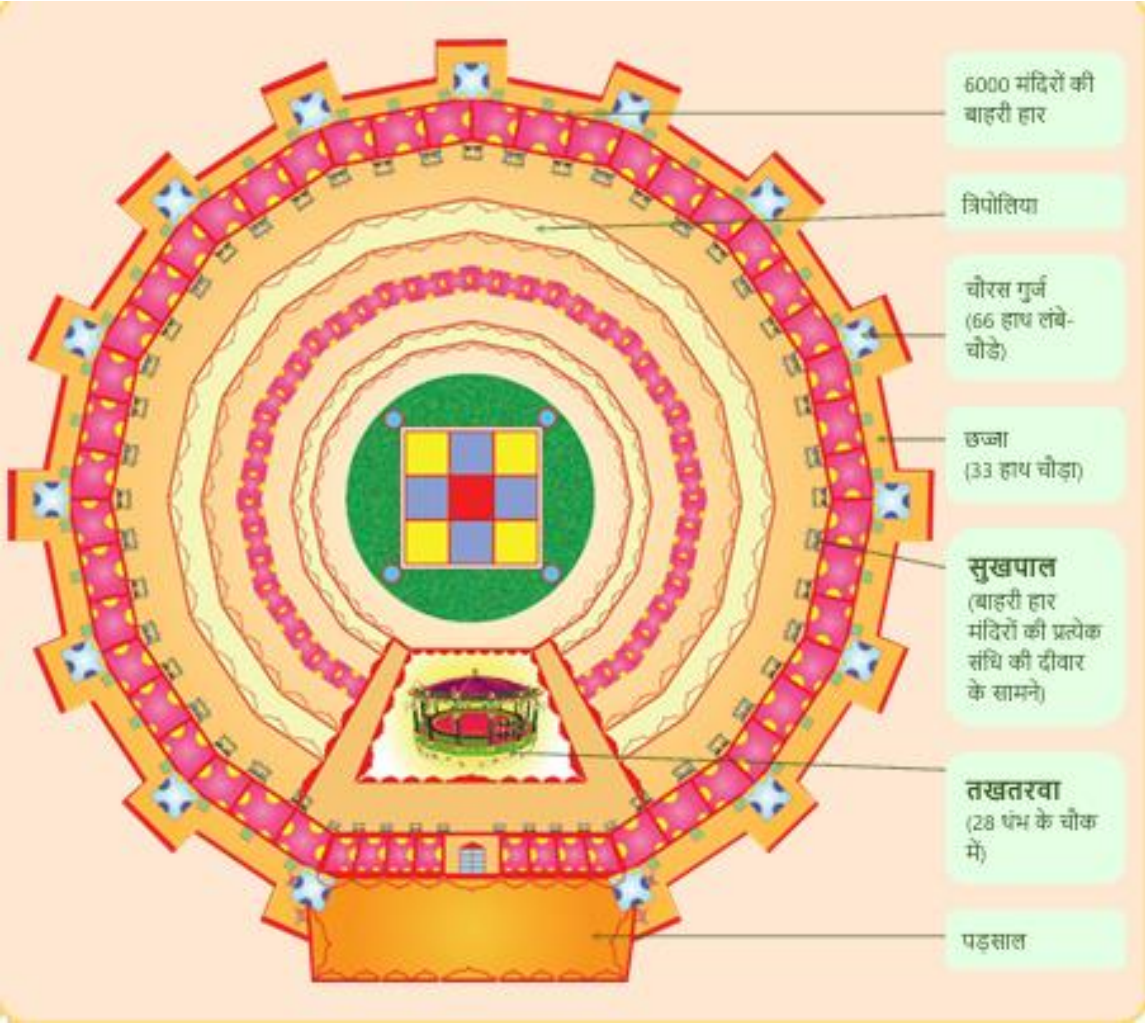


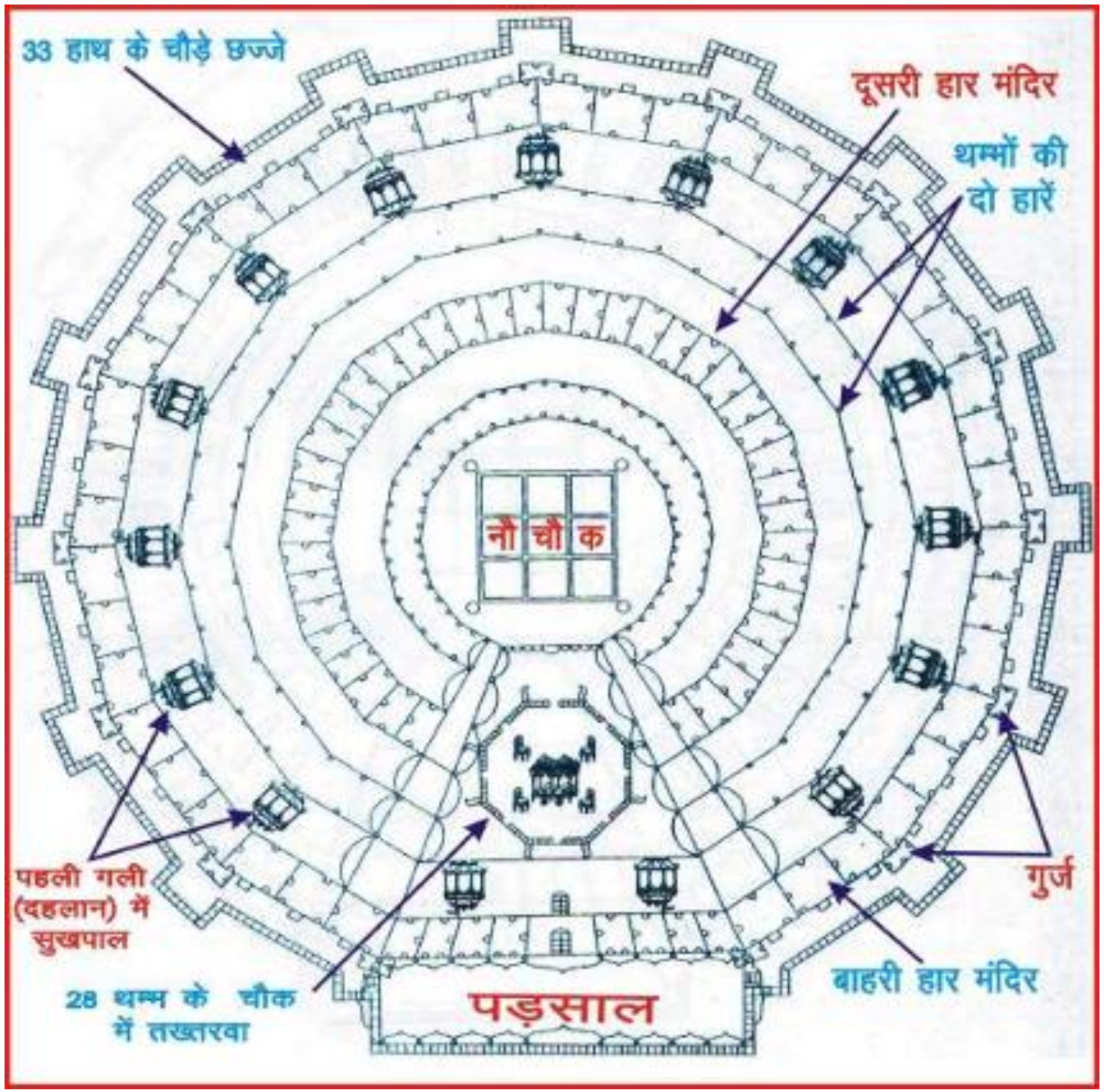
रूहें कदमों लागत , सिर उठावत तब ||
जाने आप अपनी सेज पर, बैठे संग श्रीराज || बड़ी वृत्त 17 / 103,104



रंगमहल छठी भोम – सुखपाल

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc



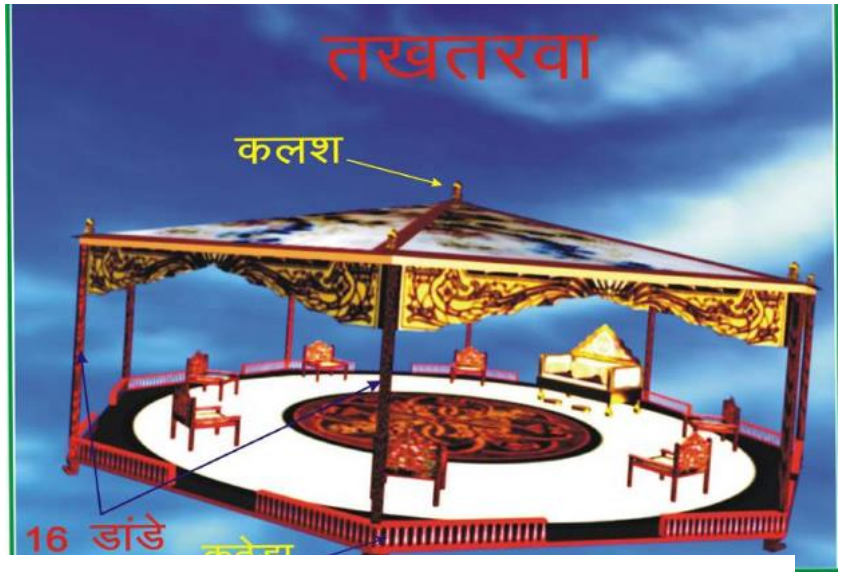


रंगमहल छठी भोम – सुखपाल

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





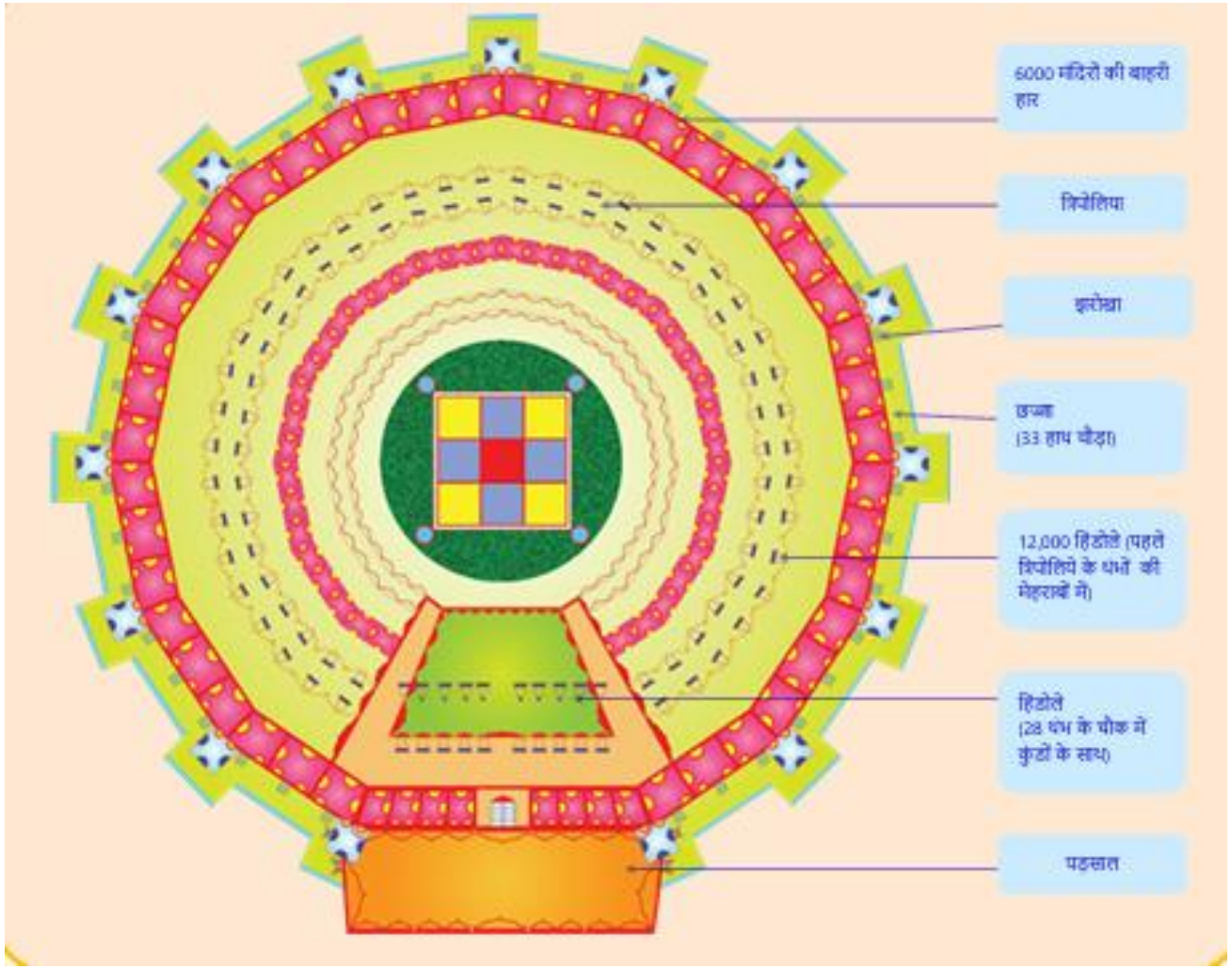


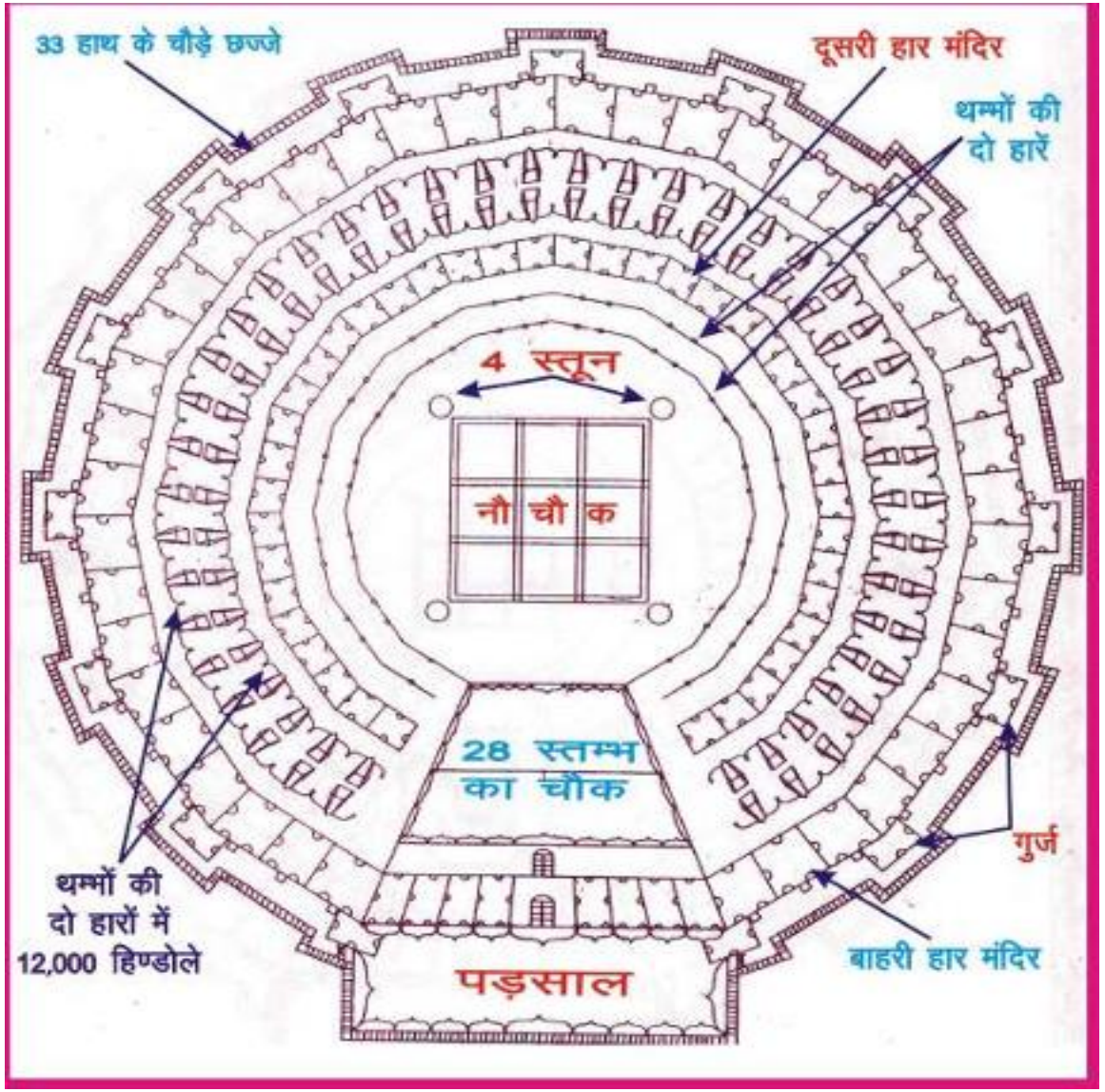
सुखपाल



रंगमहल सतमी भोम – दो ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





रंगमहल सतमी भोम – दो ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc



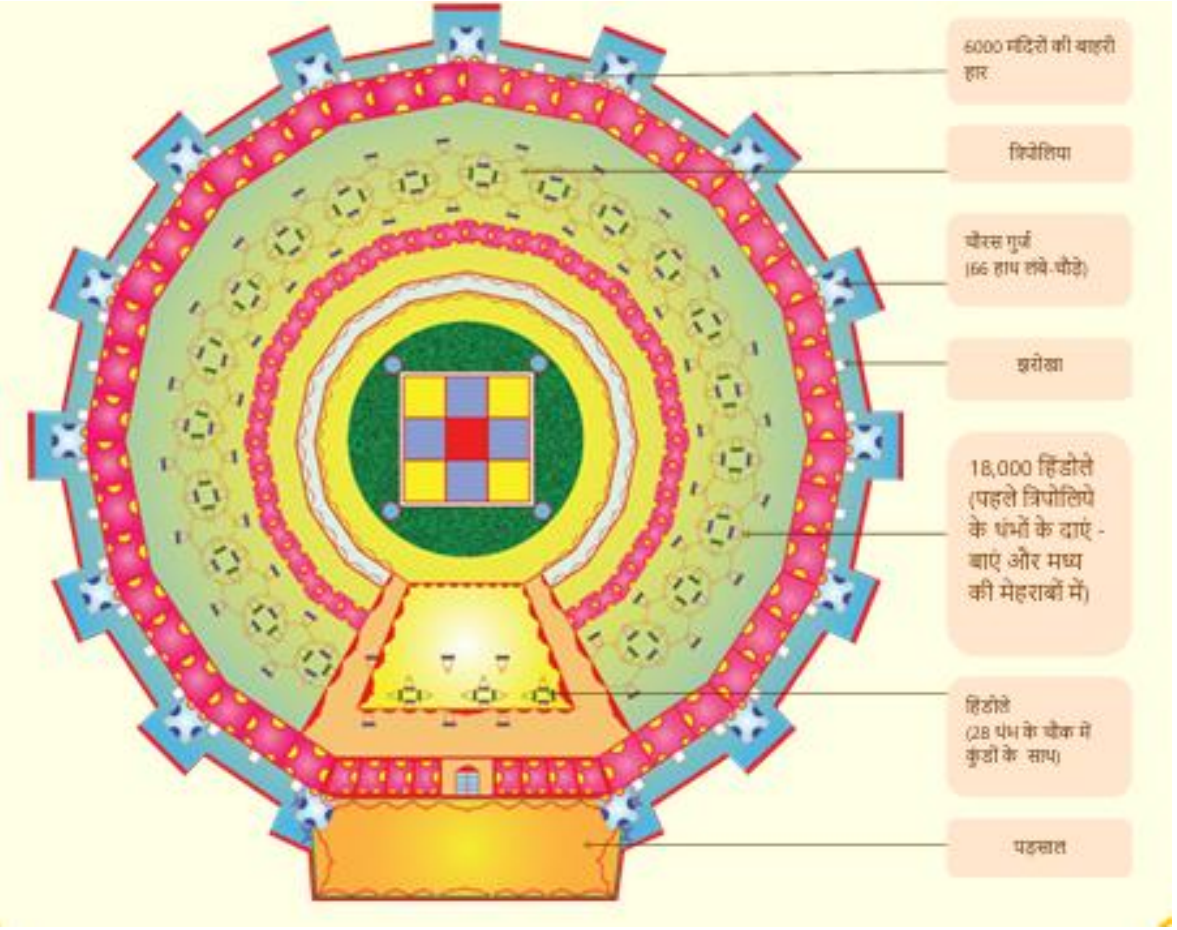


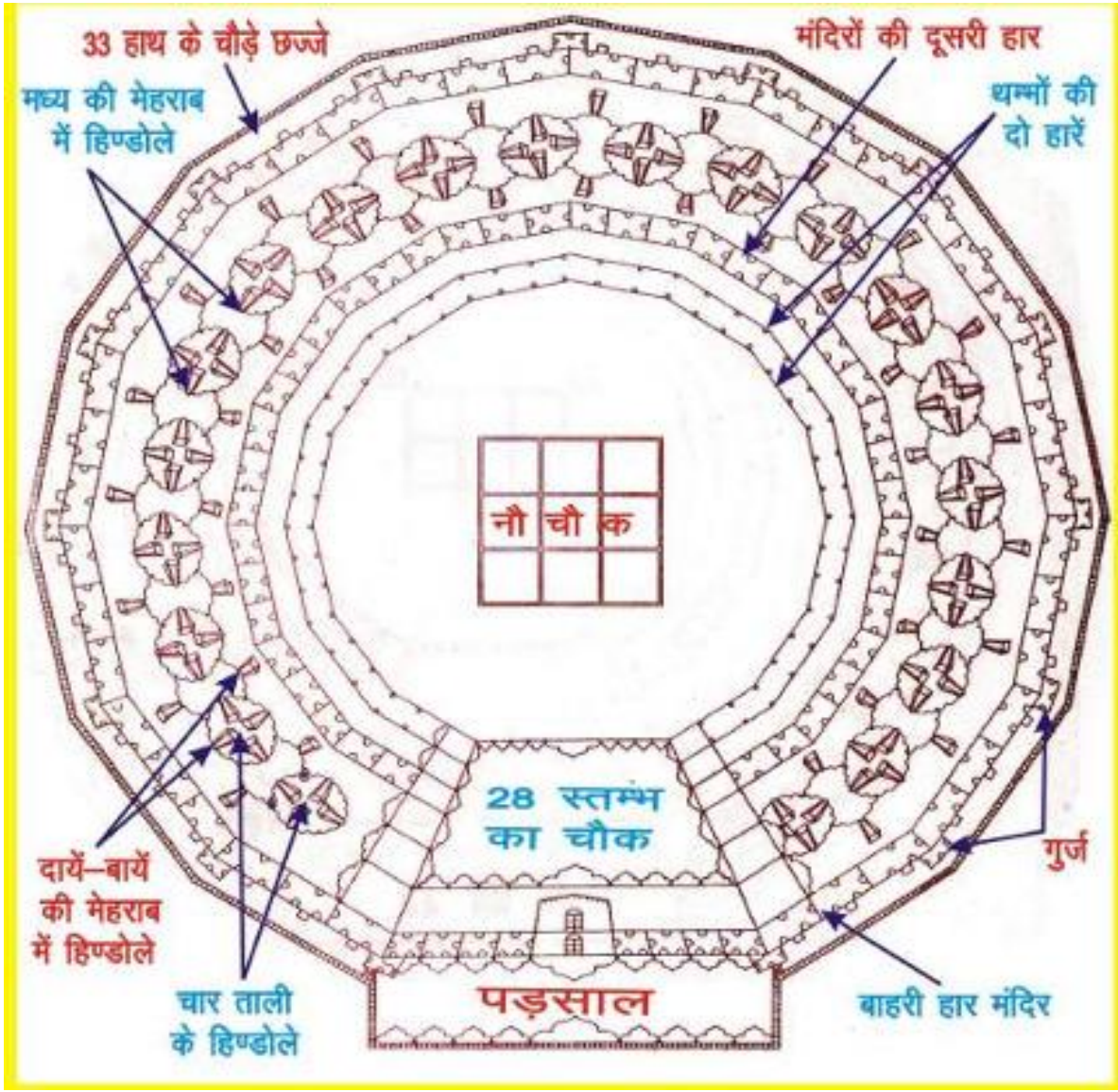
सुख कहाँ कहूँ भोम सातमीं , जो लेते खटोंछपर ।
हक हादी रूहें झूलत , साम सामी बाँध नजर ।। परि. 19/14

ऐ सुख आनंद अति बड़ो , रंग रस बढ़त अति जोर ।
भूखन हांसी कड़े हिण्डोले, ऐ क्यों कहूँ अर्श सुख सोर।। परि. 31/120

रंगमहल आठवी भोम – चार ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





रंगमहल आठवी भोम – चार ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

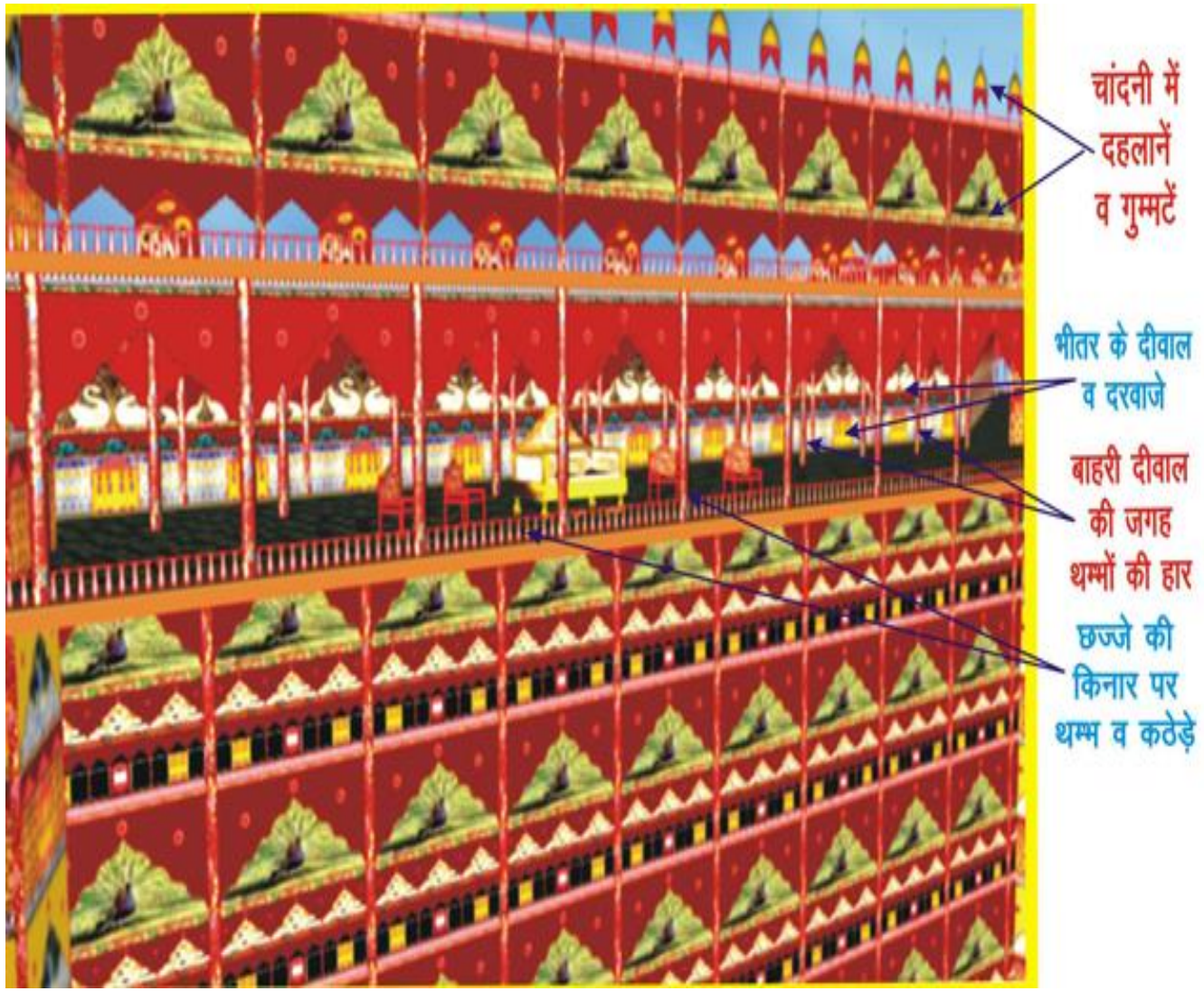


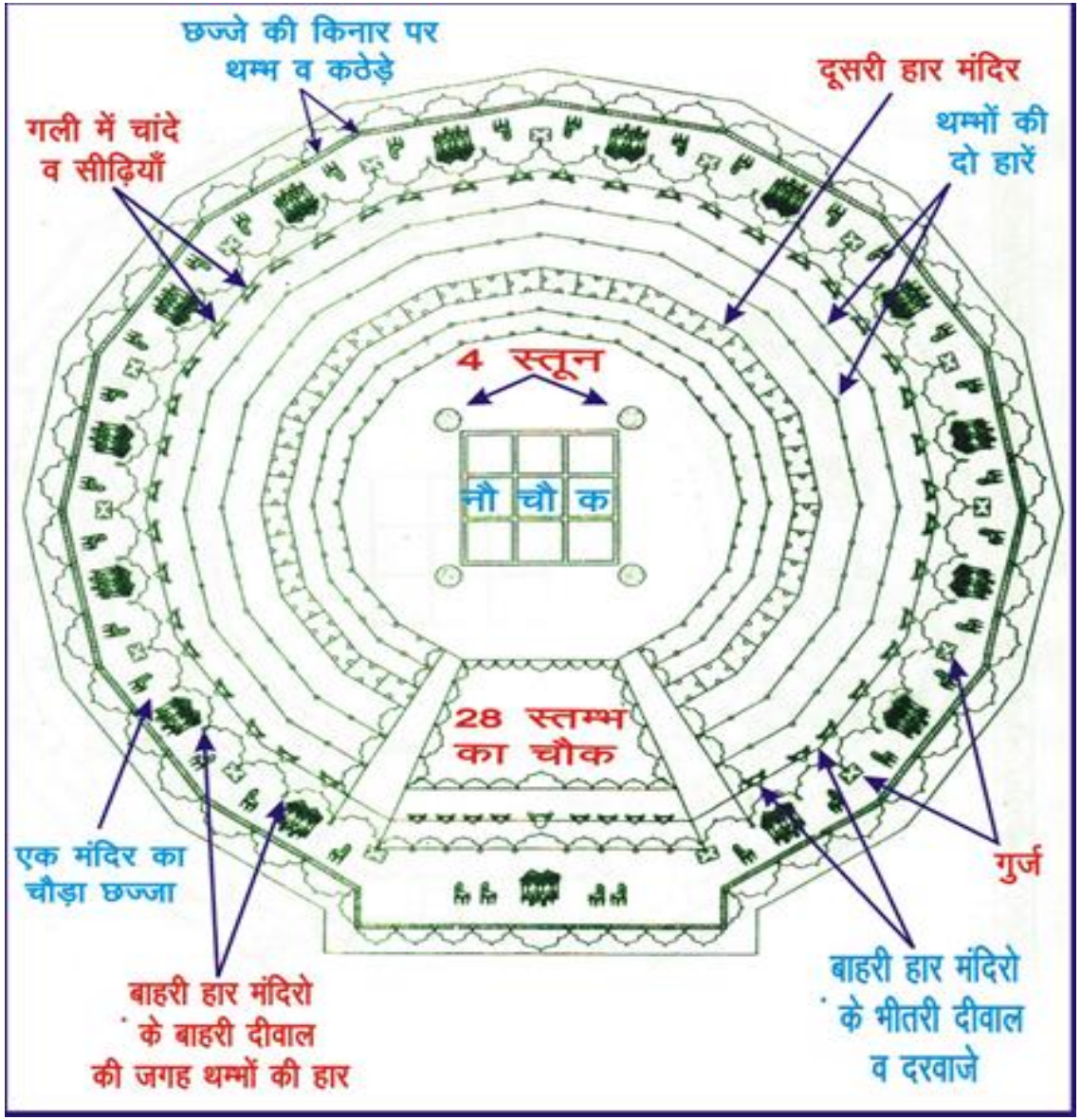


सुख हिण्डोले भोम आठमीं , हक हादी रूहें हींचत।
ऐ चारों तरफ के झूलने , हक हमको देत लज्जत ।। परि. 37/94

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





नजरों सब आवत है , इन ऊपर की बैठक ।
देख दूर की बातें करें , रंग रस उपजावे हक ।। परि.31 / 134

या हौज या जोए के , कई विध देवें सुख ।
जब हक आराम देवहीं , तब सोई करें रूहें रूख ।। परि. 31 / 141

रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc



सुख चांदनी चढ़ाए के, पूनम की मध्य रात।
ए कौन देवे मासूक बिना, इस्क भीगे अंग गात।।



बड़ा मोहोल चौक चांदनी, चांद पूरन रह्या छिटक।
रात बीच सिर आवत, जब कबूं बैठे इत हक।।

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc





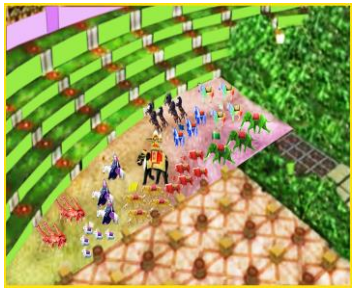
रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC



















रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc







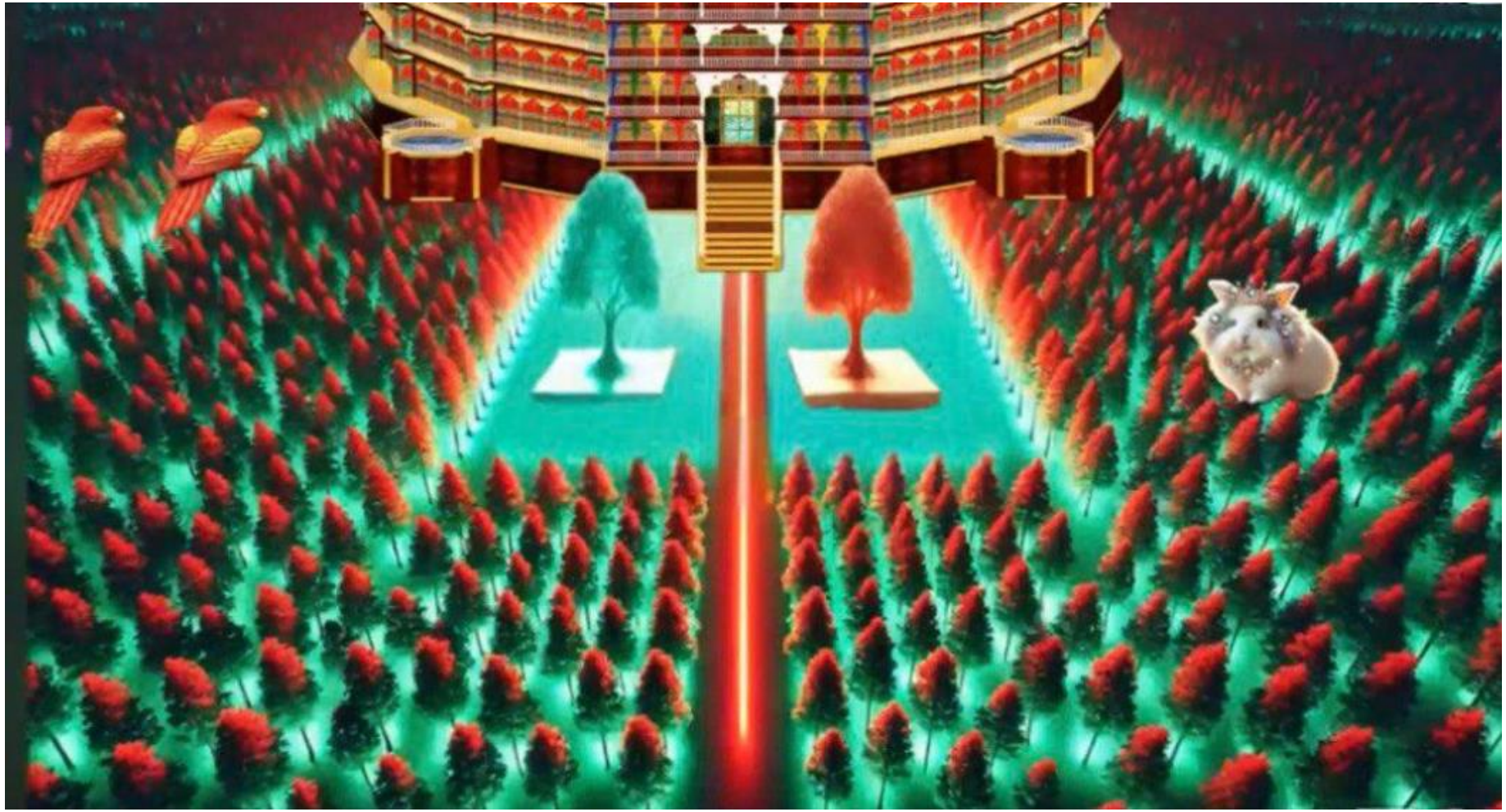
सात वन


उत्तर से दक्षिण केल, लिबोई, अनार, अमृत, नारंगी, जाम्बू, बट
लिबोई
केल
अमृत
अनार
नारंगी
जाम्बू
बट की जगह कुंज निकुंज आये
के वन आये हैं। बट के वन की जगह कुंज निकुंज आये हैं।


West
पश्चिम
North-West
South-West
North
South
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
पूर्व
East

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - अमृत वन

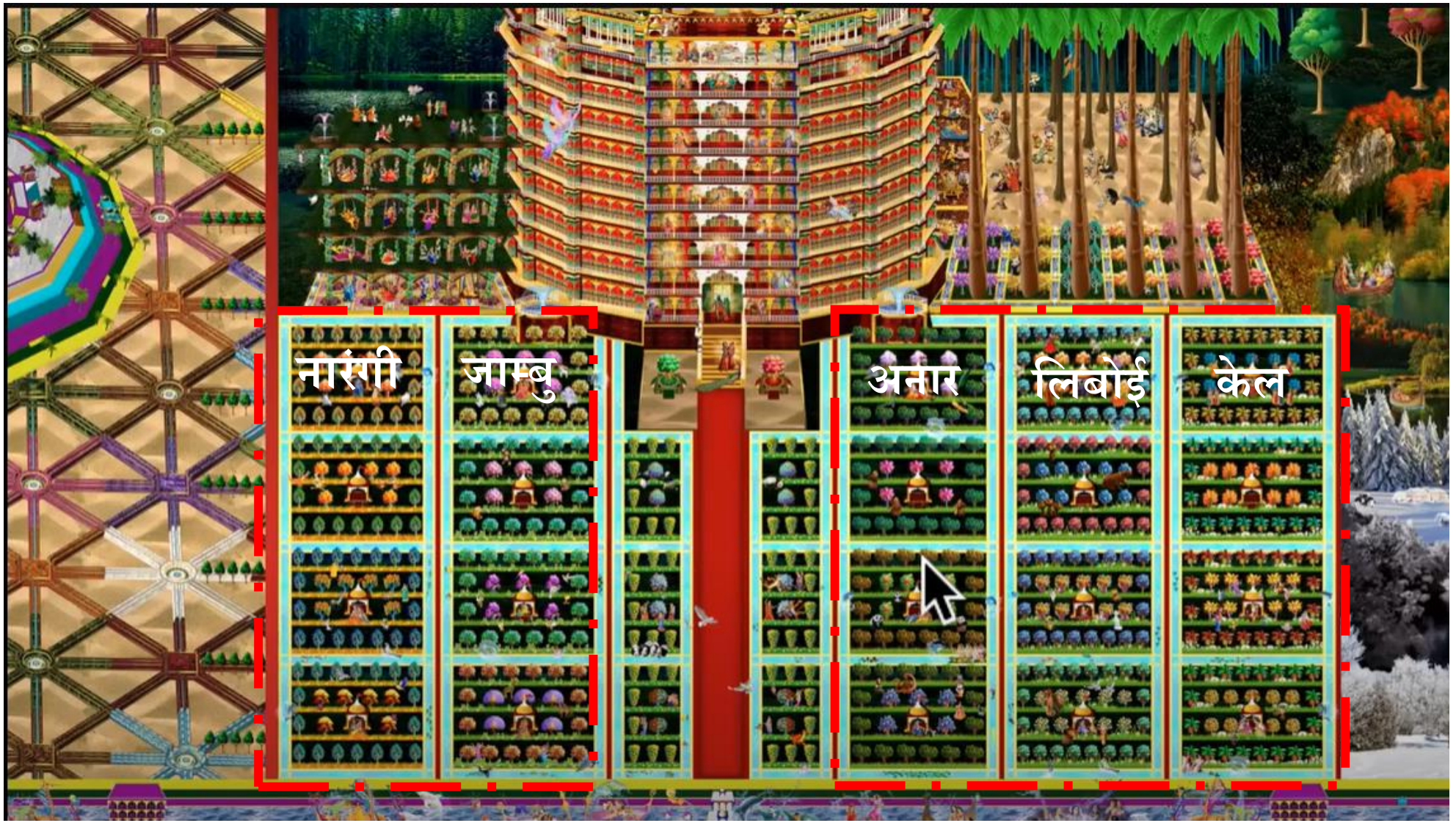
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - सात वन
(केल, लिबोई, अनार , जाम्बु, नारंगी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - सात वन

(केल, लिबोई, अनार , जाम्बु, नारंगी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा – अमृत वन

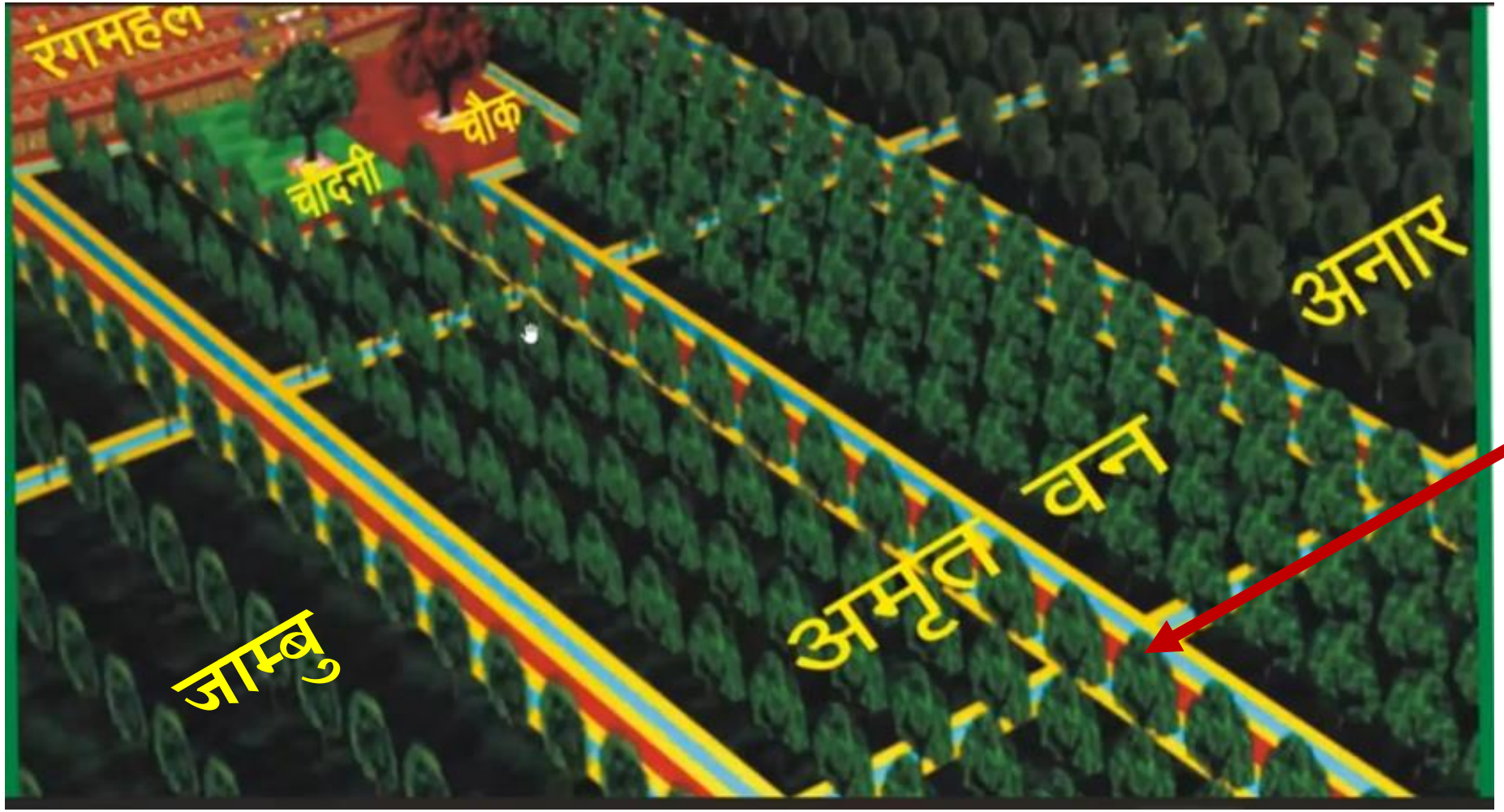
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - अमृत वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



अमृत Difference
रोंस - रंगमोहल to पात घाट

बीच में पड़ा रास्ता, सो धाम द्वार पाट सनमुख ।
दोरी बंध लग नूर लों, सो क्यों कहूं याके सुख ॥९॥



अब अमृत वन का बेवरा, तीन भाग भए ठौर ।
ए मंदिर भए पांच सौ, हांस सोले बीस मंदिर और ॥११॥

एह चौक पांच सौ मंदिर भए, एह घाट अमृत वन ।
ताके दोनों तरफों वन बन्या, चांदनी बीच रोशन ॥४॥

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - सात वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/












टापूमहल
यमूना जी
घाट
रेती
निकुंज
रेती

22 सीढ़ियां
ढलान

8
4
7
3
9
1
2
10

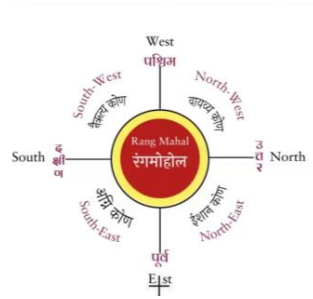
9
5
10
8
3
7
4
1
2

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा - कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



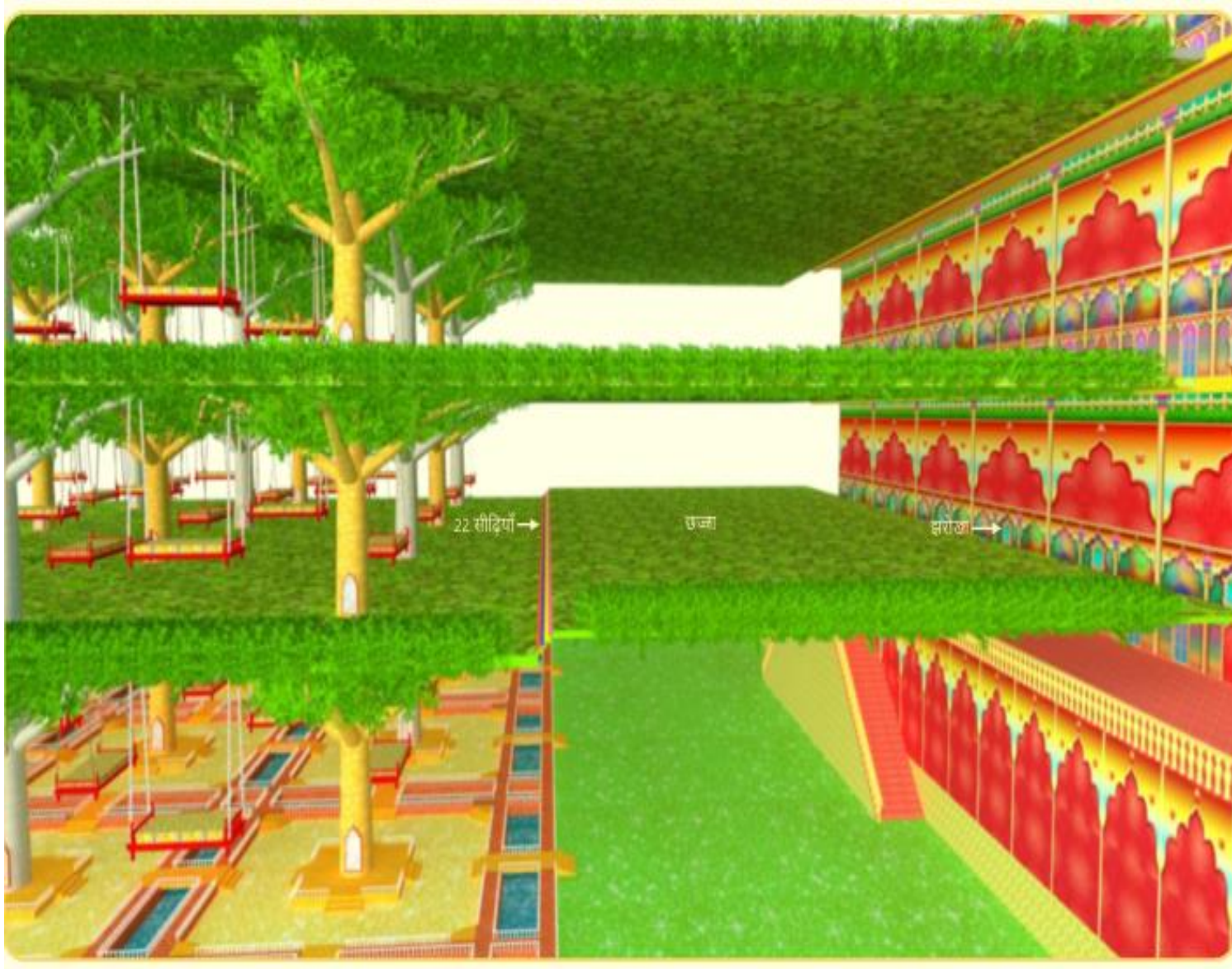
क्रष्ण पक्ष (वद)	
तृतीय	बट पीपल की चोंकी कुंज निकुज



बट पीपल की चौंकी

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





एक एक चौकी देखिये , रूहें बैठत बारे हजार ।
बीच बीच सिंहासन हक का , ऐ सोभा अति अपार ।।

बट पीपल की चौकियाँ , चारों भोम हिण्डोले।
ए सुख कब हम लेवेंगे , हक हादी रूहें भेले।।


बट पीपल की चोंकी
चांदानी
चेहबचे
4th भोम
3rd भोम
2nd भोम
1st भोम
रंगमोहल
4th भोम
3rd भोम
2nd भोम
1st भोम
जमीन

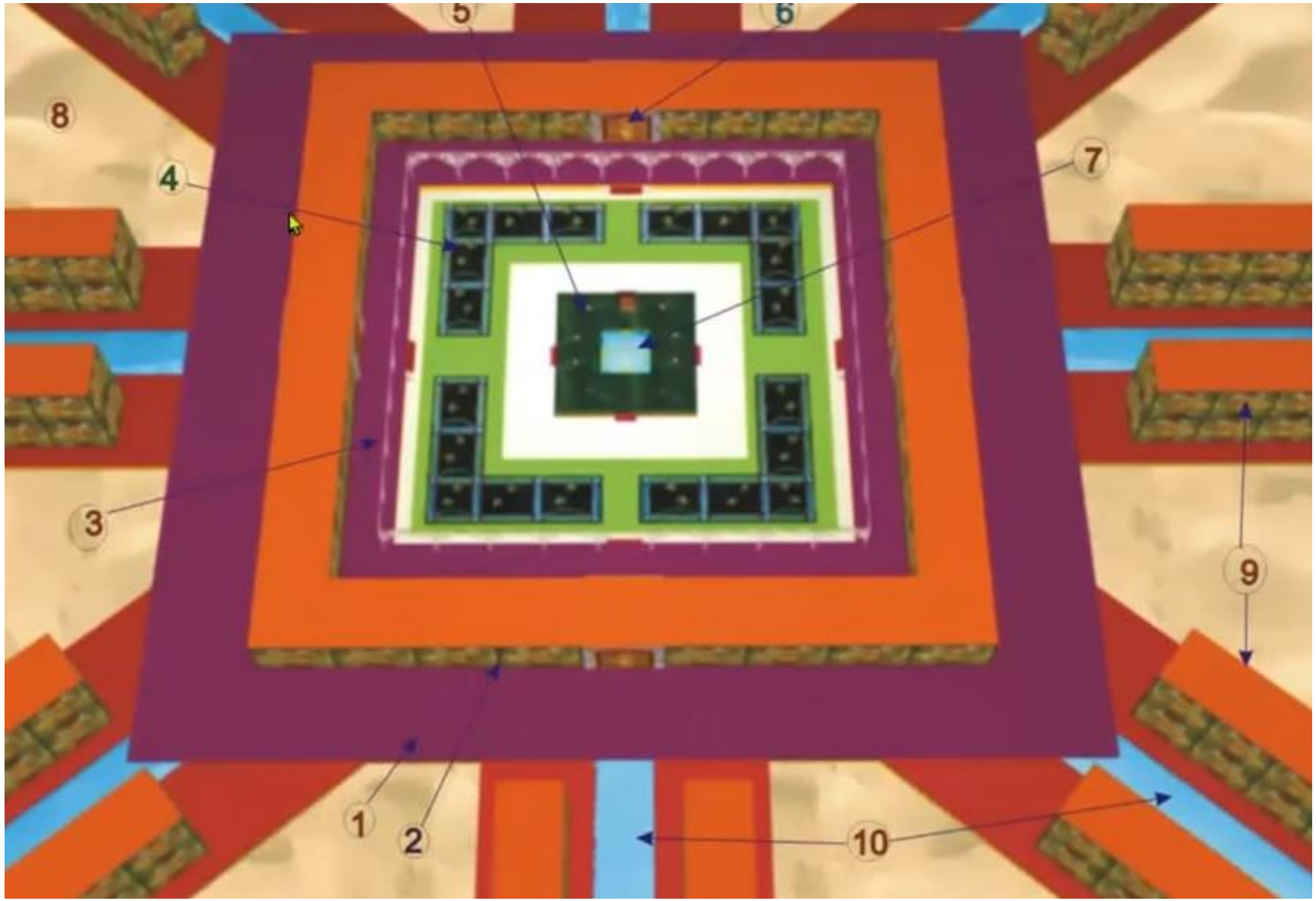
कुंज & निकुंज

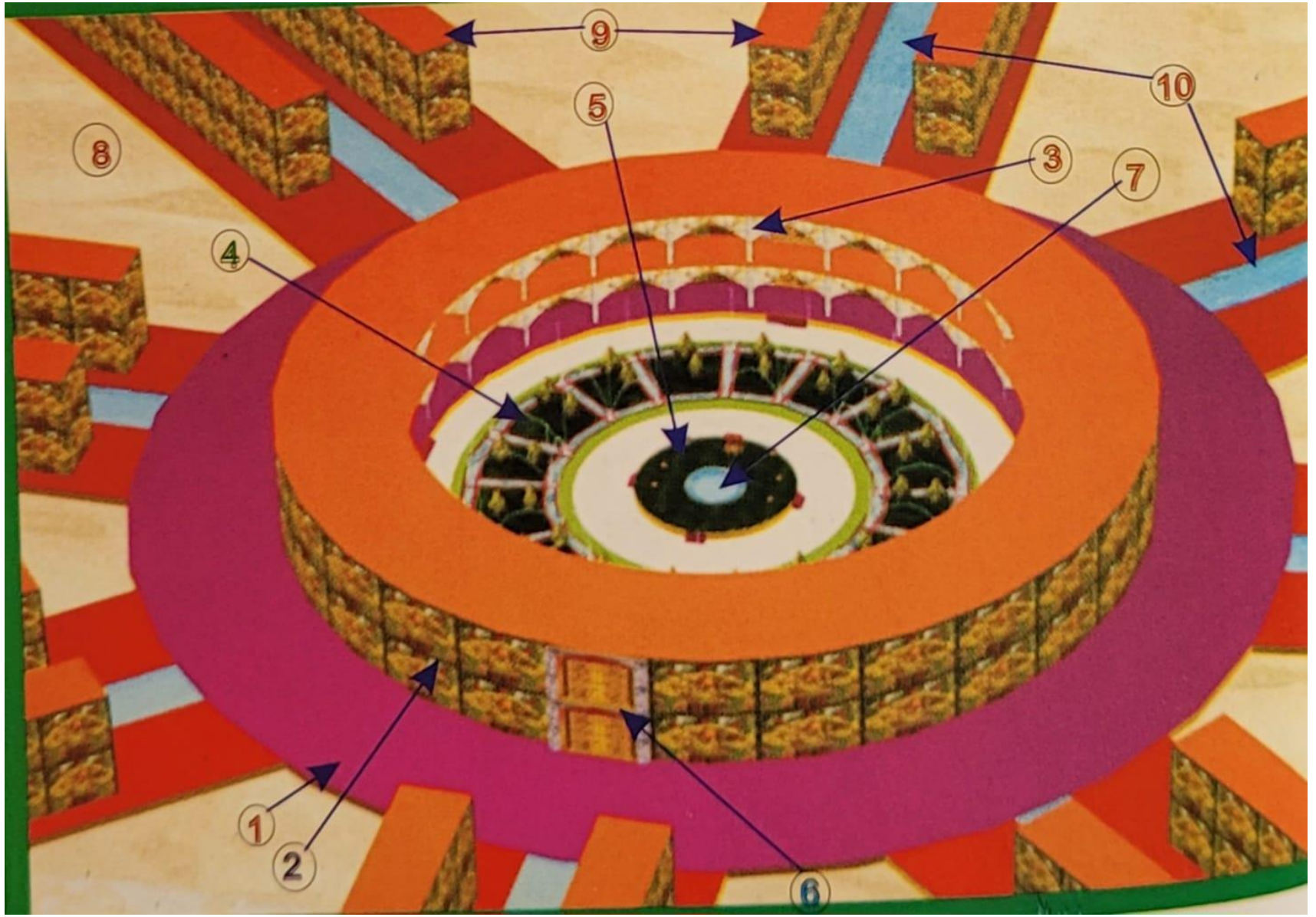

13 देहुरी का घाट
हौजकौसर ताल
टापूमहल
झुण्ड का घाट
यमूना जी
16 देहुरी का घाट
9 देहुरी का घाट
नहरें
रेती
कुंज
निकुंज
रेती
नहरें





कुंज




9
10
5
8
3
7
4
1
2
6







परमधाम विहार
सुखपाल, तख्तरवा से
हौज कोसर

शुक्ल पक्ष (सुद)	
चतुदरसी	**हौज कोसर**

हक बड़ी रूह बैठें तखत पर, फिरती रूहें बैठत ।
दो दो सै बीच गुरज के, बारे हजार रूहें इत ॥२७॥
चांद चौदमी रात का, बैठें चांदनी नूरजमाल ।
सनमुख सबे बैठाए के, करें खावंद रूहें खुसाल ॥२८॥




कुण्ड का घाट
कटी पाल व
124 देहूरियाँ
हौज कौसर ताल
टापू महल
128 बड़ी देहूरियाँ
13 देहूरी का घाट
9 देहूरी का घा
लकती पाल
चौरस पाल
क्रमणिक सीढ़ियाँ
16 देहूरी का घाट
बड़ोवन


HOUJ KOUSAR TALAB




मध्य का चबूतरा
किनारे का चबूतरा
मुख्य दरवाजा एवं
चबूतरों की चांदनी
गुर्ज
आधे गुर्ज
परिक्रमा की रौंस
ताल


टापू महल
बगीचे
धन्नों की
तीसरी हार
धन्नों की 84
दूसरी हार
पहली हार
बैठक
कुण्ड
चबूतरा
मंदिरों की दूसरी हार
60 मंदिरों की हार
गुर्ज
परिक्रमा की रौंस
बड़ा दरवाजा
ताल

हौज कोसर

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



हौज कोसर पाल के ऊपर की शोभा

रोंस :

- जल (500 मंदिर)
- वन (250 मंदिर
- पुखराजी (500 मंदिर)

ढलकती पाल (500 मंदिर)

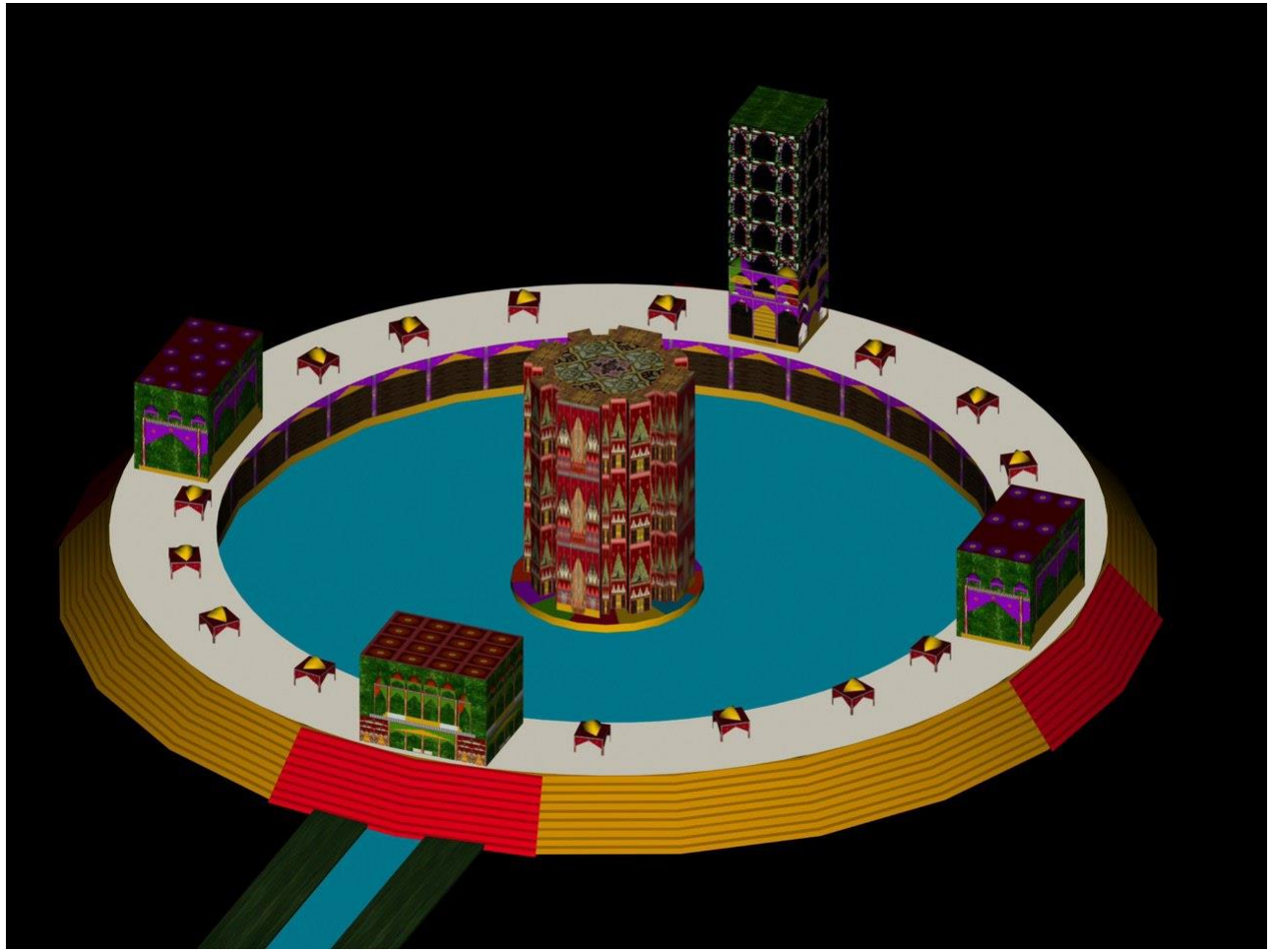
संक्रमणीक सीढ़ियाँ (250 मंदिर)

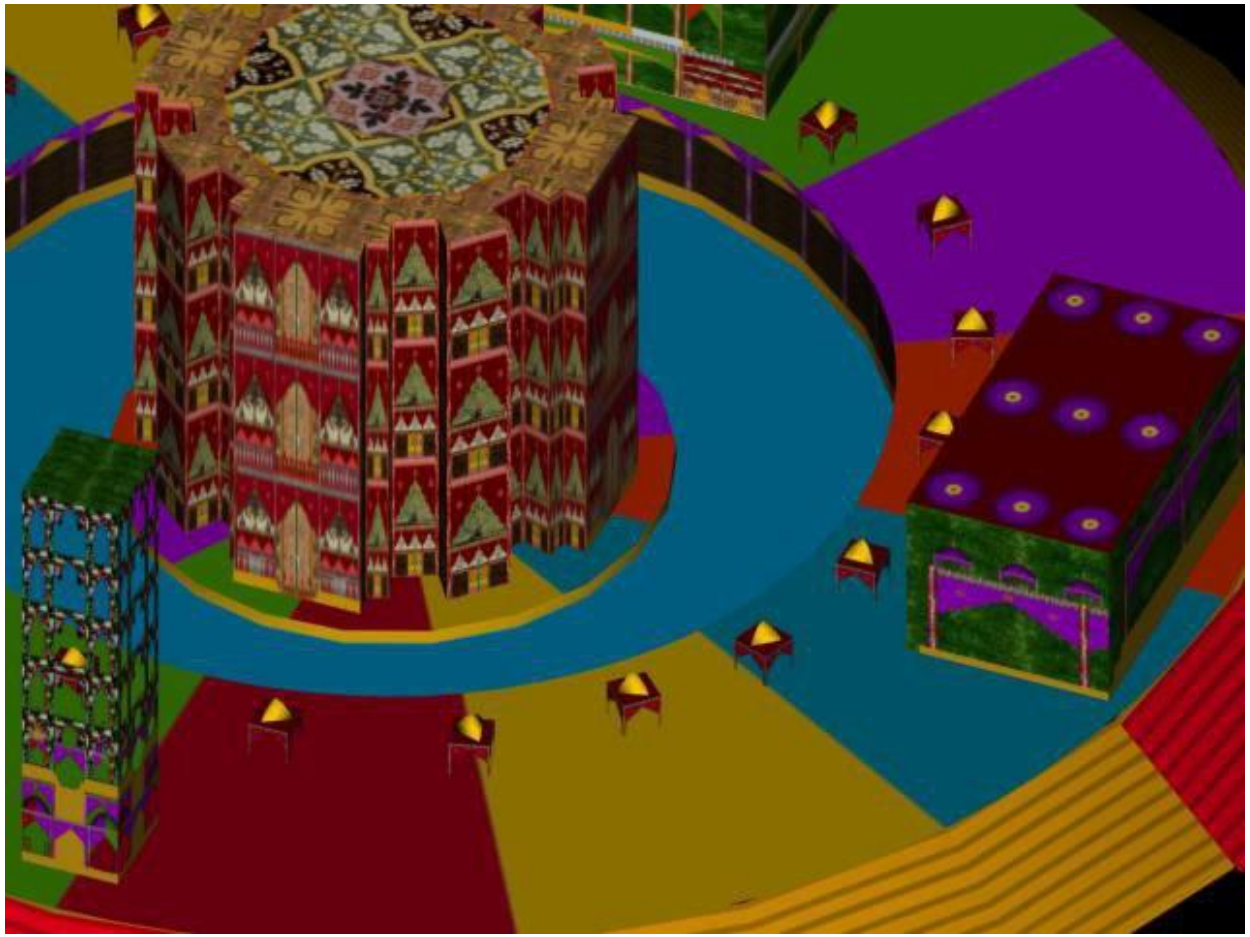
चोरस पाल (128 हांस - 1000 मंदिर, 1 भोम)

- कटी पाल (250 मंदिर):
  - छोटी देहूरियाँ – (100 x 100 मंदिर 124)
- बड़ी देहूरियां (250 x 250 मंदिर - 128)
  - **घाटकी सिडियां** (उतर, दक्षिण, पश्चिम)
- पडसाल (250 मंदिर)
- घाट(250 मंदिर)
  - 16 देहूरी का घाट (500 x 500 मंदिर)
    - ❖ केंड
  - 9 देहूरी का घाट (250 x 500 मंदिर)
  - 13 देहूरी का घाट (250 x 500 मंदिर)
  - झुण्ड का घाट (250 x 500 मंदिर)



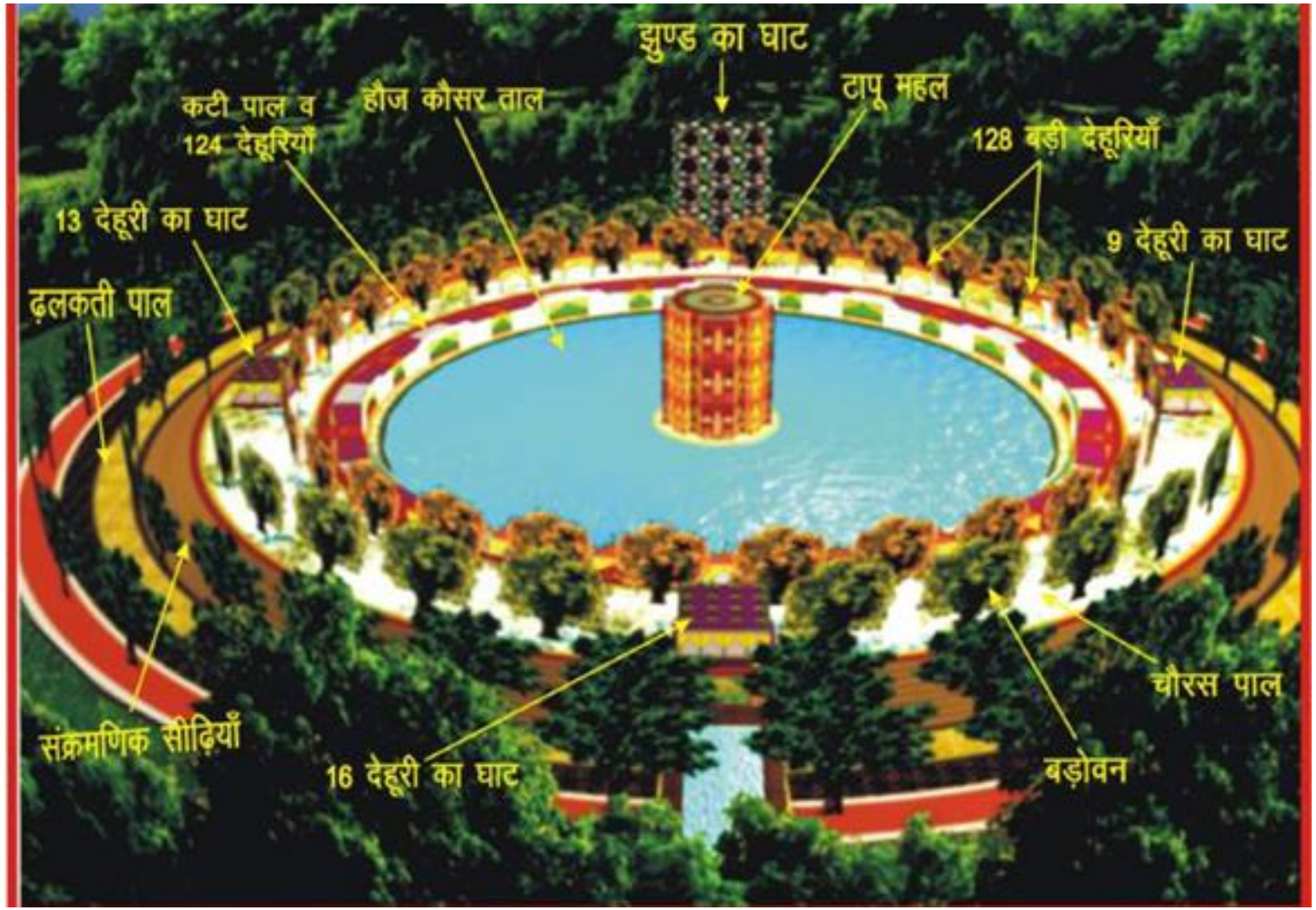
होज कोसर





होज कोसर





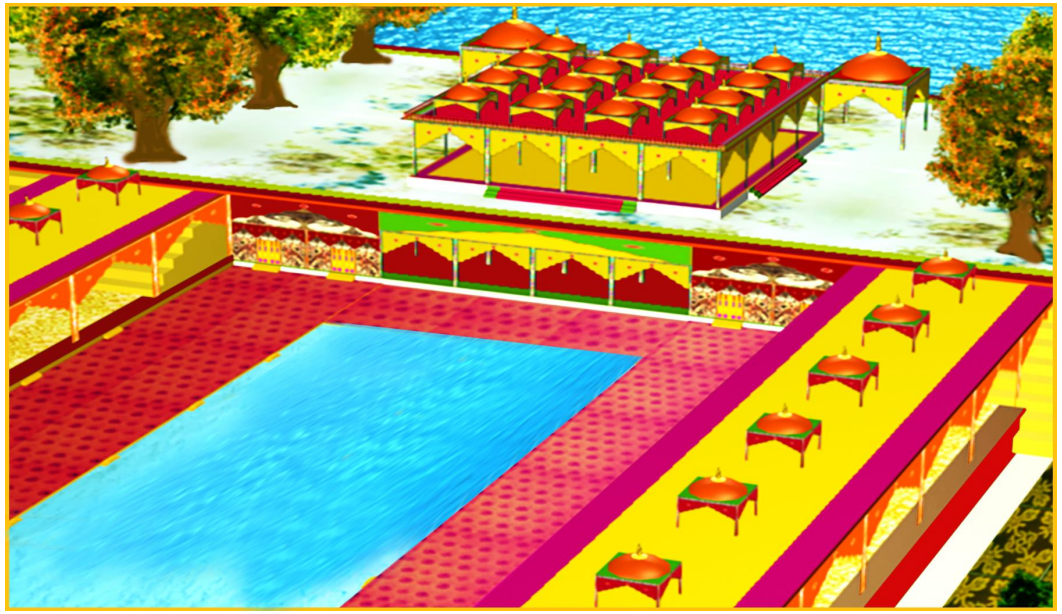
Joy Of
होज केसर

- जमुनाजी (पूर्व)
- रोंस – जल , वन, पुखराजी
- ढलकती पाल
- संक्रमणीक सीढ़ियाँ
- चोरस पाल – कटी पाल, बड़ी देहूरियां, पडसाल, धाट
- पश्चिम का चबूतरा & देहूरी
- बड़ों वन के वृक्ष (5 भोम) & हिंडोला
- पाल के अंदर की मोहलात (750 मंदिर)
- ताल (128 हांस , 17500 मंदिर लंबा चोडा)
- टापू मोहल (64 हांस, 3 भोम & 4th चादनी)

अब कहूं मैं ताल की, अन्दर आए सको सो आओ ।
जो होवे रूह अर्स की, फेर ऐसा न पावे दाओ ।।१।।

जब हक आवत ताल को , आए विराजत इत ।
सो खेल जल का करके , ऊपर सौक को बैठत ।।

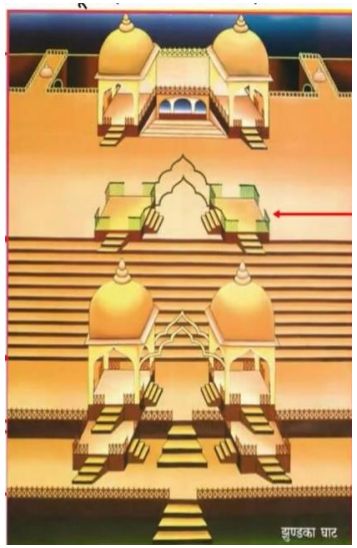
होज कोसर - घाट

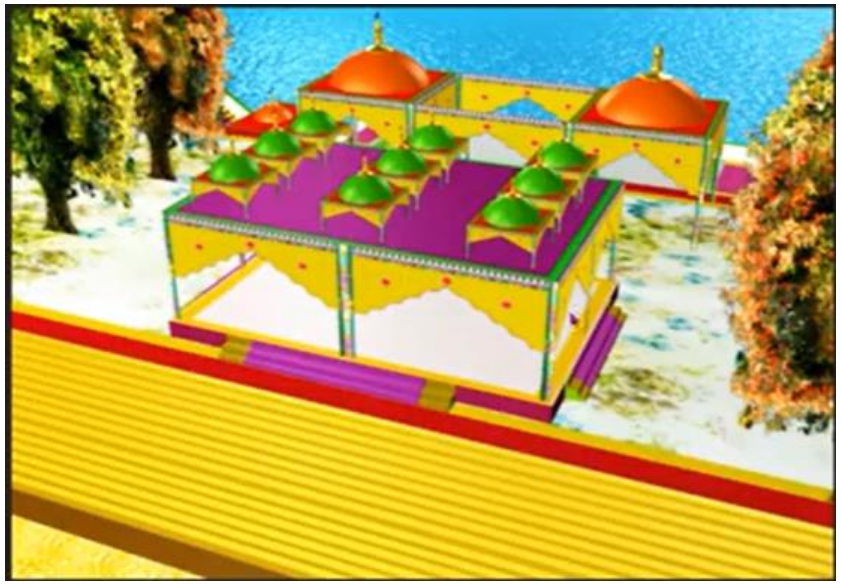










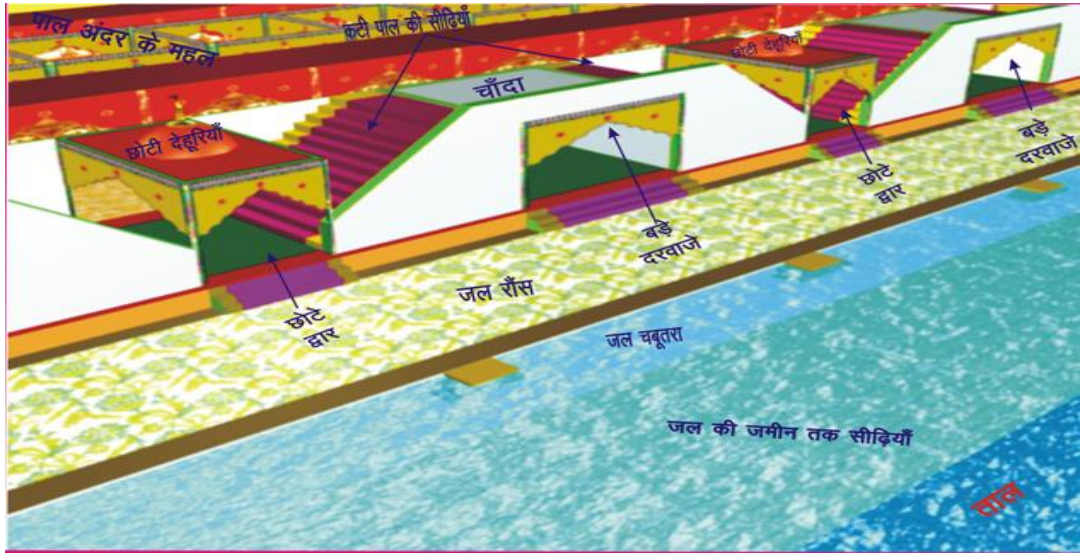


होज कोसर - चोरस पाल की अंदर एवं ऊपर की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/







अब क्यों कहूँ पाल अंदर की , कई थंभ कई मोहलात ।
कई देहलाने कई मंदिर, ऐ खूबी कही न जात।। परि. ४/८७

थंभ दोए हारें बनी, अंदर मोहोल कई और ।
कई बैठकें जुदी जुदी जिनसों, कहां लग कहूं कई ठौर ॥८८॥

हौज कोसर ताल



होज कोसर टापू महल

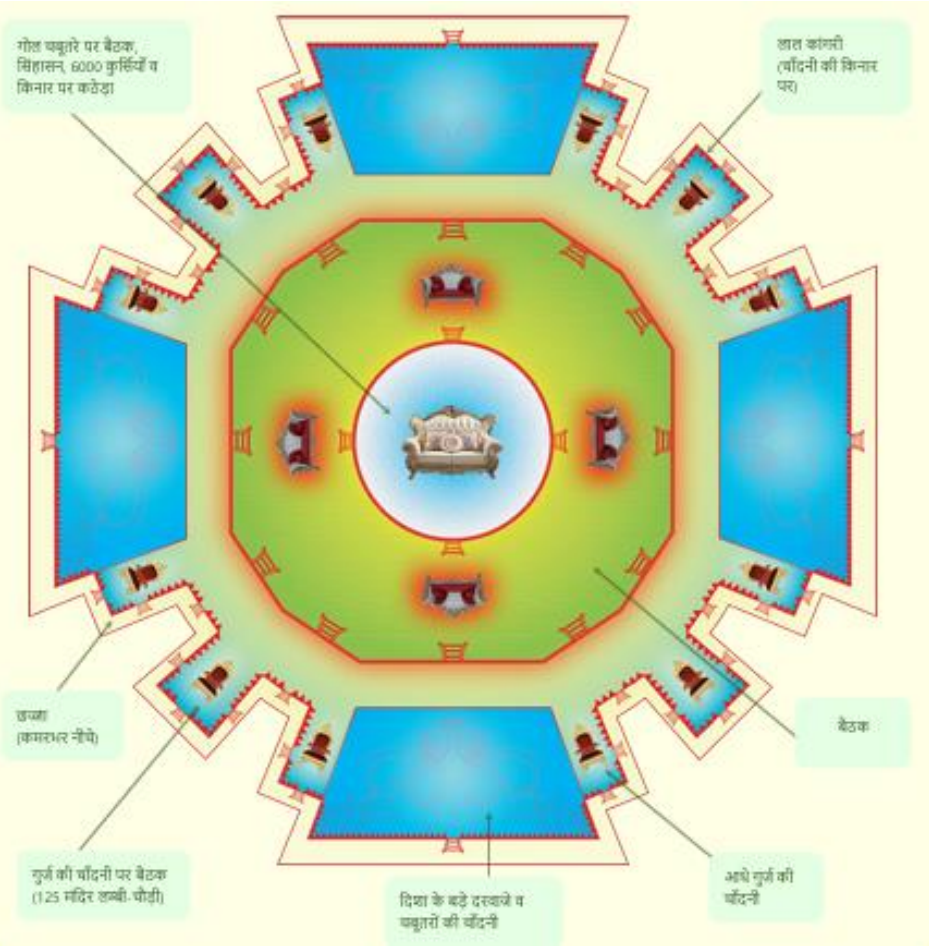

कांगरी युक्त कमर
बर छँदी दीवाल
मध्य का चबूतरा
किनार का चबूतरा
मुख्य दरवाजा एवं
चबूतरों की चांदनी
गुर्ज
आधे गुर्ज
ताल
मुख्य दरवाजा एवं चबूतरे
परिक्रमा की रौंस

होज केसर टापू महल –भोम की शोभा



होज कोसर टापू महल – चाँदनी





हौज कोसर की चितवनि - पश्चिम

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



चितवनि
Path to
हौज कोसर
पश्चिम दिशा से

पाल की ऊपर की शोभा & झुण्ड का घाट



हौज कोसर की चितवनि - पश्चिम

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



चितवनि
Path to
हौज कोसर
पूर्व दिशा से
चौरस पाल की
अंदर की मोहलात से
16 देहूरियाँ घाट से

हौज कोसर की चितवनि - पूर्व

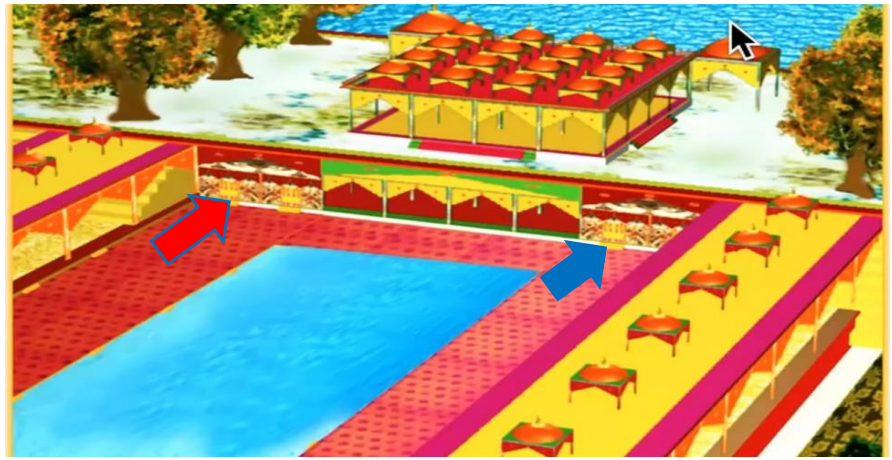
https://nijanand.org/paramdham-charchani/

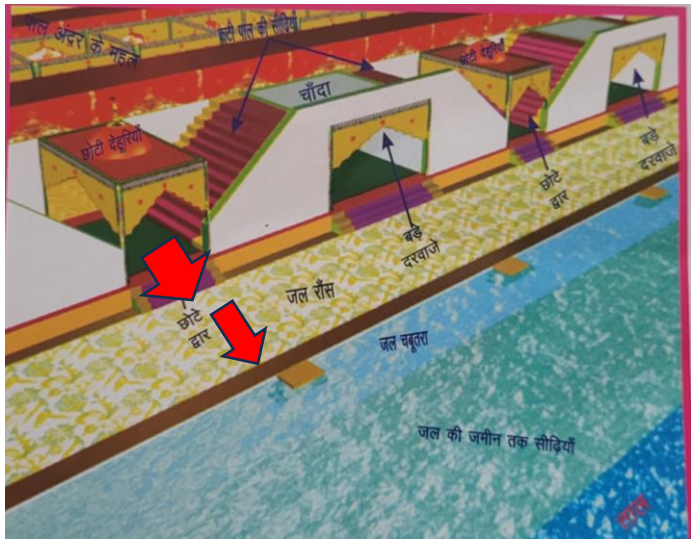


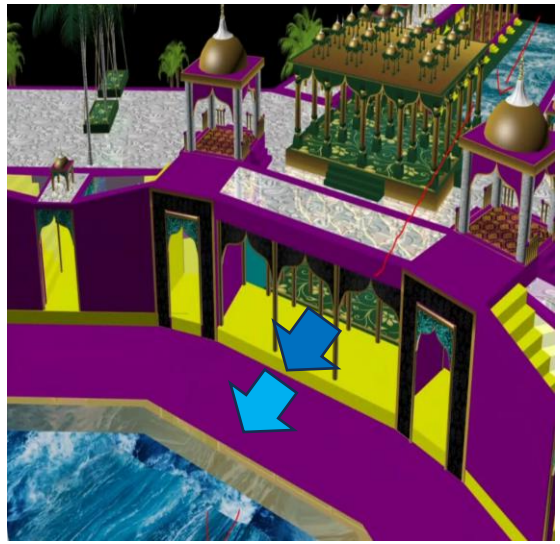
चितवनि Path to हौज कोसर पूर्व दिशा से

चोरस पाल की अंदर की मोहलात से

16 देहूरियाँ घाट से





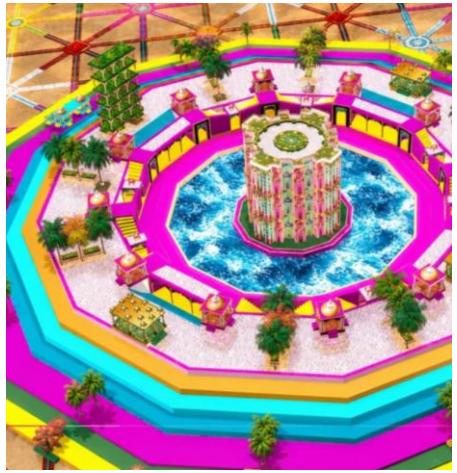


चोरस पाल की अंदर की मोहलात से

16 देहूरियाँ घाट से

होज कोसर





हिंडोला



आकासी संध्या भोजन



होज कोंसर विहार – ताल विहार – जिलना – सिनगार


25 फव्वारे
बुर्जी
कुण्ड
चबूतरा
नहरें
रेलिंग
बगीचे
किनार का चबूतरा
मुख्य दरवाजे एवं
चबूतरों की चांदनी
कुण्ड
चबूतरा
बगीचे
मंदिरों की दूसरी हार
मंदिरों की पहली हार



परमधाम विहार
सुखपाल, तख्तरवा से
चौबीस हांस के महल

शुक्ल पक्ष (सुद)	
तेरस	चौबीस हंस के मोहल



तालाब मानिक बीचमें, चौबीस फुहारे उछलत ।
चौबीस गुरजों चादरें, कुण्ड लहरें तालाबें इत ।।

परिक्रमा # 2: रंगमोहल चारों ओर की परिक्रमा – चौबीस हांस के महल



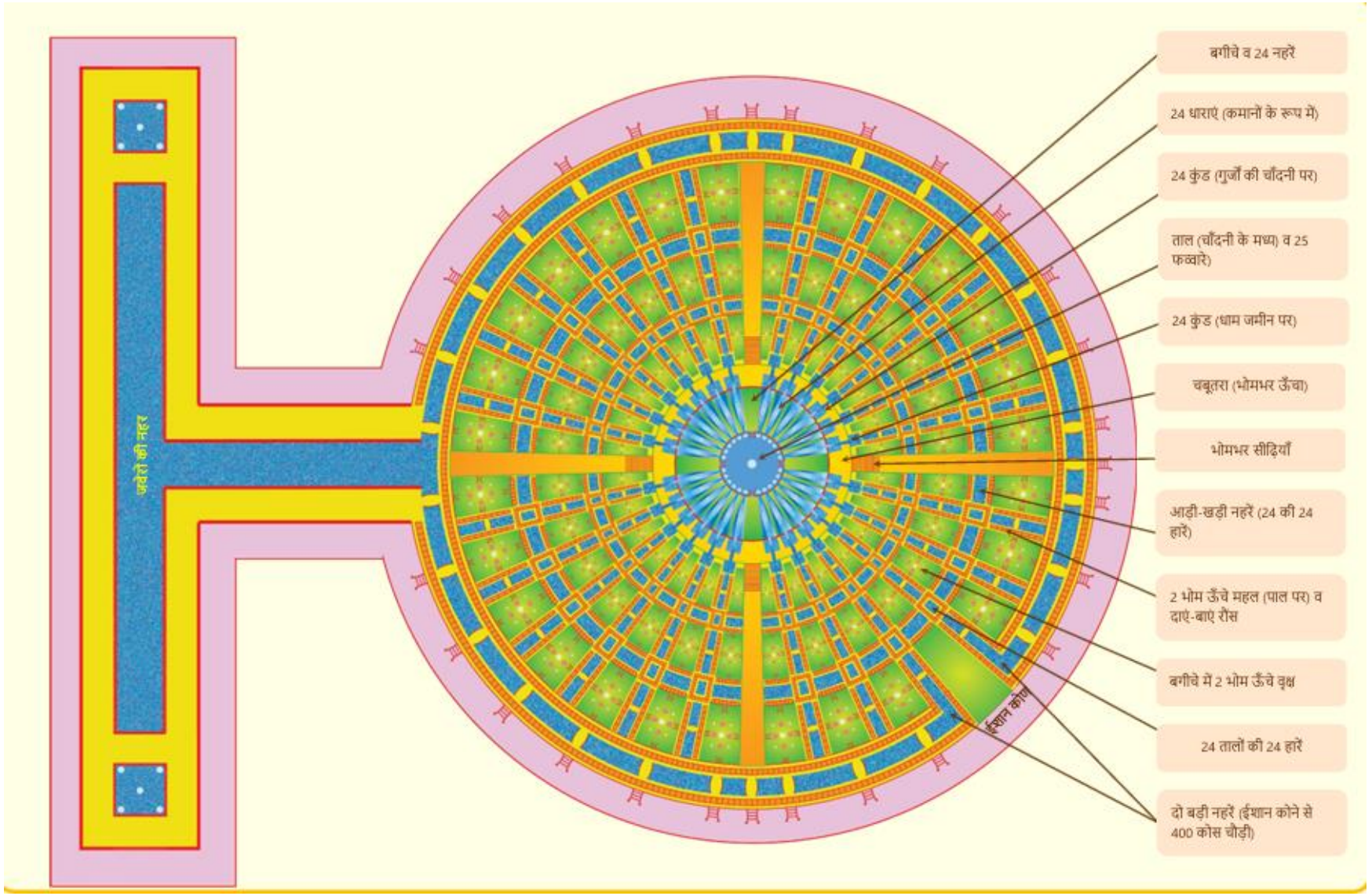
परिक्रमा # 2: रंगमोहल चारों ओर की परिक्रमा – चौबीस हांस के महल



परिक्रमा # 2: रंगमोहल चारों ओर की परिक्रमा – चौबीस हांस के महल



परिक्रमा # 2: रंगमोहल चारों ओर की परिक्रमा – चौबीस हांस के महल




बगीचों की डार
गोल गुर्ज
भीम भर ऊँचा चबूतरा
मध्य का चबूतरा
बगीचों की डार
मणिक महल
गोल हवेली
चौरस हवेली
एक मंदिर की मोटी दीवाल

माणिक पहाड़



शुक्ल पक्ष (सुद)	
एकदासी	**माणिक** पहाड़

माणिक पहाड़



माणिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



साथजी देखो मोहोल मानिक, जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा सुन्दरता इनकी, ए न आवे बीच सुमार ।।१।।

माणिक पहाड़ की शोभा - भोम भर चबूतरा , 12000 भोम

- 12000 हांस , 400 कोस का हांस
- बड़े दरवाजे & चबूतरा (100 कोस)
- गोल गुर्ज – 12000
- छोटे दरवाजे – 11996 , चोरस गुर्ज - 23992
- **हवेली – 12000 , 400 कोस उची**
  - **महल – 12000 , 300 कोस उचा**
    - **मंदिर – 12000 , 200 कोस उचा**
      - **कोठारी – 12000 , 100 कोस उचा**
- **बगीचे & रौंस**
- **माणिक महल – 12000 (भोम भर चबूतरा)**
  - **गुर्ज – 12000**
- **चबूतरा - भोम भर उचो**
  - **हिण्डोले – 12000**
  - **बगीचा – 12000**
  - **स्तूल & फुवारा – 12000**

माणिक पहाड़ की चादनी की शोभा

- चबूतरों - भोम भर चबूतरा
- ताल -
- देहलान - भोम भर चबूतरा पर
- नहेरे - 12000
- कुन्द - 12000
- बगीचा – 12000
- हिण्डोले
- टापू महल – 20 भोम , भोम भर चबूतरा पर
  - चेहबचा , बगीचा, बेठक

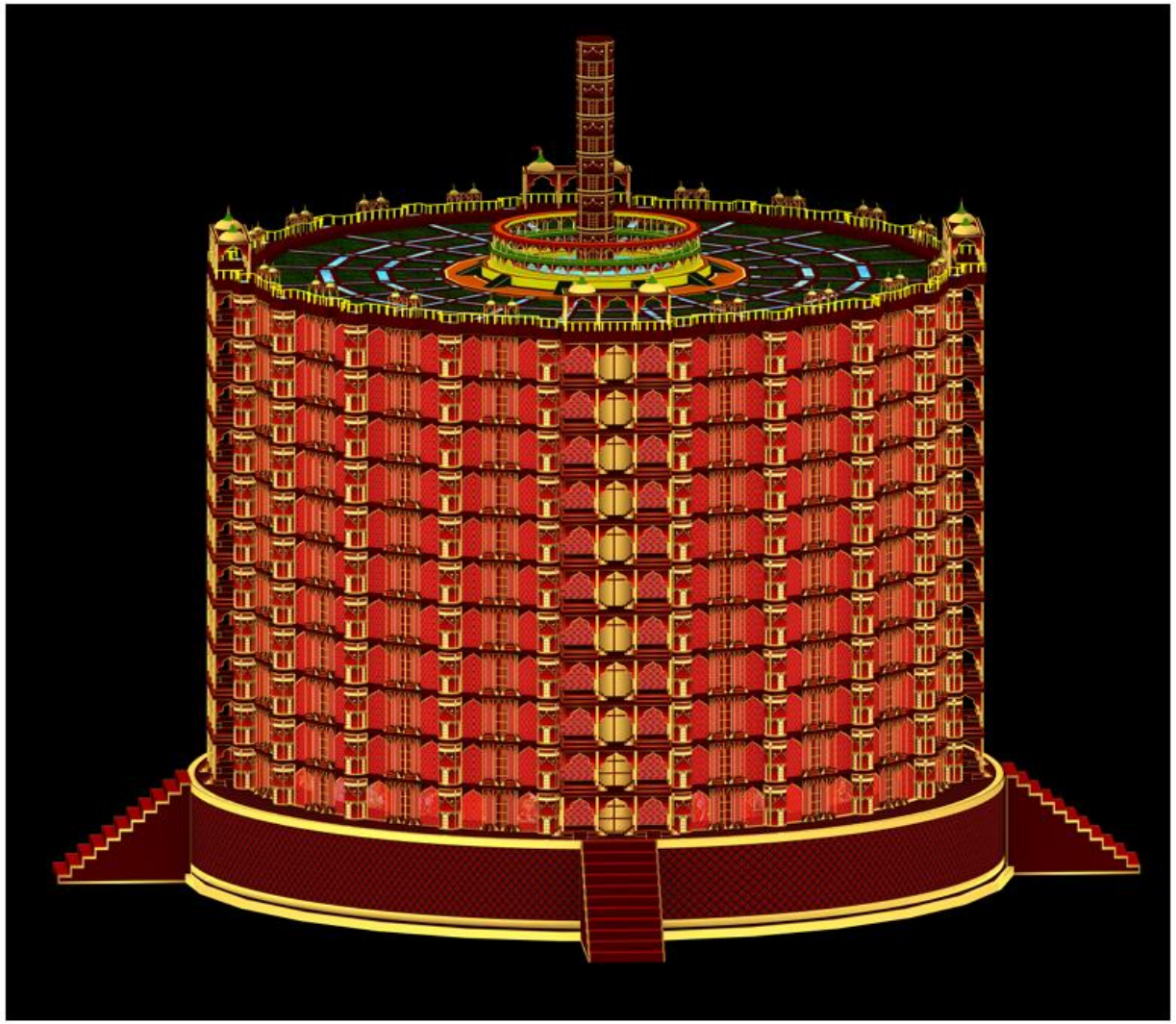
माणिक पहाड़ की बहार की शोभा

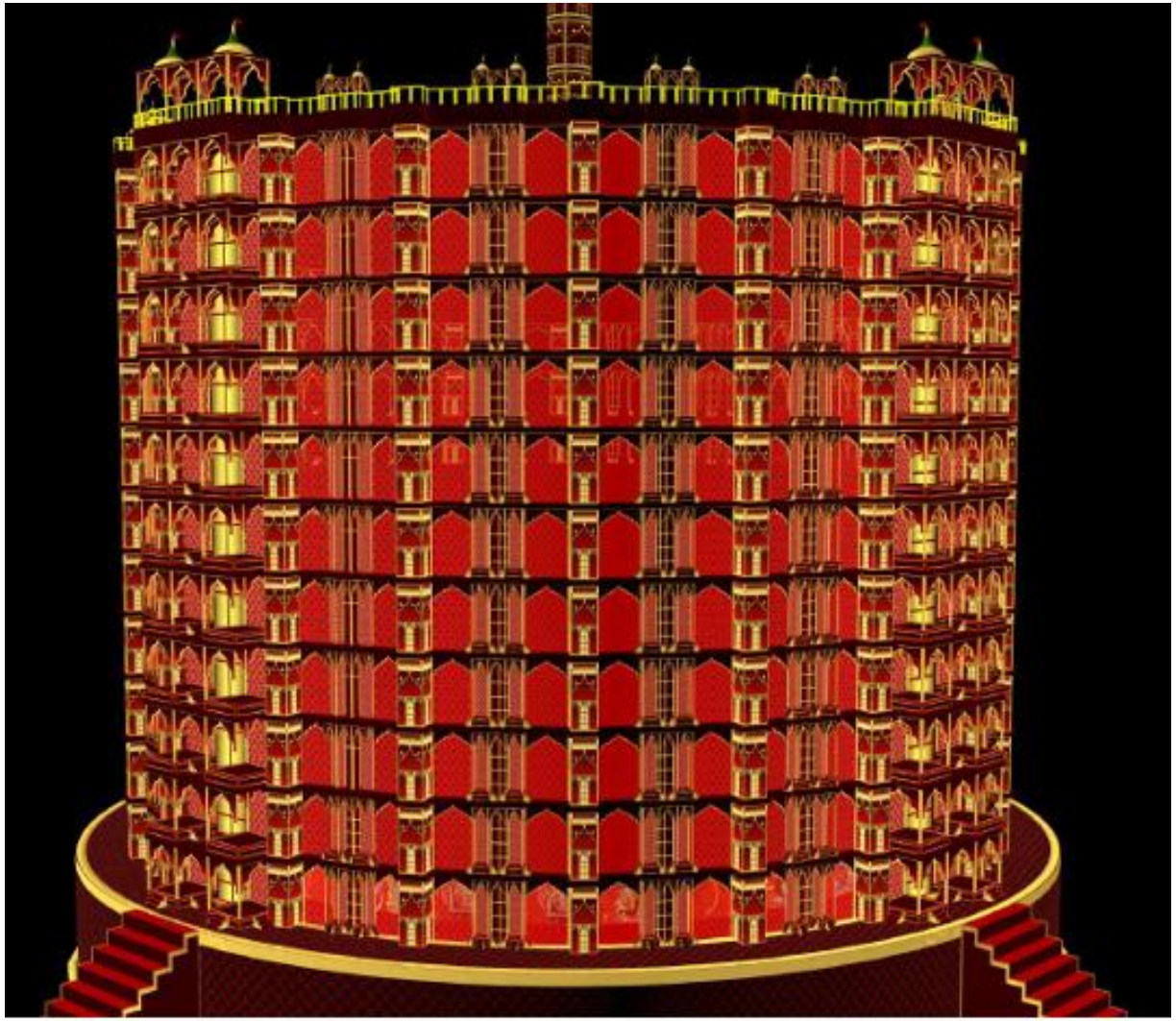
- ताल
- महल
- हिण्डोले
- नहेर
- महानदी

- **माणिक पहाड़ की हद की शोभा -** बड़ों वन ,मधुवन , महावन

माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य – बहार की शोभा

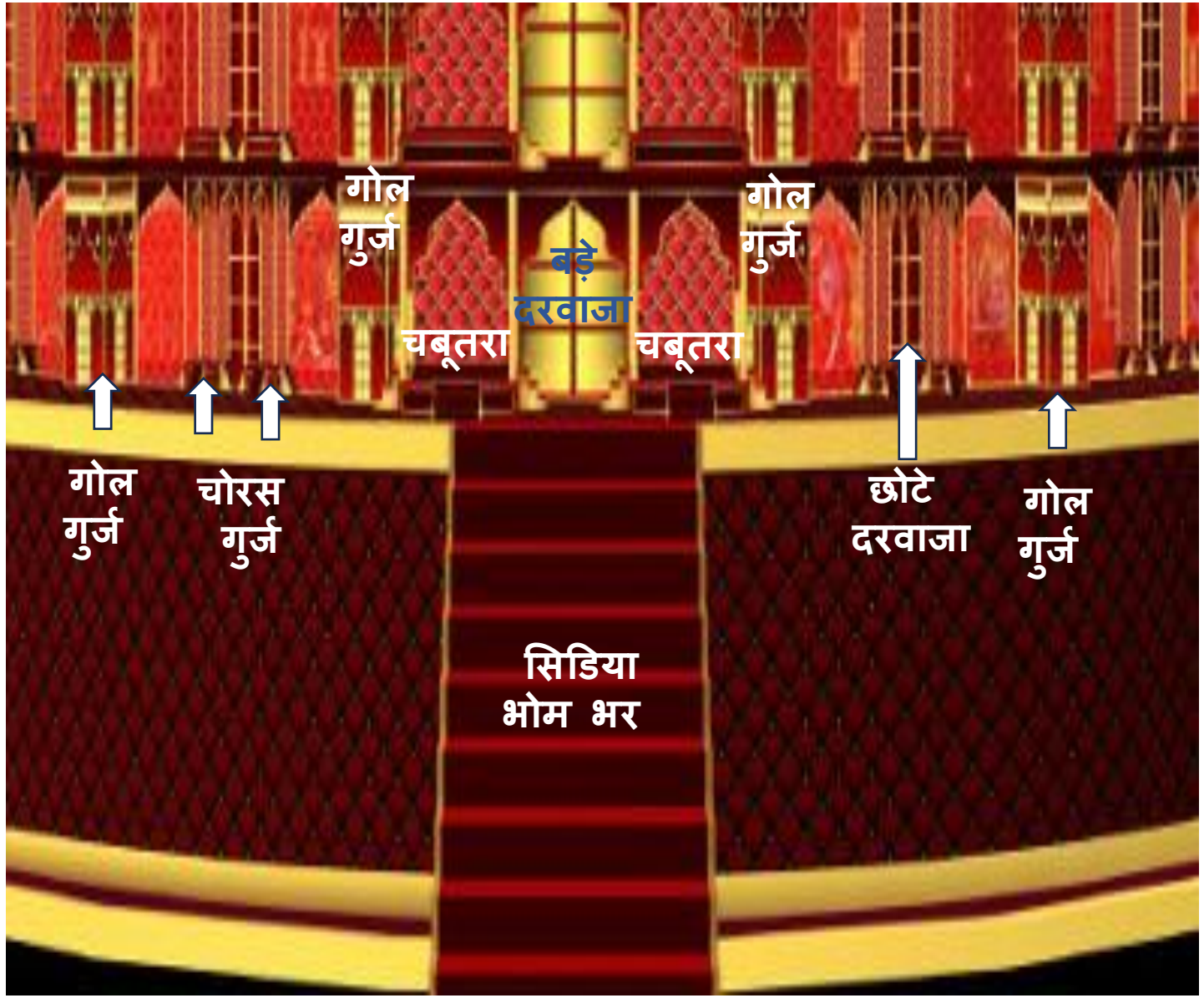
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





मानिक मोहोल रतन मय, झलकत जोत आकास।
नूर पूरन पूर भर्‌या, रूह खोल देख नैन प्रकास ।।५।।

एक देख्या मोहोल मानिक का, ताए बड़े द्वार बारे हजार।
हिसाब न छोटे द्वारों का, सोभा सिफत न आवे पार ।।२।।



साथजी देखो मोहोल मानिक, जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा सुन्दरता इनकी, ए न आवे बीच सुमार ।।१।।
एक देख्या मोहोल मानिक का, ताए बड़े द्वार बारे हजार ।
हिसाब न छोटे द्वारों का, सोभा सिफत न आवे पार ।।२।।
ले जिमी से ऊपर मोहोल मानिक, कम ज्यादा कहूं नाहें ।
सरभर सोभा सब इमारतें, जल बन हिंडोले मोहोलों माहें ।।३।।

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



पेहेली फिरती दिवाल फेर देखिए, तिन बीच मोहोल अनेक।
जो जो खूबी देखिए, जानों एही नेक सों नेक ॥१५॥
एक हवेली चौरस, दूजा मोहोल गिरदवाए।
ए खबी मोमिन देखसी नजरों आवसी ताए ॥१६॥
मैं गिरद कही चौरस कही, पर कई हर भांत हवेली।
जाके आवें ना मोहोल सुमार में, तो क्यों जाए गिनी पौरी ॥२५॥





कहे बारे हजार मोहोल फिरते, कही हुकमें तिनकी बात ।
तिन हर मोहोलों बीच बीच में, बारे बारे हजार मोहोलात ॥२०॥


एक गोल हवेली
मोटे थम्भों की हार
बगीचे
चबूतरा
बगीचे
मेहराबों में हिण्डोले
महलों की हार
महलों की हार
मुख्य दरवाजा व चबूतरे
दीवाल

माणिक पहाड़ – हवेली , महल , मंदिर & कोठरी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



माणिक
पहाड़

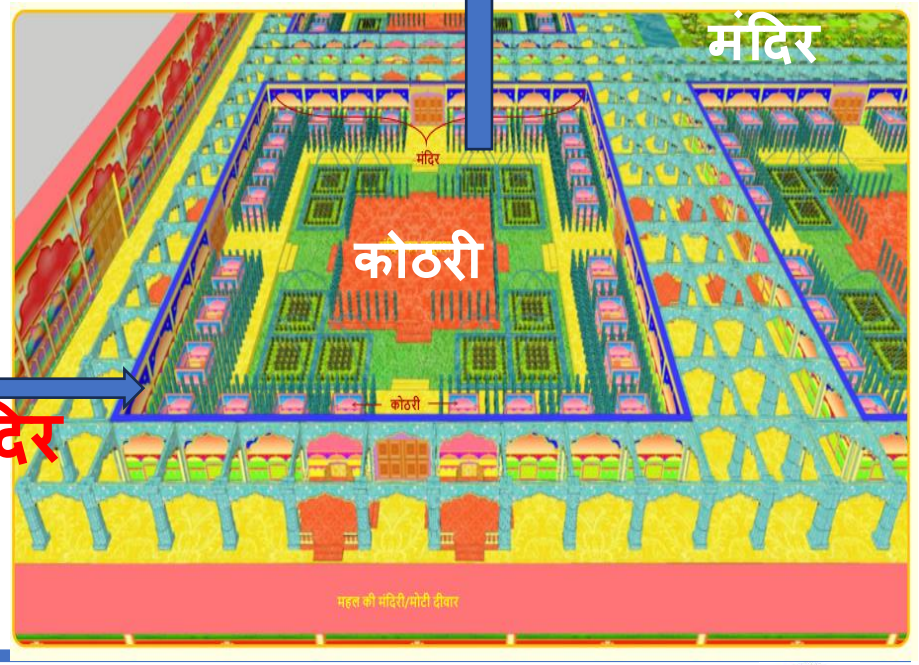
हवेली



महल



मंदिर



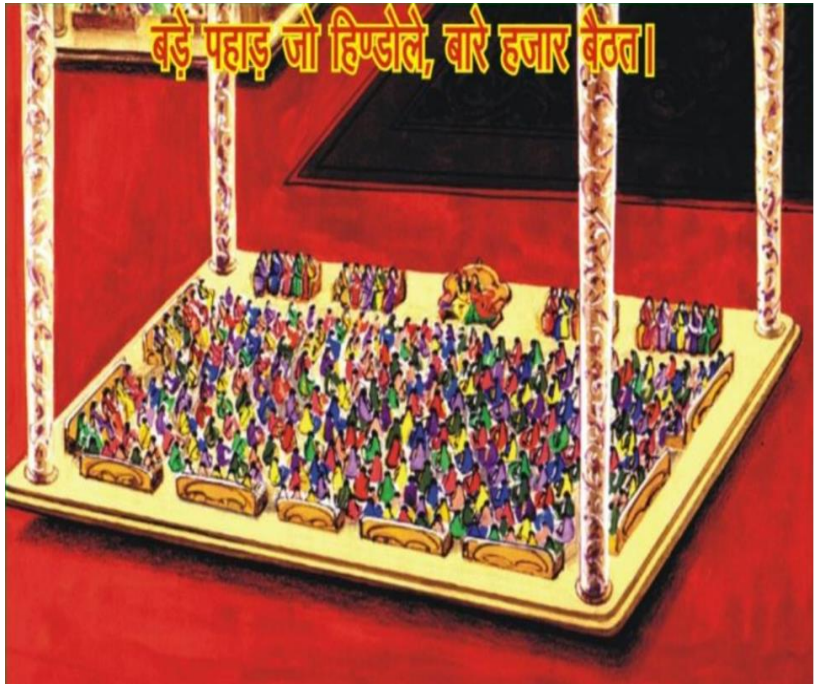
कोठरी



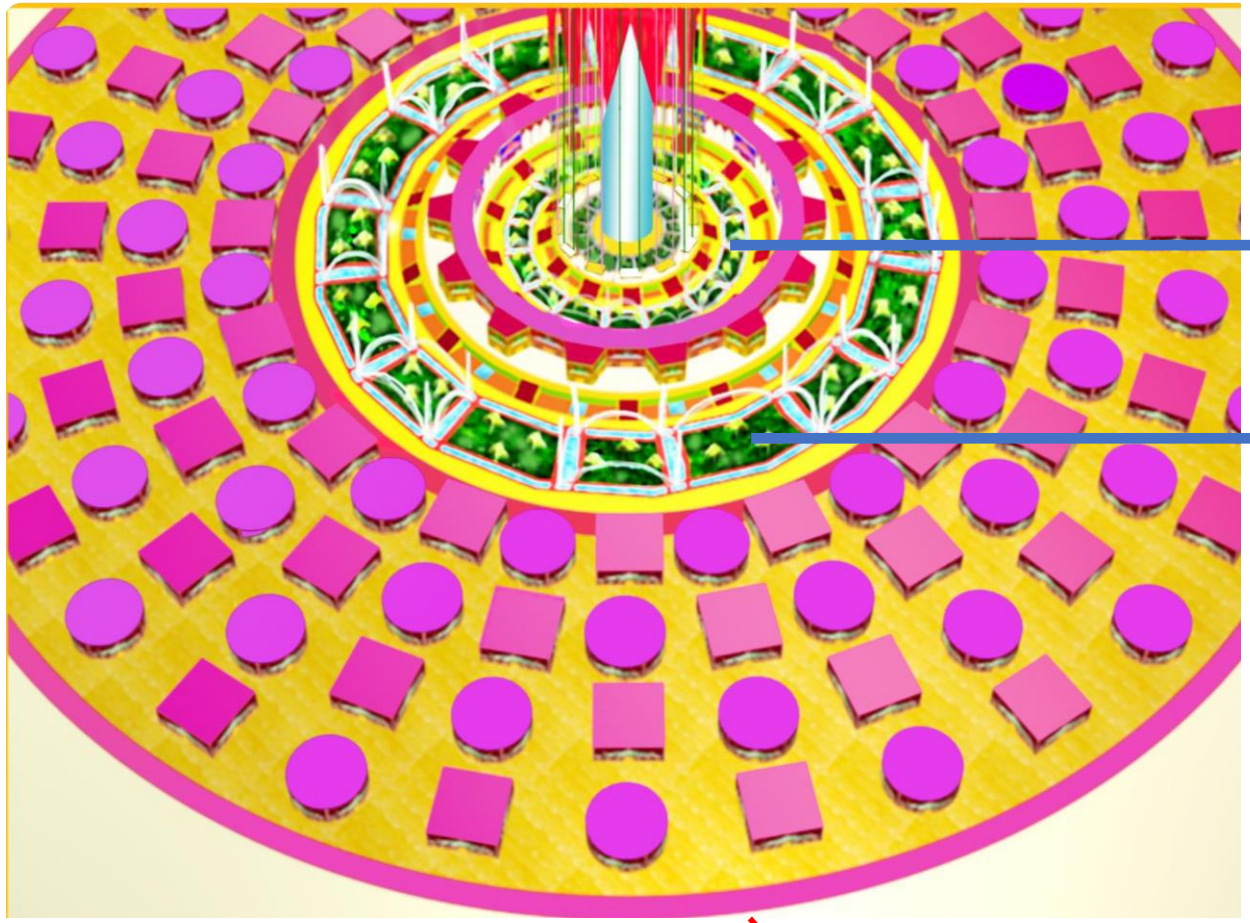
माणिक पहाड़ – मध्य के चबूतरे & हिंडोले की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





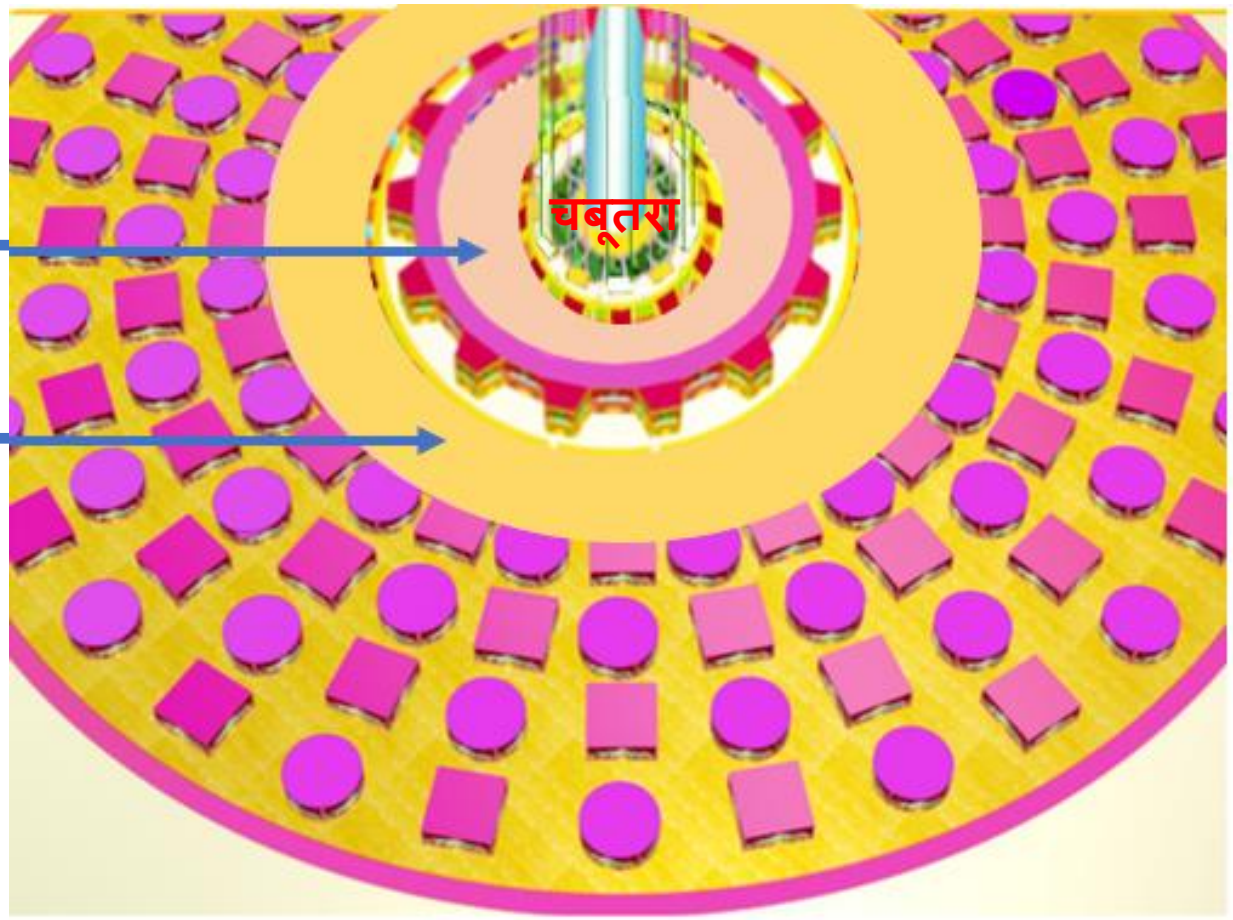
ले जिमी से ऊपर मोहोल मानिक, कम ज्यादा कहूं नाहें ।
सरभर सोभा सब इमारतें. जल बन हिंडोले मोहोलों माहें ।।३।।
चारों तरफों मोहोल बीच ताल, चारों तरफों हिंडोले ।
एक हिंडोले माहें झूलें, हक हादी रूहें भेले ।।७।।
चारों तरफों ऐसे ही झूलें, हक हादी रूहें खेलत ।
अर्स अजीम के बीच में, मोहोल अम्बर जोत धरत ।।८।।



1 TO 11980 भोम

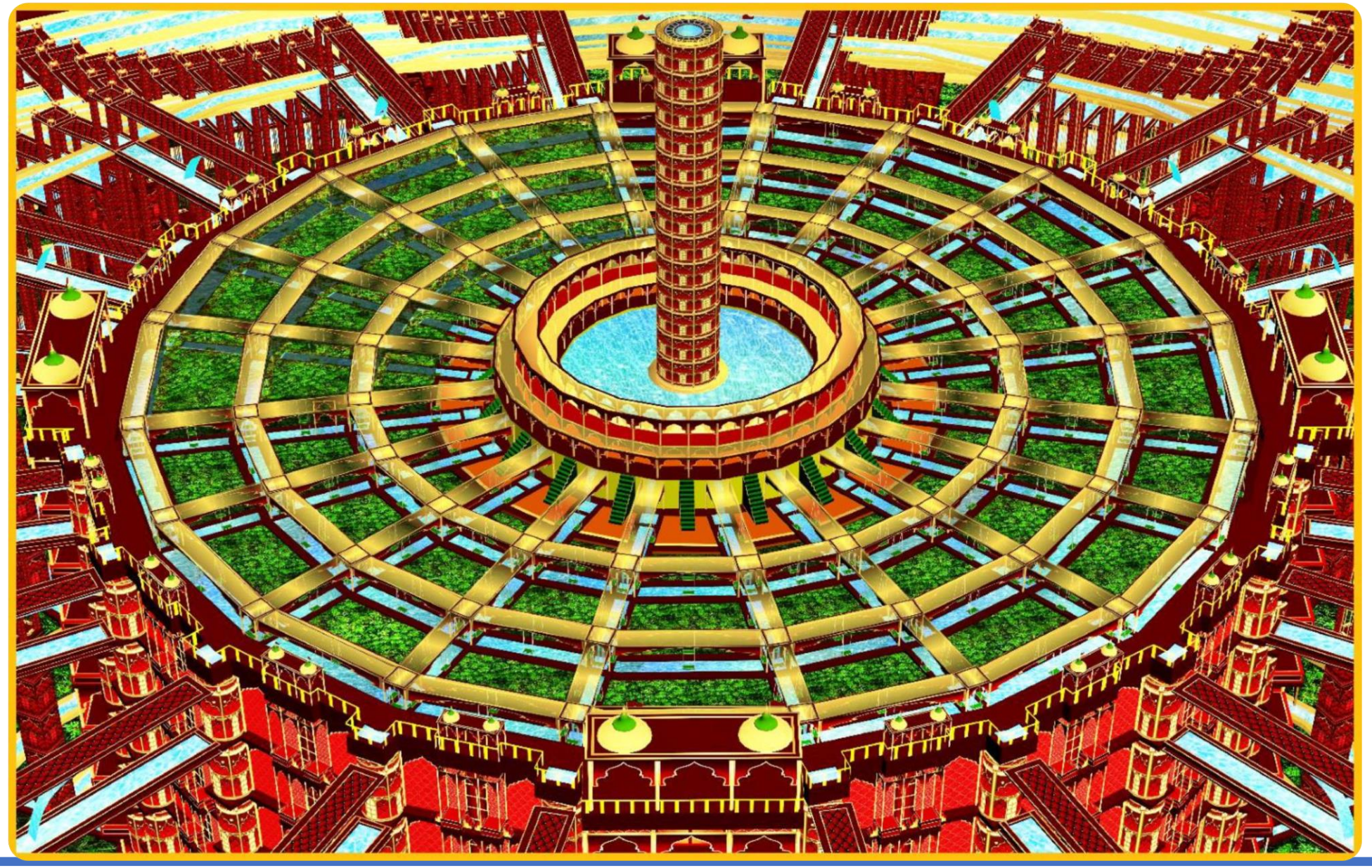
2 बगीचा & मध्य चबूतरा शोभा -1st भोम **only**

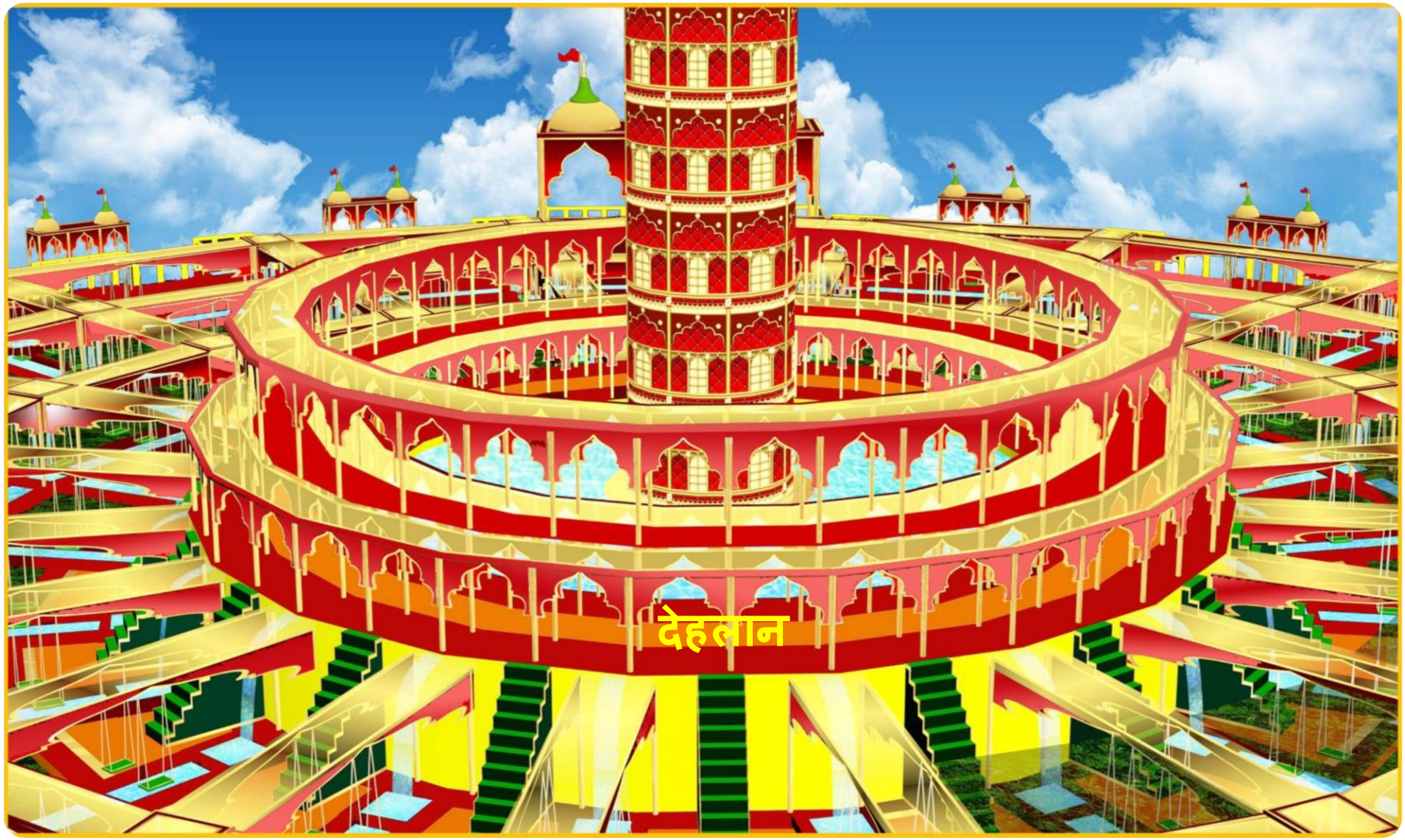
हवेली & माणिक महल – 1 to 11980 भोम



11981 TO 12000 भोम


zoom




देहलान


गोल गुर्जों की
चांदनी में कुण्ड
ताल देहेलान
दहेरी
बगीचे
बगीचे
नहरें
नहरें
जालीद्वार से धाराएं
कुण्ड पर थम्म व हिण्डोले




बैठक
बगीचे
बगीचे
बगीचे
कुण्ड
बगीचे
बगीचे
बैठक

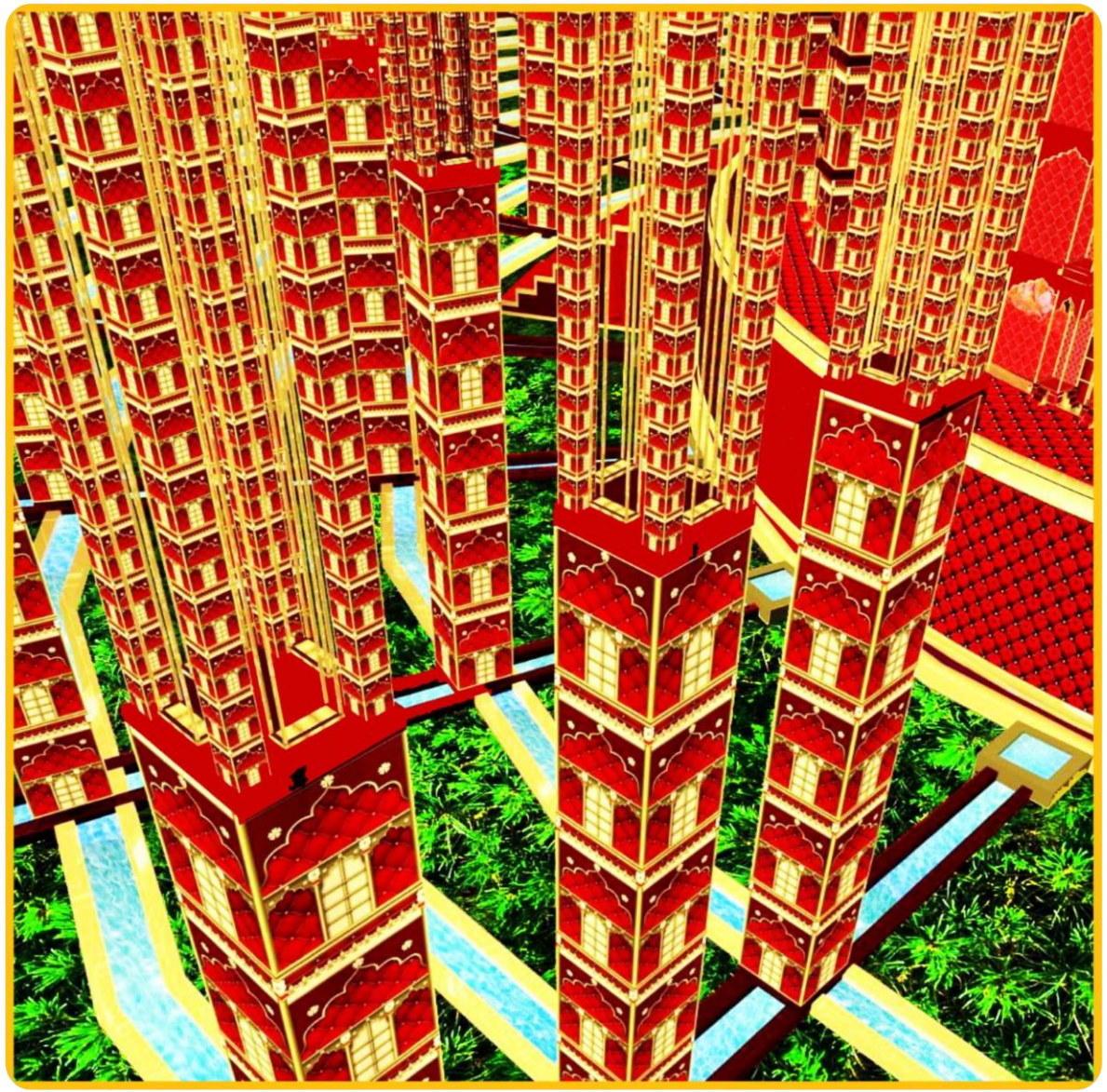


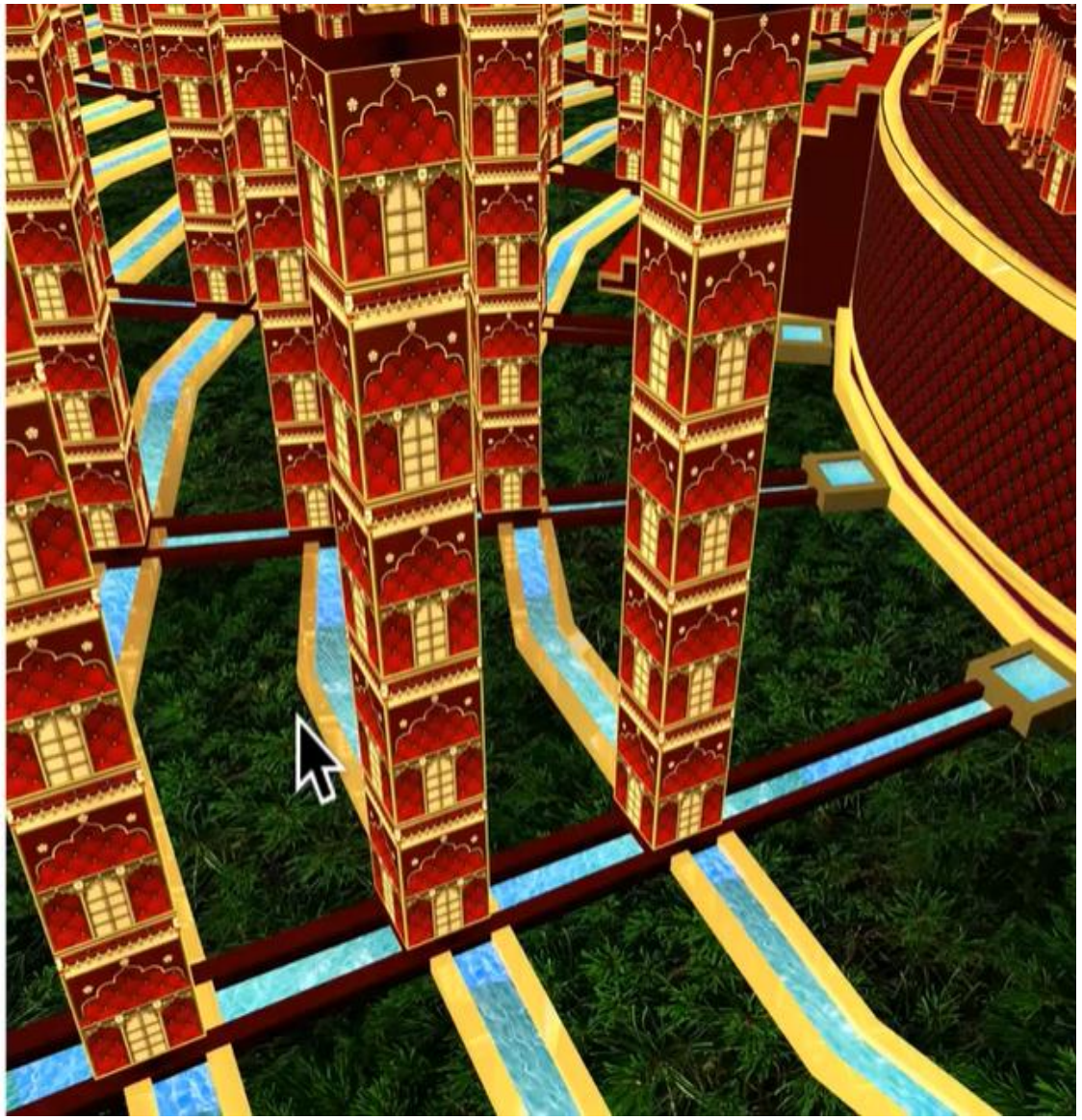
माणिक पहाड़ की बहार की शोभा

- ताल
- महल
- हिण्डोले
- नहेर
- कुण्ड (चहेबचे)
- बगीचे
- महानदी

माणिक पहाड़ - जमीन पर के बगीचे , नहेरें & हिण्डोले की शोभा

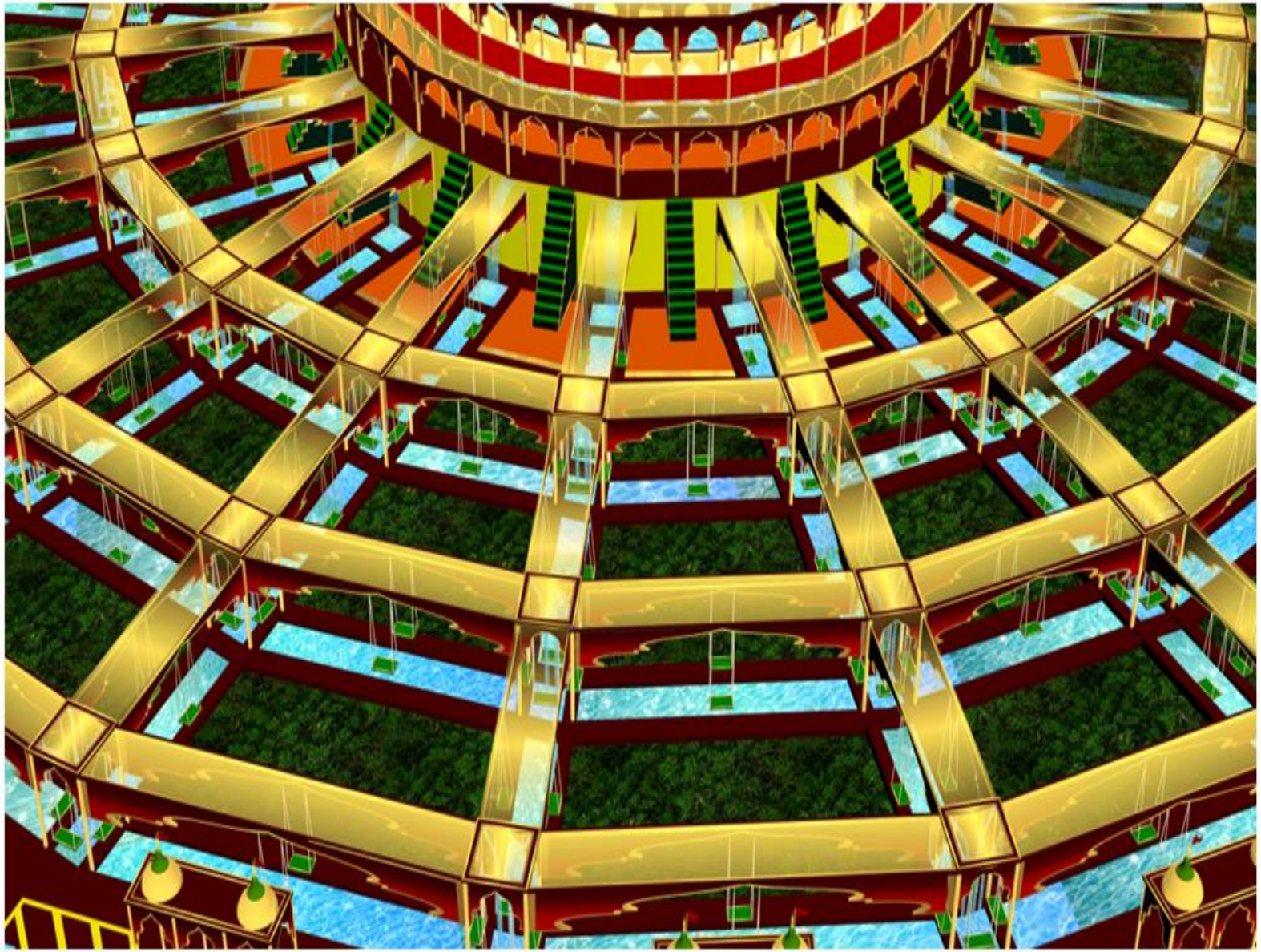
https://nijanand.org/paramdham-charchani/

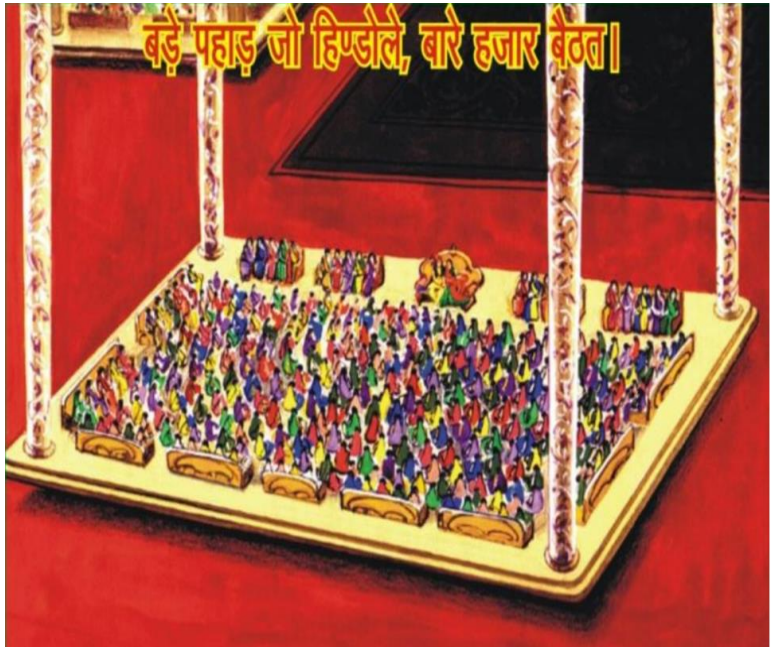




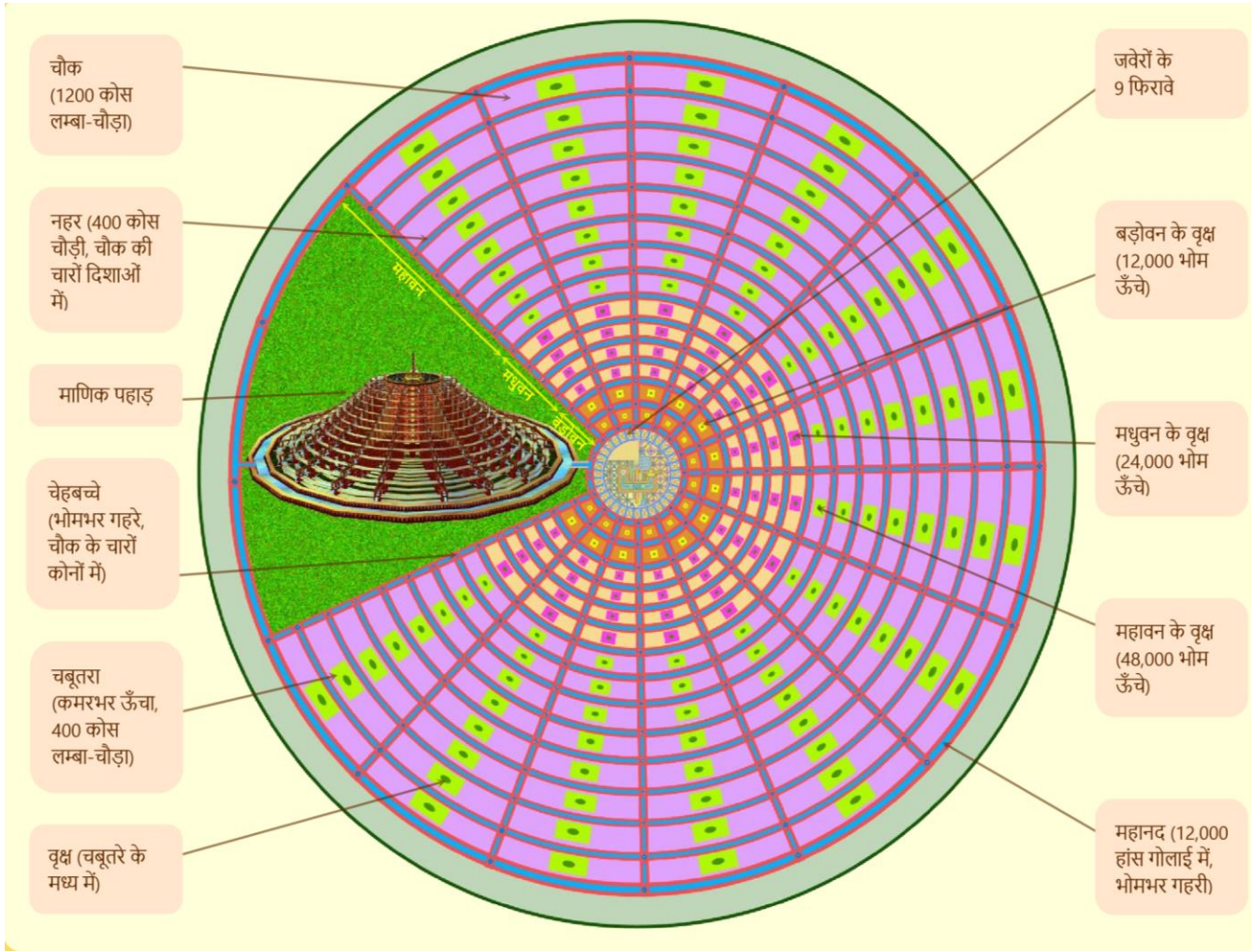
माणिक पहाड़ - जमीन पर के बगीचे , नहेरें & हिण्डोले की शोभा

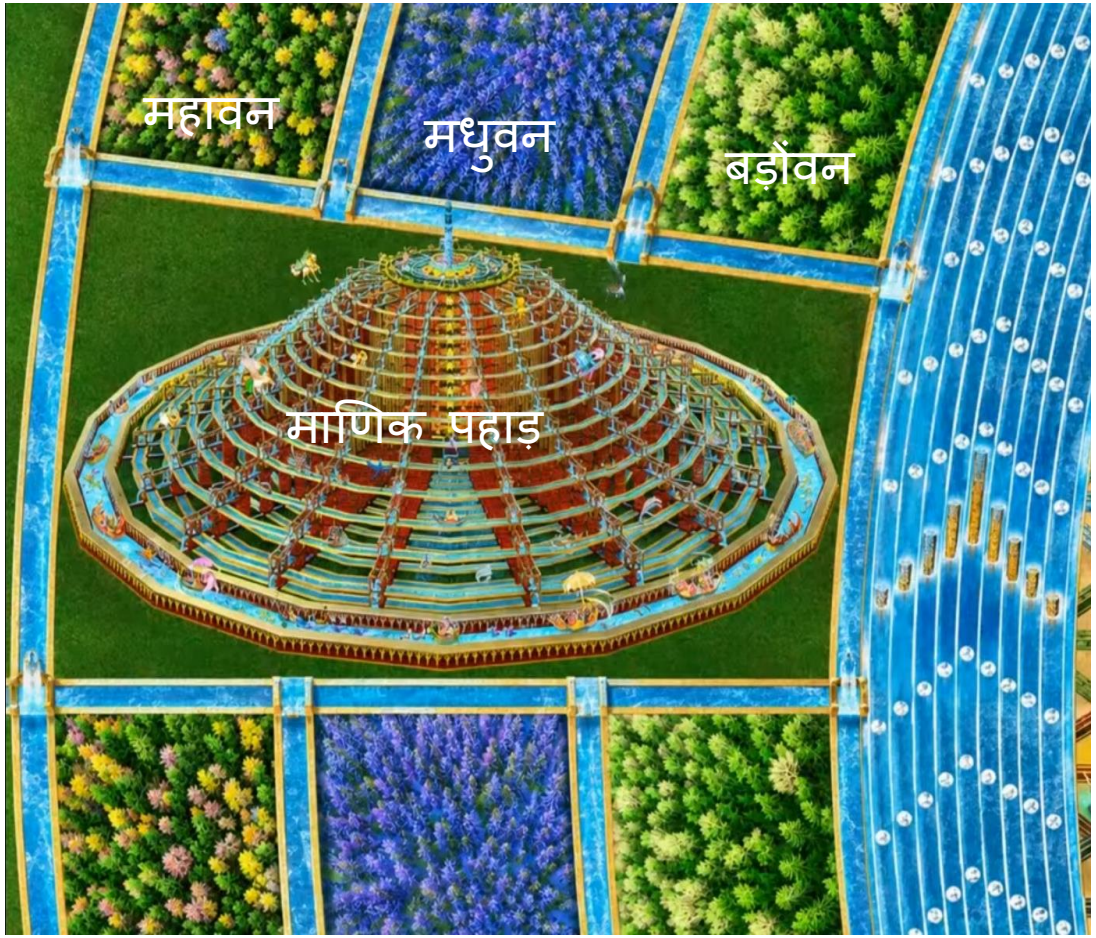
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





माणिक पहाड़ की हद की शोभा – बड़ोंवन , मधुवन & महावन





माणिक पहाड़ की लीला – चादनी एण्ड बगीचों की लीला

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



कई मोहोल पहाड़ों मिने, कई मोहोल पहाड़ों ऊपर ।
जो बन पहाड़ या जिमिएं, सो इन जुबां कहूं क्यों कर ॥९॥

ना सुख कहे जाएं जिमी के, ना सुख कहे जाएं बन ।
ना सुख कहे जाएं मोहोलों के, ना सुख कहे जाएं पहाड़न ॥१०॥

कई पहाड़ झिरने झिरें, कई ऊपर नेहेरें चली जाएं ।
कई उतरें ऊपर से चादरें, कई तालों बीच आए समाए ॥११॥

नेहेरें बन में होए चलीं, सो नेहेरें कई मिलत ।
आगूं आए मोहोल बन के, इत चली कई जुगत ॥१२॥

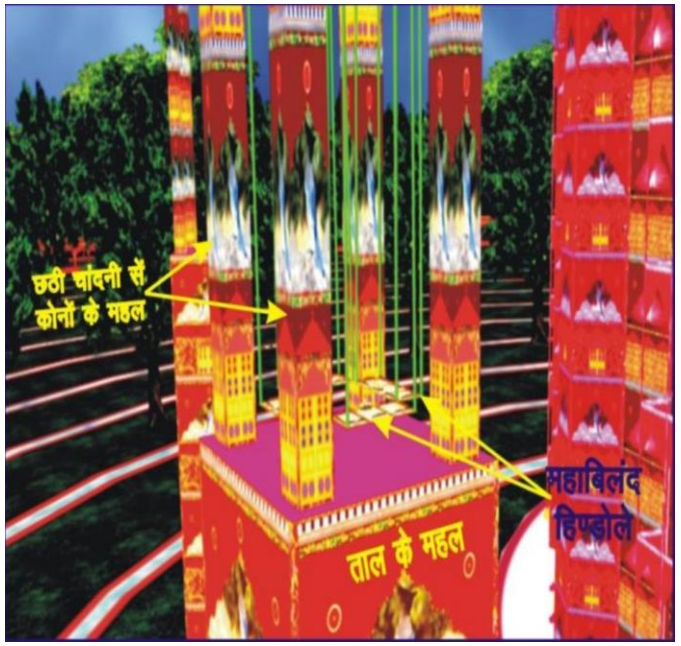
ए सुख हमारे कहां गए, ए जो खेल होत दिन रात ।
हक के साथ हम सब रूहें, हँस हँस करती बात ॥१३॥

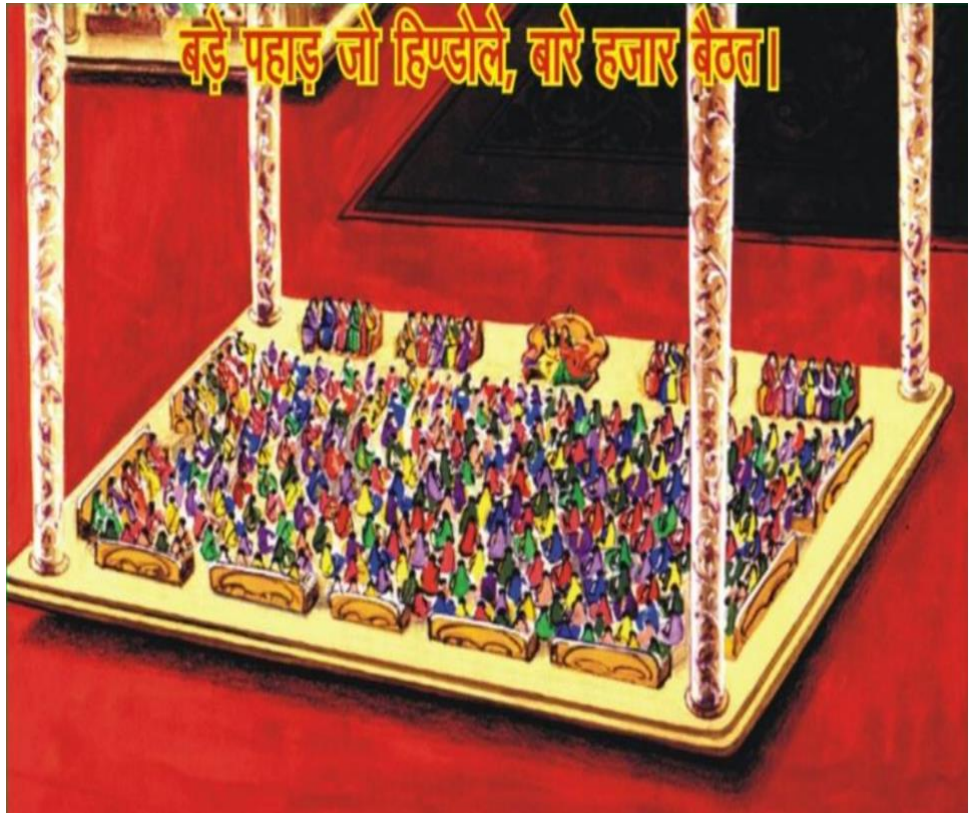


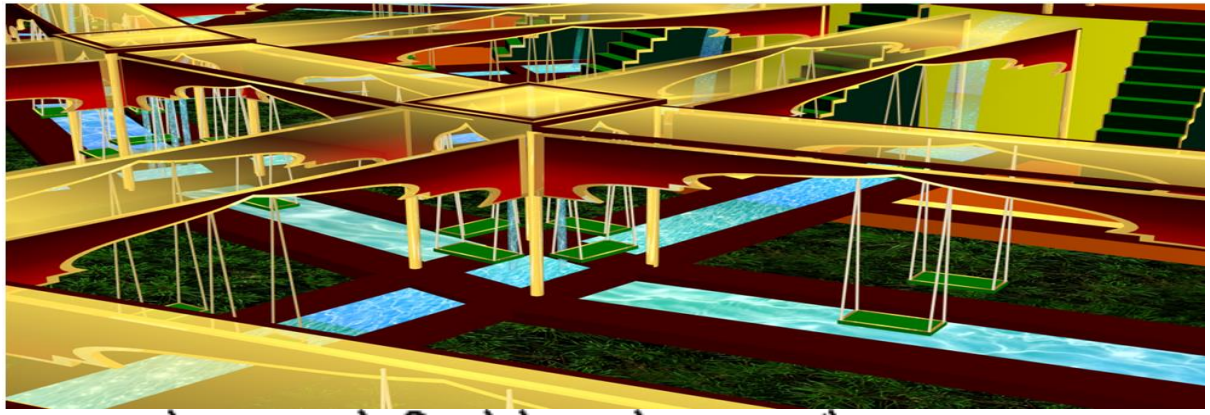
माणिक पहाड़ - महाबिलंद हिण्डोले की लीला

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





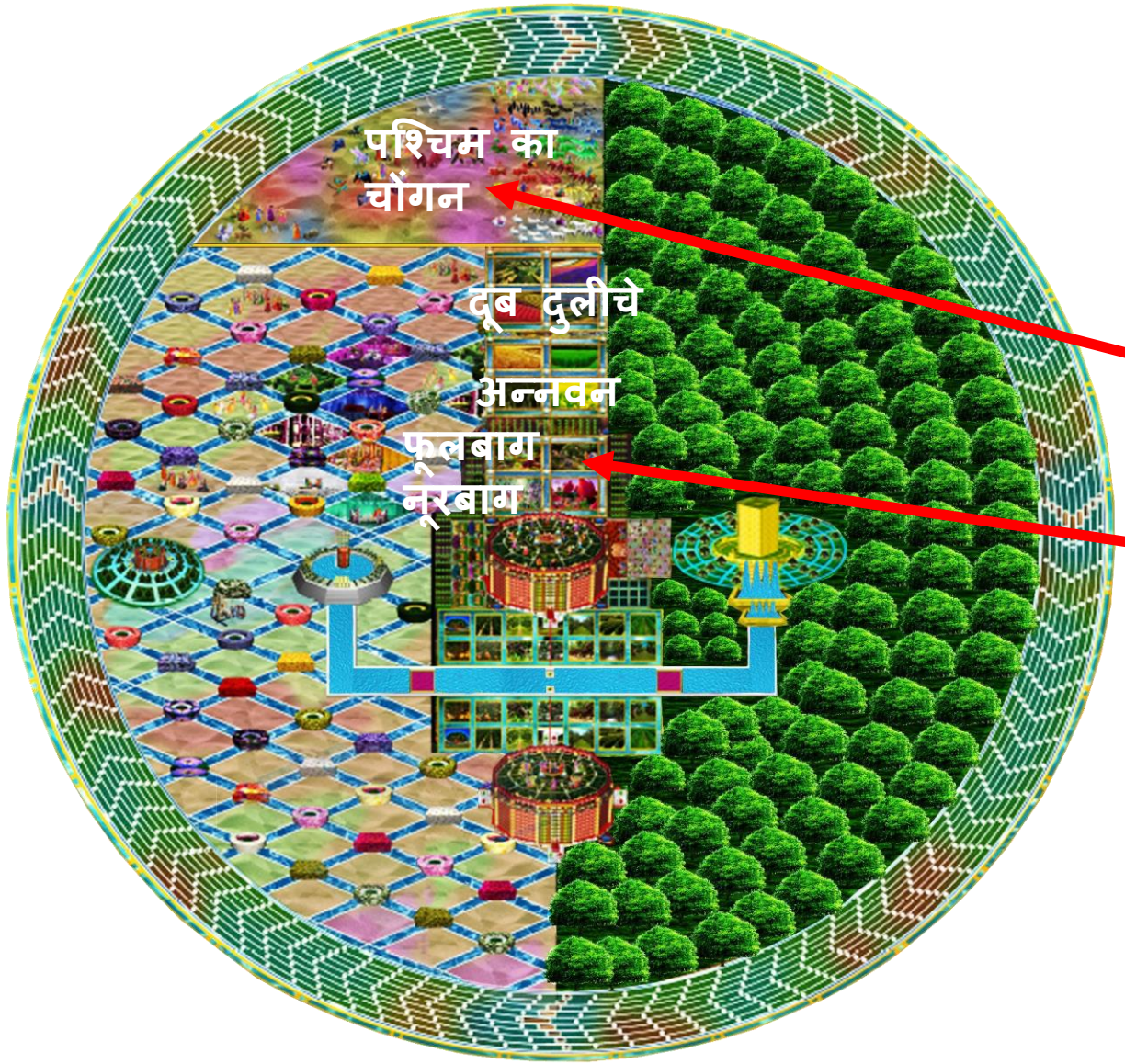




बड़े पहाड़ जो हिण्डोले , बारे हजार बैठत ।
एकै छप्पर खट के , हक हादी साथ हींचत ।।

बड़े पहाड़ जो हिंडोले, बारे हजार बैठत ।
एकै छप्पर खटके, हक हादी साथ हींचत ।।२।।
अनेक पहाड़ कई हिंडोले, जुदी जुदी कई जुगत ।
जो सुख हिंडोले पहाड़ के, जुबां कर ना सके सिफत ।।३।।
कई हिंडोले पहाड़ में, ऊपर से ढांपेल ।
सुख लेवें कई विध के, रूहें करें कई खेल ।।४।।
कई सुख लें मीठे पहाड़ के, कई विध हींचे हिंडोले ।
कई सुख हिंडोले बाहेर, बीच पहाड़ के खुले ।।५।।





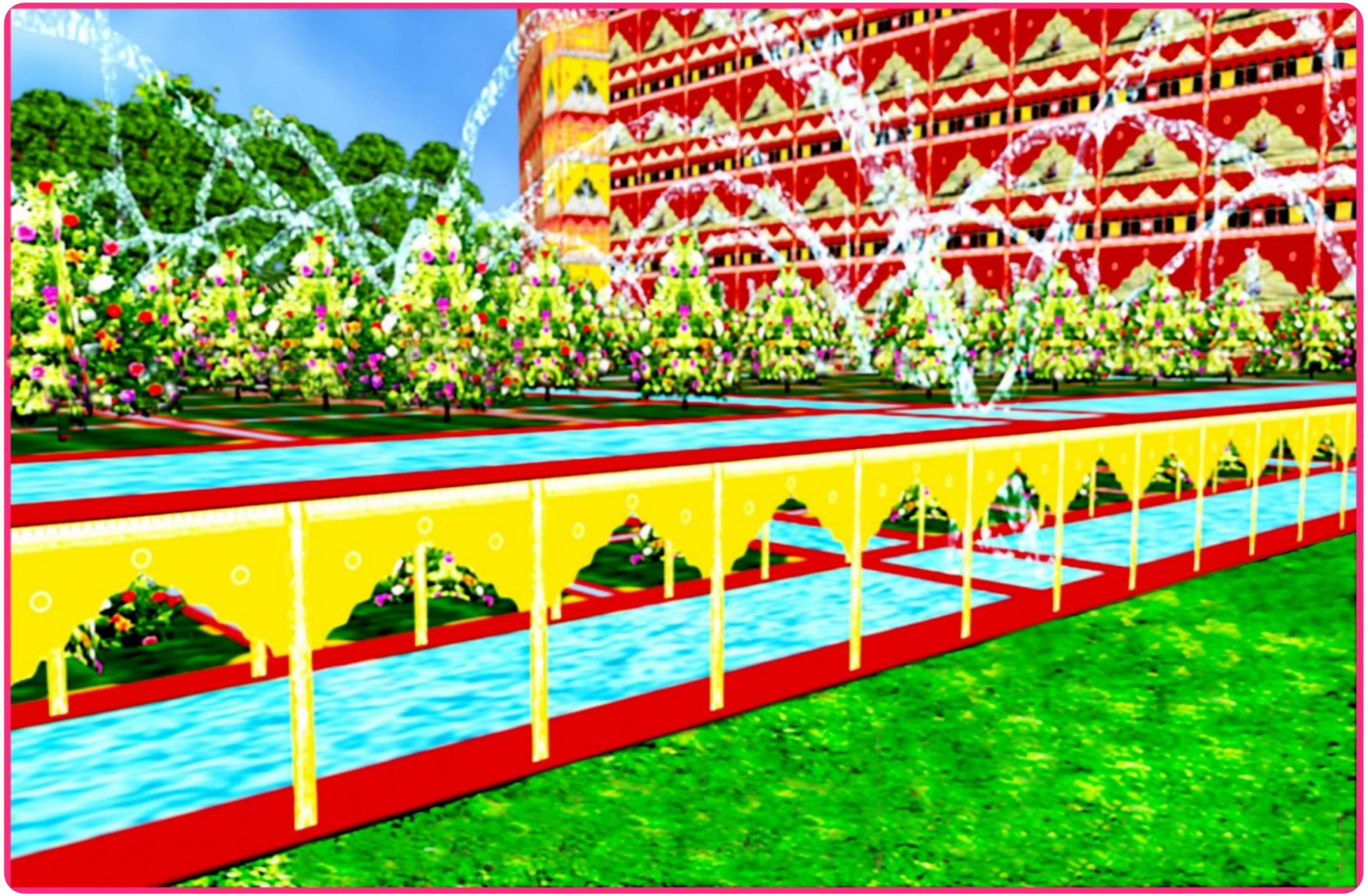
परमधाम विहार

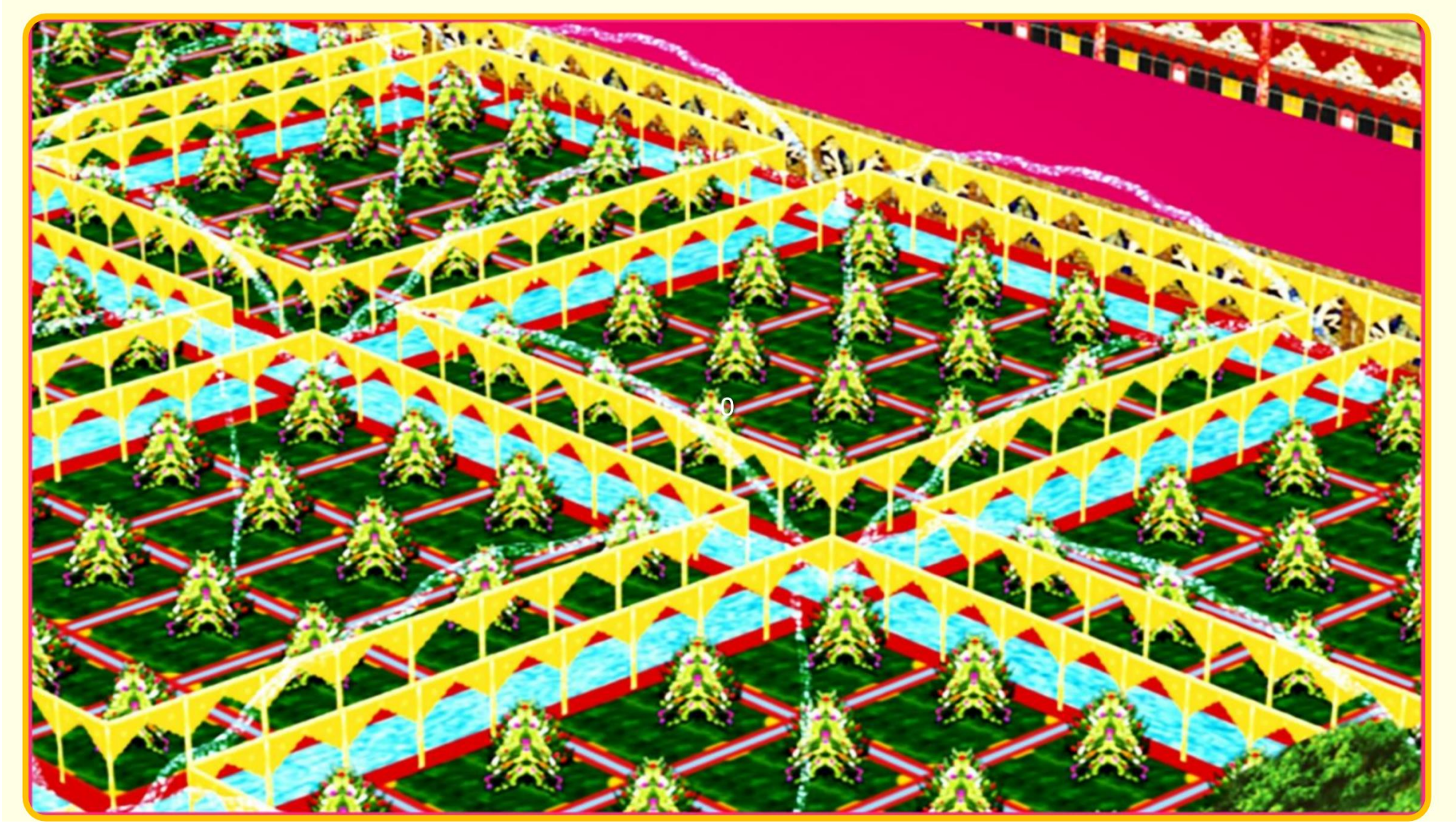
कृष्ण पक्ष (वद)	
पंचमी	पश्चिम का चोंगन **(दूब दुलीचे)**
चतुथ्री	फूलबाग & नूरबाग (अन्नवन)

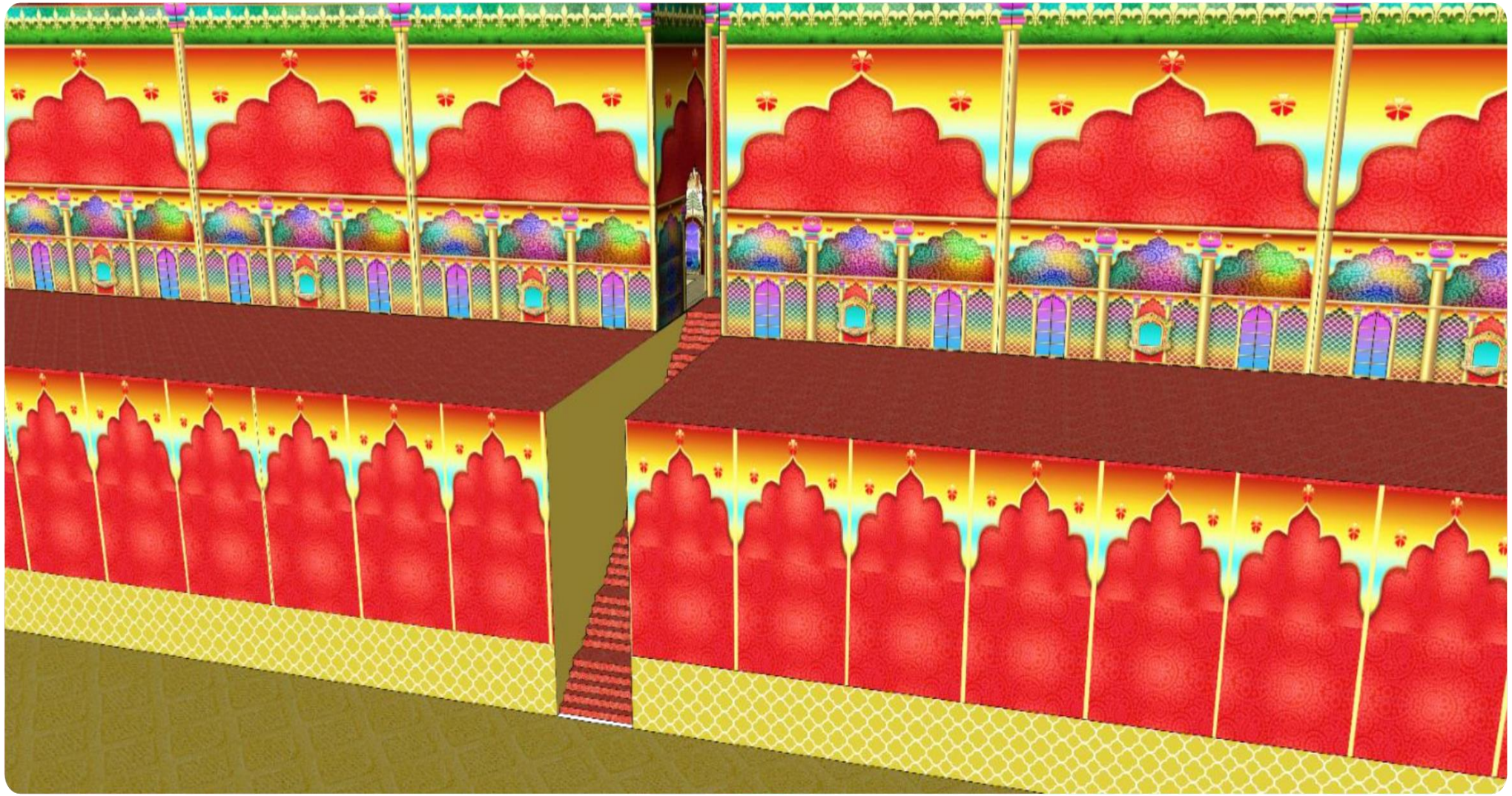




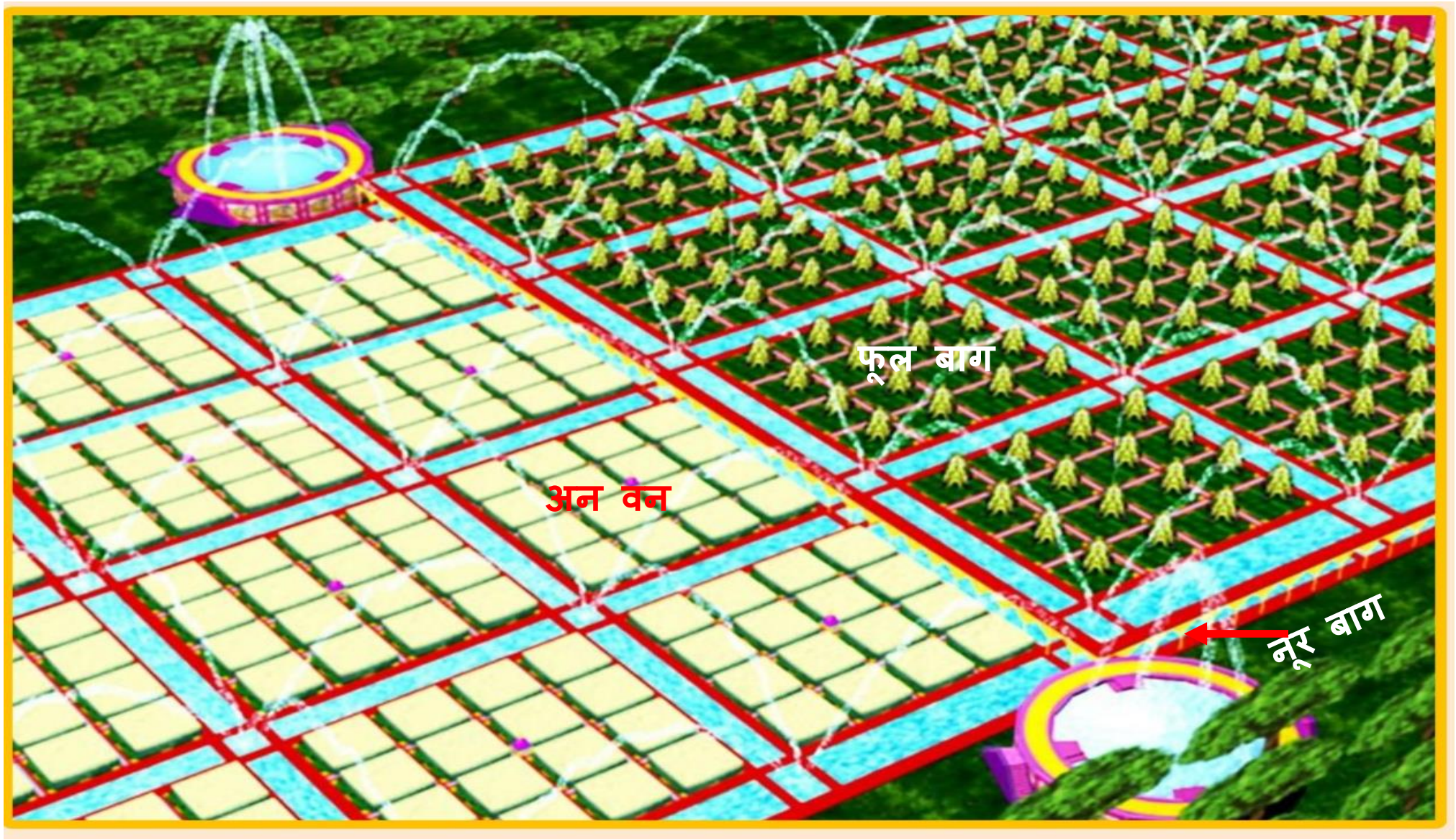
साथजी देखो मोहोल मानिक, जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा सुन्दरता इनकी, ए न आवे बीच सुमार ।।१।।







अन्नवन



Quiz



Quiz

पचिम का चोंगन



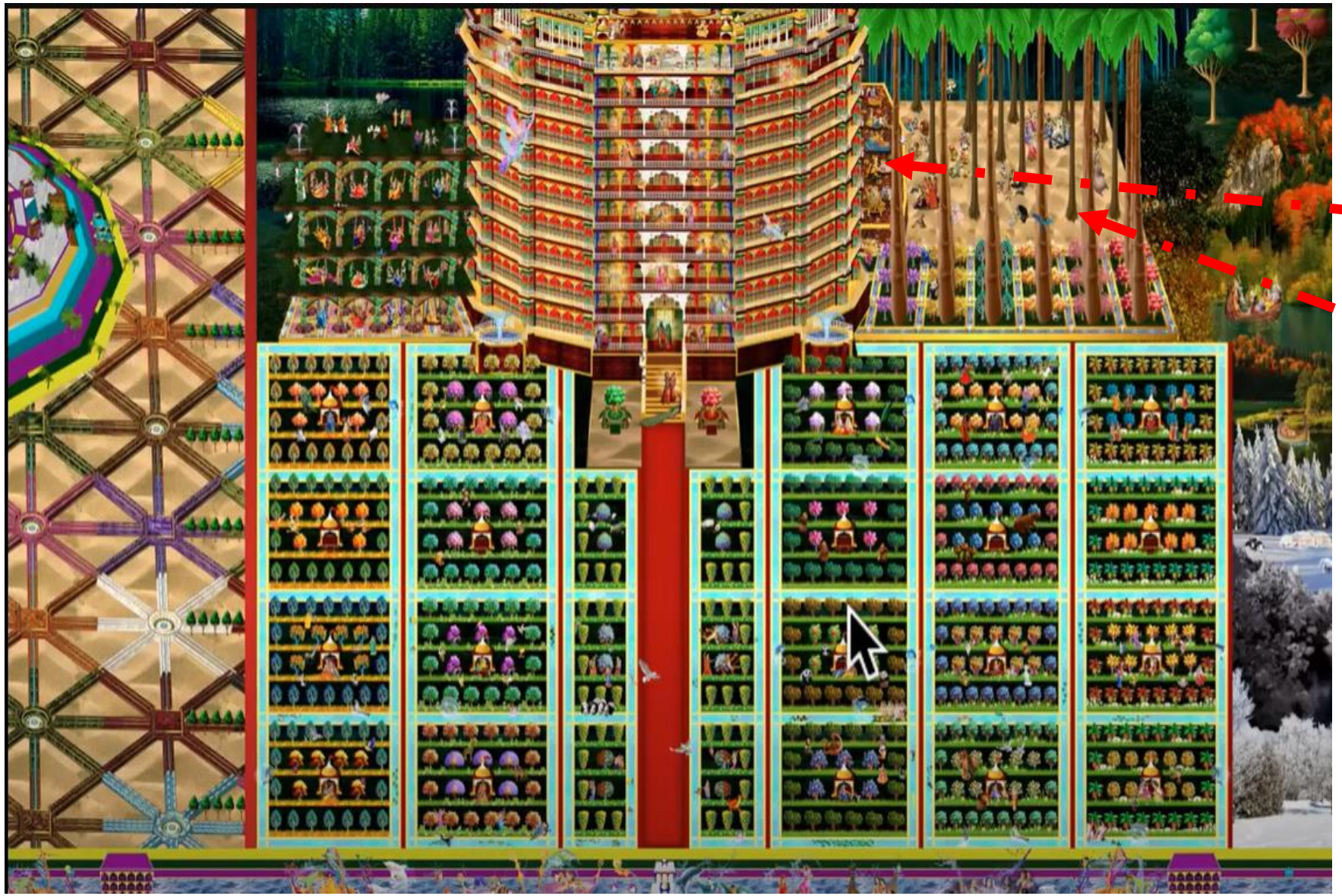

महावन
मधुवन
250 भोम ऊँचे बड़ोवन



- लाल चबूतरा
- बड़ों वन
- मधु वन
- महा वन
- ताड़ वन
- केल मूल

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।



परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
छठ	लाल चबूतरा
सातम	बड़ों वन, मधु वन, महा वन



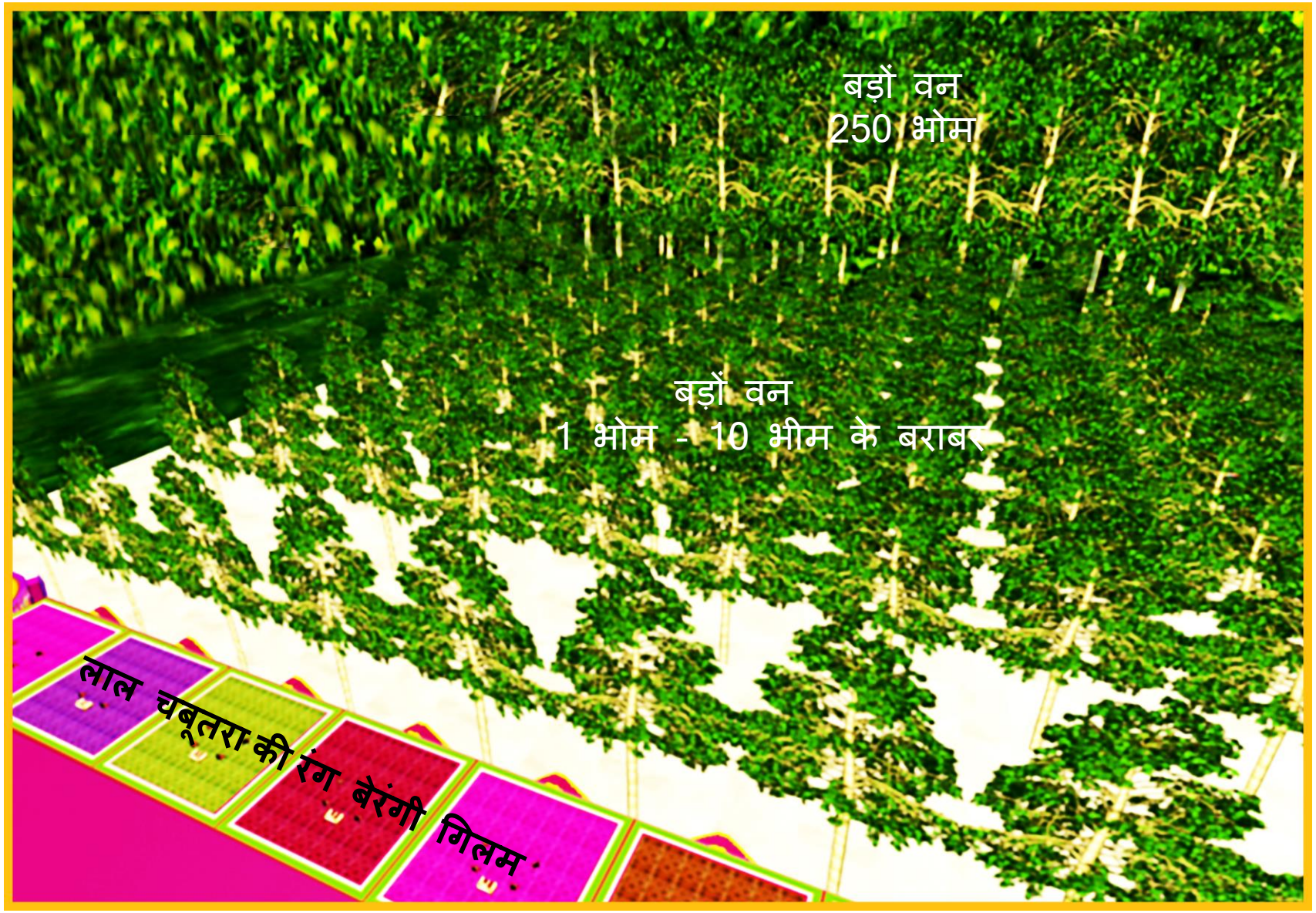


अब कहूं लाल चबूतरा, चालीस हांस मरजाद ।
एह लाल मानक की, सो बका भोम बुनियाद ।।

लाल चबूतरा

- 1 भोम पर , 40 हांस लंबा
- 1200 मंदिर x 30 मंदिर
- गिलम - 40
  - 30 मंदिर x 30 मंदिर
- चांदे , सिडिया – 40,
  - भोम पर से
  - 1 पर हांस

इन चालीस हांस में, है चालीस सिंघासन ।
एह जवेर जुगत जडाव ज्यों, सो झलकत नूर रोशन ।।
कहूं ऊपर छत्र है, कोउ खुले कोउ ढपिल ।
हक हादी रूहें बैठत, इत देखत खिलौने मिल ।।
कई गदेले कुरसियां, कई बैठन ठौर अनेक ।
शोभा सिफत इनकी, ए तो हिसाब बाहिर नेक ।।
हर हांस कठेड़ा बना, द्वार बन्या दरम्यान ।
ए गुरज मुकाबिल दरखत, द्वार आगे एक चौतरी जान ।।
ताके दाएं बाएं सीढ़ियां, गिनती बीस सुमार ।
तहां से तले जिमीअ के, उतर कीजे बिहार ।।
यों ही चालीस हांसो, कठेड़े उतरता चबूतरा ।
तहां से सीढ़ियां उतरती, इन शोभा अति करार ।।


बड़ों वन
250 भोम
बड़ों वन
1 भोम - 10 भीम के बराबर
लाल चबूतरा की रंग बेरंगी गिलम



बड़ों वन

- 1200 मंदिर x 1200 मंदिर
- 41 वृक्ष की 41 हारें
- 1 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - रंगमहाल के 10 भोम के बराबर
  - 41 वृक्ष की 16 हारें
    - 1200 मंदिरx 480 मंदिर
- 250 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - 41 वृक्ष की 25 हारें
    - 1200 मंदिरx 750 मंदिर
- अखाड़ा/चोक – 30 मंदिर x 30 मंदिर
- हिंडोला – 4 पर अखाड़े / चोक
- 10 भोम चांदनी
  - 1 भोम के बड़ों वन के वृक्ष
  - 1200 मंदिरx 510 मंदिर
  - चांदनी के चहबच्चे
- सिडिया (1 मंदिर के बड़े वने के थड़ में)
- छज्जा (5 हाथ each भोम)





इत हक हादी रूहें, बैठत सिंघासन ।
बड़े जानवरों का, लेत मुजरा रोशन ।।

आप अपनी मरजादा, खड़े रहे जानवर ।
नेक तो मैं कहूं, सो मोमिनों की खातर ।।

जो सुख लाल चबूतरे, लेत मोहोला बड़े पसुअन ।।
ऐ बैठक सुख क्यों कहूँ, ए सुख जानें अर्श के तन ।।
हर खाँचे जातें जुदी जुदी, आप अपनी विद्या खेलत ।
गाएँ नाचें जिकर करें, हर भांते रूहों रिझावत ।।
हाथी बाघ चीते सियाहगोस, खेलें मिलें आतम नहीं रोस ।
हंस गरूड़ पंखी कई जात, नाम लेऊँ केते कै भांत ।।
खरगोश एक जवेर का, चले रूह के मन सों ।
बड़ा फील लड़े अर्स का, कहो कौन जीते इनमों ।।



कइ वन हैं इत ताड़ के , कइ खजूरी नारियर ।
और नाम केते लेऊँ , बट पीपर सर ऊमर ।।

ताड़ वन की लीला

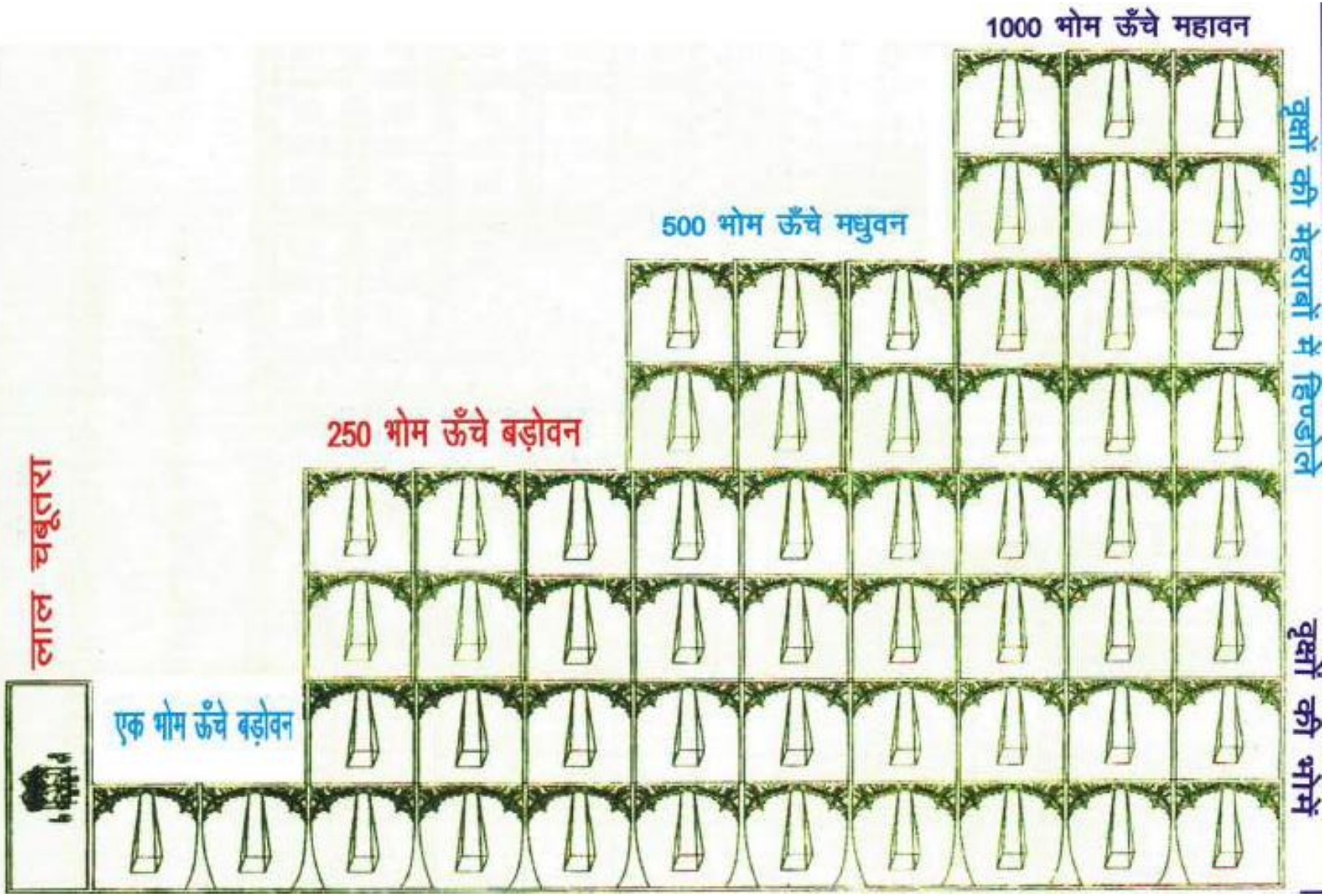




ऐ बन लगा जाये के, चाँदनी के मुकाबिल ।
धाम चाँदनी ताड़वन की, एक हुई देखो दिल निरमल ।।



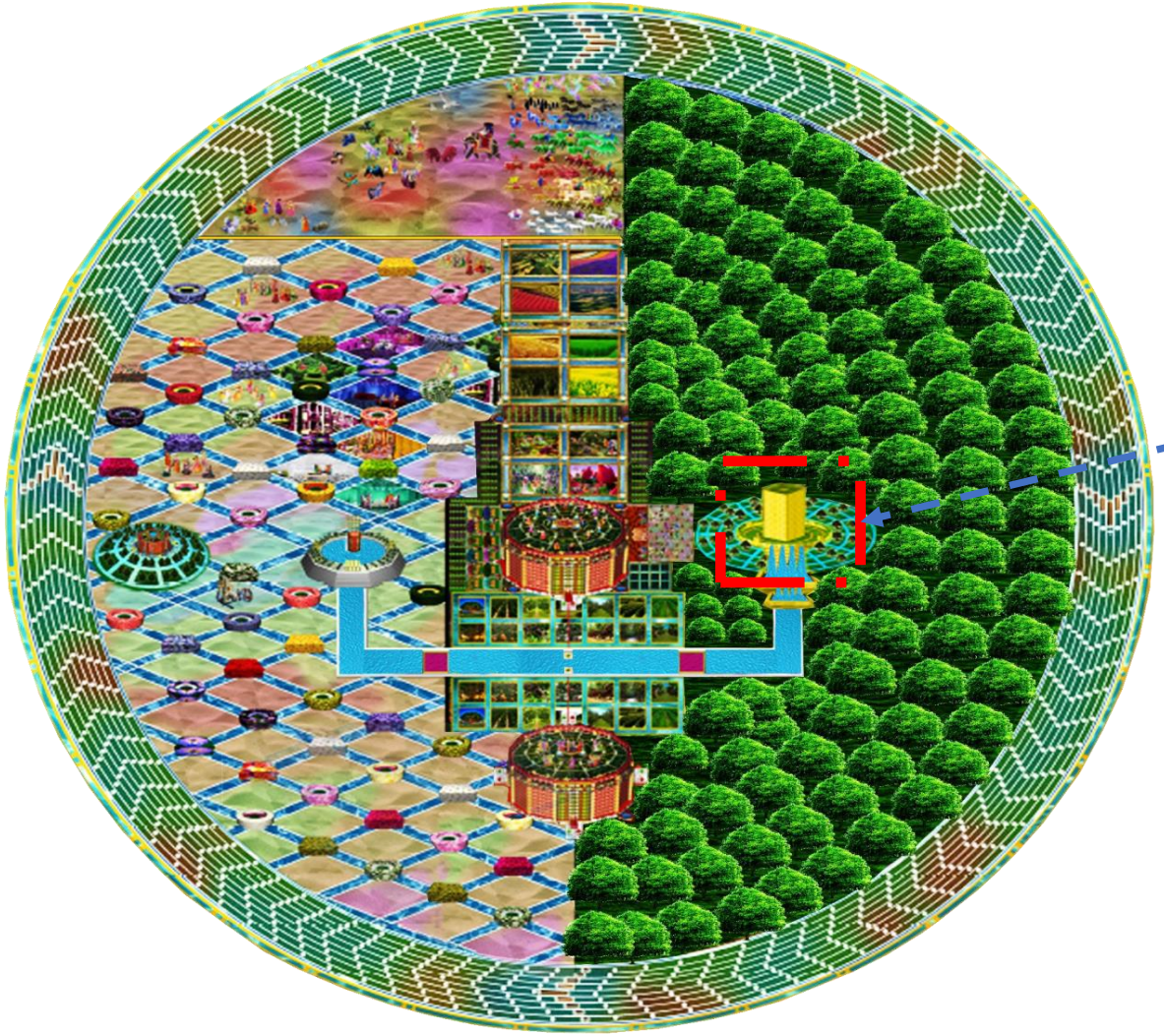
फेर कहूं सुख तले बन के, ए बन बड़ा विस्तार ।
भर चबूतरे आगूं चल्या, मिल्या मधुबन किनार ॥७८॥


1000 भोम ऊँचे महावन
500 भोम ऊँचे मधुवन
250 भोम ऊँचे बड़ोवन
एक भोम ऊँचे बड़ोवन
लाल चबूतरा
वृक्षों की मेहराबों में हिण्डोले
वृक्षों की भोमें


MahaVan
MahaVan

हिंडोले





पुखराज

➢ पुखराजी पहाड़

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।



परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



- पुखराज पहाड़
- पश्चिम की धाटी
- उतर की धाटी
- दक्षिण की नहेर
- बंगलाजी
- अधबीच का कुण्ड
- ढपो चबूतरा
- मूल कुण्ड
- ढपी खुली जमुनाजी

गिरद मोहोल बराबर, तरफ तले संकड़ा ।
मोहोल बढ़ते बराबर, चढ़ते अति चौड़ा ।।५।।

खूबी इन पहाड़ की, ऊँचा माहें आकास ।
कई मोहोल बैठक रोसनी, ज्यों रोसन धाम प्रकास ।।११।।

View of पुखराज पहाड़

पुखराज पहाड़ की शोभा - View From North Side (उत्तर से)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





सुख क्यों कहूँ पहाड़ पुखराज के, और कहा कहूँ मोहोल तले।
ऊपर चौड़े मोहोल चढ़ते , मोहोल तीसरे तिन उपले ।।


View of Pukharaj Pahad
From South Side
दक्षिण से
उतर
की धाटी
पुखराज
पश्चिम
की धाटी
बंगलाजी
अधबीच
का कुण्ड
मूल
कुण्ड
ढपो
चबूतरा


View of Pukharaj Pahad
From West Side
पूर्व से
चांदनी
आकाशी महल
पुखराज की चांदनी में बगीचे
महावन
उत्तर व पश्चिम की घाटी (सीढ़ियाँ)
हजार हांस के महल
4 धाराएँ
पुखराजी ताल
पुखराज का चबूतरा
घाटी का चबूतरा
16 धाराएँ
अधबीच का कुण्ड
5 पेड़


West
पश्चिम
South-West
नैऋत्य कोण
North-West
वायव्य कोण
South
दक्षिण
Rang Mahal
रंगमोहोल
North
उत्तर
अग्नि कोण
South-East
ईशान कोण
North-East
पूर्व
East

पुखराज पहाड़ की शोभा - View From West Side (पचिम से)

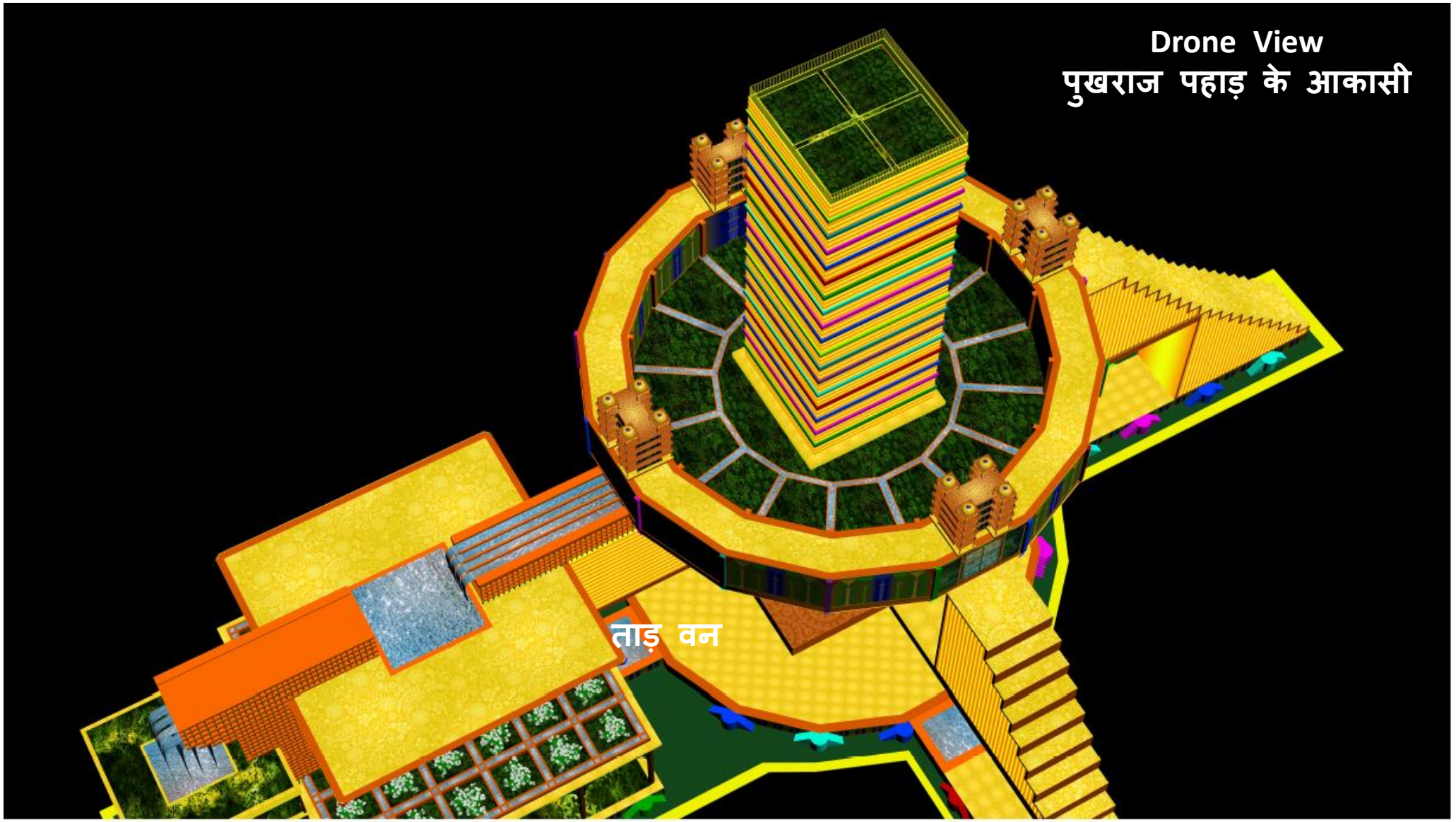
https://nijanand.org/paramdham-charchani/

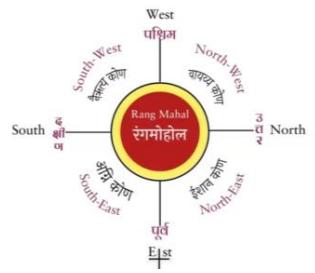


View of Pukharaj Pahad
From West Side
पचिम से



पुखराज पहाड़ की शोभा - Drone View



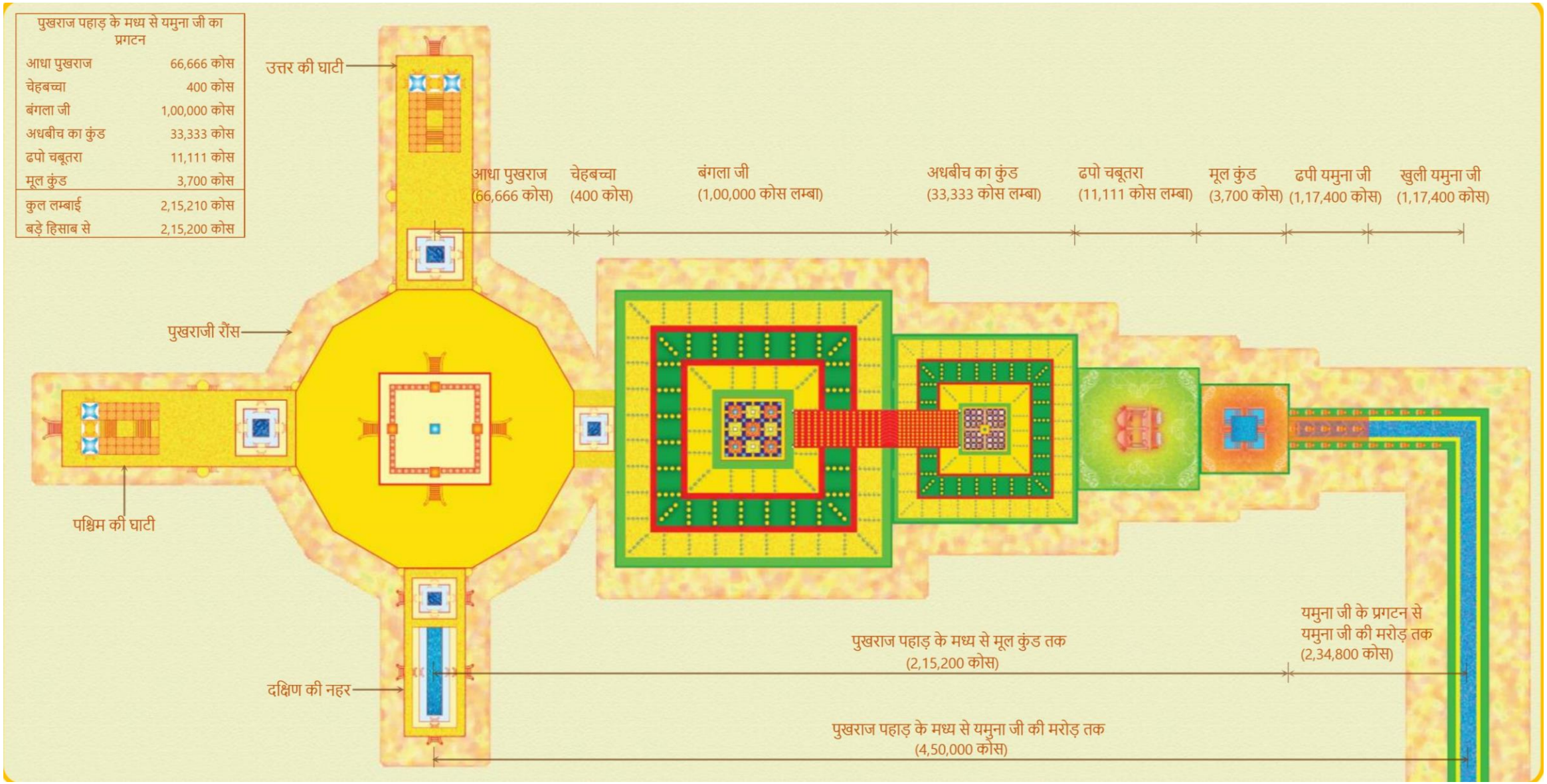






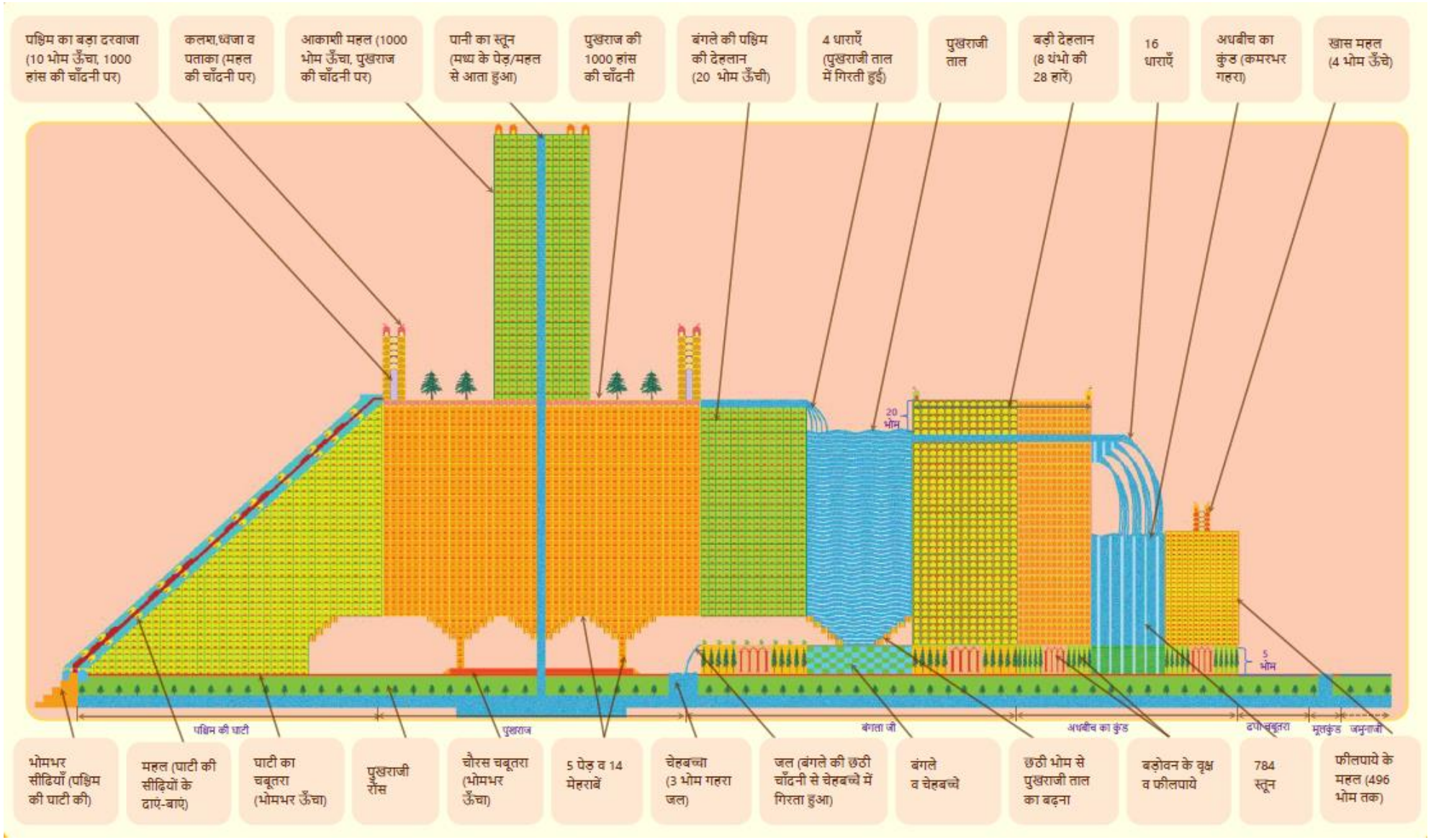
रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा - पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा - पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

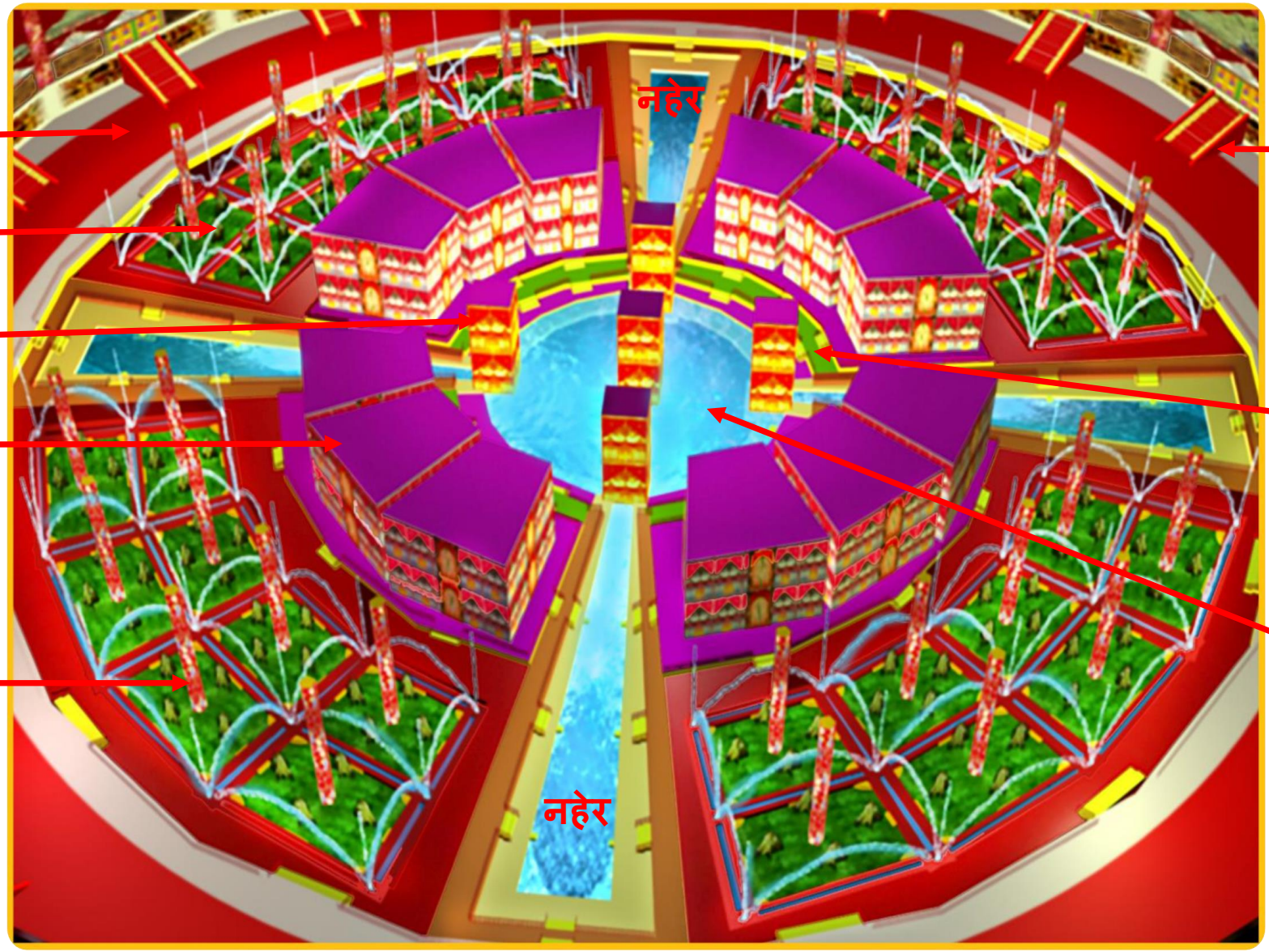




पुखराज पहाड़ की शोभा


आकाशीमहल की चदानी
पश्चिम
की धाटी
हजार हांस की चादनी
पाच पेड़
चबूतरा
उतर
की धाटी


आकाशी
महल
1000
भोम
हजार हांस की चादनी
250 भोम से 1000 भोम
गोलाई में छज्जे बढ़ना
6th भोम से
250 भोम
छज्जे
पेड़
चबूतरा

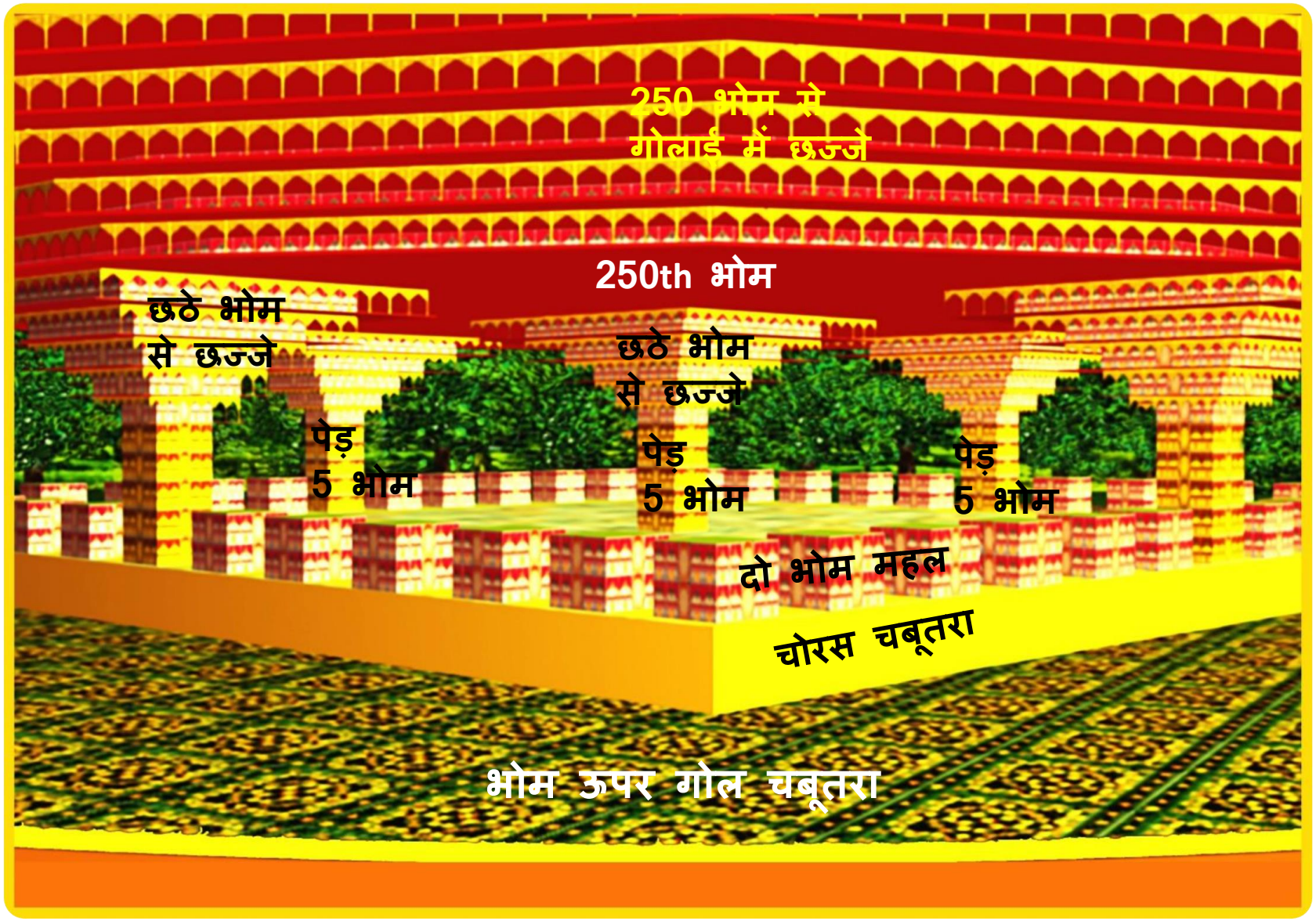

रोंस
52 बगीचों की हार
पाँच पेड़
53 महलों की हार
2 भोम
बगीचों के थंभ
2 भोम
नहेर
नहेर
सीडियाँ
खजाने का ताल की
पाल & जल रोंस
खजाने का ताल



चबूतरा

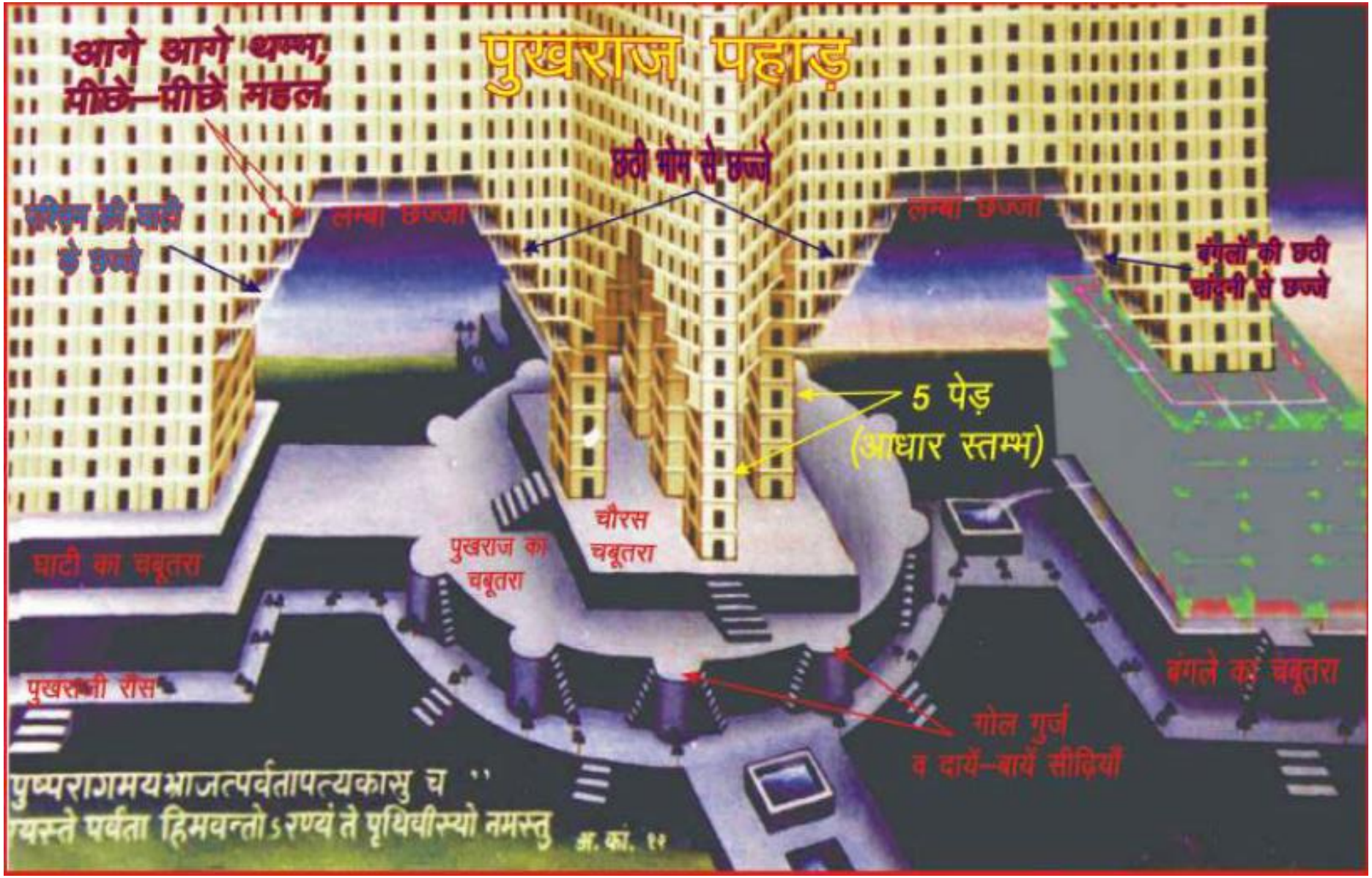
- गोल चबूतरा
- गुर्ज
- सीढियाँ
- चोरस चबूतरा
- पाच पेड़ – 5 भोम के महल
- 2 भोम के महल
- छज्जे
  - 6th भोम के छज्जे & महल
  - 250th भोम के छज्जे & महल
- 14 मेहराव

पूखराज के चोरस चबूतरे की शोभा



ए जो चारों थम्भ कहे, ताके गृद चौरस ।
ए जो चबूतरे पर चबूतरा, सो अतंत बन्या सरस ॥१॥
थम्भ हजार हांस सकड़ी, चबूतरे हांस बड़ो विस्तार ।
ता पर फिरता कठेड़ा, बीच बीच बने हैं द्वार ॥३॥

छज्जे गोख कठेड़े बने, फिरते फिरे गृदवाए ।
कई अन्दर मोहोल बने, सो आवत नहीं जुबांए ॥६॥
चढ़ती चढ़ती छातों पर, थम्भ बने अति नूर ।
केतिक छातें बराबर, सो क्यों कर कहूं जहूर ॥५॥


आगे आगे थम्भ,
पीछे-पीछे मंडल
पुखराज पहाड़
छठी भोम से छज्जे
लम्बा छज्जा
लम्बा छज्जा
बंगलों की छठी
चांदनी से छज्जे
5 पेड़
(आधार स्तम्भ)
चौरस
चबूतरा
पुखराज का
चबूतरा
घाटी का चबूतरा
पुखराजी रौस
बंगले का चबूतरा
गोल गुर्ज
व दायें-बायें सीढ़ियाँ
पुष्परागमयभ्राजत्पर्वतापत्यकासु च
यस्ते पर्वता हिमवन्तोऽरण्यं ते पृथिवीस्यो नमस्तु
अ. वा. १२


West
पश्चिम
South-West
नैऋत्य कोण
North-West
वायव्य कोण
South
दक्षिण
Rang Mahal
रंगमोहोल
North
उत्तर
अग्नि कोण
South-East
ईशान कोण
North-East
पूर्व
East



हजार हांस जो चबूतरे, त्यूं हीं हजार हांस उपली छात ।
थम्भ चार तले से लगे तिन को, फेर कहूं ताकी बात ॥८॥

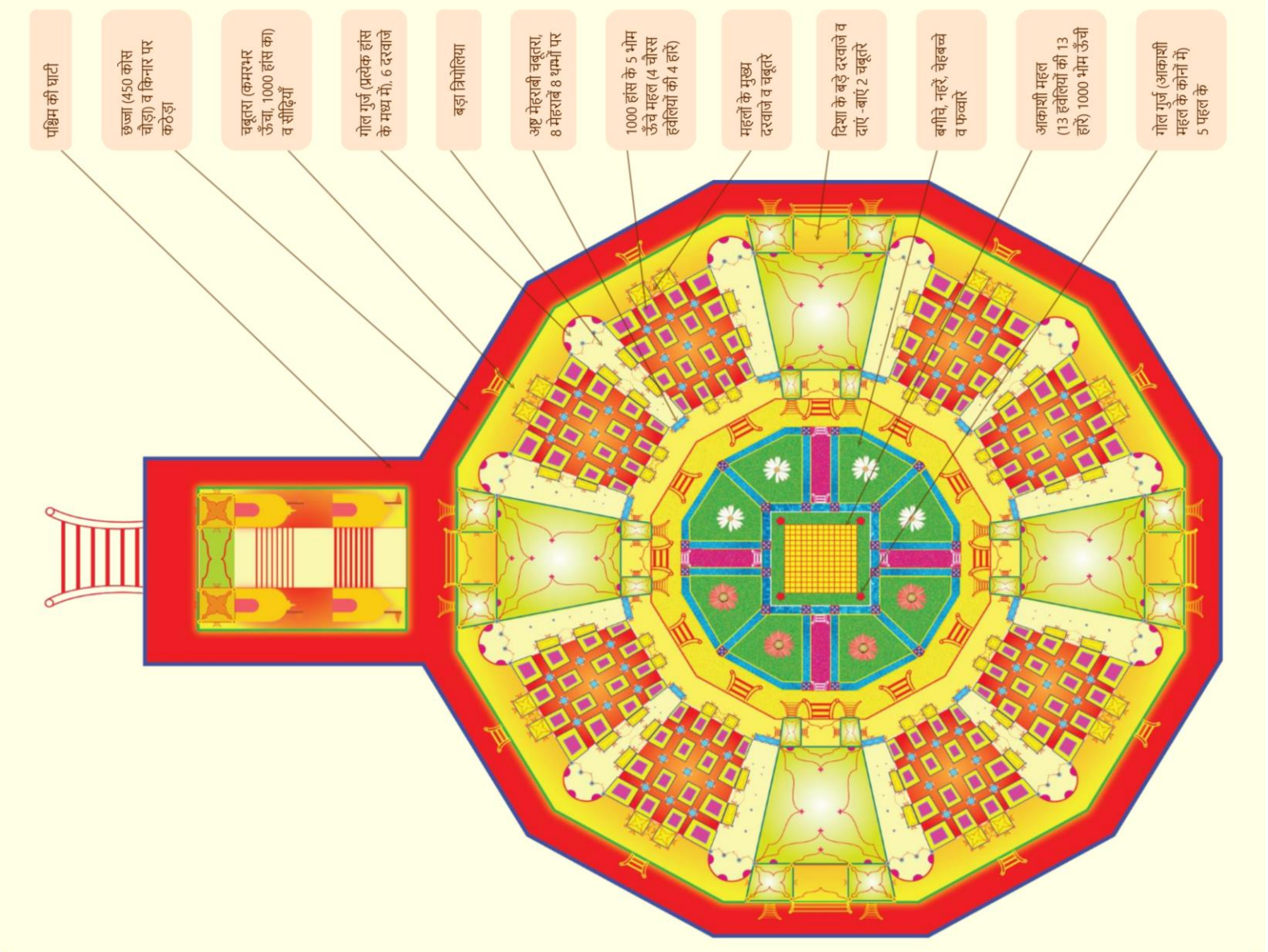
हजार हांस की चादनी

1000 भोम - 1000 हांस

- छज्जे
- चबूतरा
  - रौंस
- हवेली / महल
  - 5 भोम , 6th चादनी
  - एक हांस में 4 हवेली की 4 हार
  - मंदिर
  - चादनी – दीवाल , सीडियाँ, देहूरी
- गोल गुर्ज
  - अष्ट महेरावी चबूतरा
- दिशा के बड़े दरवाजे
  - 10 भोम , 11 चादनी
  - दरवाजे & चबूतरा
  - महल – 5 भोम, 6th चादनी
  - दिशा के दरवाजे की चदानी
- बगीचे, नहेरे, चहबच्चे , फुवारे
- आकाशी महल

पुखराज की हजार हांस की चादनी की शोभा

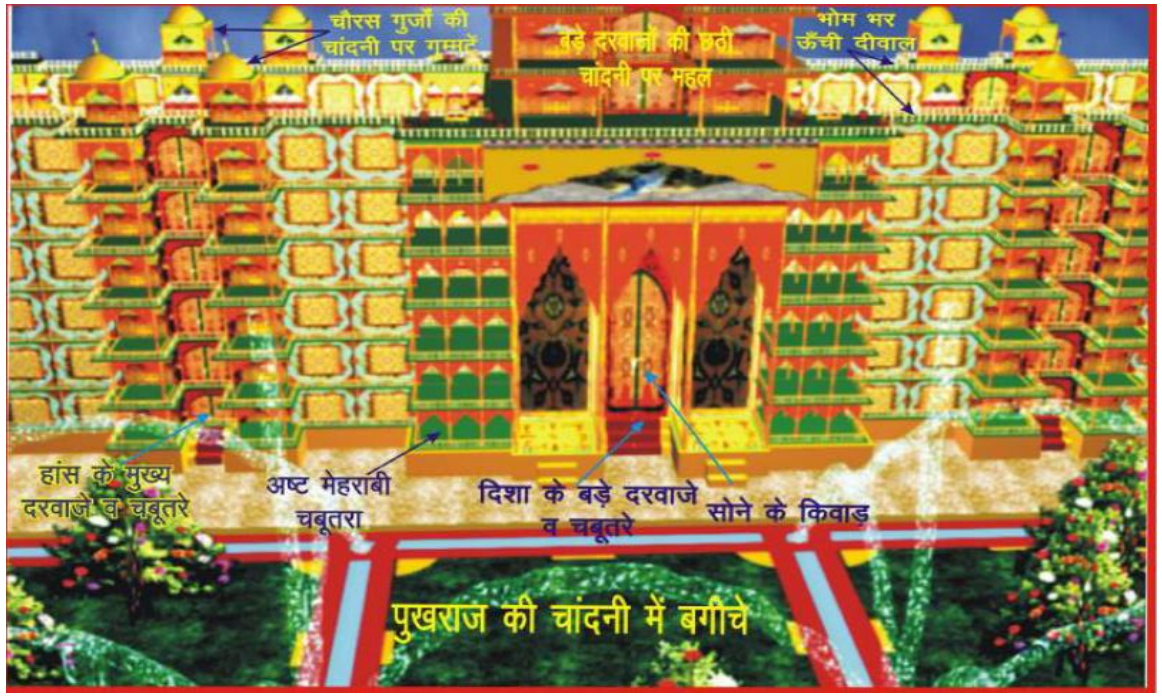
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





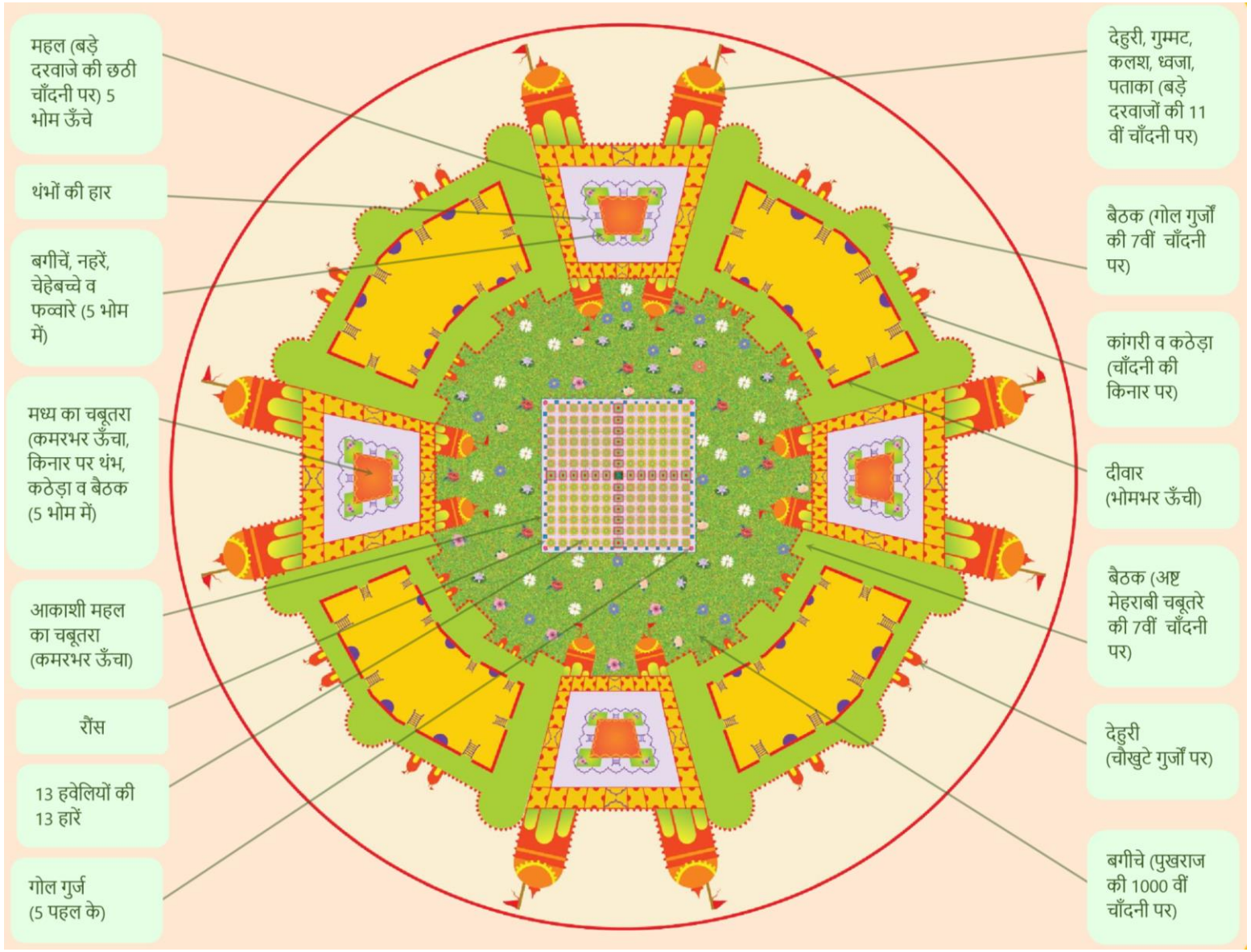
पुखराज की हजार हांस के महल के दिशा के बड़े दरवाजे के बहारी शोभा





बड़े दरवाजे के भीतर की शोभा

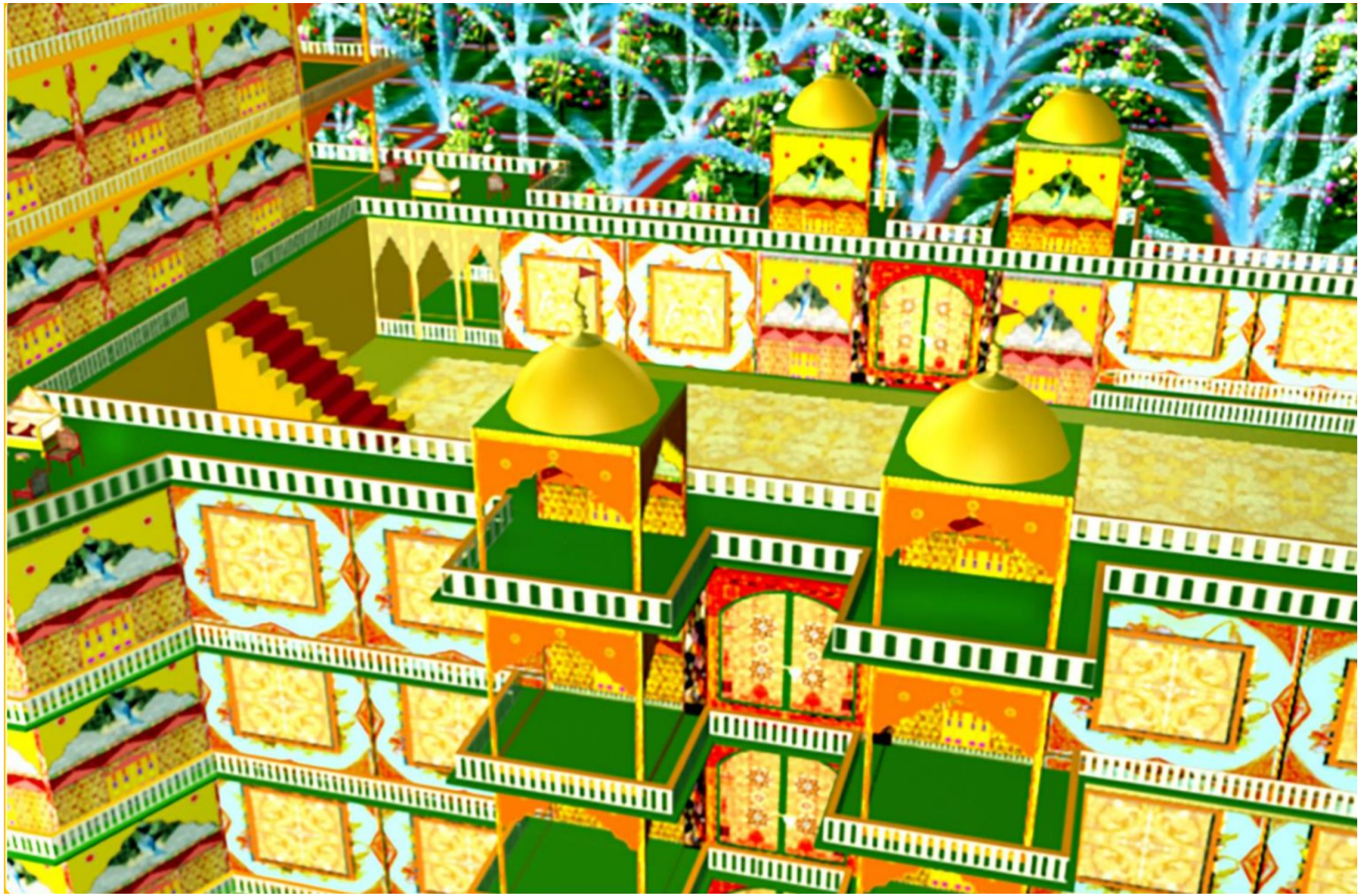
पुखराज की हजार हांस के महल की छठी चादनी & दिशा के दरवाजे कि 6th भोम से 10th भोम की शोभा

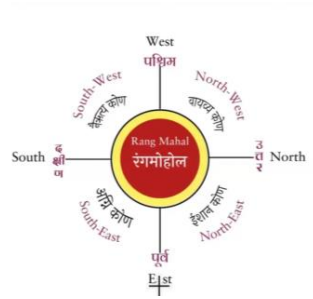




पुखराज की हजार हांस के महल की छठी चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/







आकाशी महल
44000 कोस

- **हवेलयों**
  - 13 हवेलियों की 13 हारें
  - मध्य की बड़ी हवेलियाँ
    - 3600 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, स्तून , थंभ, हिंडोले
    - स्तून
  - दिशा की बड़ी हवेलि
    - 3600 कोस लंबी 2800 कोस चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, थंभ, हिंडोले
  - अन्य बड़ी हवेलियां
    - 2800 कोस लंबी 2800 कोस चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, थंभ, हिंडोले
- **गोल गुर्ज – 4 (कॉर्नर में , पाच पहर)**
- **त्रिपोलिये के गुर्ज – 48**
- **चोखूटें के गुर्ज – 104** (हवेली के दरवाजे के चबूतरे पर)
- **चादनी**
  - चबूतरा
  - बगीचा , नहेरें
  - देहुरियाँ , बेठक

पुखराज के आकाशी महल की शोभा



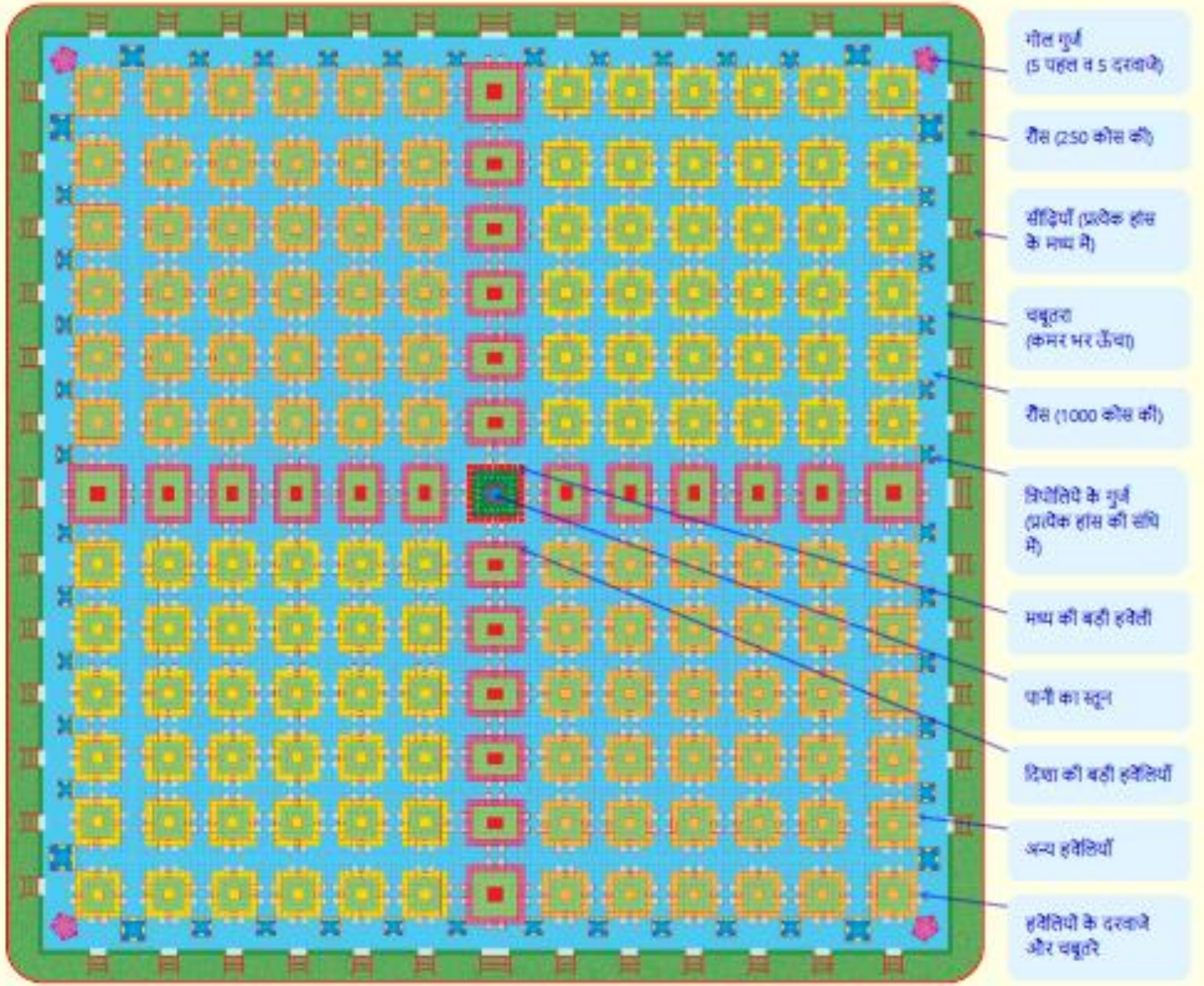


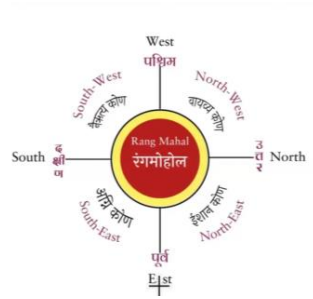

त्रिपोलियों
के गुर्ज
बड़े दरवाजे व चबूतरे
(चौखूंटे गुर्ज)
गोल गुर्ज
रौंस
कमर भर
ऊँचा चबूतरा
3–3 सीढ़ियाँ


West
पश्चिम
North-West
South-West
South
North
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
East

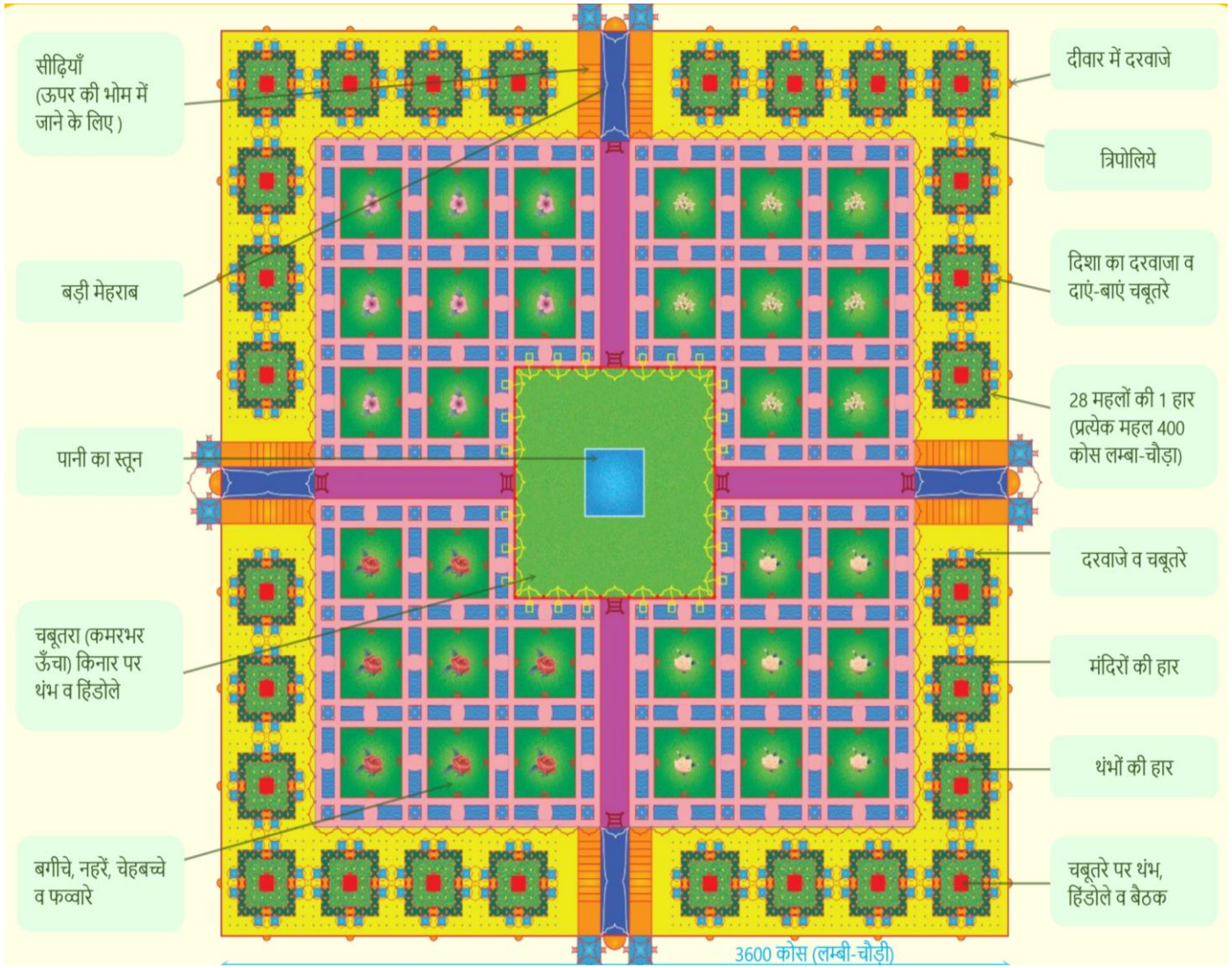
पुखराज के आकाशी महल की 13 हवेलियों की 13 हारें की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

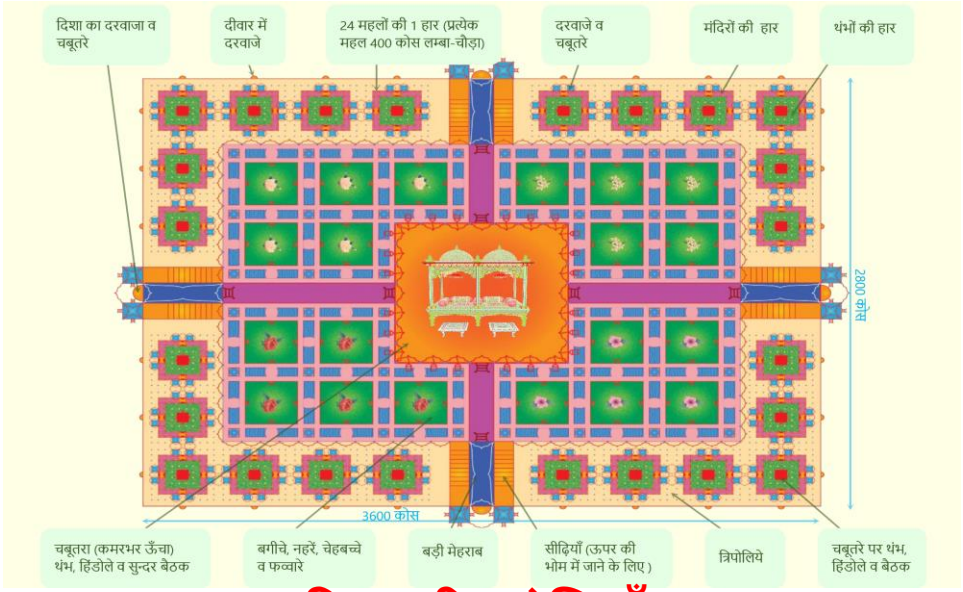




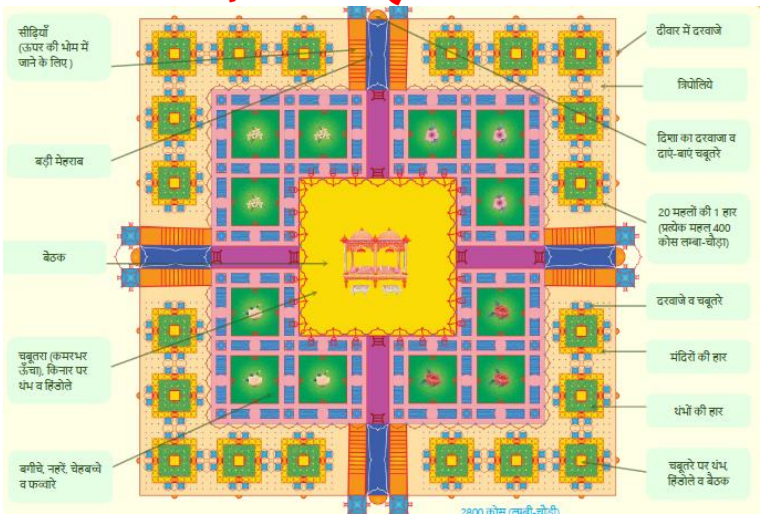
पुखराज के आकाशी महल के हवेलियाँ की शोभा



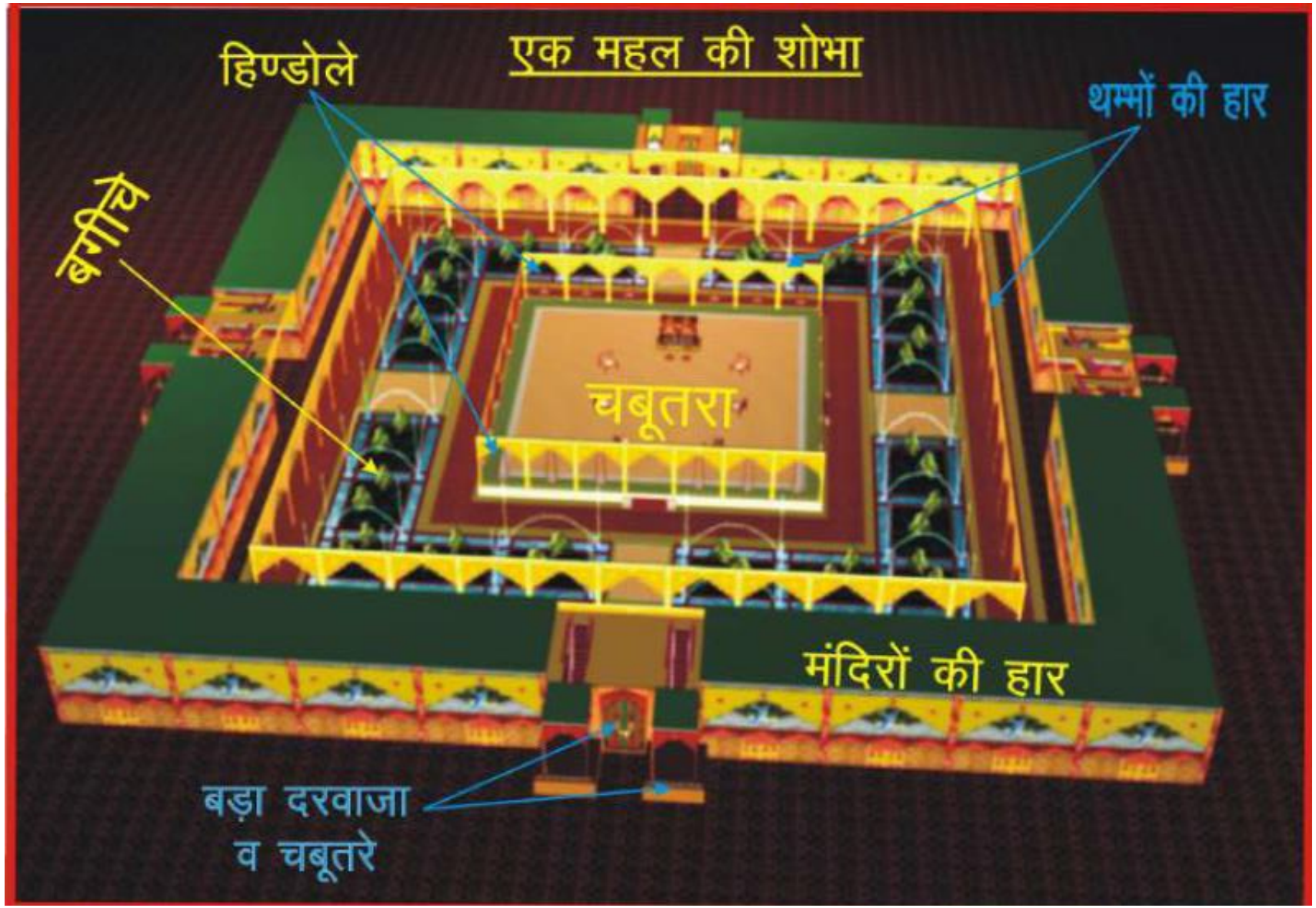
मध्य की बड़ी हवेलियाँ



दिशा की हवेलियाँ



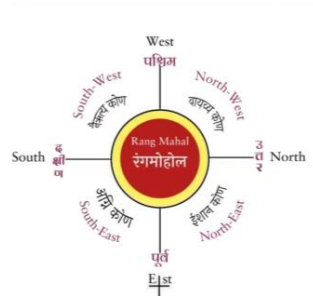
अन्य हवेलियाँ


एक महल की शोभा
हिण्डोले
थम्मों की हार
चबूतरा
मंदिरों की हार
बड़ा दरवाजा
व चबूतरे


West
पश्चिम
North-West
South-West
North
South
Rang Mahal
रंगमोहोल
North-East
South-East
East
पूर्व

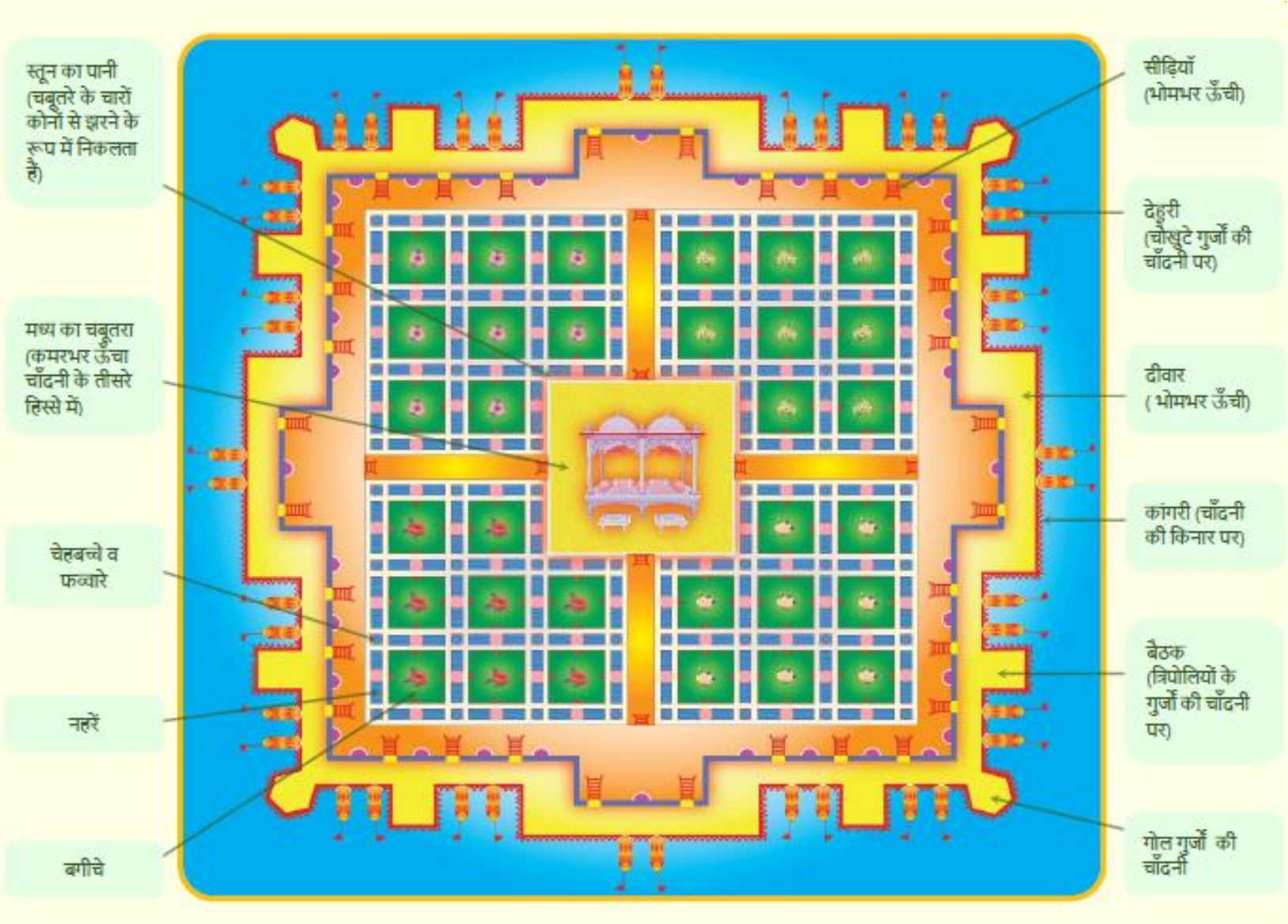
पुखराज के आकाशी महल की चादनी की शोभा





पुखराज के आकाशी महल की चादनी की शोभा

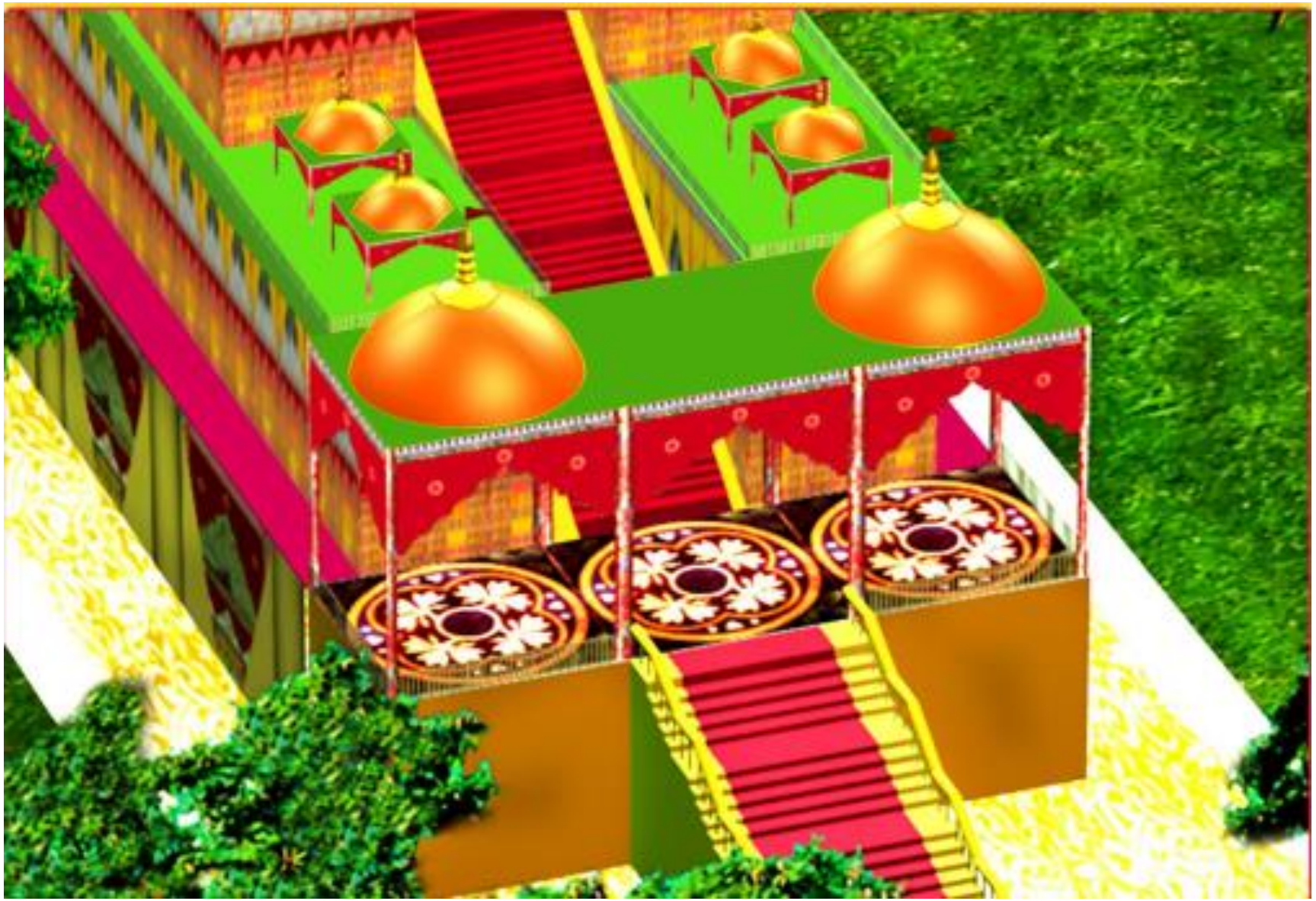
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





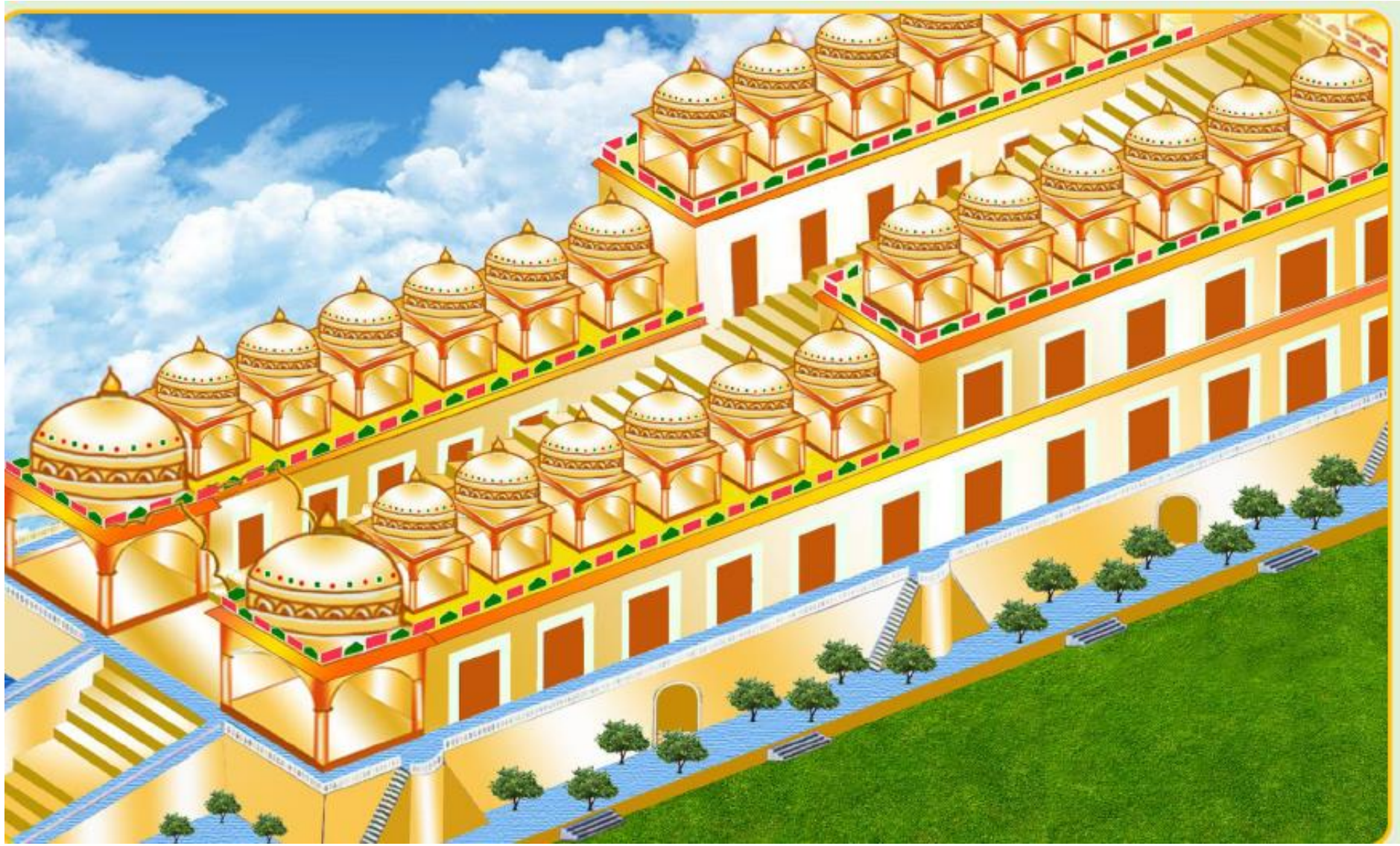
पचिम की धाटी, उतर की धाटी , दक्षिण की नहेर

पूखराज की पचिम की धाटी की शोभा





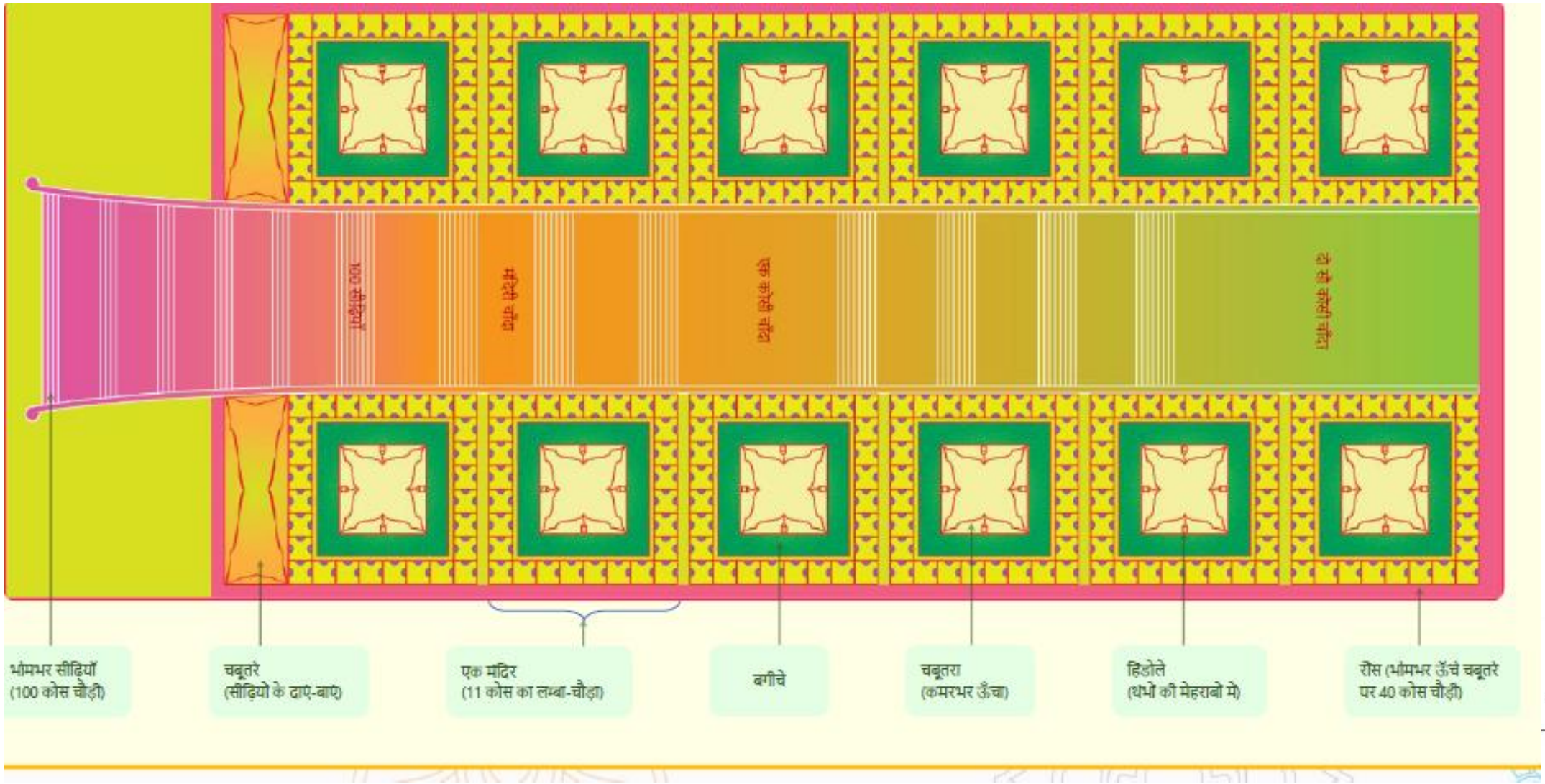
पूखराज की पचिम की धाटी की शोभा





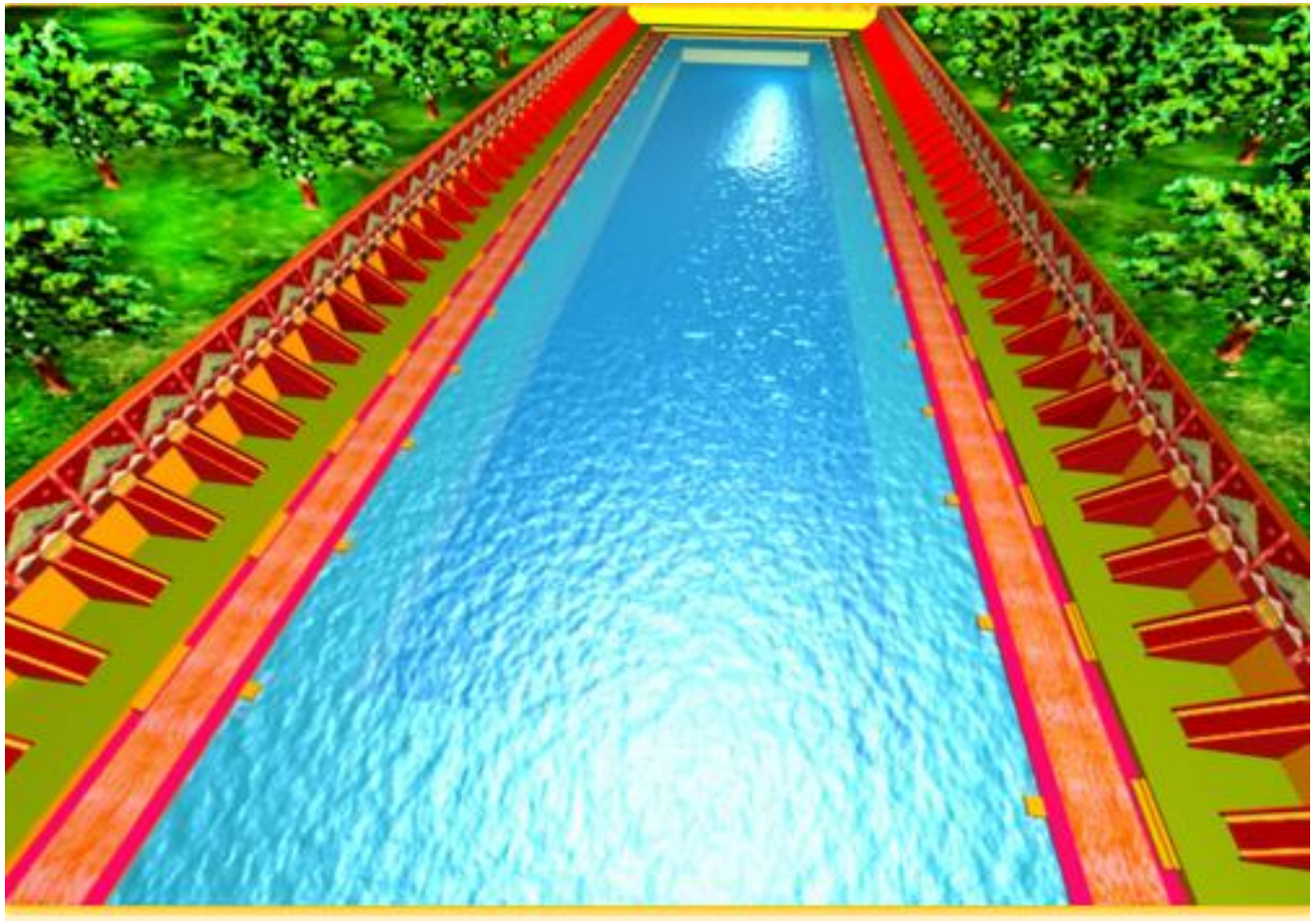
पूखराज की पचिम की धाटी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



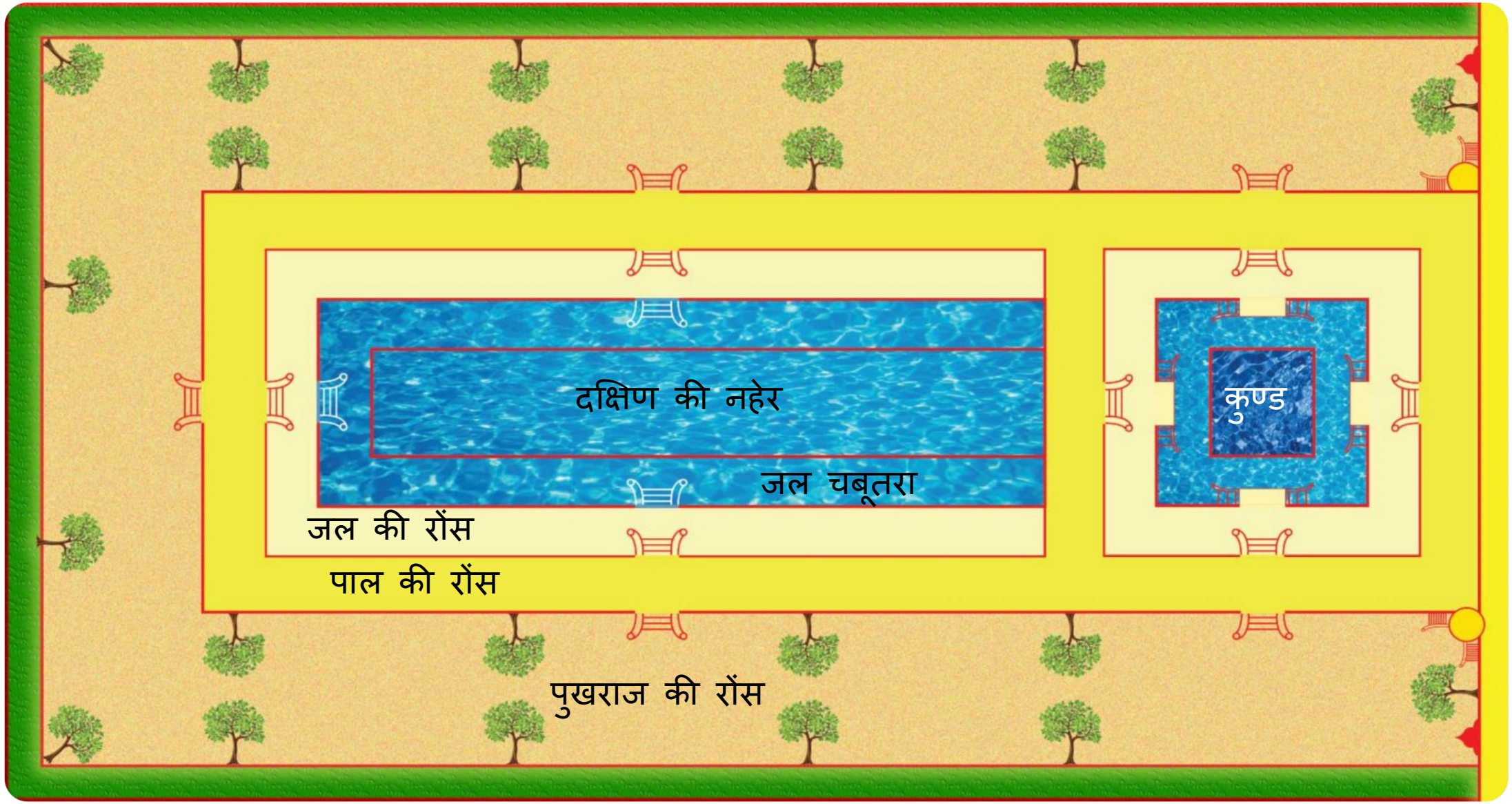


पूखराज की पचिम की धाटी की तलहटी





पूखराज पहाड़ - दक्षिण की नहेर



बंगलजी की शोभा

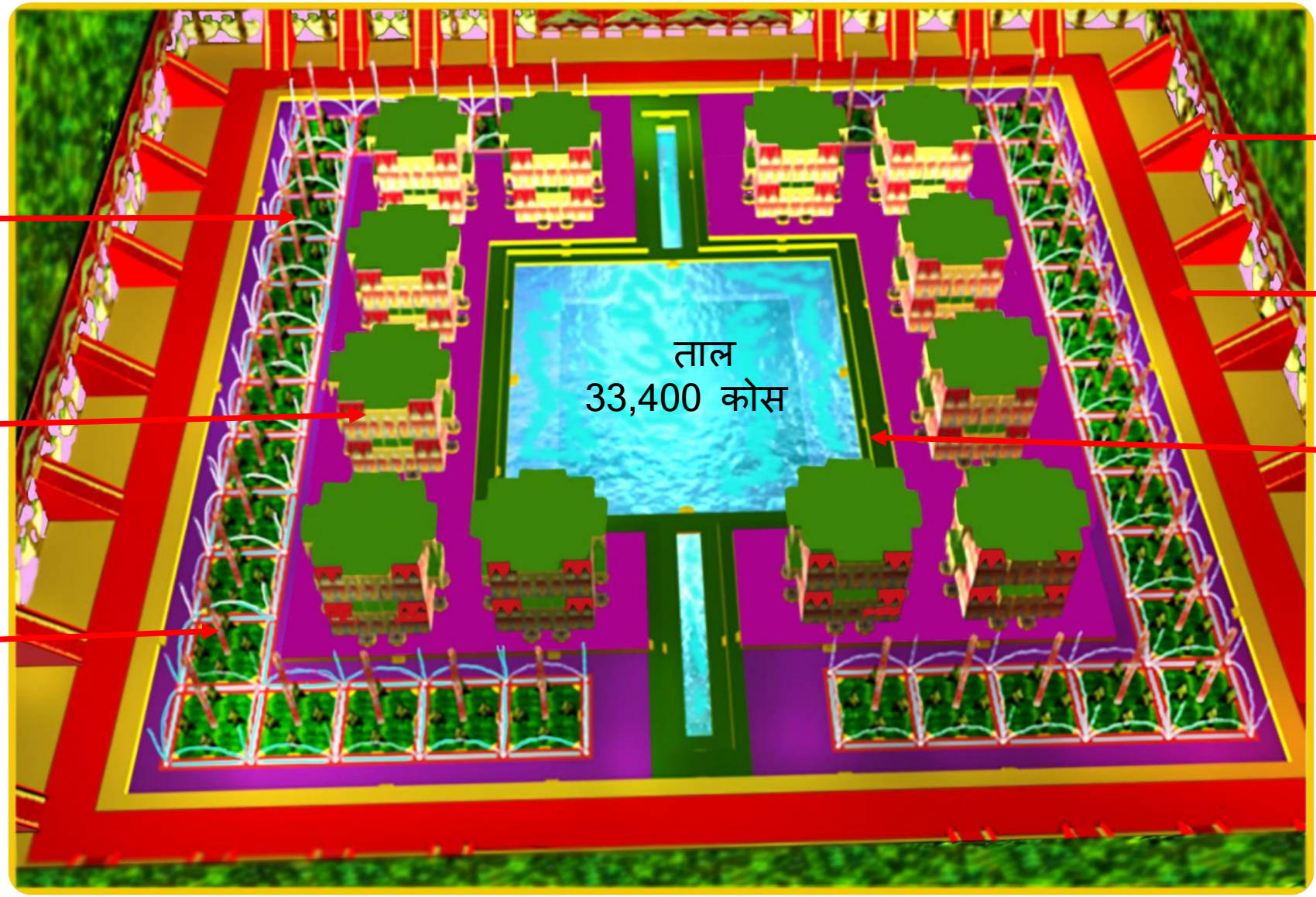


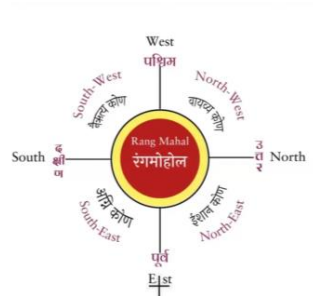
बंगलजी
100,000 कोस लंबा – चोड़ा

- तलहटी – 1 भोम नीचे
  - बगीचा – 38 हारें
  - महल – 39 हारें
  - ताल – 33,400 कोस लम्बा चोडा
- चबूतरा – 1 भोम ऊपर (5th भोम तक)
  - गुर्ज
  - सीडियाँ
  - बड़ों वन के वृक्ष – 5 हारें , 1 भोम – 5 भोम बराबर
  - फिलपायों – 4 हारें,1 भोम – 5 भोम बराबर
  - बंगले: 48 की 48, 5 भोम
  - चेहेबच्चे: 48 की 48
  - पूर्व की देहलान – 1000 भोम
- 6th भोम पर के छज्जे (**5th से 980 भोम तक**)
  - पुखराजी ताल
- 981 भोम की चादनी
  - पुखराजी ताल
  - जवेरों के महल – 20 भोम
  - बड़ों वन के वृक्ष – 20 भोम
  - पचिम की देहलान – 20 भोम
  - चार धाराय – 20 भोम से
  - पूर्व की देहलान

बंगलजी - तलहटी की शोभा

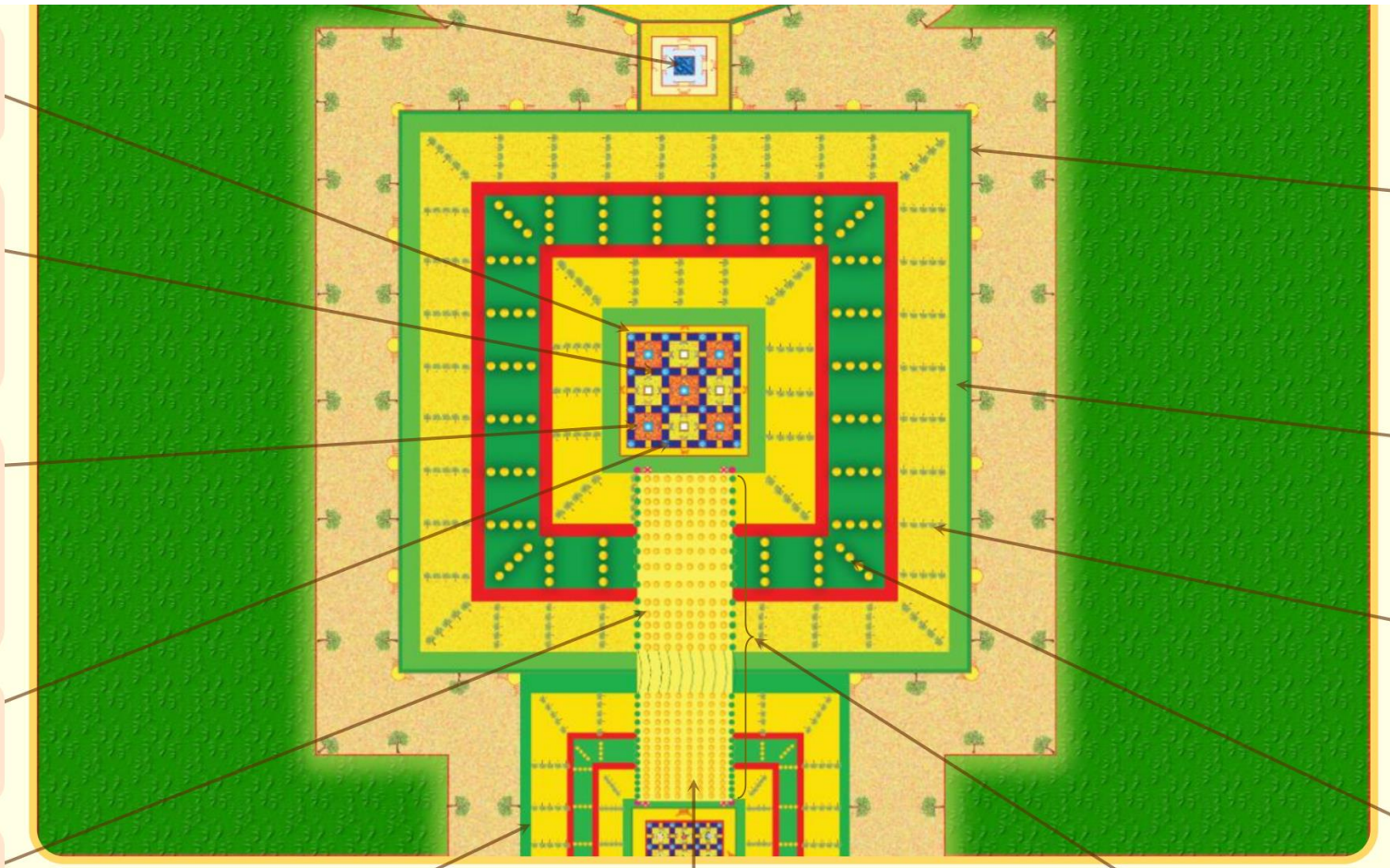
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





बंगलजी - चबूतरा की शोभा (1st से 5th भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



रौंस
(कमरभर नीचे)

आड़ी-खड़ी नहरे
(97 की 97 हारें)
बंगले के चबूतरे
के तीसरे हिस्से
में

क्रमश: 48
बंगलों की 48
हारें व 48
चेहबच्चों की 48
हारें

छोटे चेहबच्चे व 5
फव्वारे

बंगला जी की पूर्व
की देहलान (8
थंभों की 14 हारें)

बंगला जी का
चौरस चबूतरा
(भोमभर ऊँचा)
व किनार पर
कठेड़ा

परिक्रमा रौंस

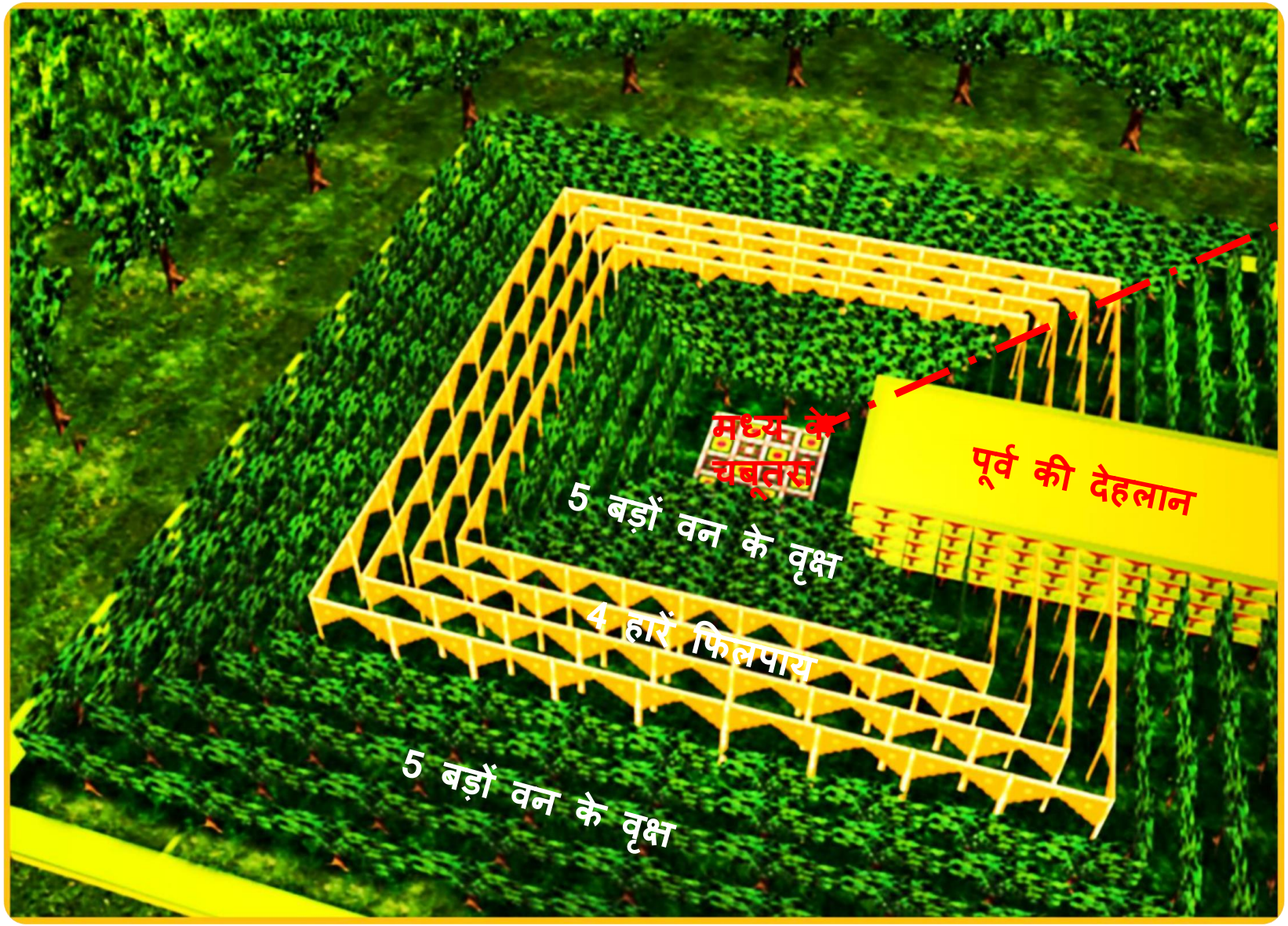
बड़ोवन के वृक्षों
की 5 हारें,
1 भोम ऊँची
(5 भोम बराबर)

फीलपायों की 4
हारें (1 भोम ऊँची
(5 भोम बराबर)

अधबीच के कुंड
का चबूतरा

अधबीच के कुंड की पश्चिम की
देहलान (8 थंभों की 14 हारें)

8 थंभों की 28 हारें
(बड़ी देहलान)

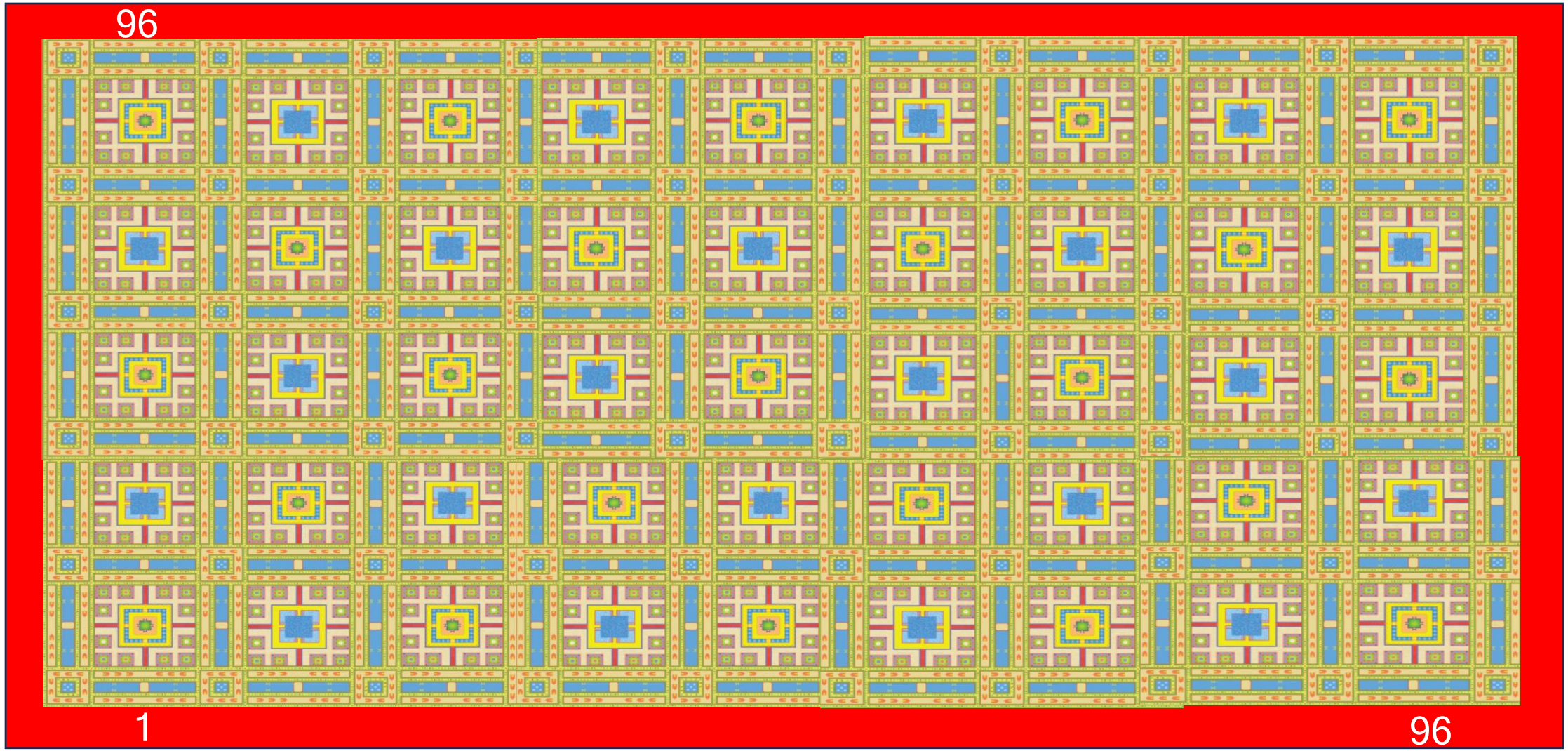


48 बंगले & 48 चहबच्चे की हारें
33,400 कोस



बंगलजी - मध्य के चबूतरे की बंगलों एवं चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



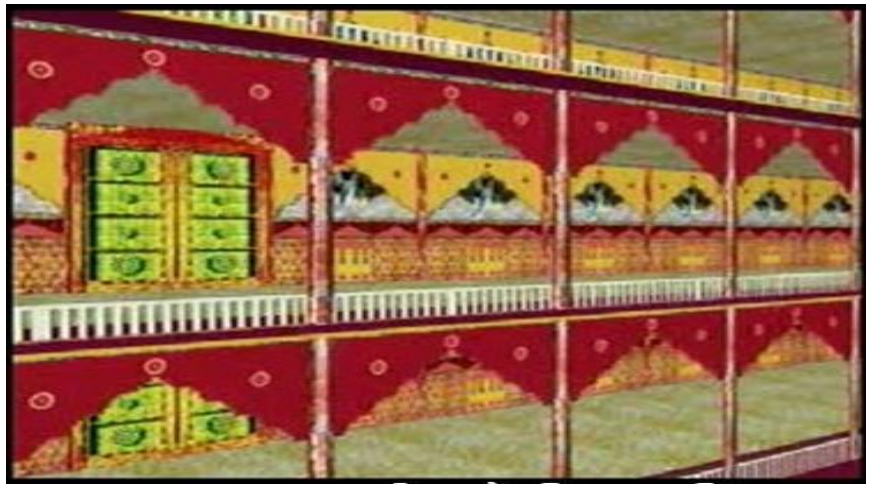
96 बंगले & चेहबच्चे x 96 हारें (48 बंगले एवं 48 चेहबच्चे की 48 हारें)

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के बंगलेकी की बहार की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/







बंगलजी - मध्य के चबूतरे के चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





बंगलजी - पुखराजी ताल की शोभा (6th भोम से 981 भोम चादनी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

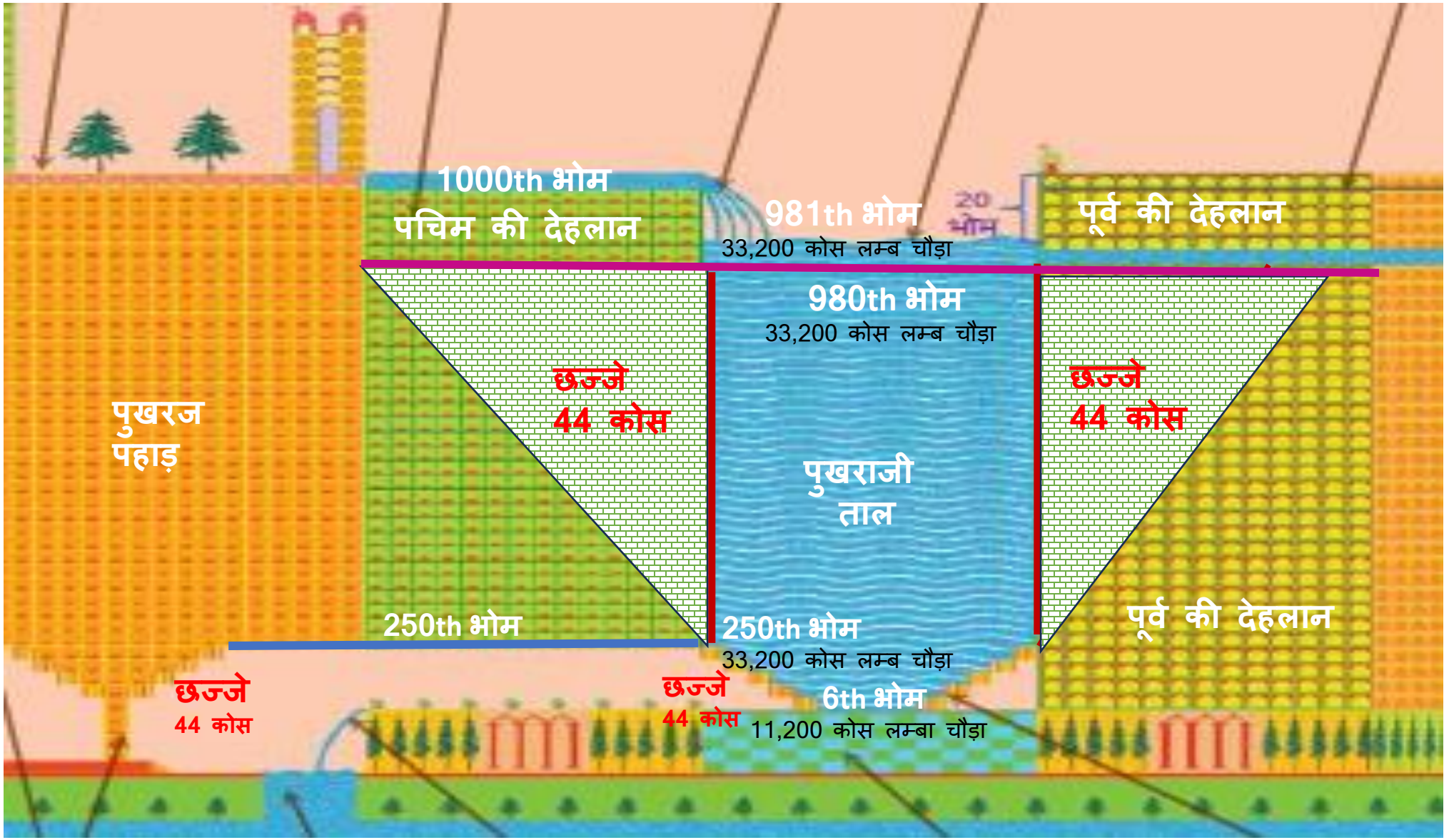


पुखराजी ताल

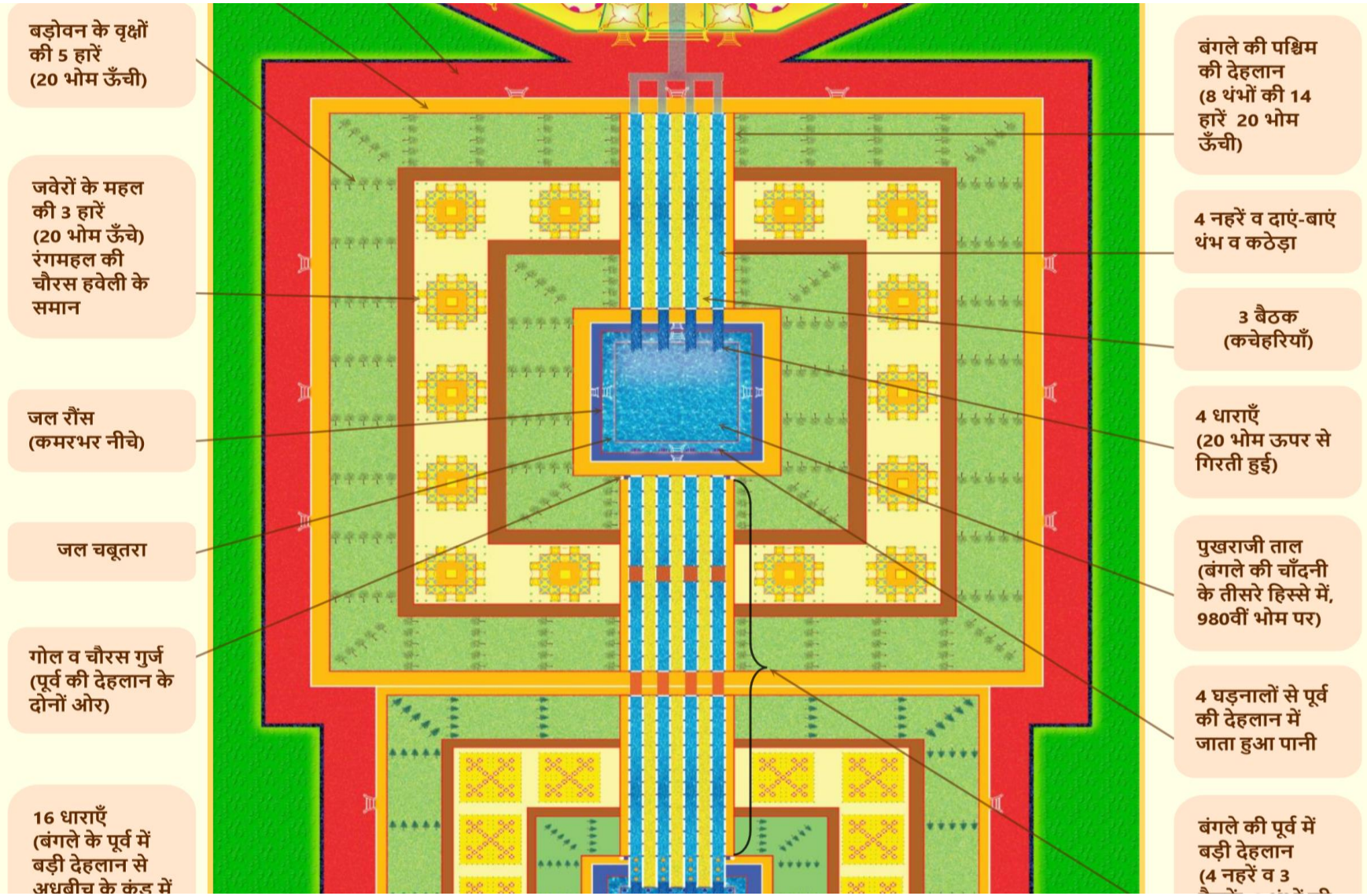
6th भोम - 11,200 कोस लम्बा चौड़ा
250-980 भोम - 33,200 कोस लम्बा चौड़ा
981th चादनी - 33,200 कोस लम्बा चौड़ा

बंगलजी - पुखराजी ताल की शोभा (6th भोम से 981 भोम चादनी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



बंगलजी – 981th भोम की चादनी की शोभा



981th भोम की चादानी

जवेरों के महल – 20 भोम , 3 हारें
पुखराज ताल - 33,200 कोस लम्ब चौड़ा
4 धारएं – 20 भोम पर से
बड़ोंवन के वृक्ष – 20 भोम ऊची

देहलान

पचिम की देहलान – 20 भोम

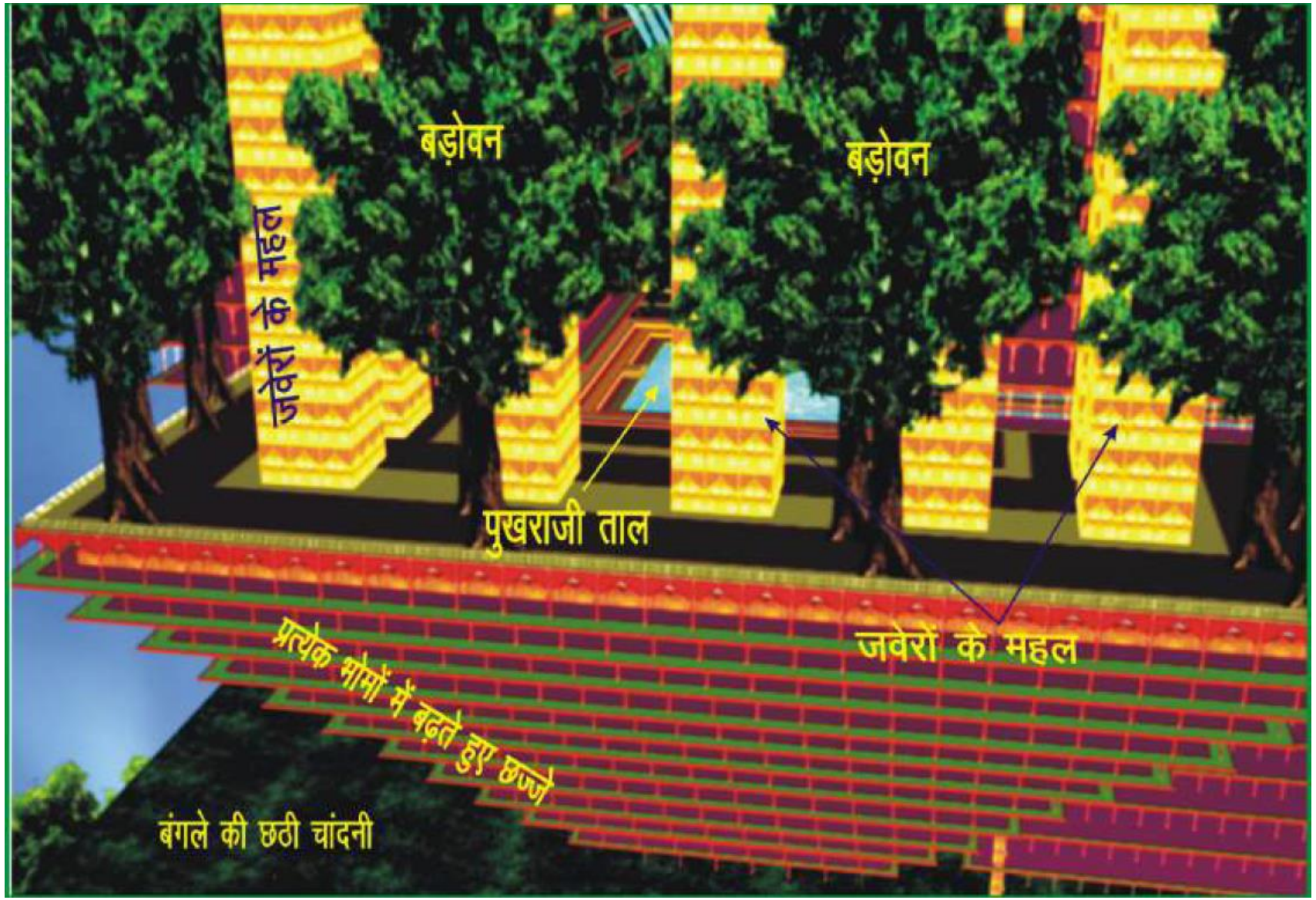
पूर्व की देहलान – 1000 भोम

- 8 थंभो की 14 हारें
- 4 नहरें
- 3 बेठक
- 4 धारएं – 20 भोम से
- 2 गोल गुर्ज
- 2 चोरस गुर्ज

बंगलजी – 981th भोम की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/




बड़ोवन
बड़ोवन
महल 16 जवेरा
पुखराजी ताल
जवेरों के महल
प्रत्येक भोमों में बढ़ते हुए छज्जे
बंगले की छठी चांदनी


West
पश्चिम
South-West
North-West
South
North
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
East
पूर्व


4 धारएं
पुखराजी
ताल


पूर्व की
देहलान
पचिम की
देहलान

अधबीच का कुण्ड की शोभा

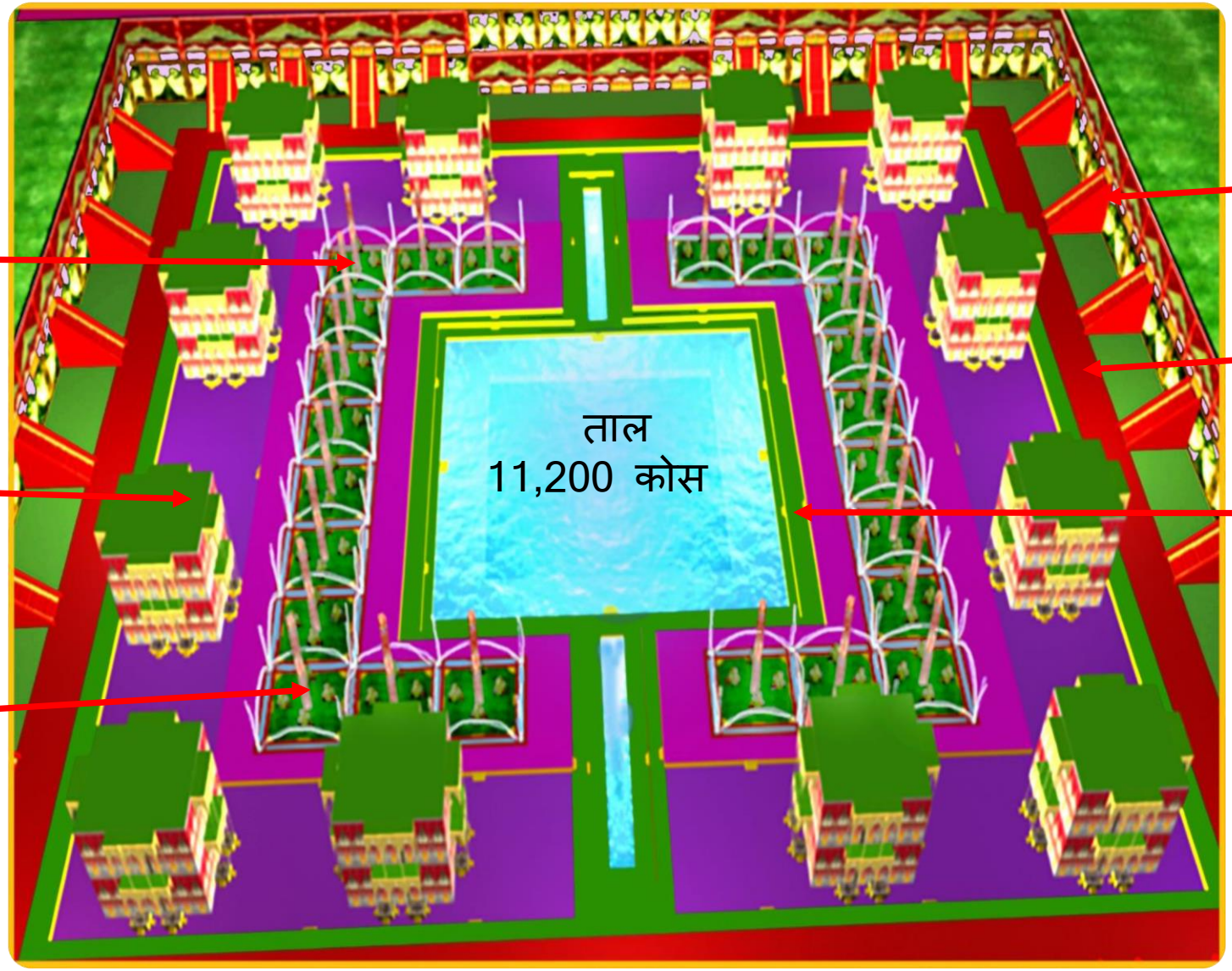


अधबीच का कुण्ड

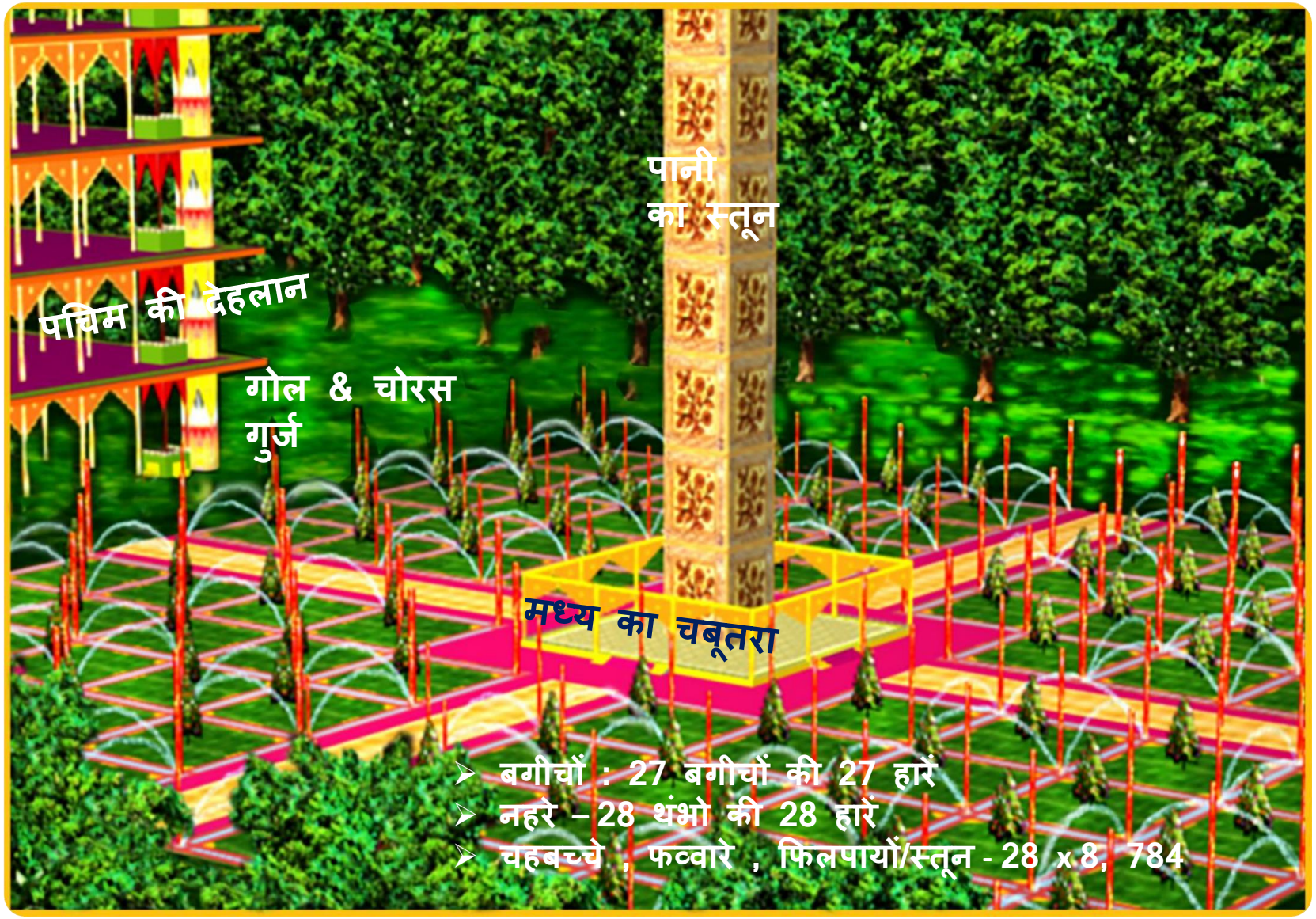
33,300 कोस लंबा – चोड़ , 332 हांस

- तलहटी – 1 भोम नीचे
  - महल - 10 हारें
  - बगीचा - 11 हारें
  - ताल – 11,200 कोस लंबा – चोड़
- चबूतरा – 1 भोम ऊपर (5th भोम तक)
  - गूर्ज
  - सीडियाँ
  - बड़ों वन के वृक्ष – 5 हारें , 1 भोम – 5 भोम बराबर
  - फिलपायों – 4 हारें,1 भोम – 5 भोम बराबर
  - बगीचों : 27 बगीचों की 27 हारें
  - नहेर: 28 नहेर की 28 हारें
  - चहबच्चे , फव्वारे & फिलपायों/स्तून – 28 थंभो की 28 हारें
  - मध्य की चबूतरा & पानी का स्तून
- 6th भोम
  - कुण्ड/ताल , मध्य का चबूतरा, फिलपायों – 28 थंभो की 28 हारें
  - फिलपायों के महल
  - मधुवन
- 497th भोम की चादनी
  - अधबीच का कुण्ड
  - खास महल – 4 भोम , 6th चादनी
  - 16 धारायें
  - बड़ों वन
  - पचिम की देहलान – 8 थंभो की 14 हारें

अधबीच का कुण्ड – तलहटी की शोभा



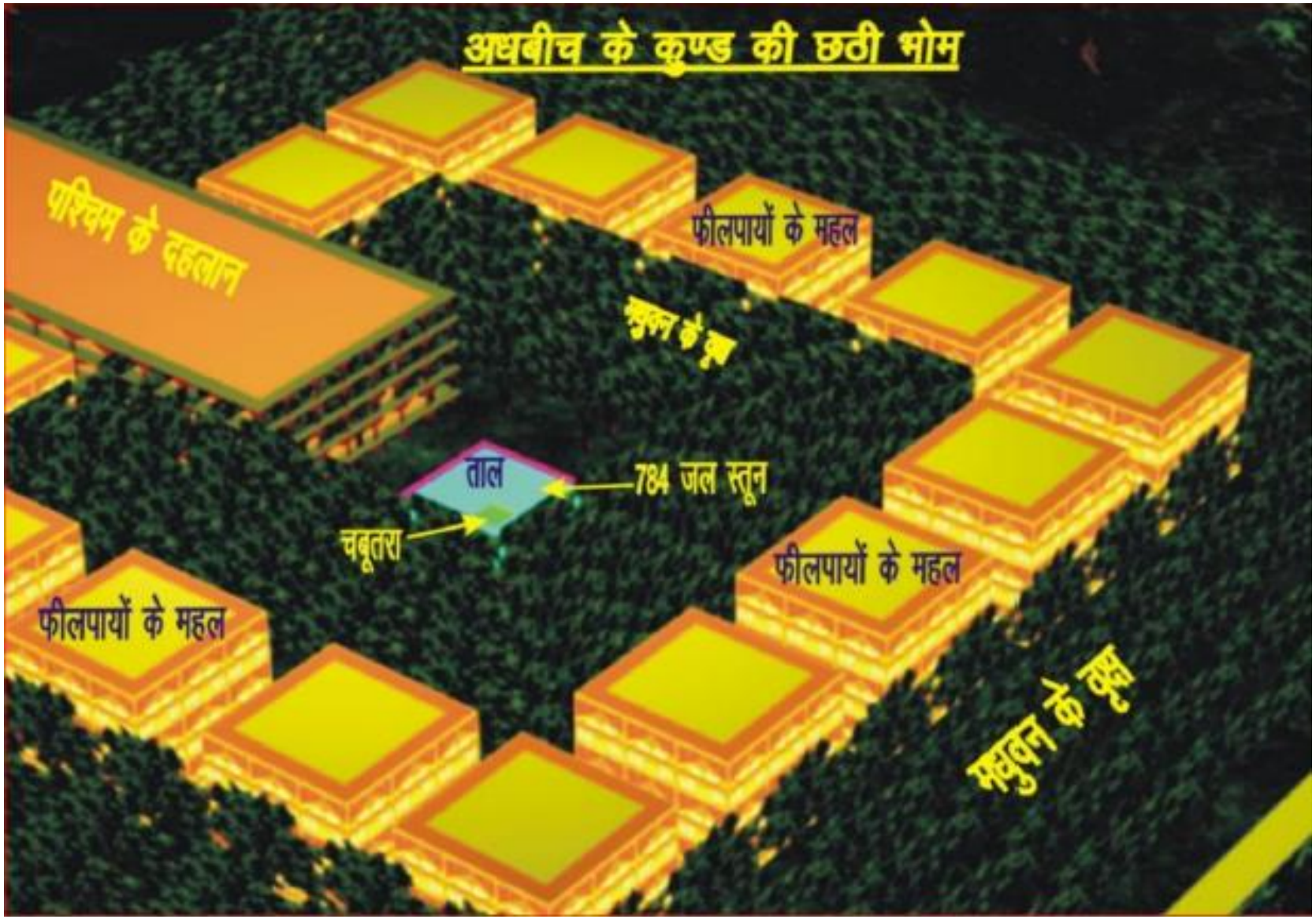
अधबीच का कुण्ड - चबूतरा की मध्य की शोभा (5 भोम तक) -



अधबीच का कुण्ड का चबूतरा

- मध्य का चबूतरा - 1200 कोस लम्बा चौड़ा
- पानी का स्तून
- बगीचों : 27 बगीचों की 27 हारें
- नहरे – 28 नहेर की 28 हारें
- चहबच्चे , फव्वारे , फिलपायों/स्तून - 28 x 28,784

अधबीच का कुण्ड - 6th भोम की शोभा (496 भोम तक)

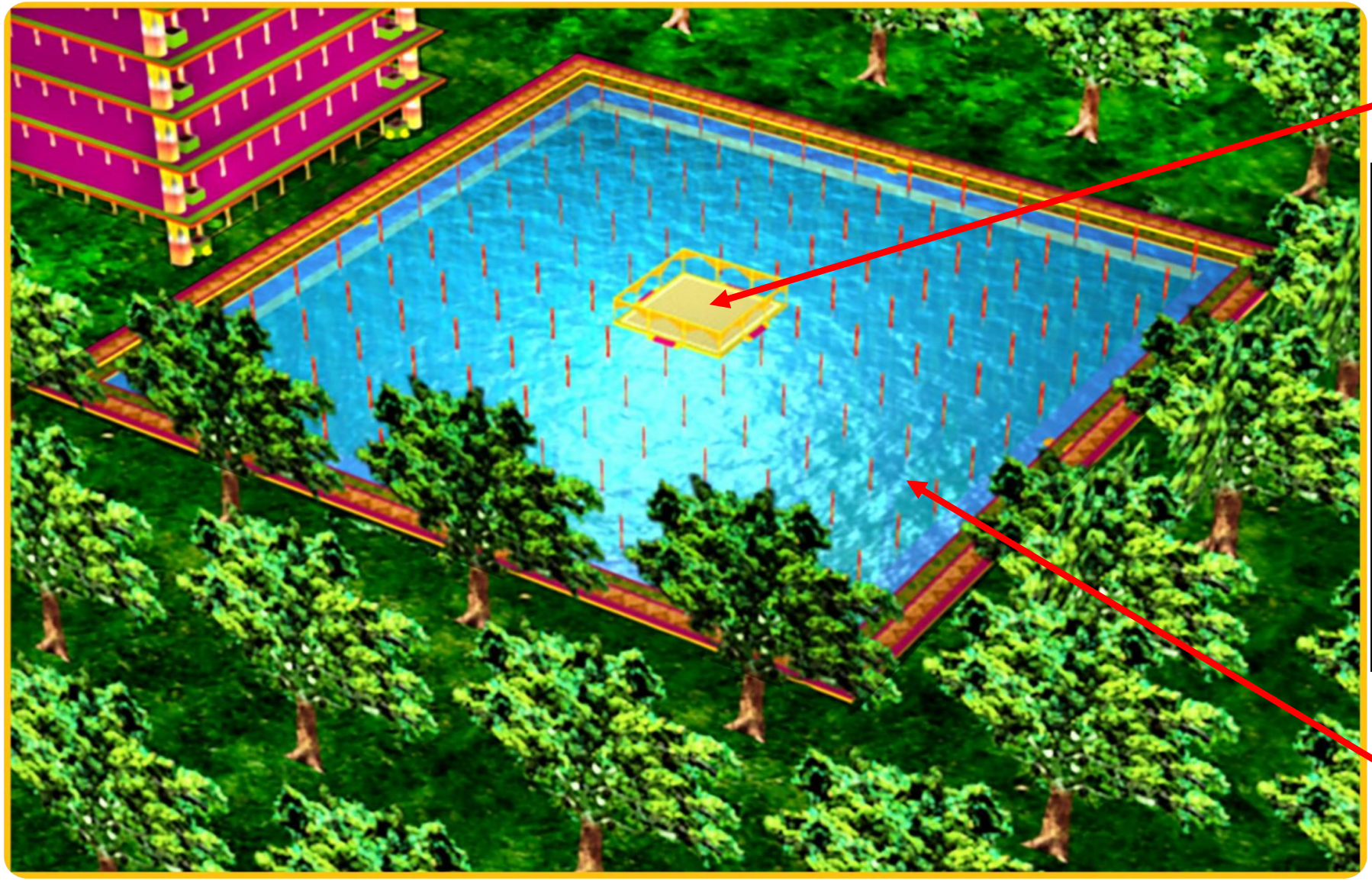


6th भोम

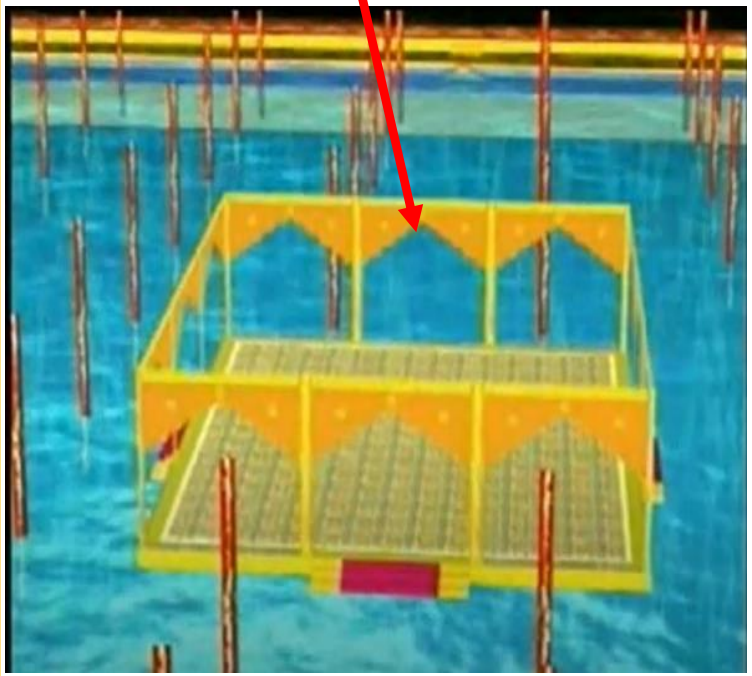
- कुण्ड/ताल – 10,800 कोस लम्बा चौडा
- ताल के मध्य का चबूतरा – 3 हांस
- पानी का स्तून – खुला
- ताल के फिलपायों – 784, 28 थंभो की 28 हारें
- फिलपायों के महल – 3 हारे
- मधुवन – 5 हारें , 846-846 कोस की दूरी पर

अधबीच का कुण्ड - 6th भोम के कुण्ड, फिलपाये & मध्य चबूतरे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

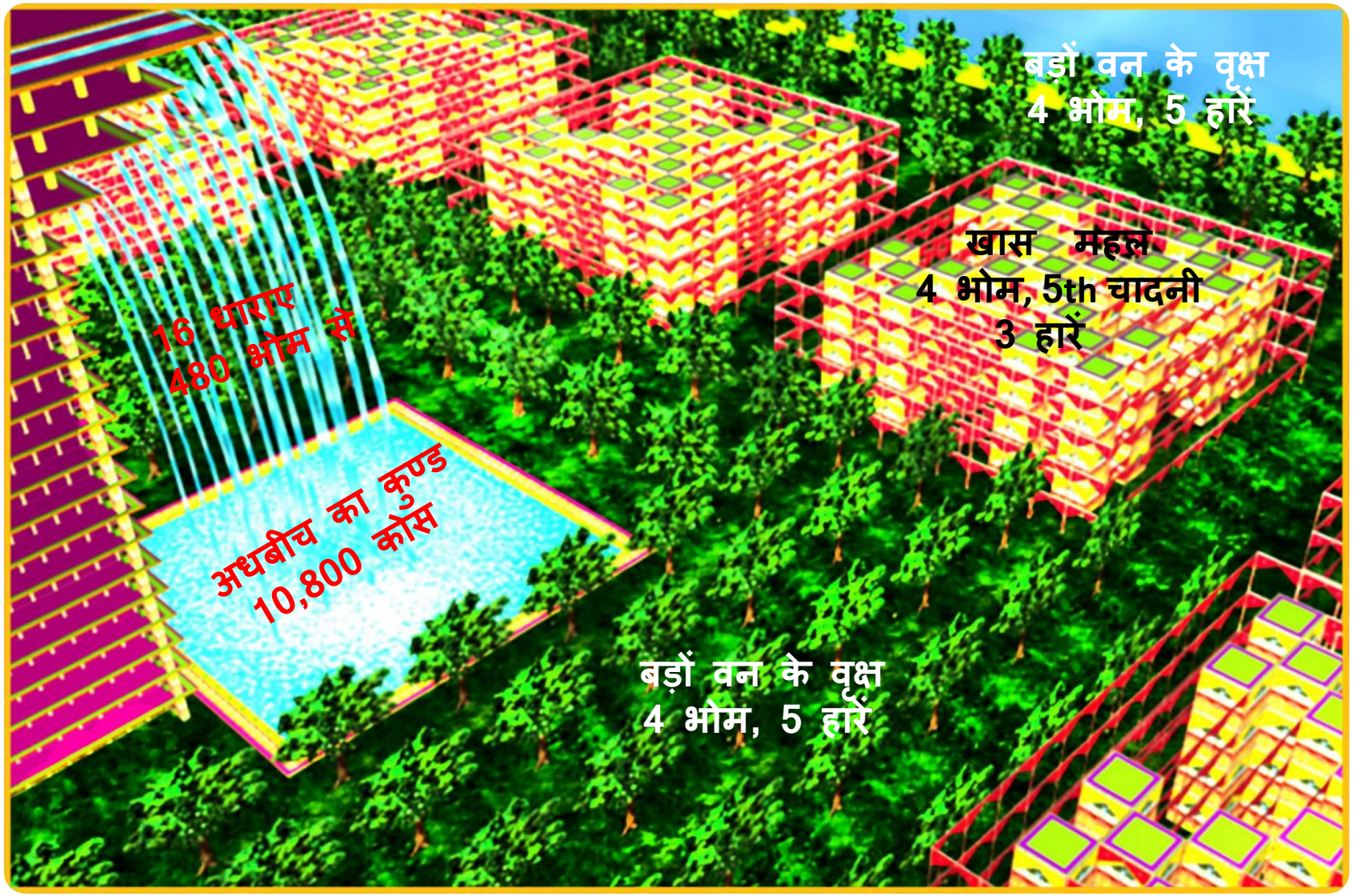


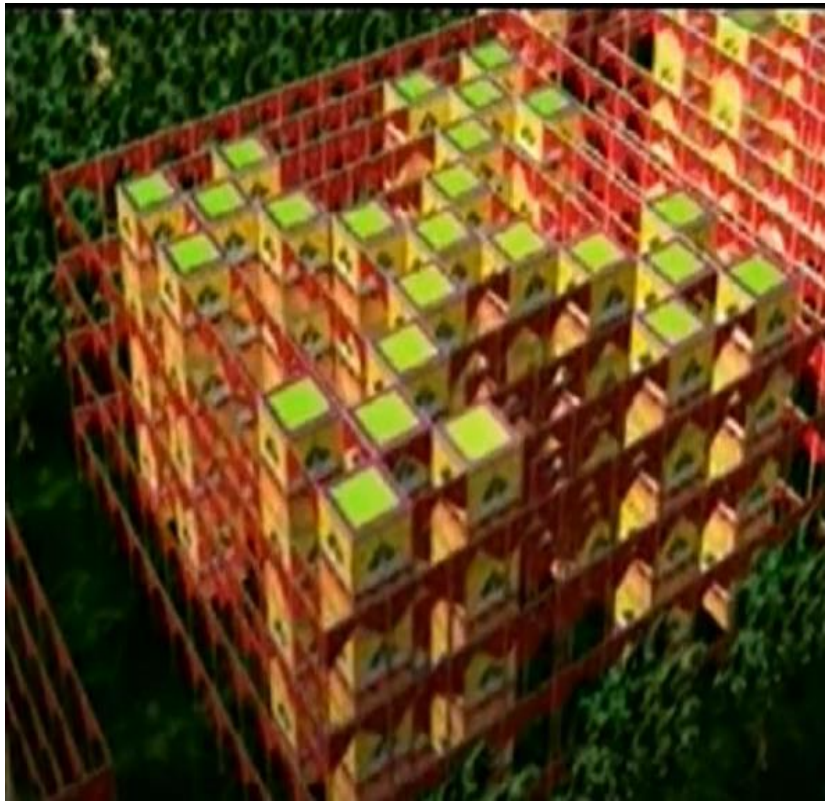
ताल के मध्य
का चबूतरा



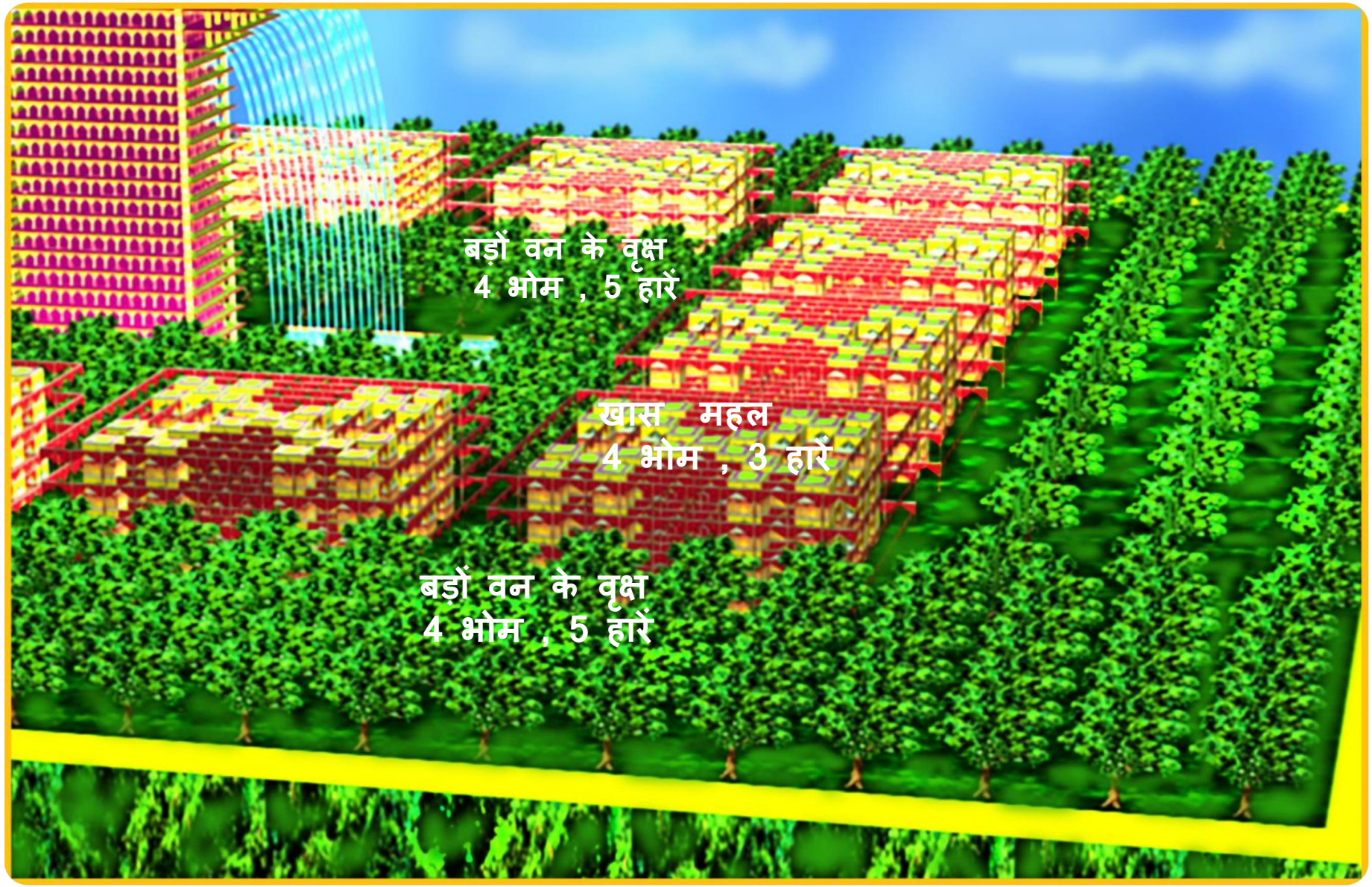
कुण्ड/ताल
फिलपायों

अधबीच का कुण्ड - 497th चादनी की शोभा





खास महल
4 भोम , 5th चादनी


बड़ों वन के वृक्ष
4 भोम , 5 हारें
खास महल
4 भोम , 3 हारें
बड़ों वन के वृक्ष
4 भोम , 5 हारें

अधबीच का कुण्ड –देहलान की शोभा



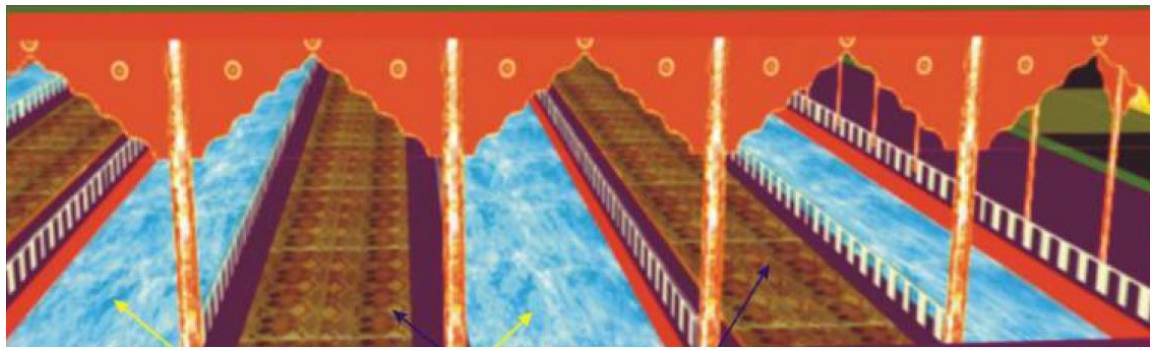


अधबीच का कुण्ड – 497th भोम चादनी की शोभा , पचिम की देहलान

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



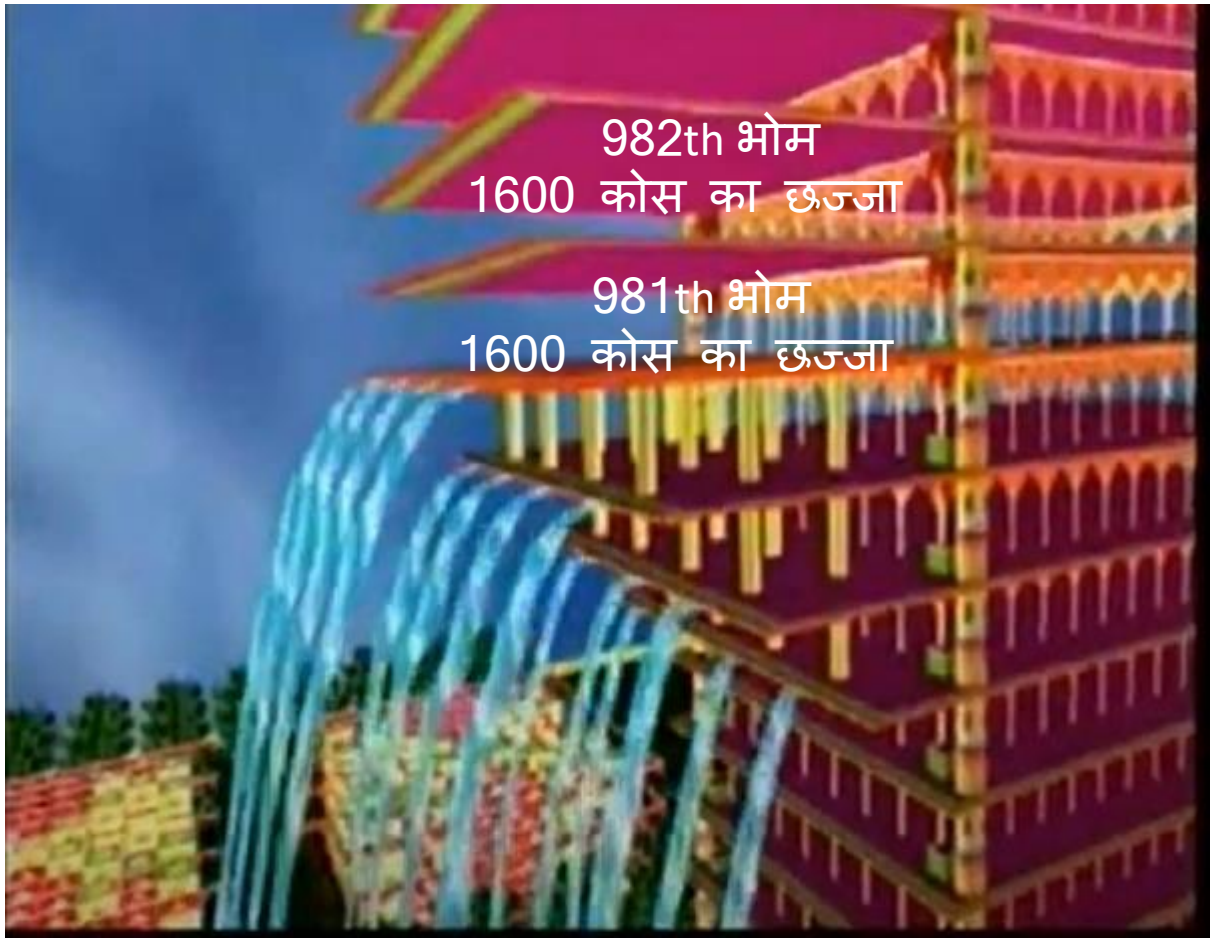




अधबीच का कुण्ड – -497th चादनी में 16 धाराएं की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





गुरज दोऊ के बीच में , गिरत चादरें चार ।
सो चार चार हर एक में , उतरत सोले धार ।।

ढपो चबूतरा की शोभा

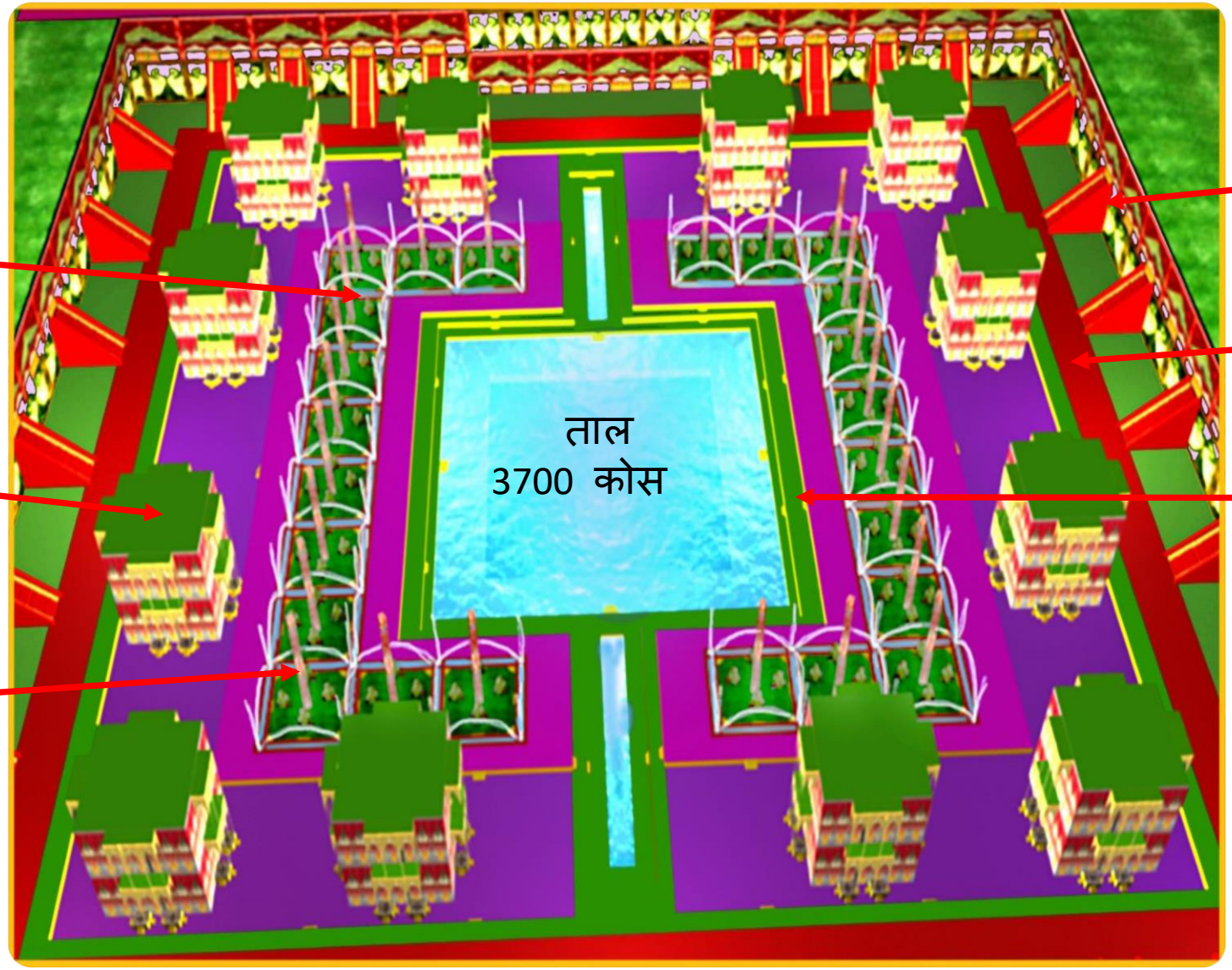
ढपो चबूतरा, मूल कुण्ड & ढपी खुली जमुनाजी की शोभा



ढपो चबूतरा
11,111 कोस लंबा – चोड़

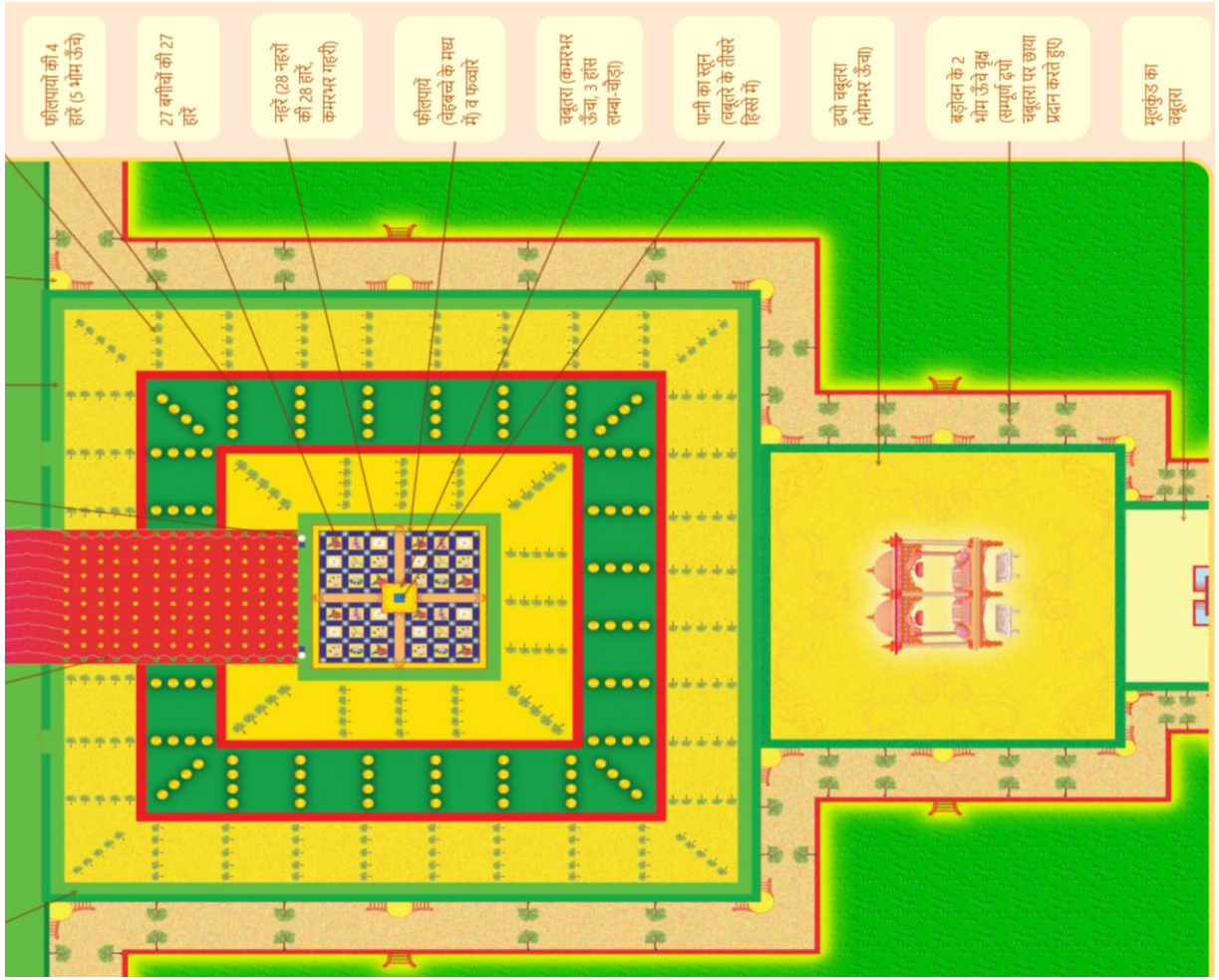
मूल कुण्ड
3700 कोस लंबा – चोड़

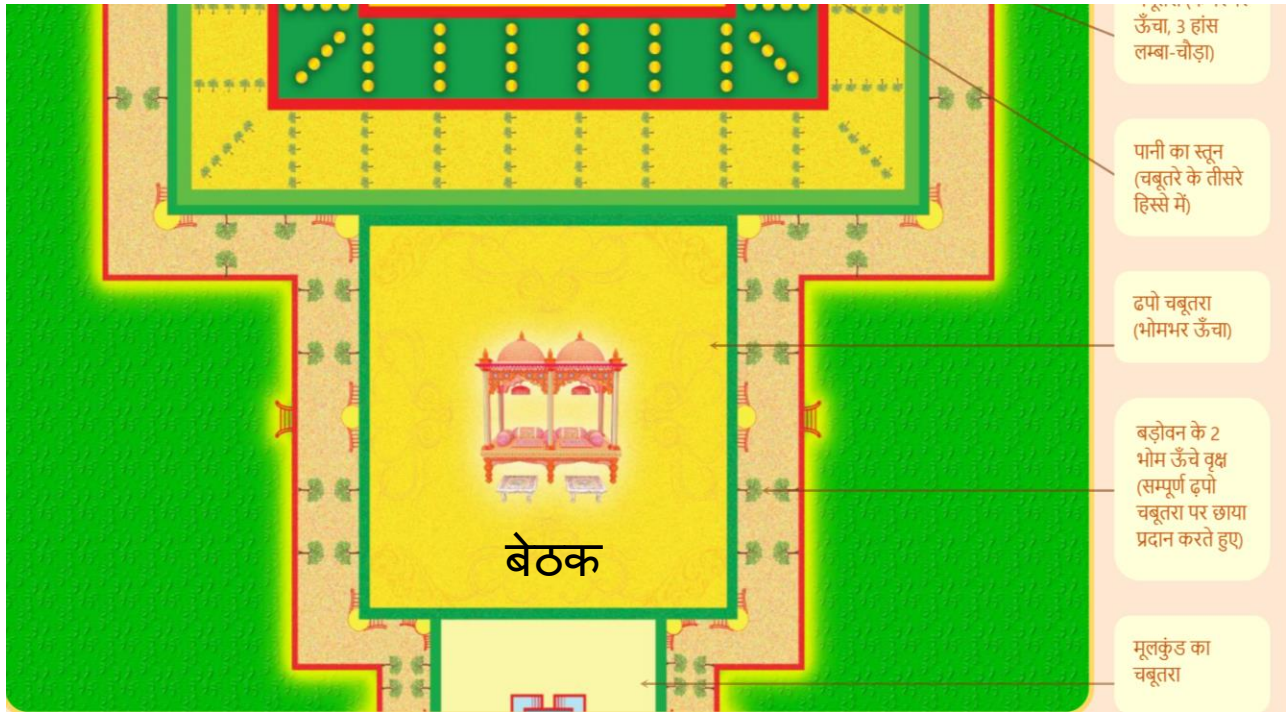
ढपी खुली जमुनाजी
2,34,800 कोस


3 बगीचों की हार
3 महलों की हार
2 भोम
बगीचों के थंभ
2 भोम
ताल
3700 कोस
सीडियाँ
रोंस
ताल की
पाल & जल रोंस

ढपो चबूतरा – चबूतरे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





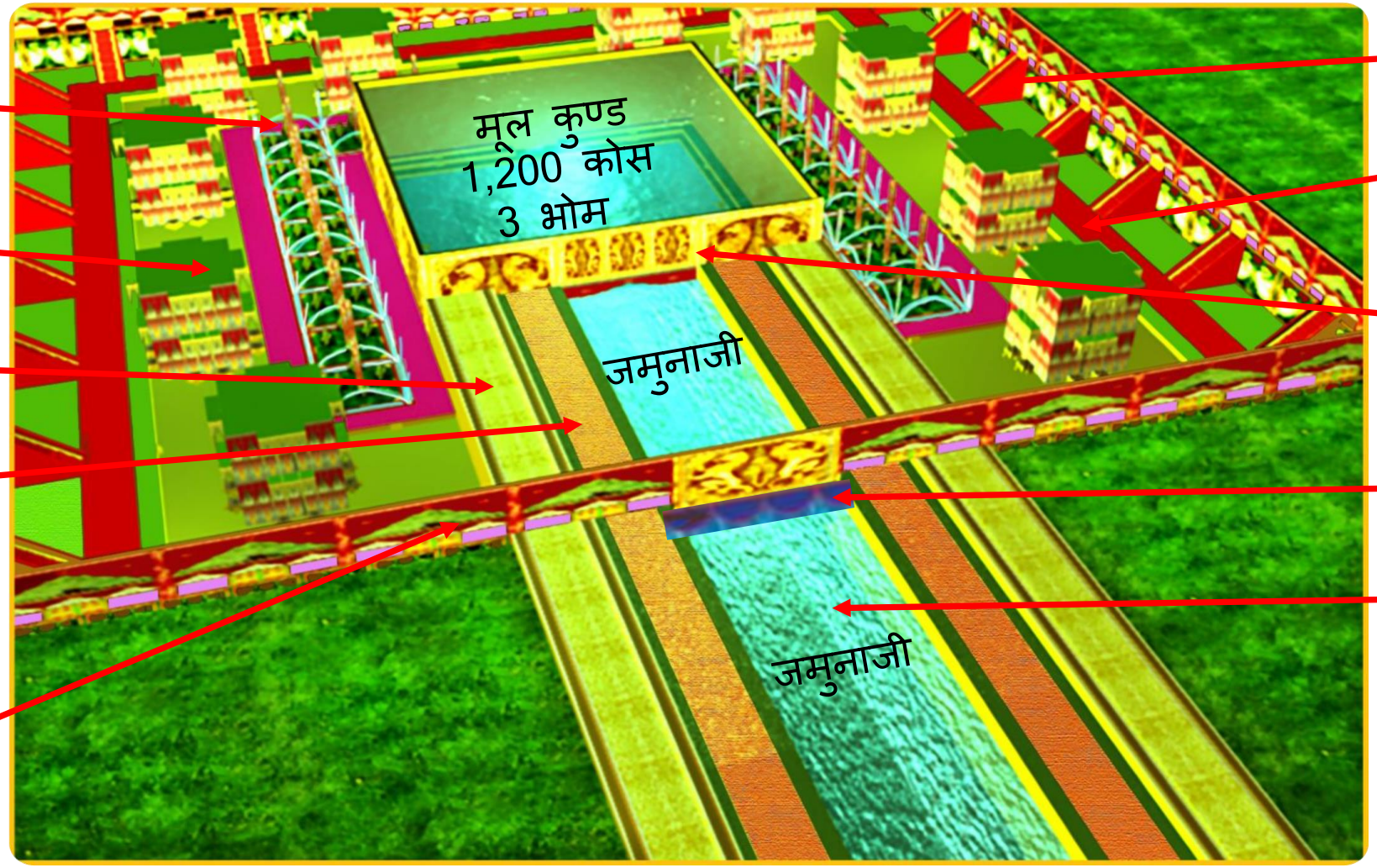
चबूतरा – 1 भोम ऊपर
11,111 कोस

- परिक्रमा रौंस
- गूर्ज
- सीढियाँ
- बड़ों वन के वृक्ष – 2 भोम
- बेठक

मूल कुण्ड की शोभा

मूल कुण्ड – तलहटी & जमुनाजी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



1 बगीचों की हार

1 महलों की हार
2 भोम

पाल – भोम पर
200 कोस

जल रोंस
200 कोस
3 सीडियाँ
पाल पर से

9 अक्शी मेहराव
मध्य महेराव
से जमुनाजी

सीडियाँ

रोंस

दीवार – 2 भोम
तलहटी से चबूतरा

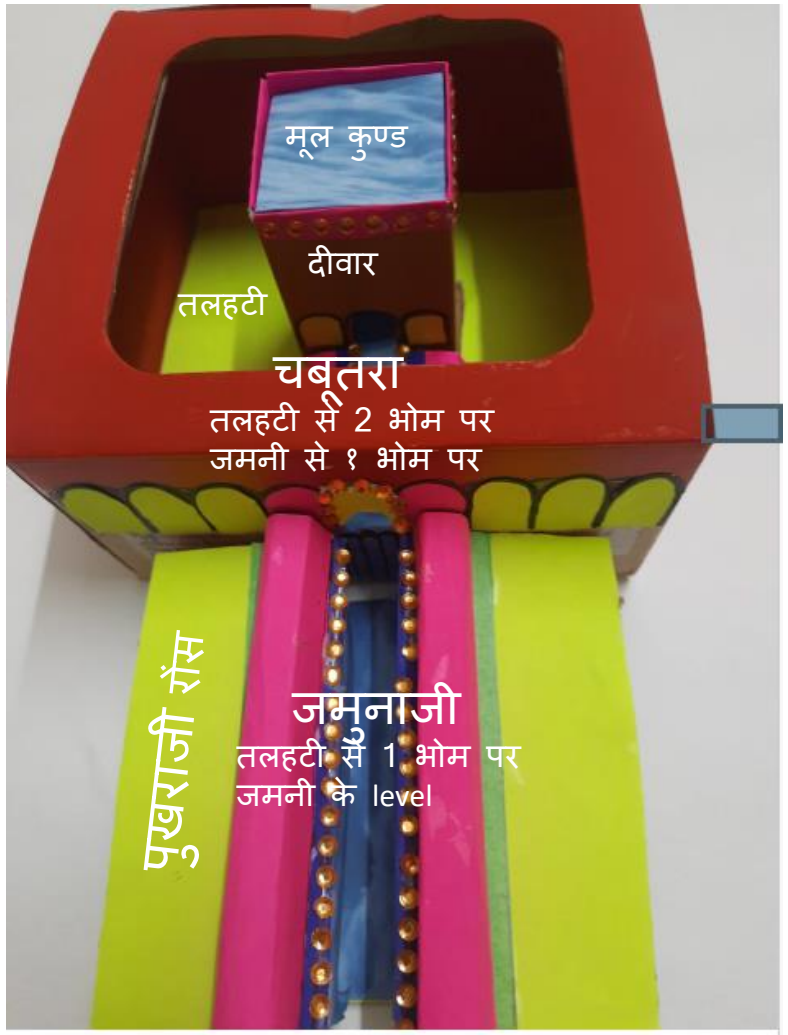
4 धड़नाले

जमुनाजी - 400 कोस
तलहटी से भोम पर

मूल कुण्ड की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





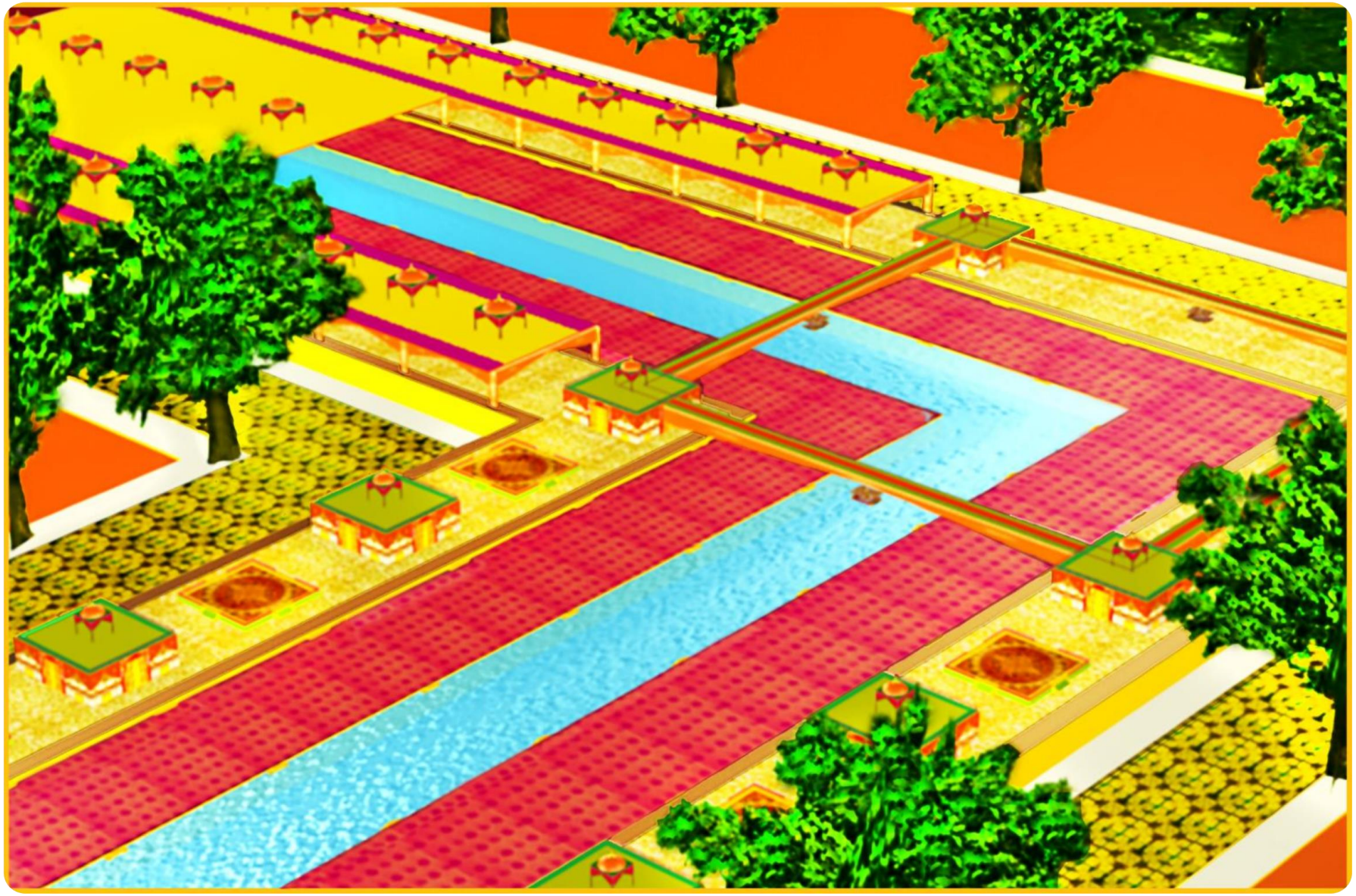

मूल कुण्ड
1200 कोस
बेठक

ढपी खुली जमुनाजी की शोभा


मूल कुण्ड का चबूतरा
ढ़पी यमूनाजी
पांच देहूरियाँ
5 देहूरियों
पुखराजी रौंस
दहलानों पर 10 देहूरियाँ
जल रौंस
खुली यमुना जी
जल रौंस
दहलानों पर 10 देहूरियाँ
पुखराजी रौंस
पाल
पाल

जमुनाजी : मूल कुण्ड से मरोड तक की शोभा

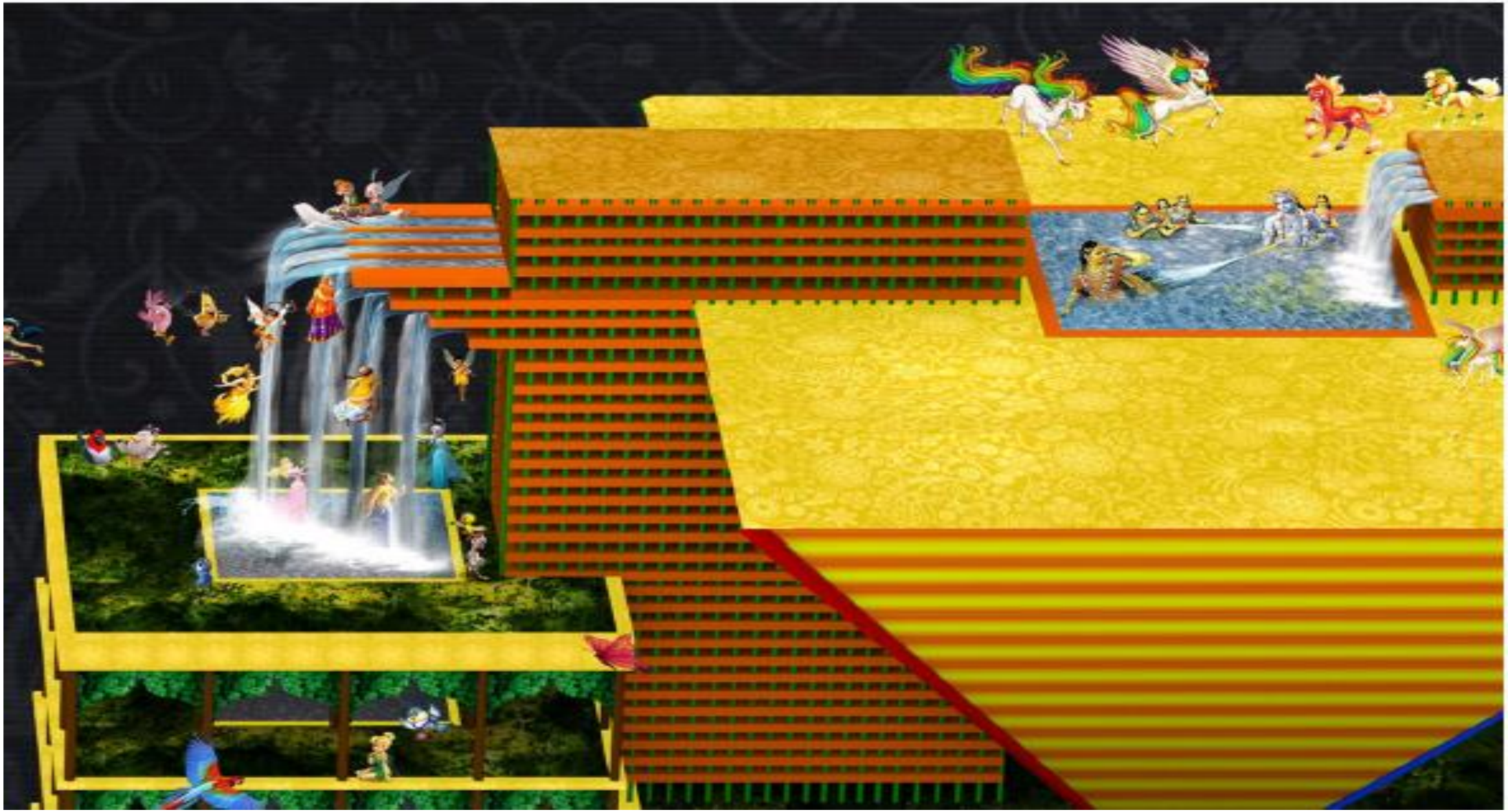
https://nijanand.org/paramdham-charchani/



पुखराज पहाड़ की लीला








गुरज दोऊ के बीच में, गिरत चादरें चार ।
चार चार हर एक में, उतरत सोले धार ॥
सो परत बीचले कुंड में, इत चारों तरफों देहेलान ।
ए सुख कब हम लेयसी, इन मेले साथ मेहेरबान ॥



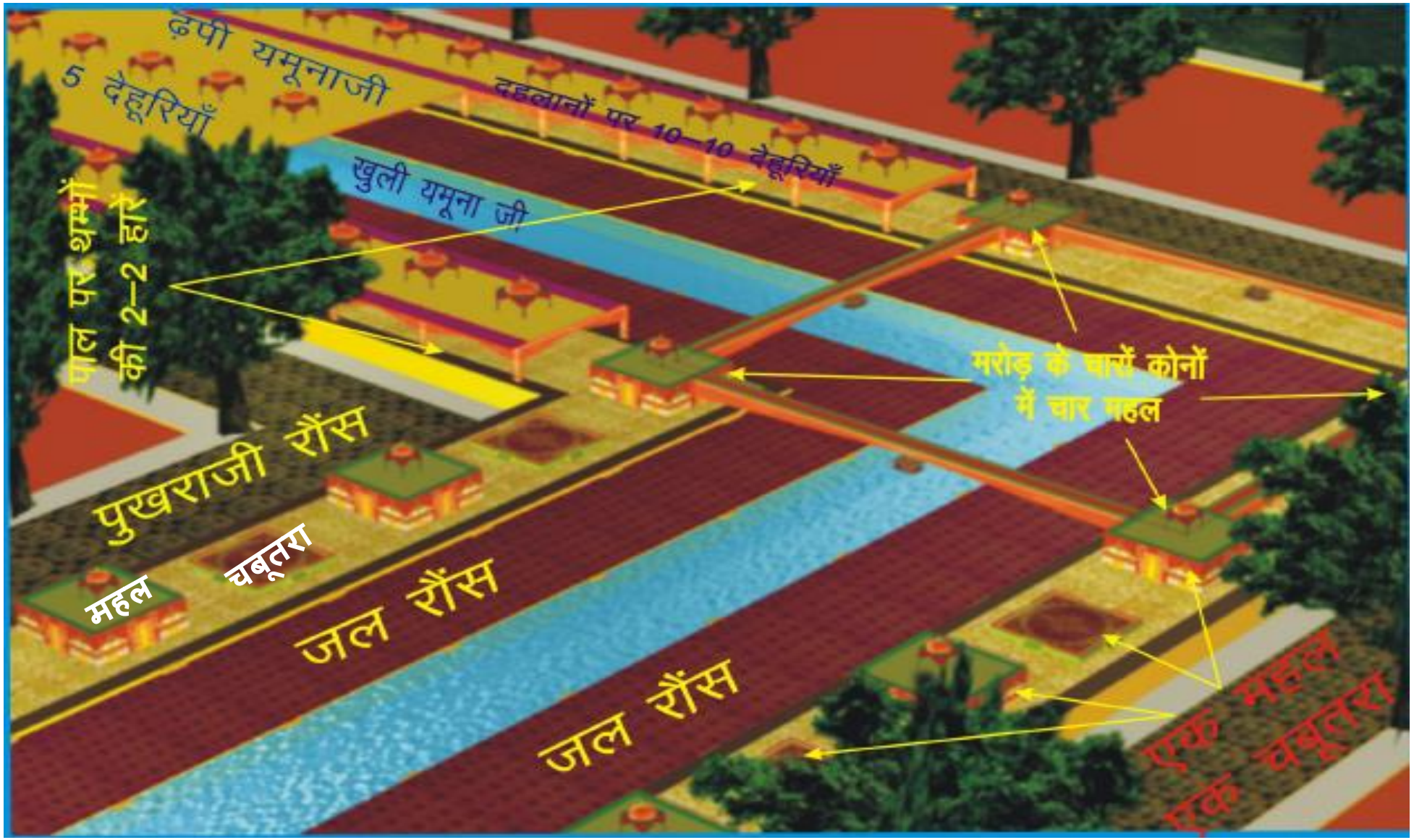






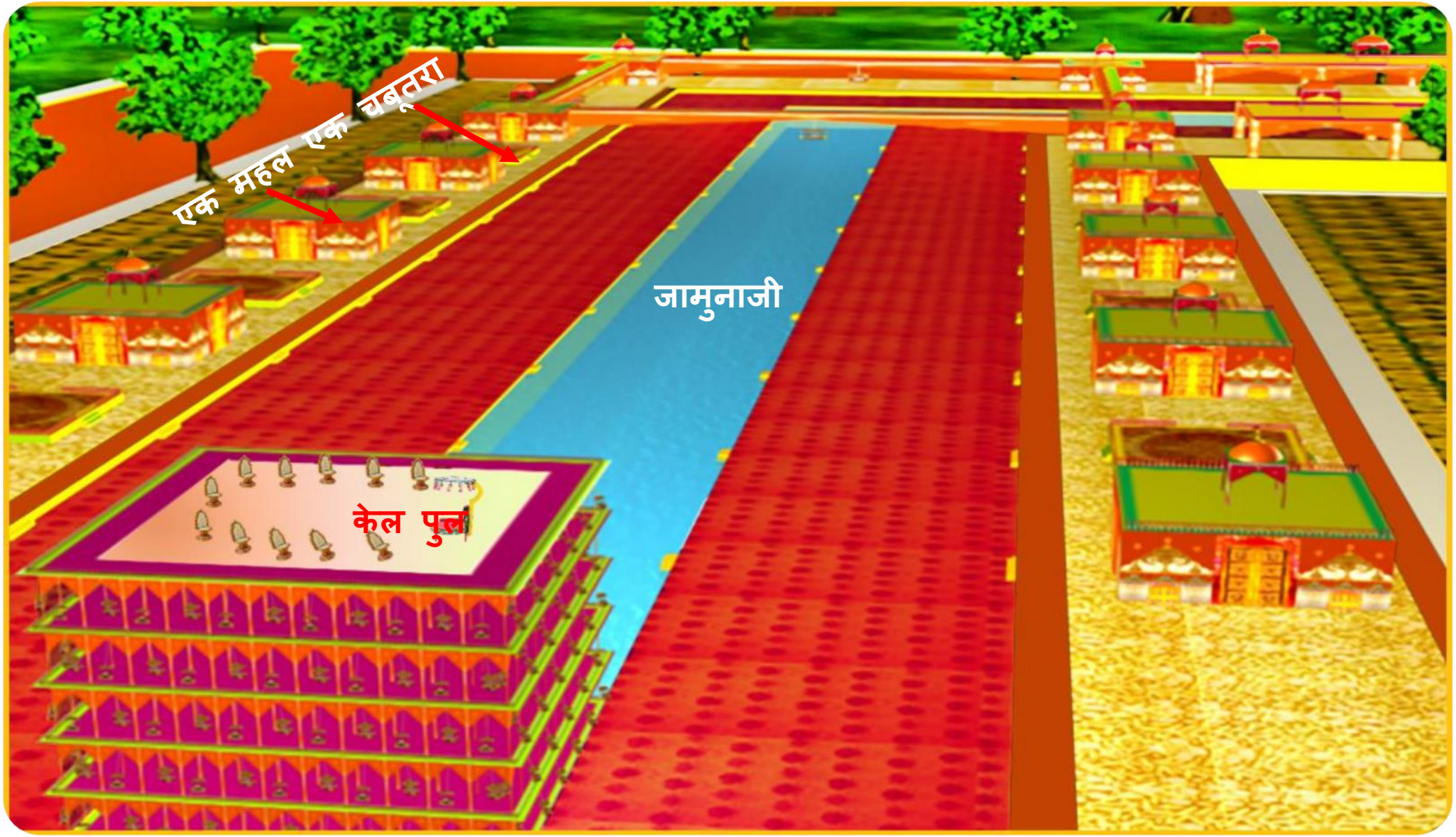
जमुनाजी : मूल कुण्ड से मरोड तक की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



जमुनाजी : मरोड से केल पुल तक की शोभा (उतर में)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



जमुनाजी - रौंस , सात धाट


केल पुल
छूटक देहरी
पाटघाट
बड़ोवन
पुखराजी रौंस
वन की रौंस
सात वन
बड़ोवन
वन की रौंस
पुखराजी रौंस
सात वन
यमुनाजी
बट घाट
जलरौंस
बट पुल
बट घाट
पाल
कुंज–निकुंज
(बट–वन)

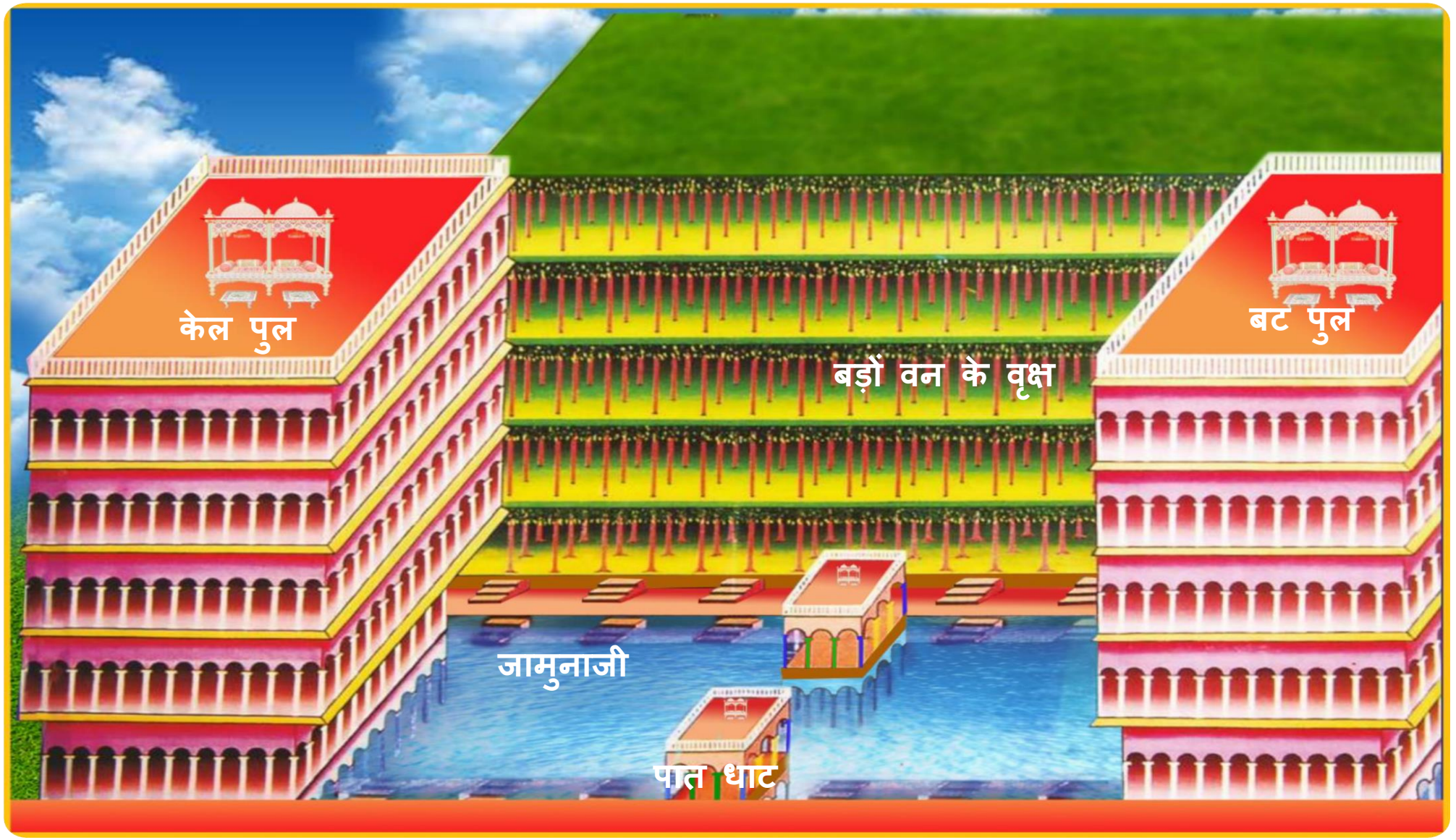
जमुनाजी - केल पुल



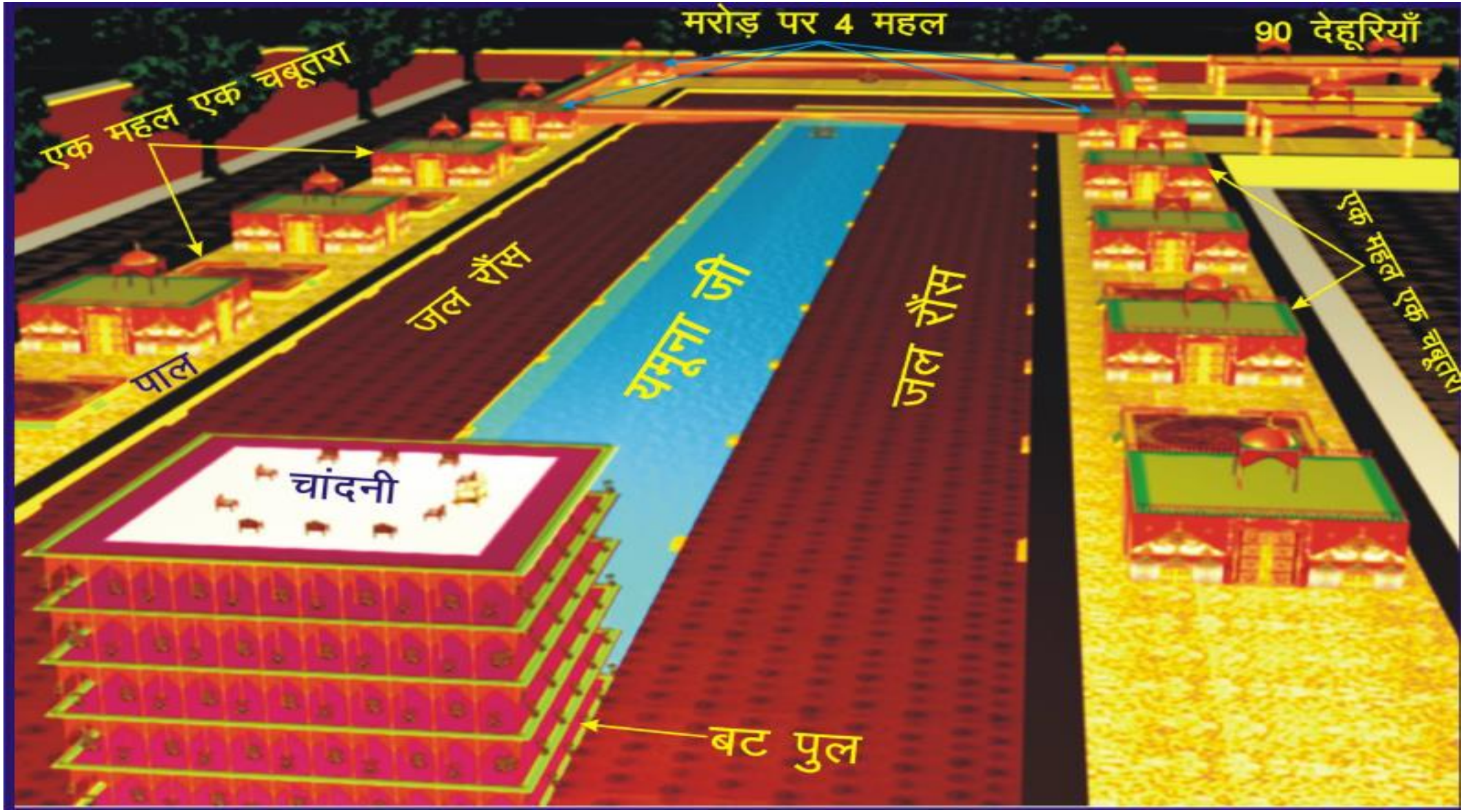
जमुनाजी - पात धाट



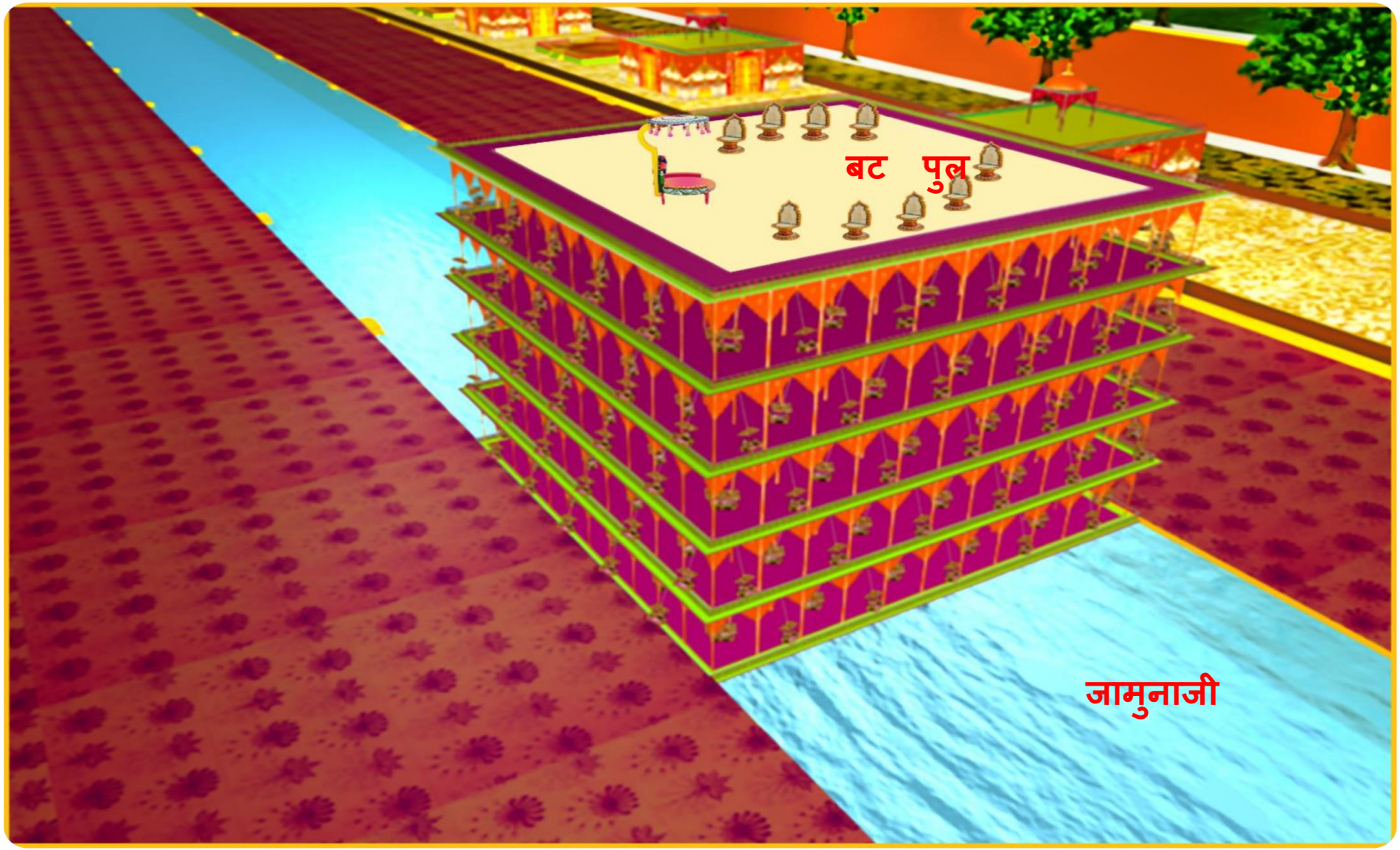
जमुनाजी : केल पुल , बूट पुल & पाट धाट की शोभा



जमुनाजी - बट पुल


मरोड़ पर 4 महल
90 देहूरियाँ
एक महल एक चबूतरा
जल रौंस
यमूना जी
जल रौंस
पाल
चांदनी
बट पुल
एक महल एक चबूतरा

जमुनाजी : बूट पुल की शोभा



जमुनाजी - बट धाट



जमुनाजी : मरोड़ से होज कोशर तक 90 देहूरीयों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





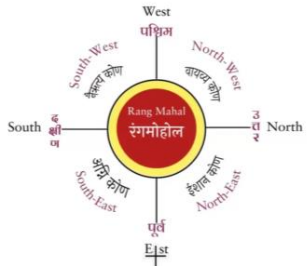
जमुना तरफ ताल के , जित जल भिल्या माहें जल ।
द्योहरियाँ इन बंध पर , जल पर शोभित महल ।।



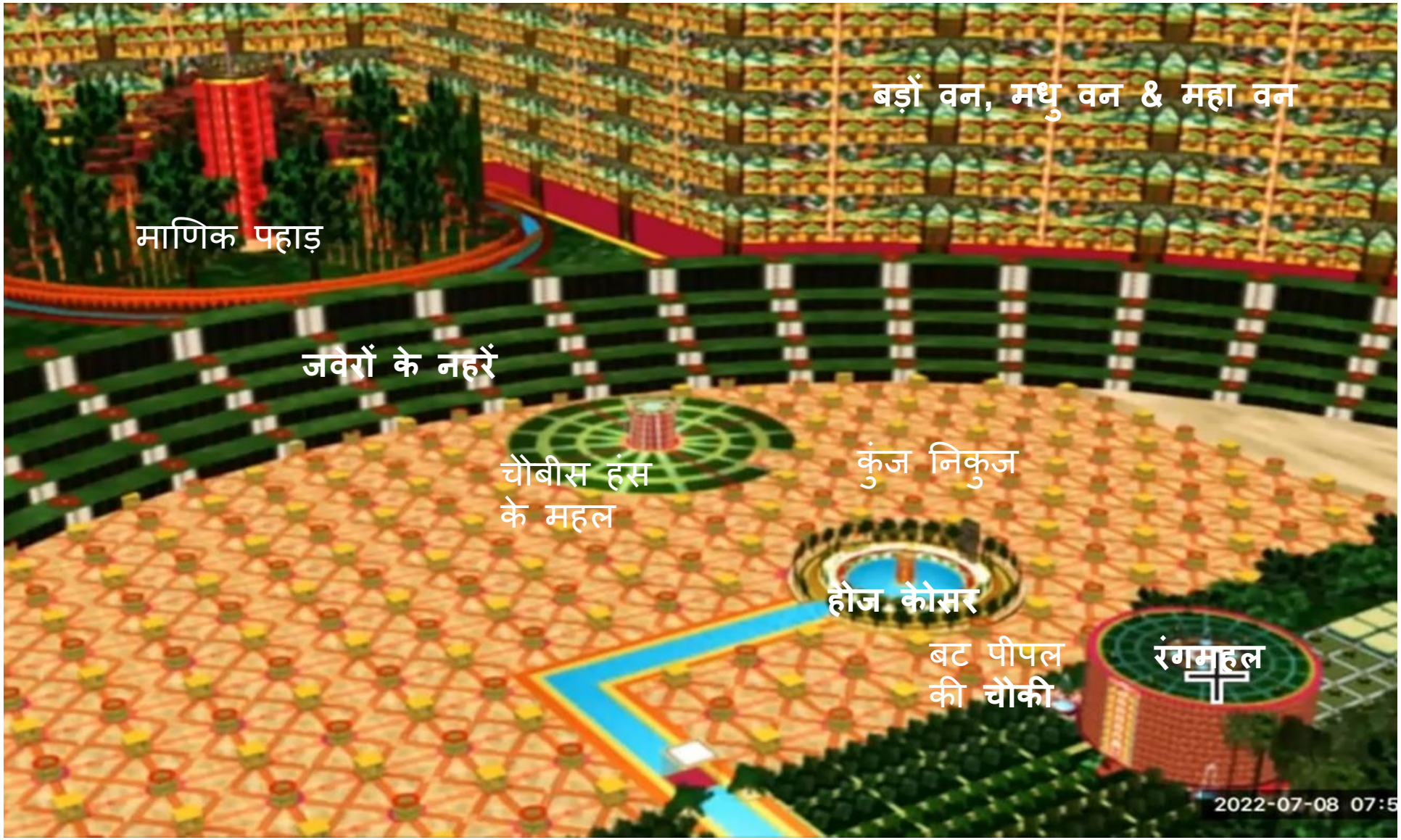
परमधाम विहार
परिकरमा 3

शुक्ल पक्ष (सुद)	
द्वादसी	जवेरों के नहरें चौसठ पहर की हवेली की चादनी

हर जातों मोहोल जुदे जुदे, जुदी जुगतें पानी चलत ।
जुदी जुदी जुगतें कारंजे, क्यों कर कहूं एह सिफत ।।९।।
इन बड़े मोहोल सुख नेहेरों के, हमें कब देओगे खसम ।
मांगे मंगाए जो देओ, सब हुआ हाथ हुकम ।।१०।।



https://nijanand.org/paramdham-charchani/



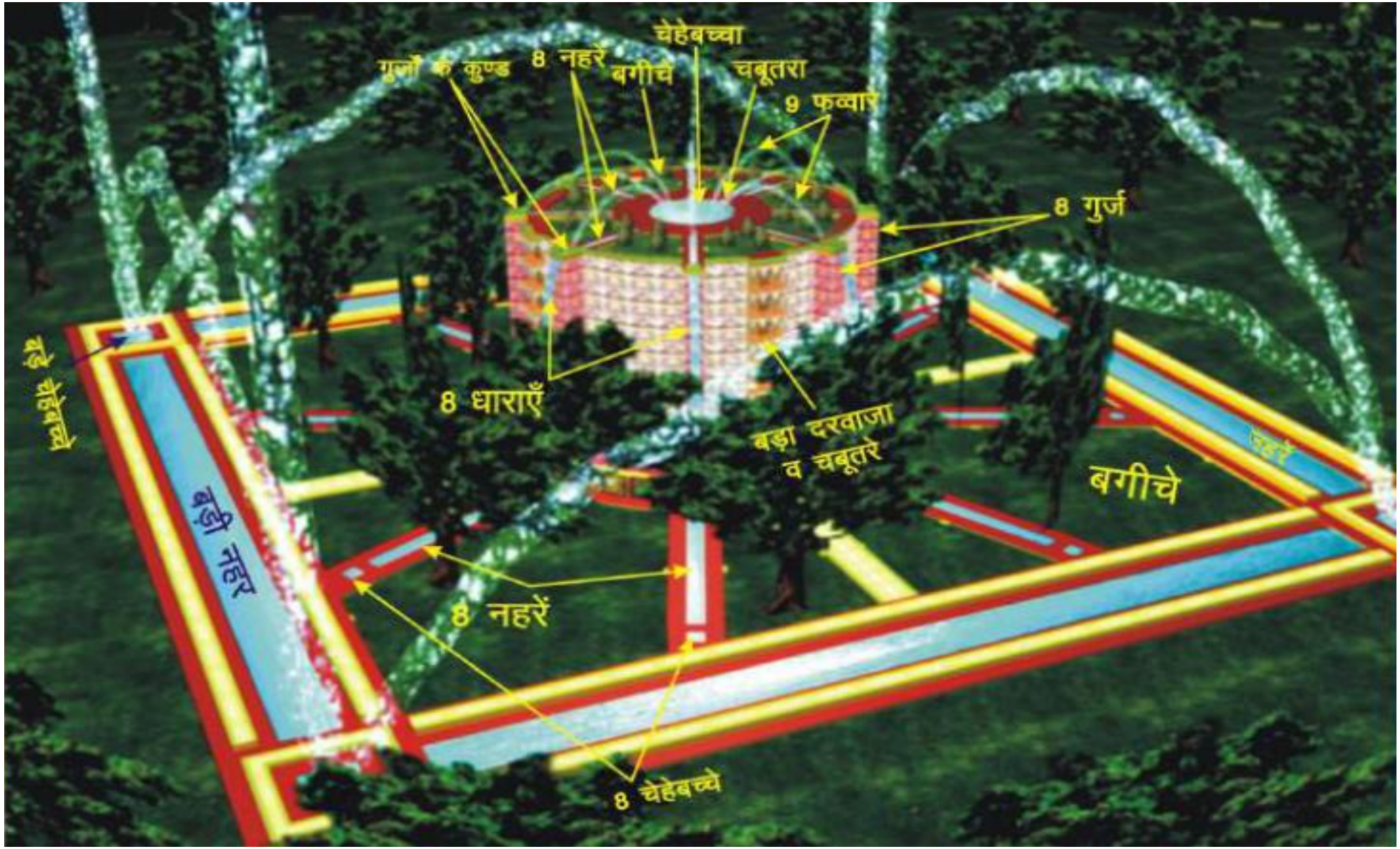




नौवां	आठवां	सातवां	छठा	पाँचवा	चौथा	तीसरा	दूसरा	पहला	फिरावा
4	8	16	32	64	32	16	8	4	भोम व पहल

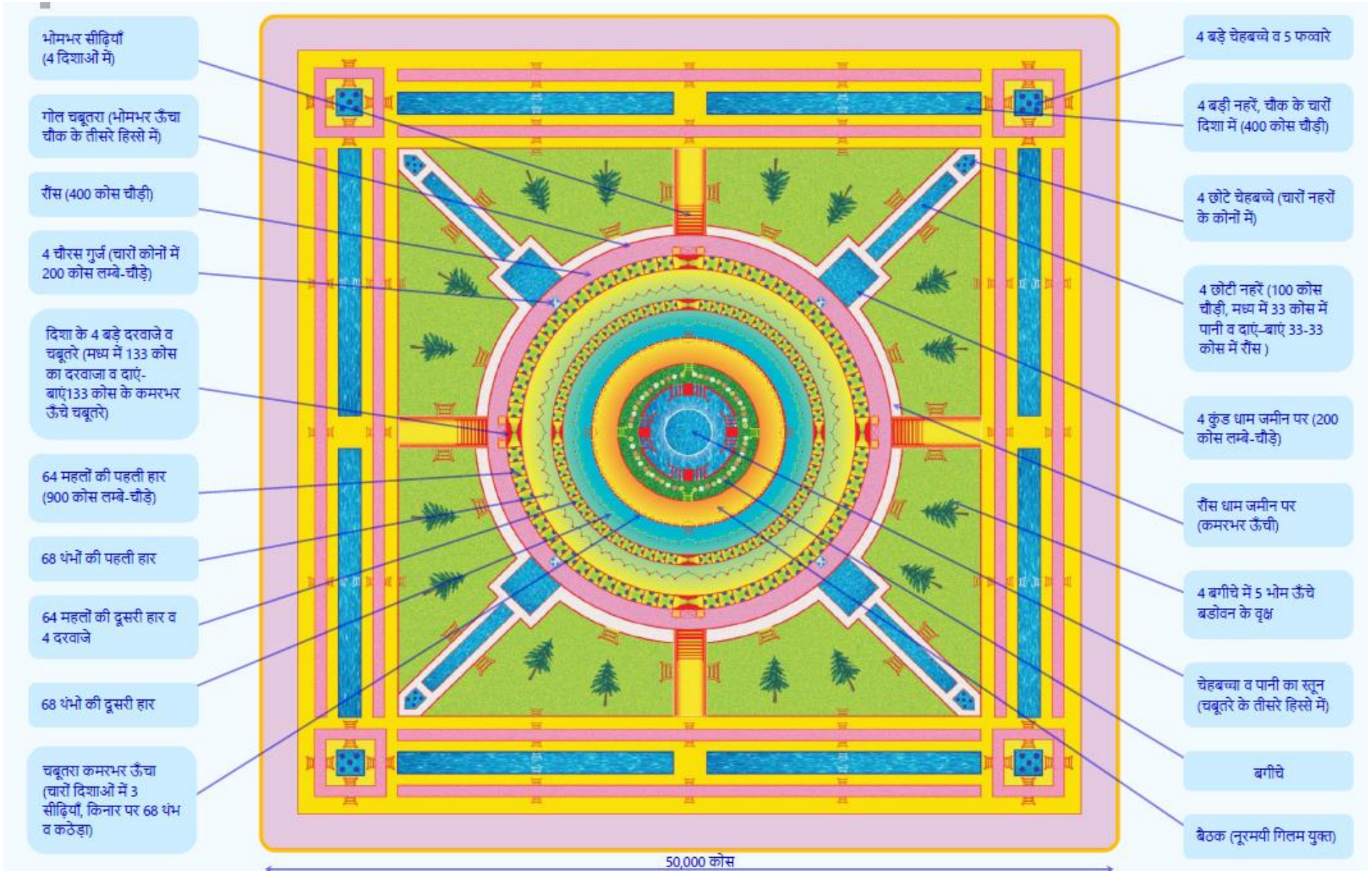
जवेरों के नहरें– चोक की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



जवेरों के नहरें– चार पहर के चोक & हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



जवेरों के नहरें- 4 पहल की हवेली की अंदर की शोभा

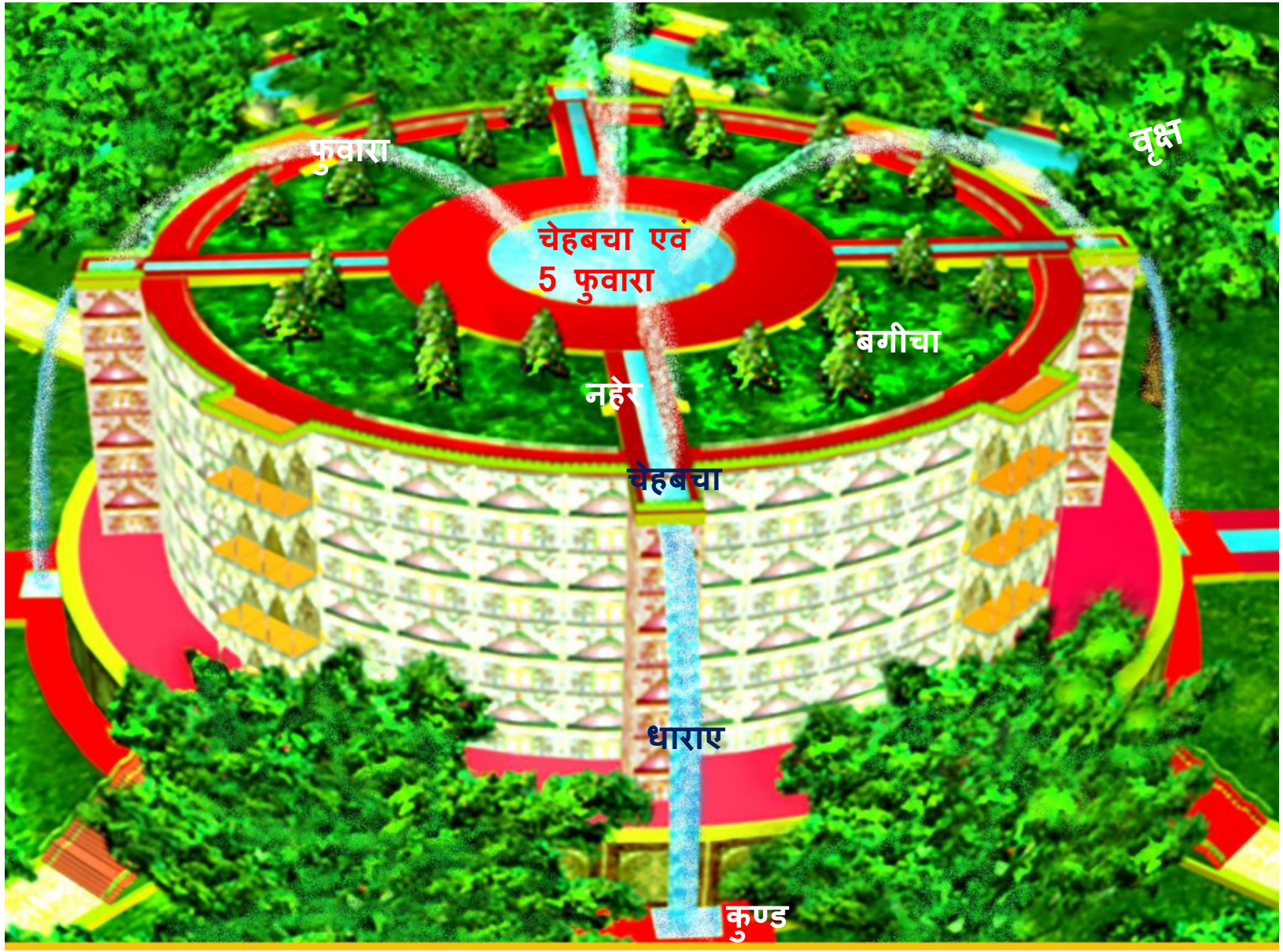
https://nijanand.org/paramdham-charchani/




चबूतरा & बेठक
थंभो की हार
मंदिरों की हार
28 मंदिर
दिशा के दरवाजे

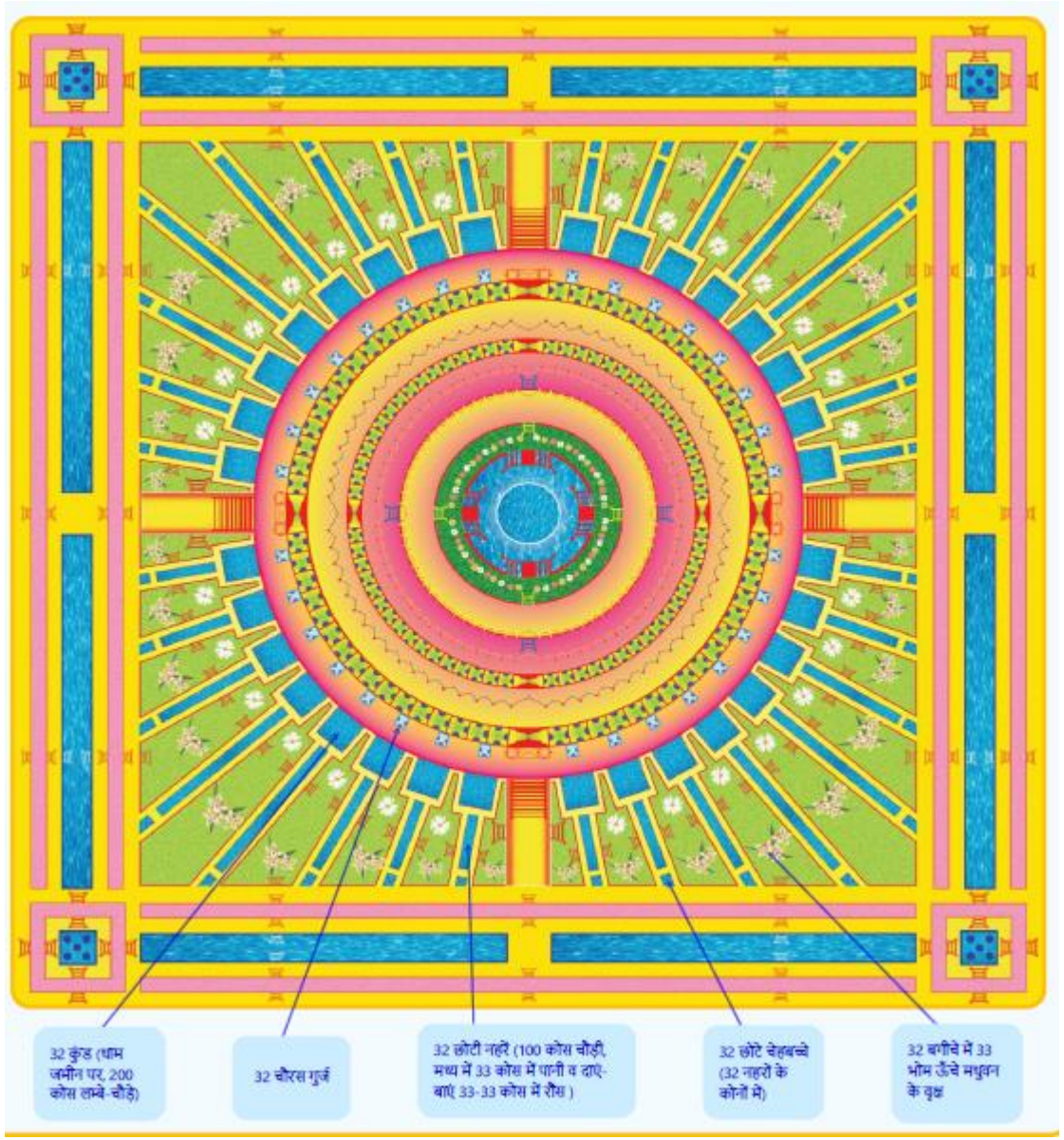
जवेरों के नहरें– 4 पहल की हवेली की चादनी की शोभा

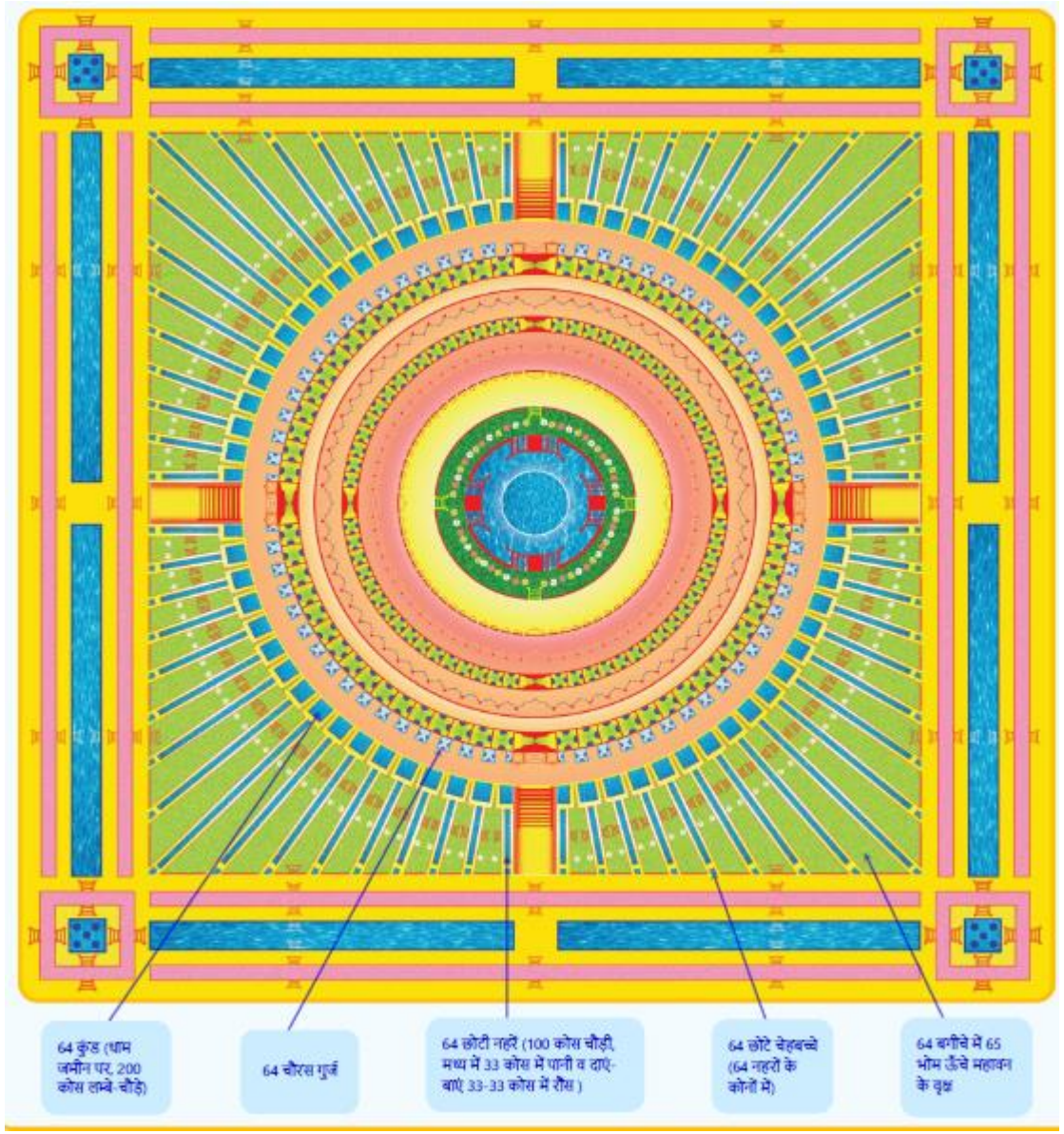
https://nijanand.org/paramdham-charchani/

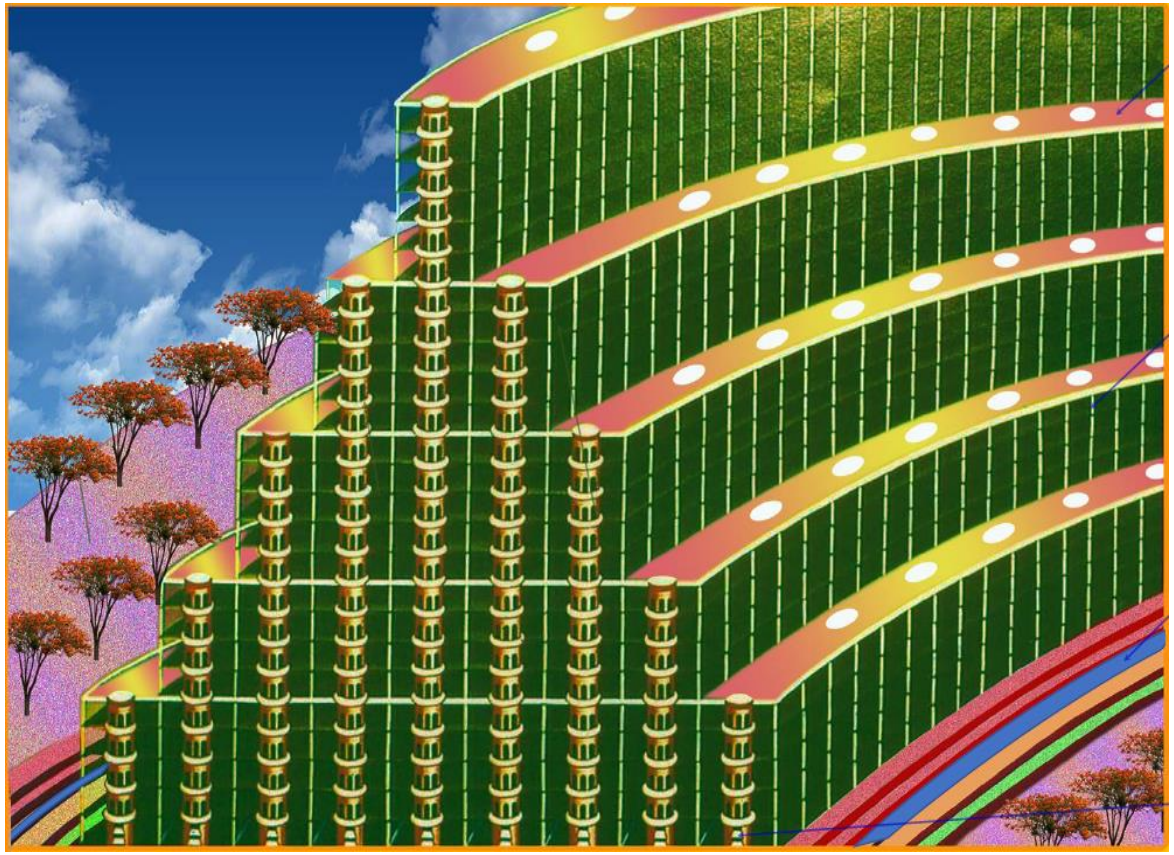


जवेरों के नहरें- बत्तीस & चौसठ पहर की हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/







पहर	4	8	16	32	64
चोक & हवेलियों	124	124	124	124	124
बगीचे - जमीन पर चोक में	4	8	16	32	4
नहेरें & कुण्ड - जमीन पर चोक में	4	8	16	32	4
वृक्ष की भोम - बगीचे में	5	9	17	33	65
चोरस गुर्ज – चबूतरा पर	4	8	16	32	64
महल – दो गुर्ज के बीच में	16	8	4	2	1
हवेलियों की भोम	4	8	16	32	64
हावलियों में महल – 2 हारें	64	64	64	64	64
हावलियों में थंभ - 3 हारें	68	68	68	68	68
हावलियों के बड़े दरवाजे	4	4	4	4	4
महल में मंदिर	28	28	28	28	28
फुवारे – चादनी में	5	9	17	33	65

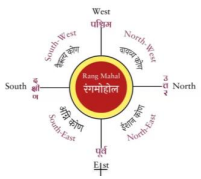


परमधाम विहार
परिकरमा 5

शुक्ल पक्ष (सुद)	
दसवी	वन की नहरें

बन छाया है मोहोल जो, इत मोहोल बने बन के।
जानो सोभा सब से अतंत है, सब सुख लेती रूहें ए ।।९

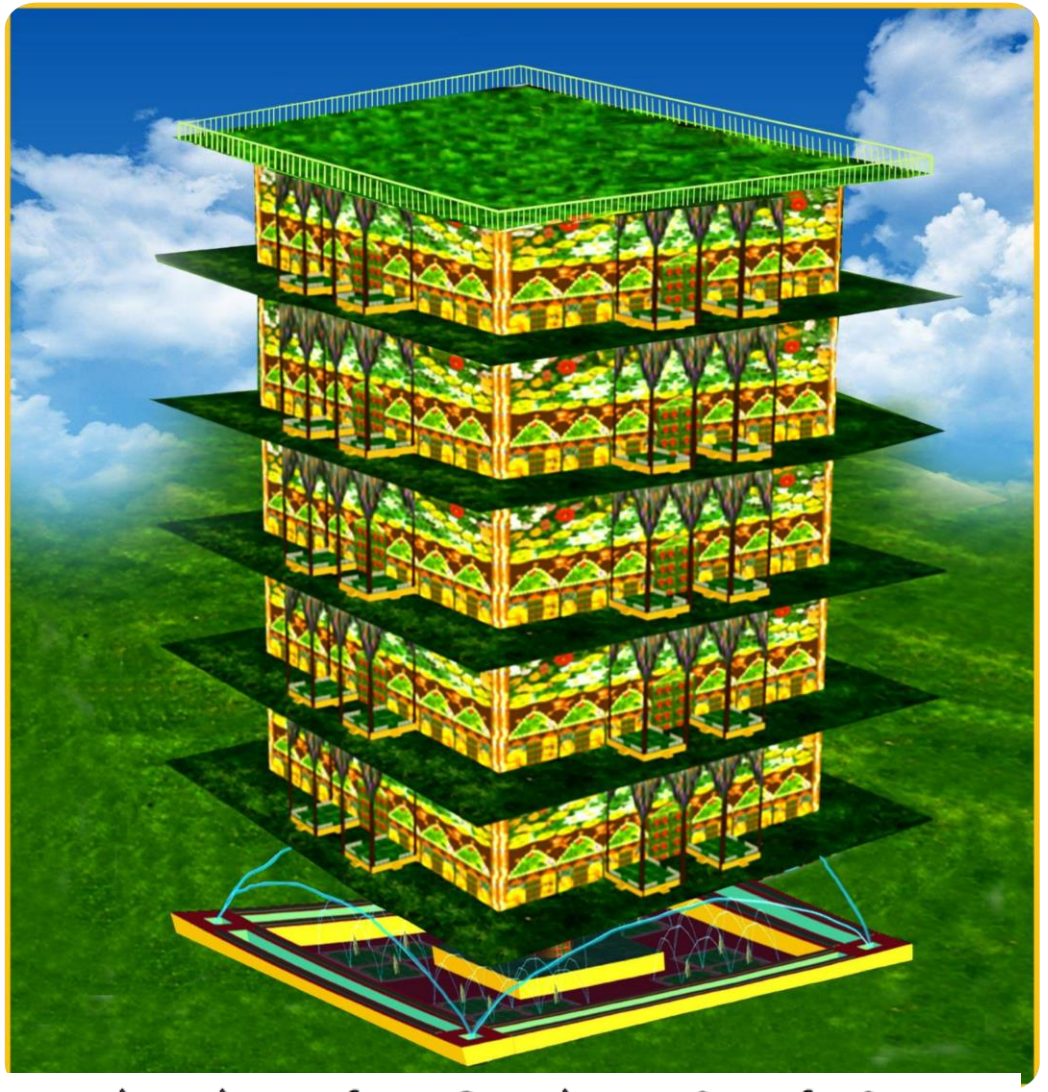
जहाँ राज रमत हैं , बन की जो मोहलात।
अत सुंदर सोभा देत है, सो क्यों कर कहों विख्यात।।



वन की नहरें - चोक में नहेर, चेहबच्चे, फुवारे & पेड़ (थड़ & हवेली) की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/



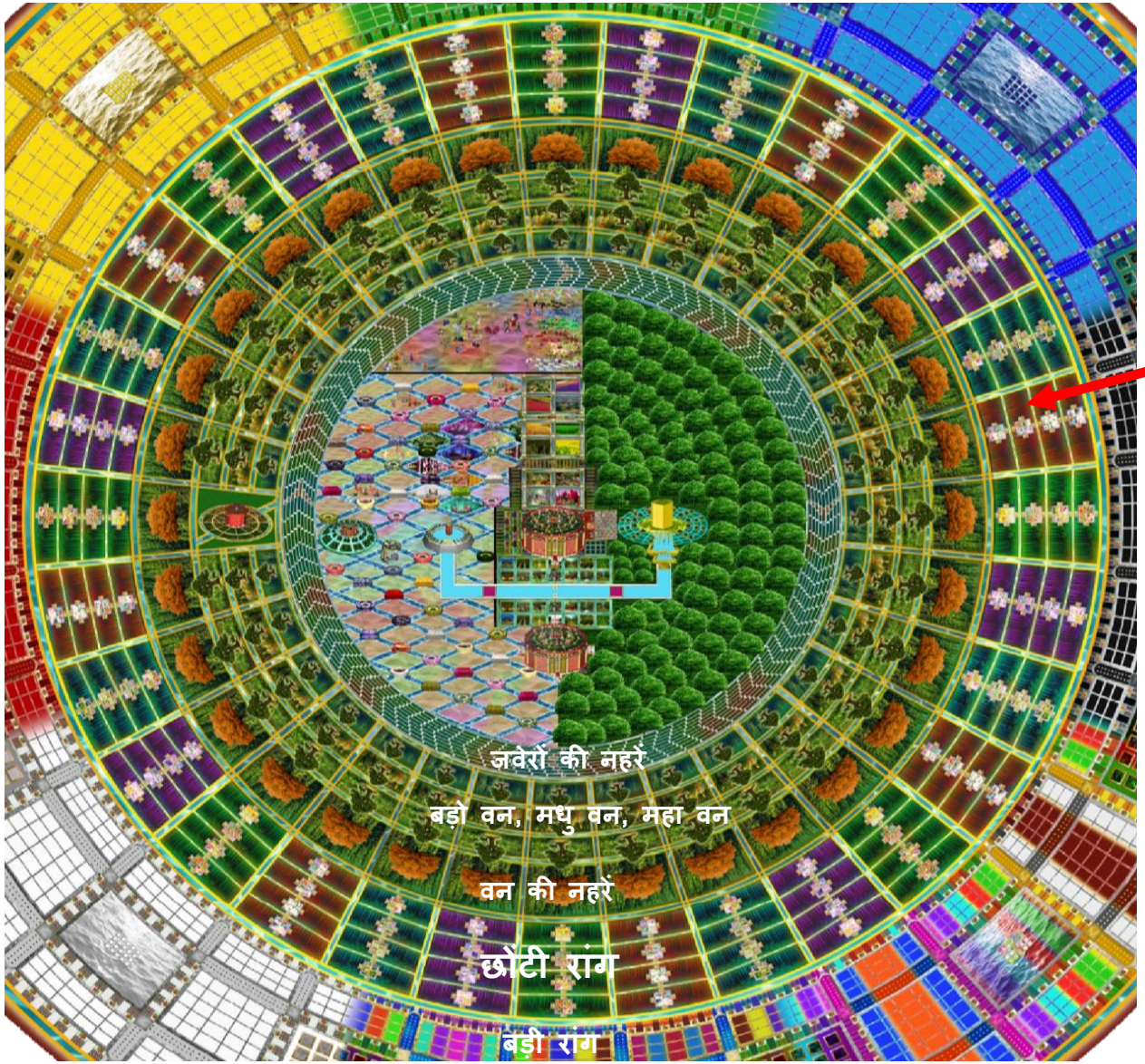


बन छाया है मोहोल जो , इत मोहोल बने बन के ।
जानो सोभा सबसे अतंत है, सब सुख लेती रूहें ए ।।

इन भोम भोम कई मंदिर, पेड़ डारी कई दीवाल।
छाया बनी पात फूल की, कई बन मंदिर इन हाल।।

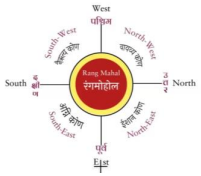

पेड़ की हवेली
वृक्ष, फूल & पत्तों
पेड़ की हवेली की शोभा
महल, मंदिर , कोठरियाँ
बगीचे, नहरें, चेहबच्चे, थंभ, चबूतरा
चोक

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

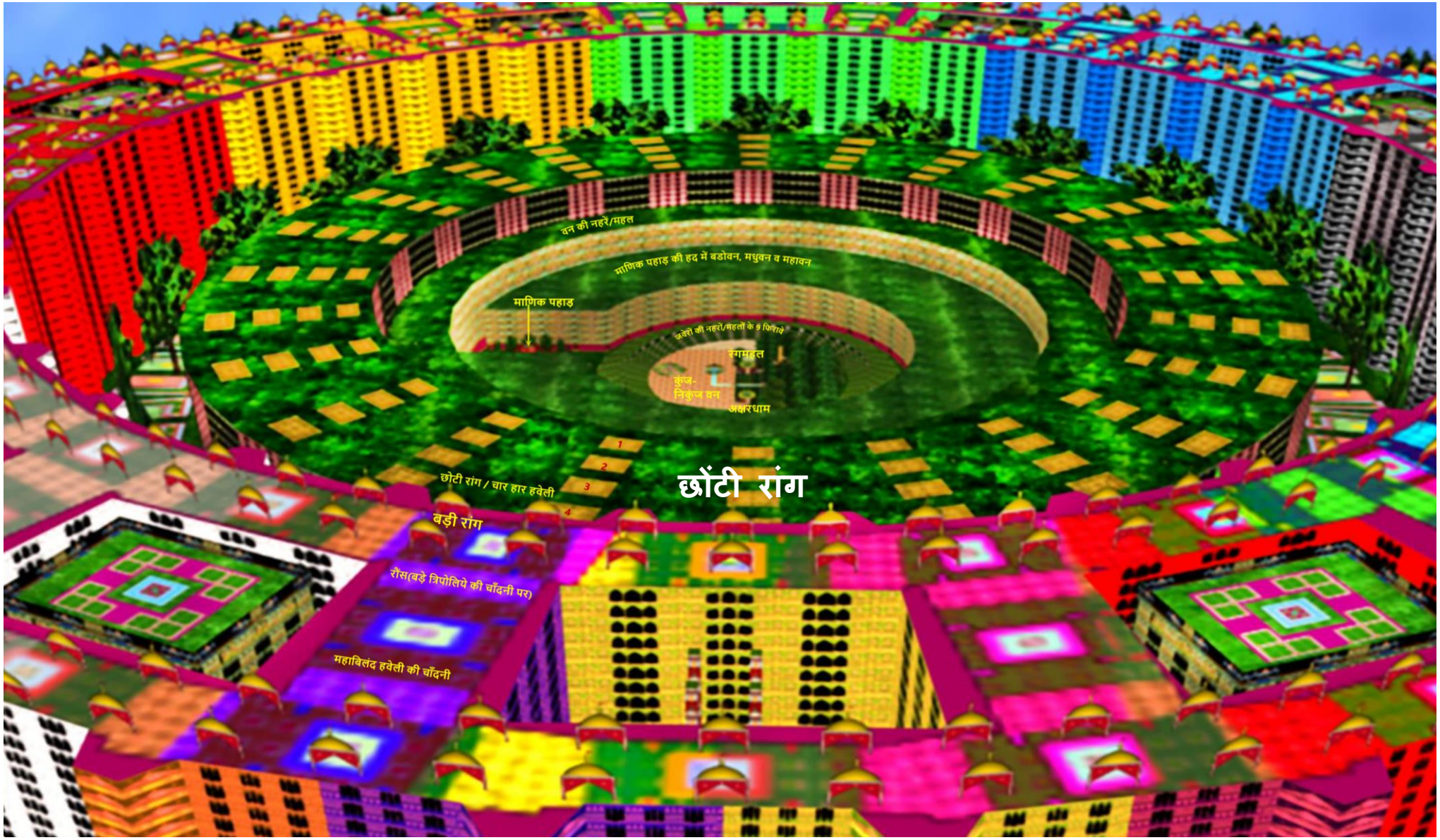


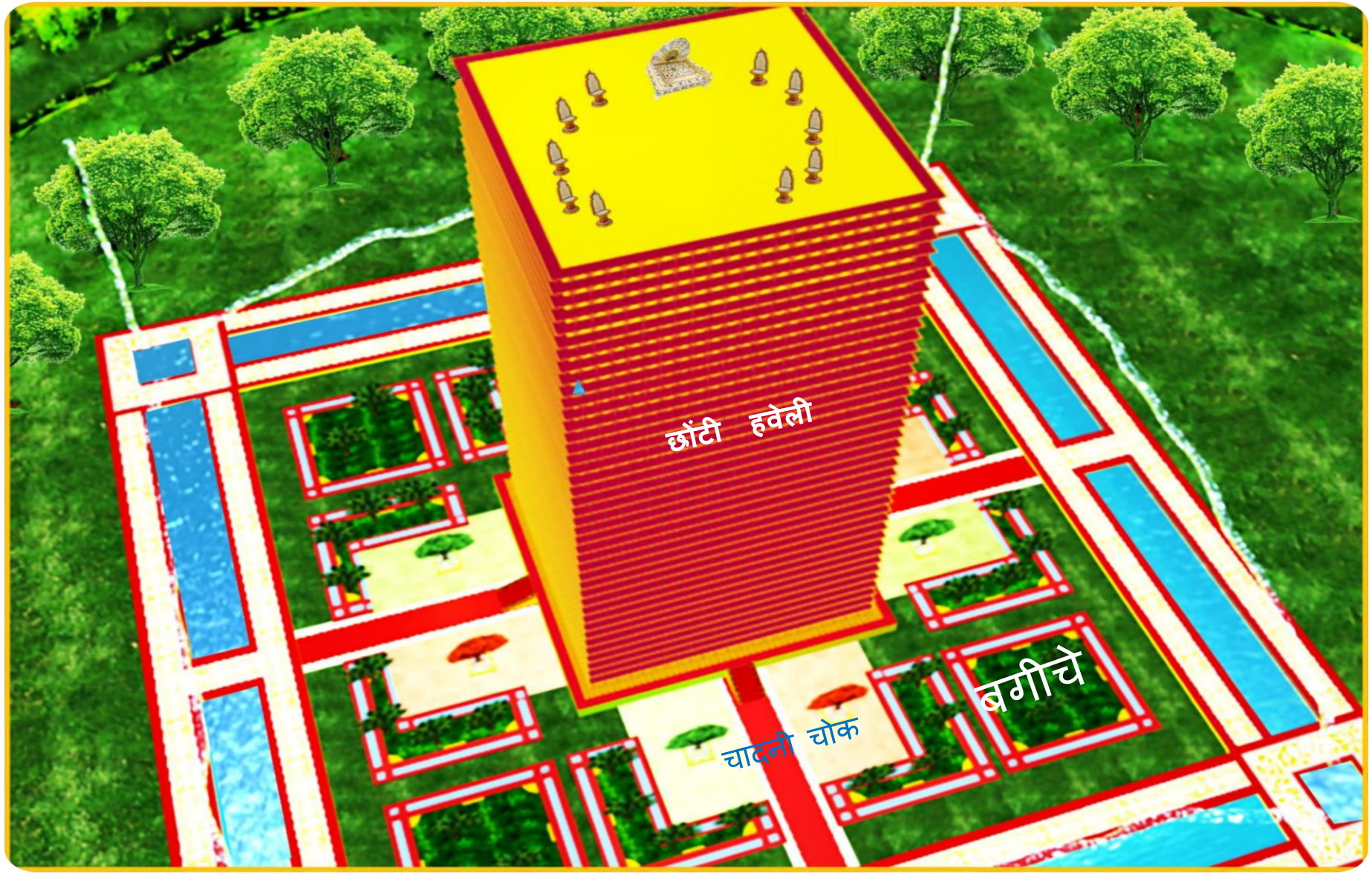
परमधाम विहार परिकरमा 6

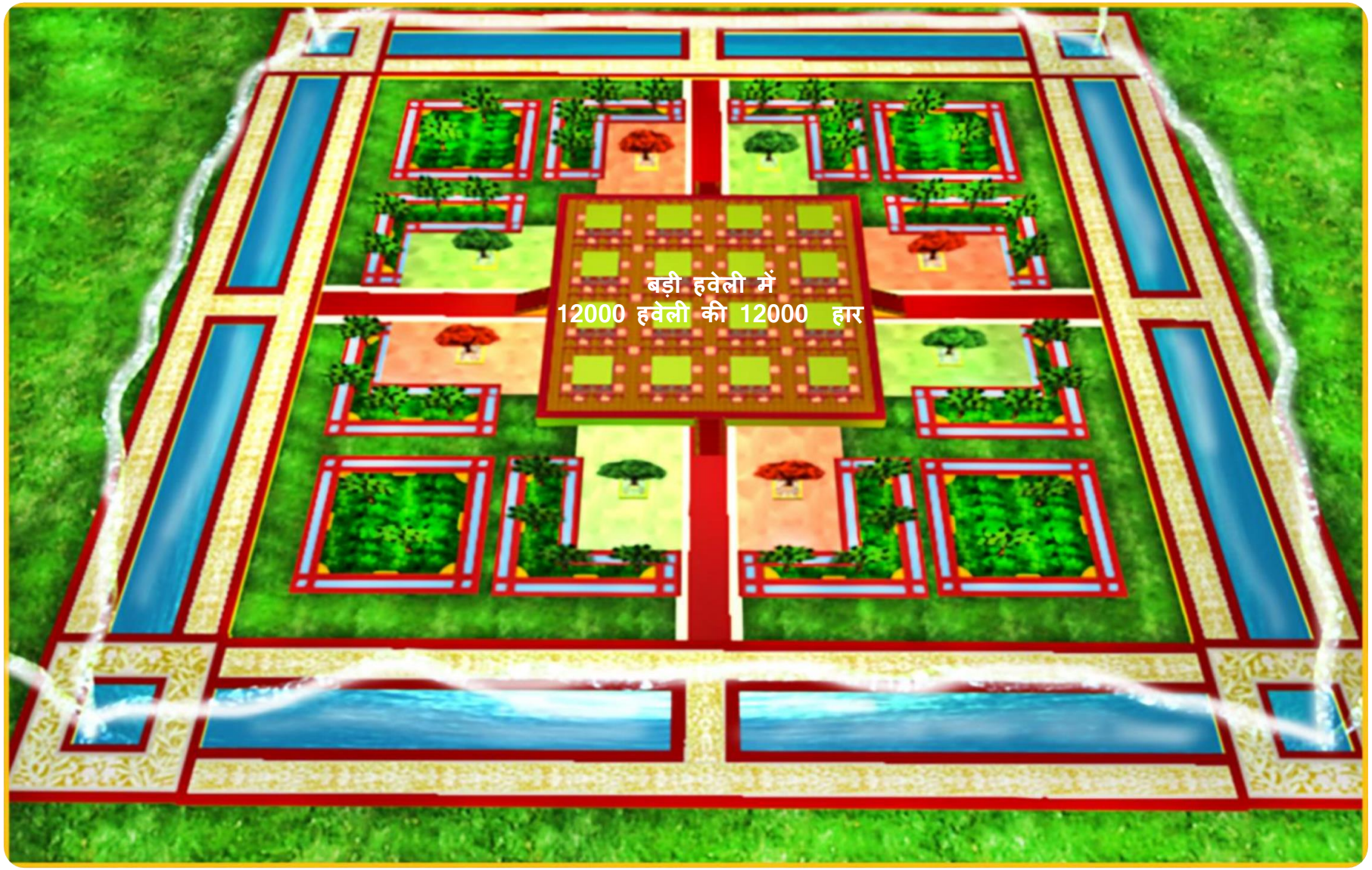
शुक्ल पक्ष (सुद)	
नवम	छोंटी रांग चार हार हवेली



https://nijanand.org/paramdham-charchani/

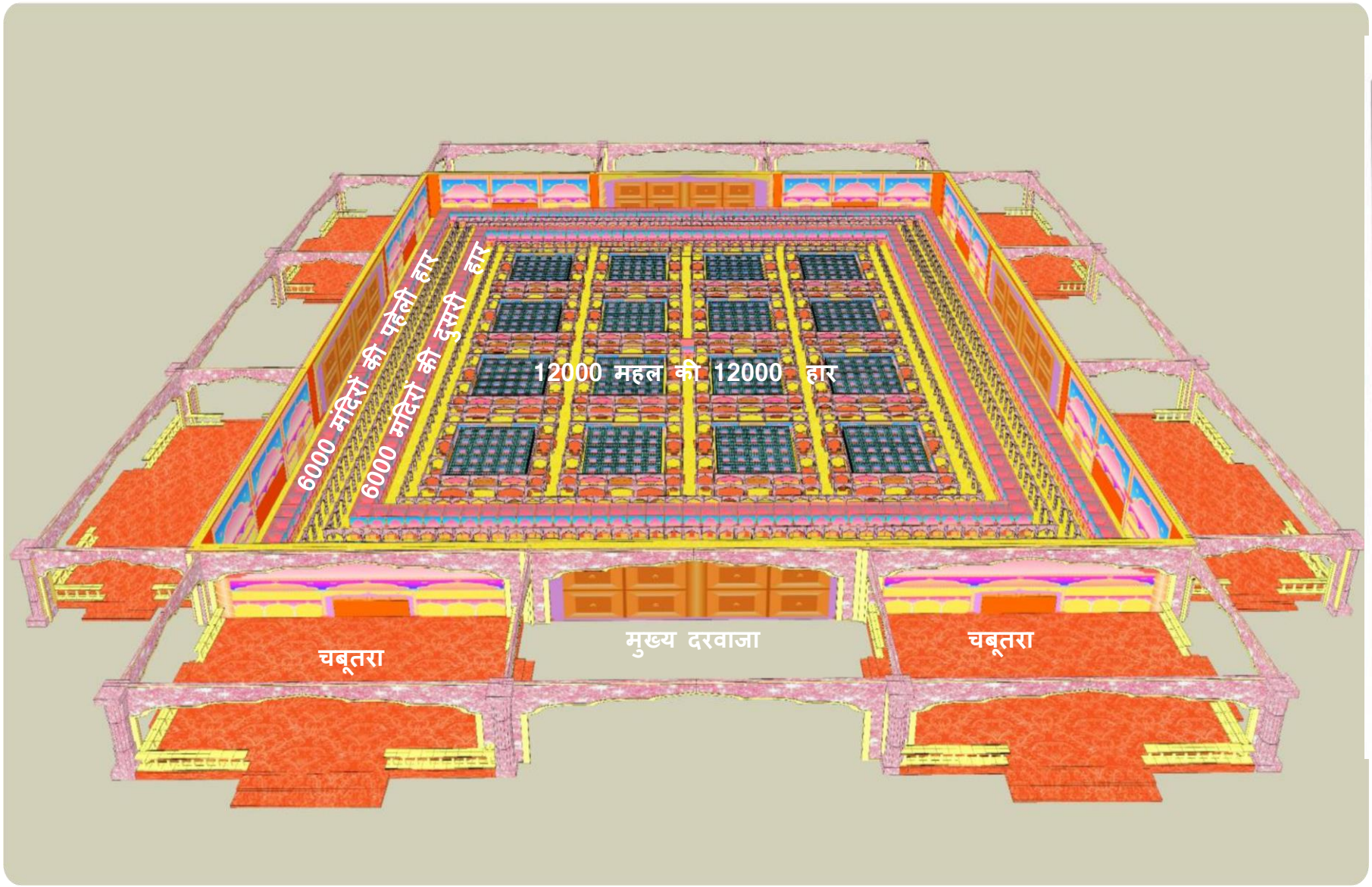


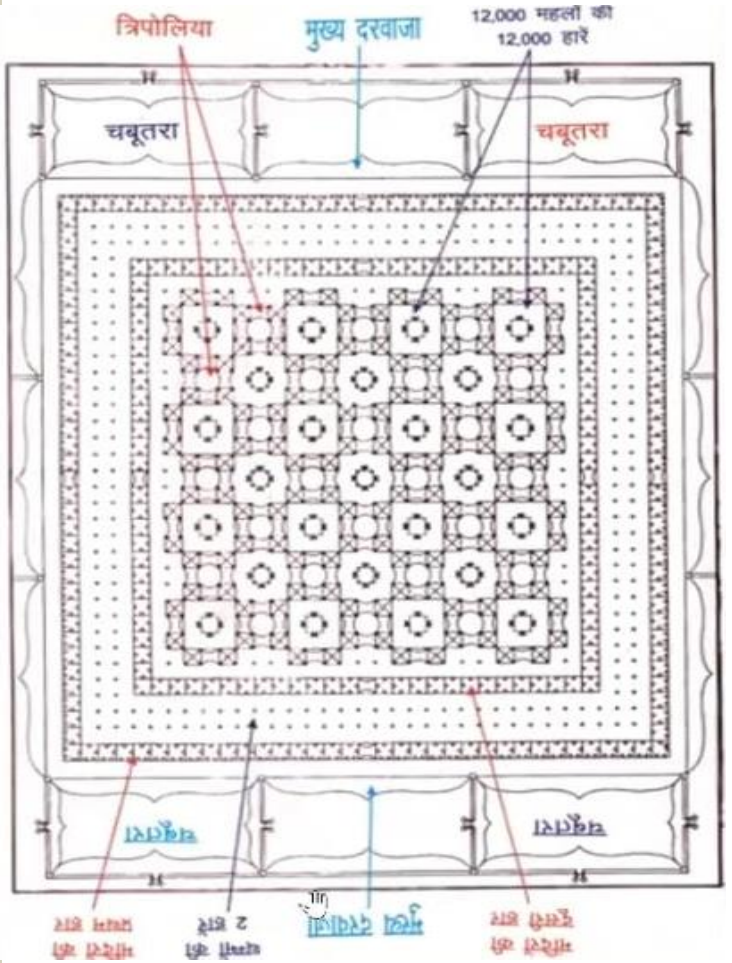

छोंटी हवेली
चादनी चोक
बगीचे

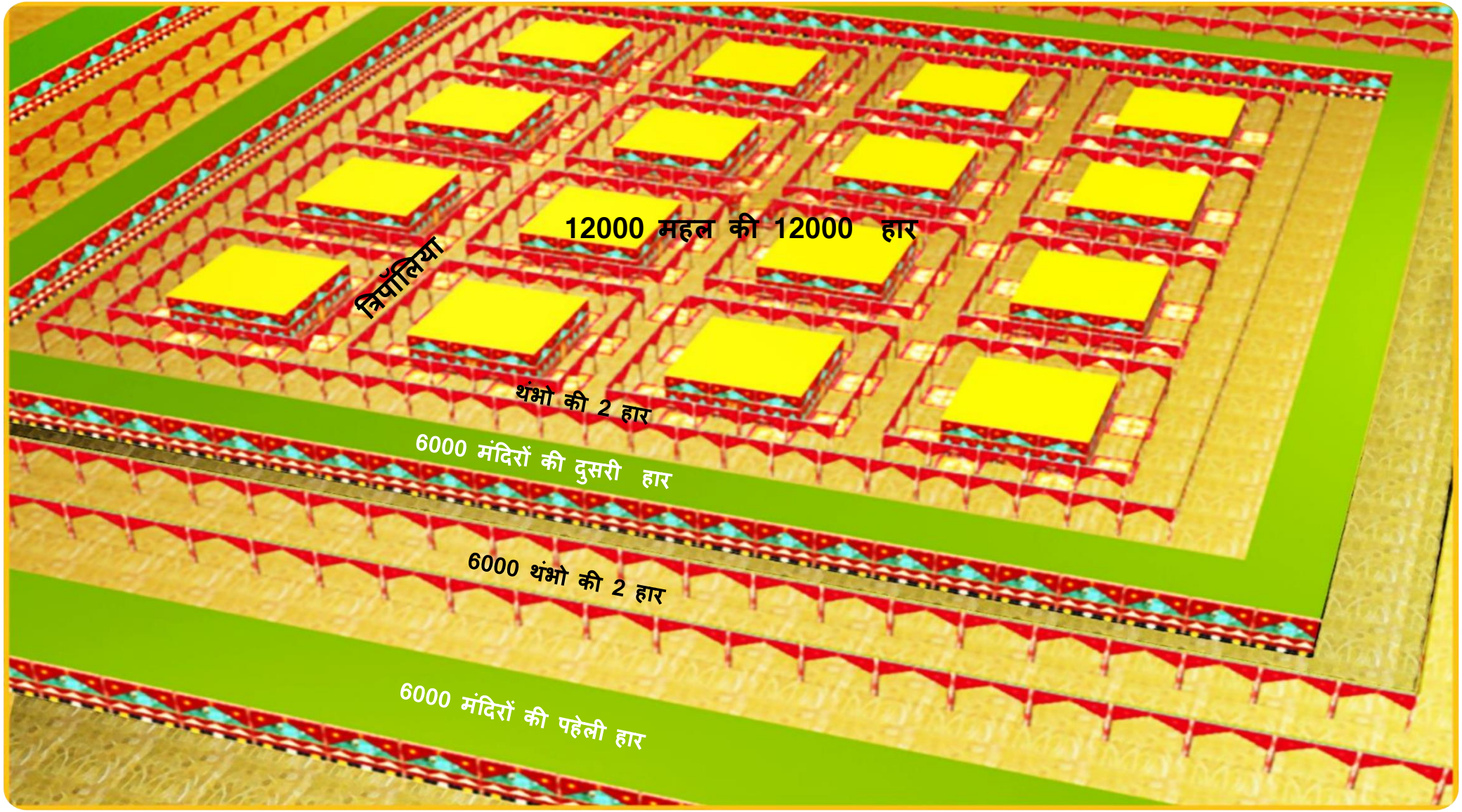

बड़ी हवेली में
12000 हवेली की 12000 हार

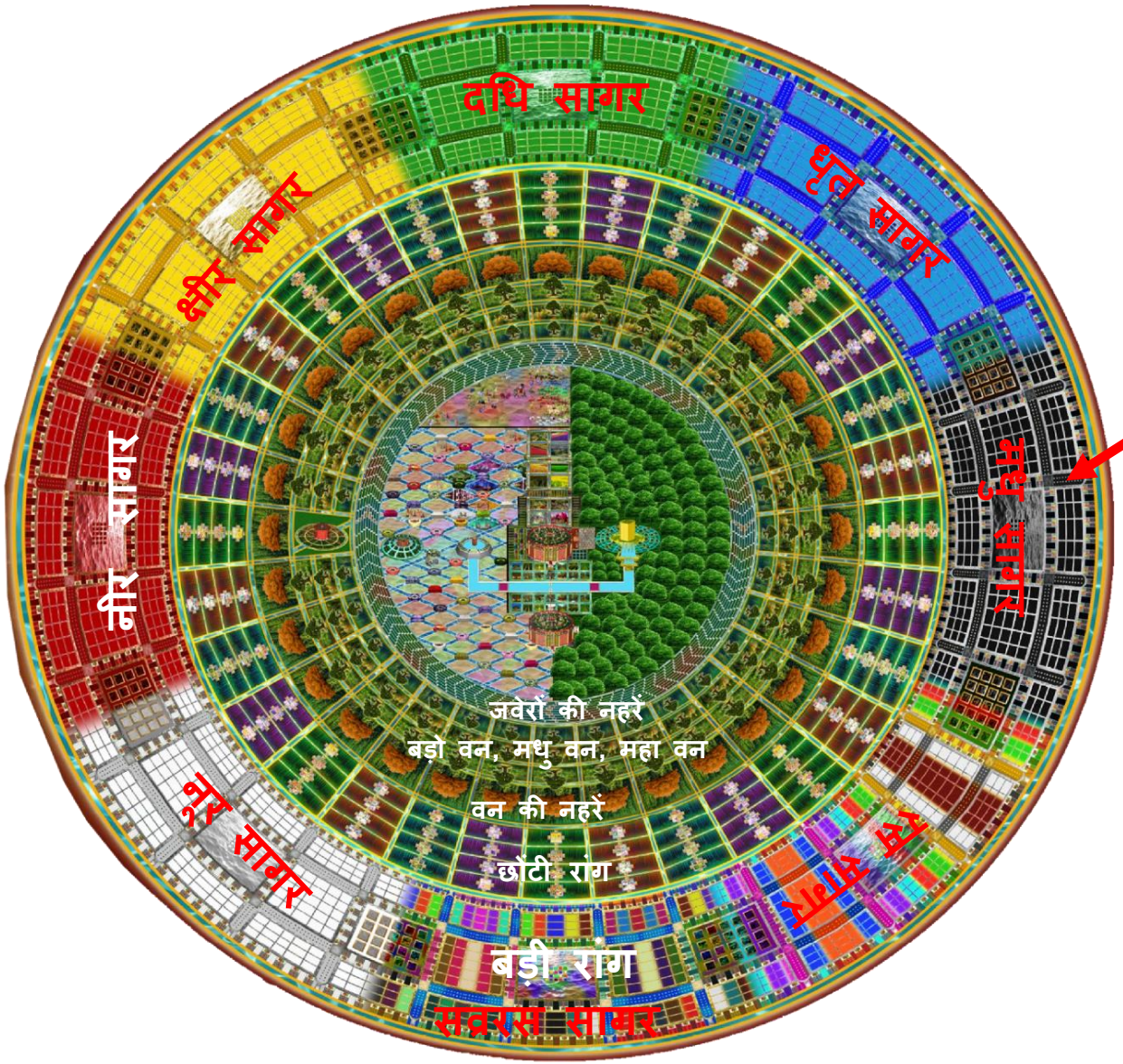
छोंटी रांग – बड़ी हवेली में एक हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/






12000 महल की 12000 हार
त्रिपॉलिया
थंभो की 2 हार
6000 मंदिरों की दुसरी हार
6000 थंभो की 2 हार
6000 मंदिरों की पहेली हार



परमधाम विहार परिकरमा 7

शुक्ल पक्ष (सुद) आठ सागर	
एकम	बड़ी रांग – नूर सागर
बीज	बड़ी रांग – नीर सागर
त्रीज	बड़ी रांग – क्षीर सागर
चौंथ	बड़ी रांग – दधि सागर
पंचम	बड़ी रांग – धृत सागर
छठ	बड़ी रांग – मधु सागर
सातम	बड़ी रांग – रस सागर
आठम	बड़ी रांग – सवरस सागर

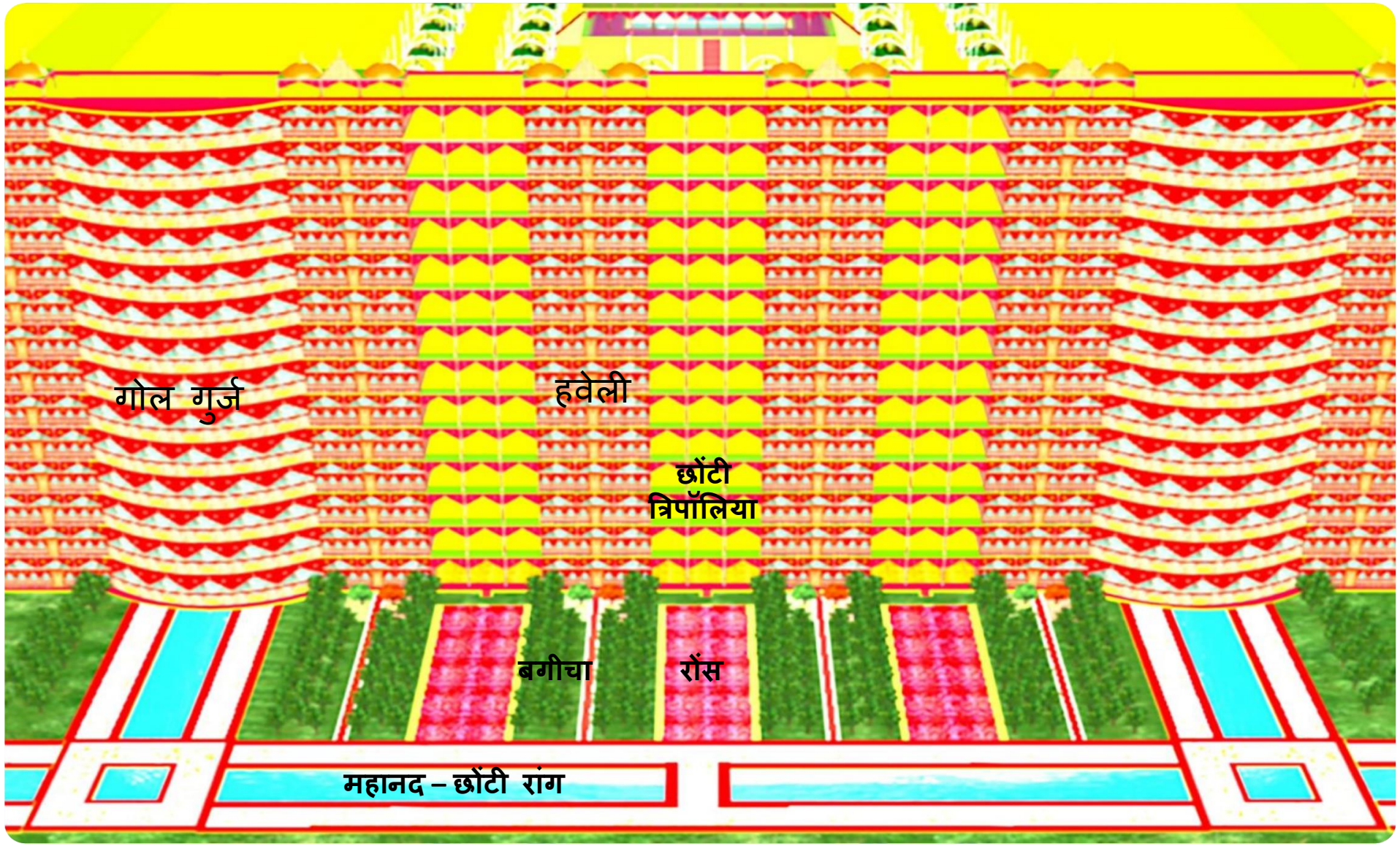
https://nijanand.org/paramdham-charchani/



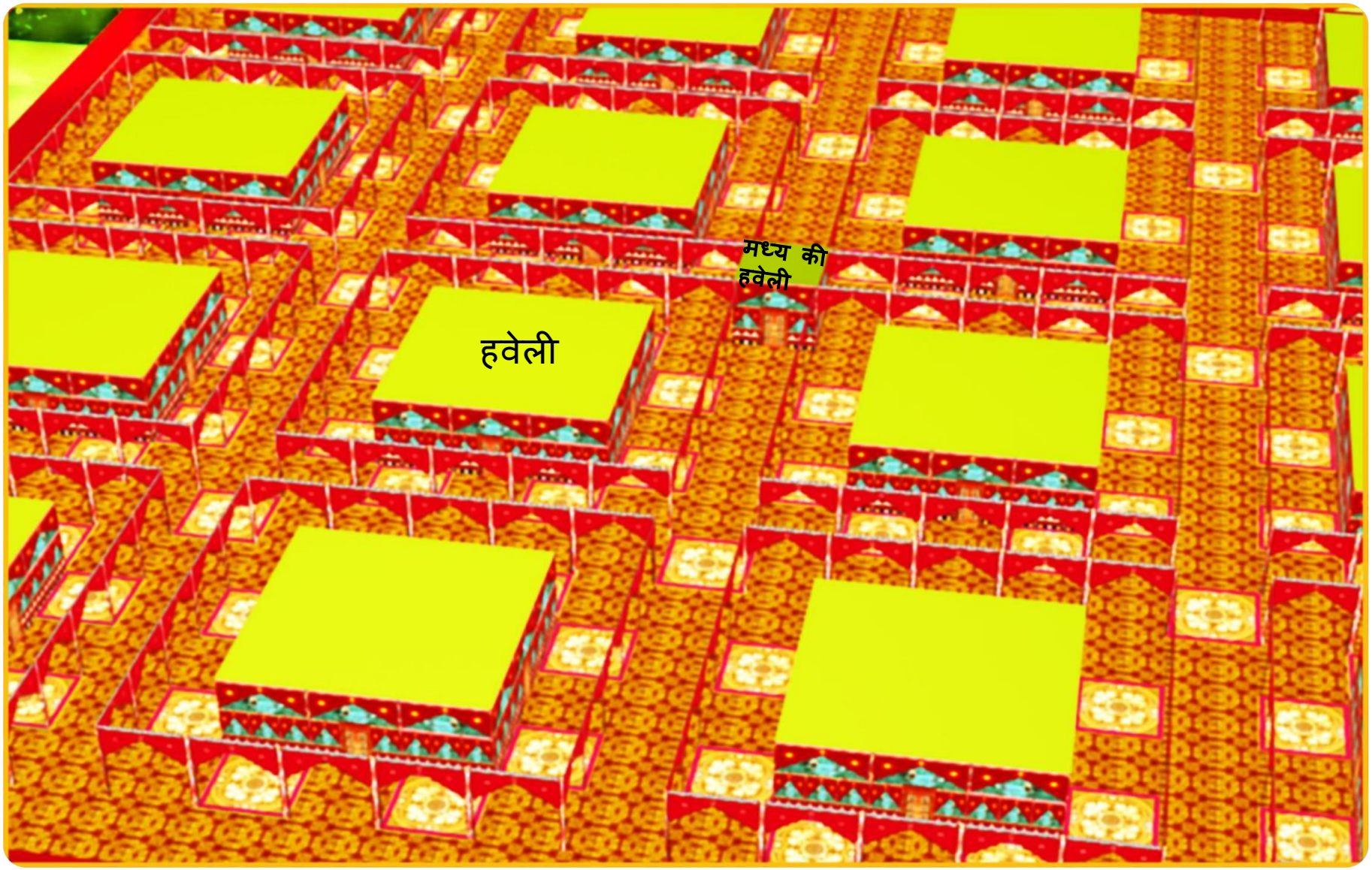
बड़ी रांग – आठ सागर एवं आठ जिमी की शोभा



बड़ी रांग – माहहवेली की शोभा (छोंटी रांग की side से)

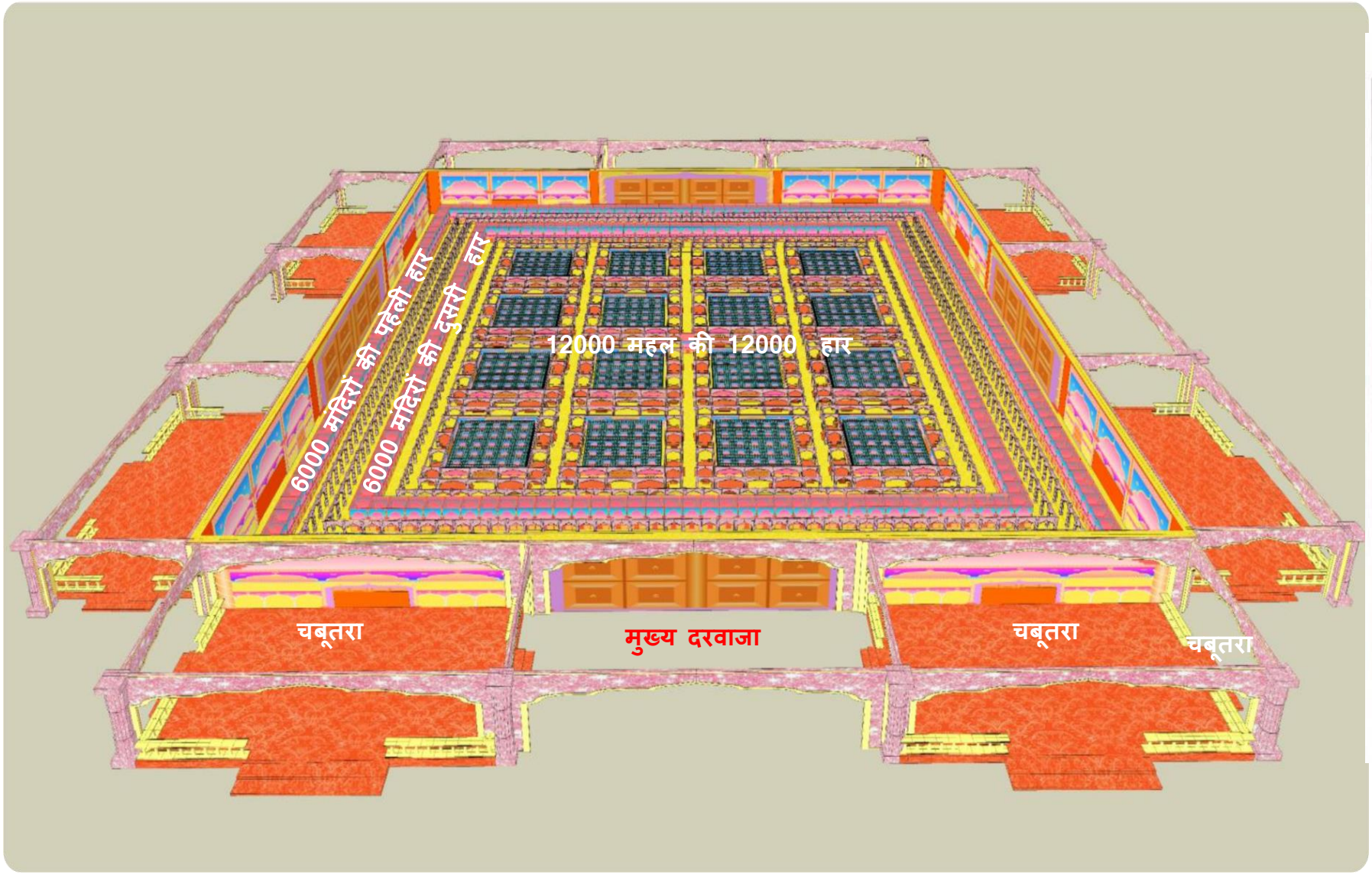


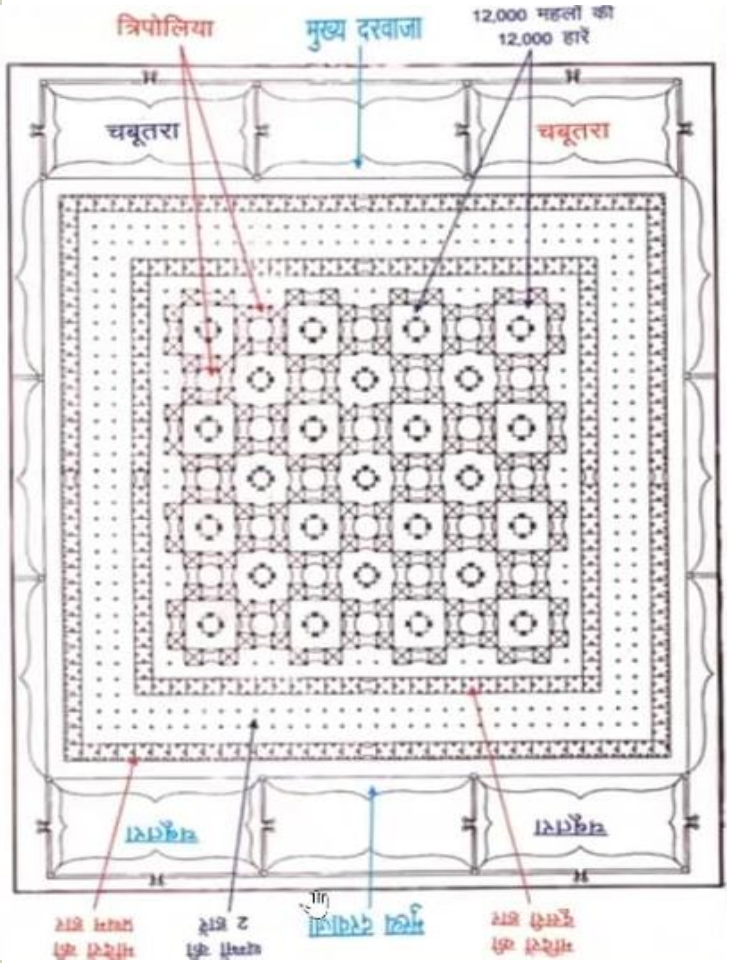

हवेली
त्रिपॉलिया


मध्य की हवेली
हवेली

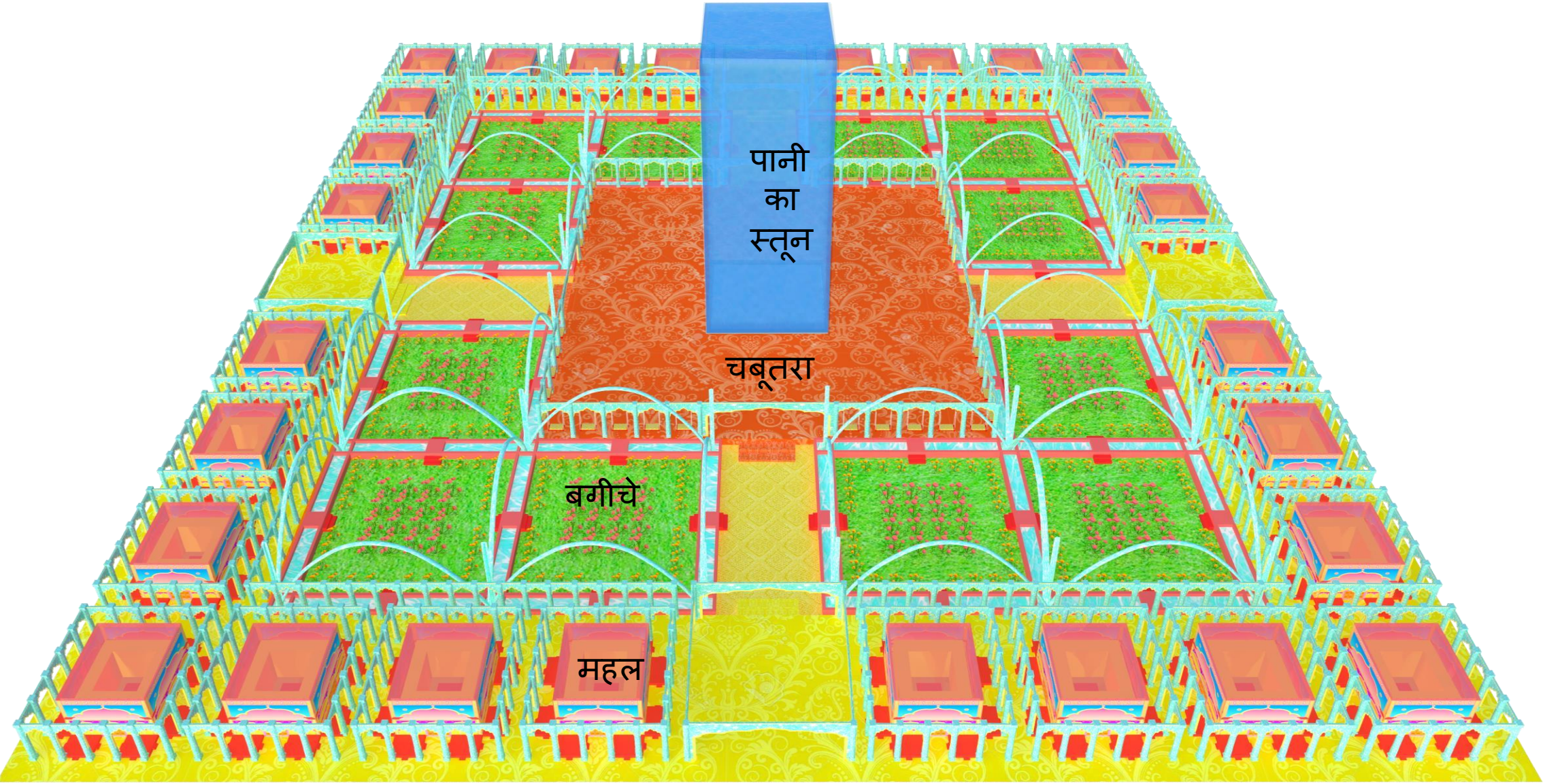
बड़ी रांग — महाहवेली में एक हवेली की शोभा

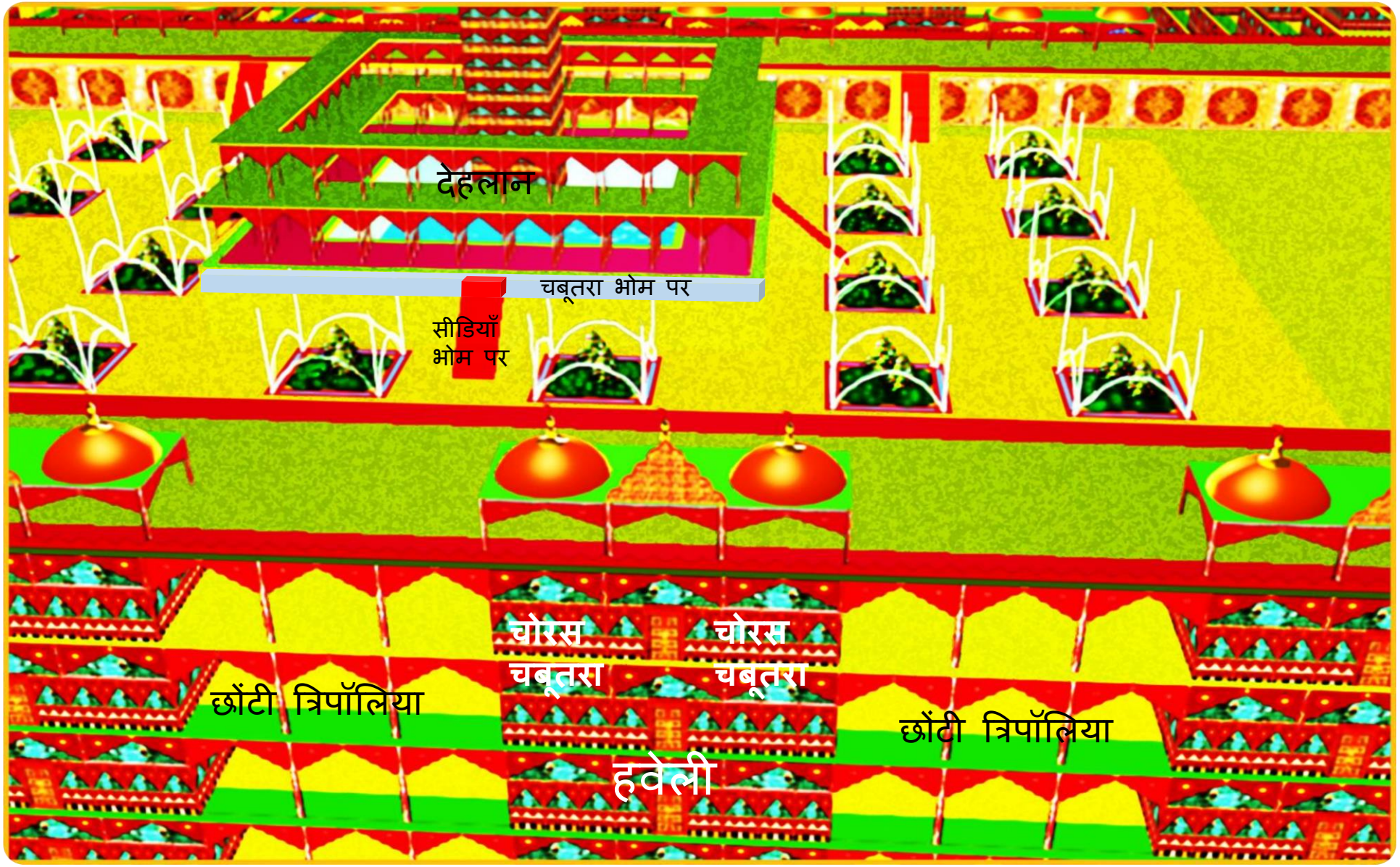
https://nijanand.org/paramdham-charchani/





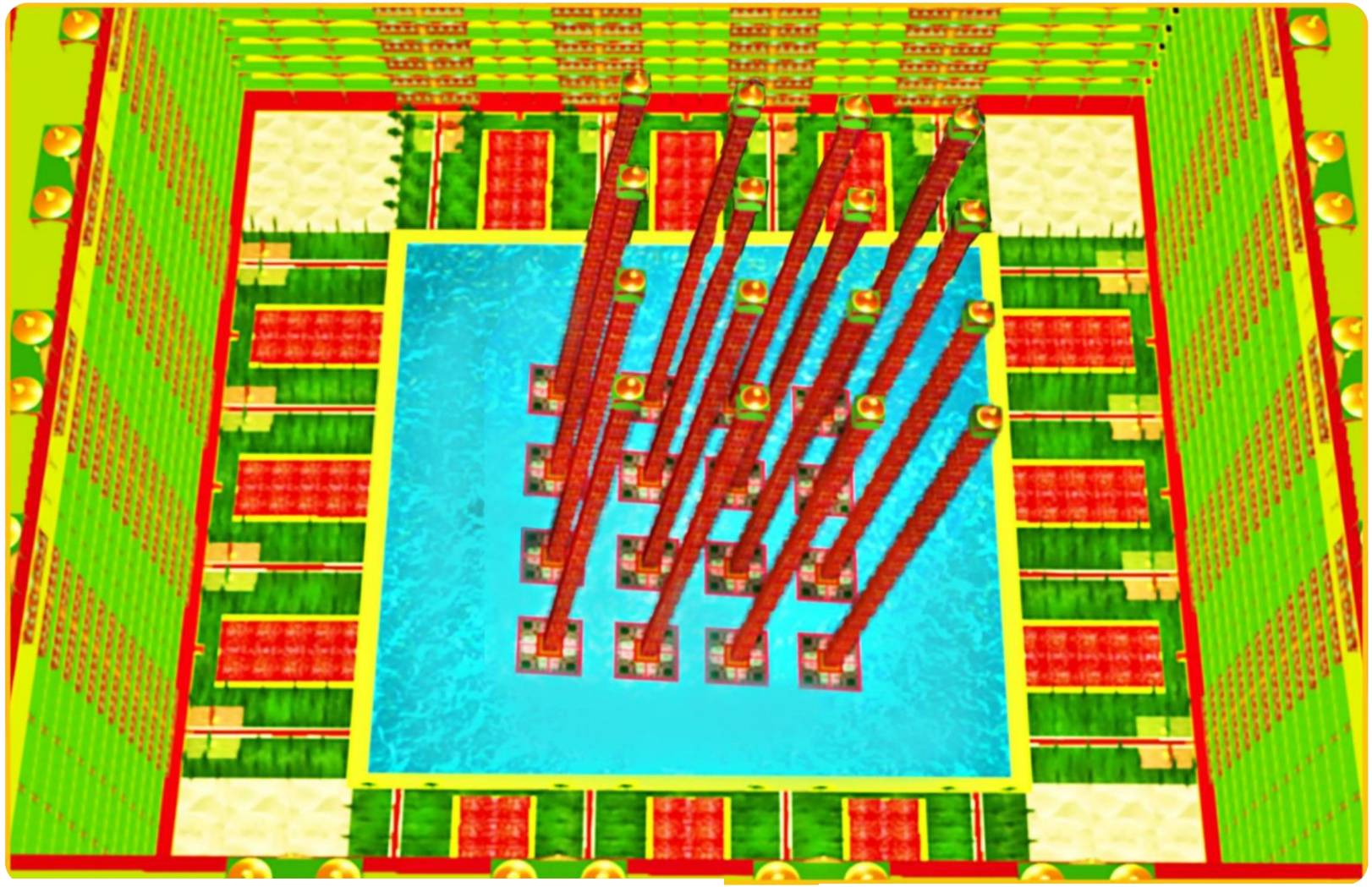
बड़ी रांग – महाहवेली हवेली के मध्य की हवेली की शोभा




देहलान
चबूतरा भोम पर
सीडियाँ
भोम पर
चोरस
चबूतरा
चोरस
चबूतरा
छोंटी त्रिपॉलिया
छोंटी त्रिपॉलिया
हवेली


कुण्ड
बैठक
बगीचे
कंगरी
तापू महल की चादनी
तापू महल

बड़ी रांग – सागर के मध्य में टापू एवं टापू महलों की शोभा



फिरता चारों तरफ चबूतरा , जहाँ हाथ लगत सागर।
छज्जे मोहोल आए तिन पर , तहाँ बैठक कठेड़े उपर ।।

जब बैठत तरफ दरियाव के , सागर लेहरी देखत नूर।
सुख रूप नैंना लेत हैं, सो क्यों कर कहूँ जहूर।।

बड़ी रांग – सागर के मध्य में टापू एवं टापू महलों की शोभा



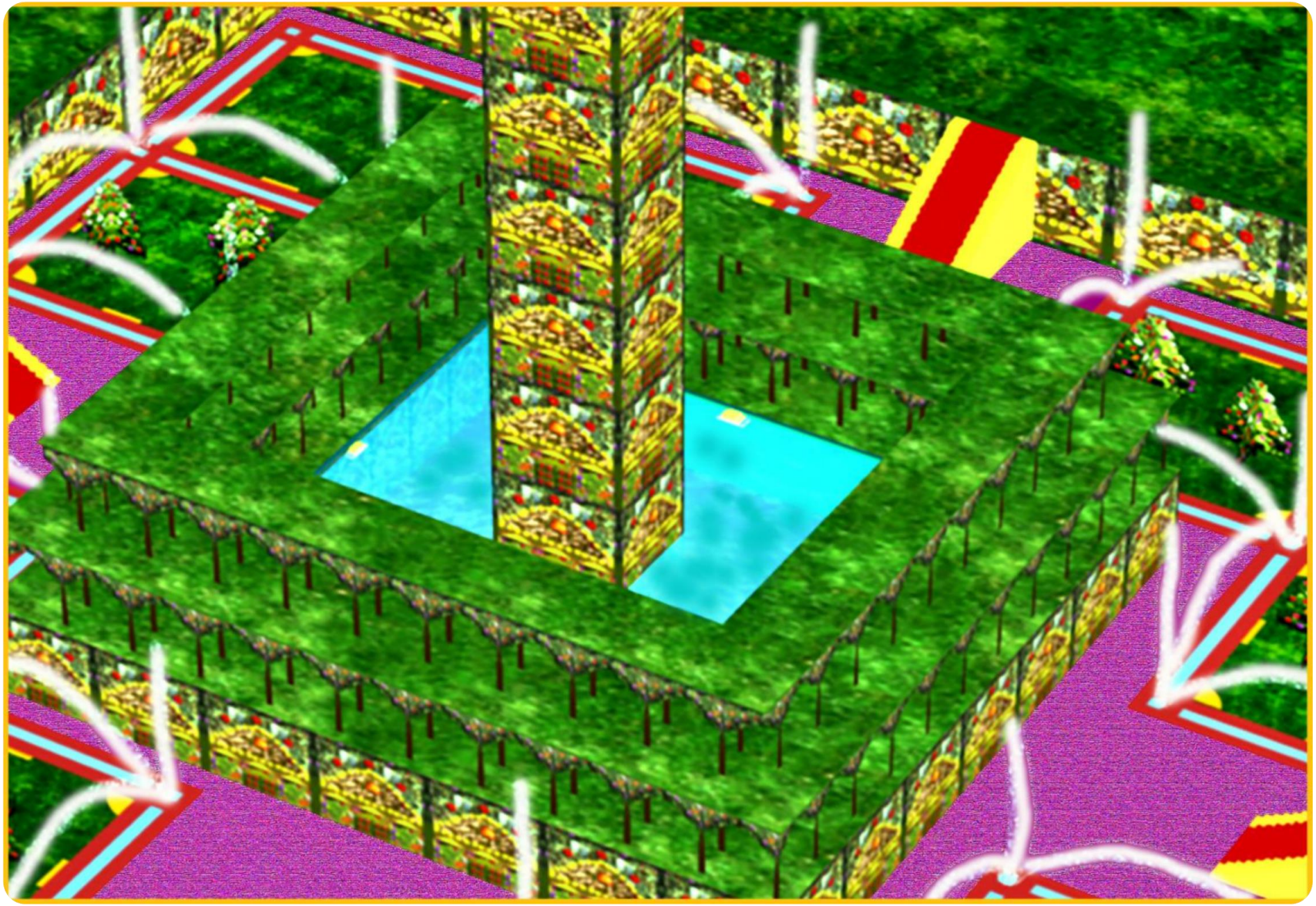

सागर
टापू महल
बगीचे
बगीचे
बगीचे
जल
जल
मुख्य दरवाजा
व चबूतरे
सीढ़ियाँ
भोम भर
ऊँचा चबूतरा

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापूमहल की चादनी की शोभा



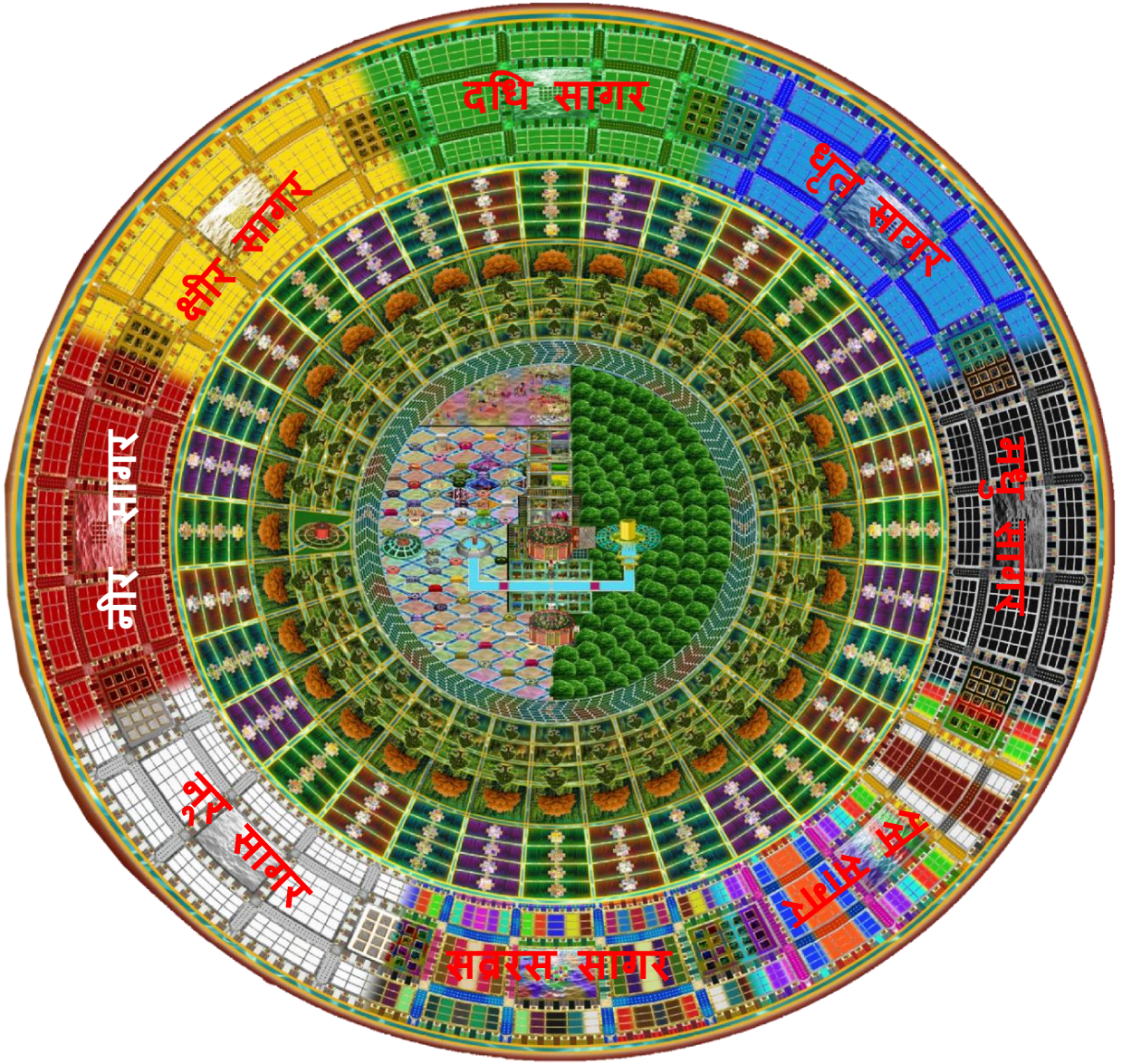

महाहवेलियाँ की चांदनी
बगीचे
चबूतरा
बगीचे
बगीचे
दहलान
ताल
दीवाल
रेती का मैदान
गुम्मटें एवं कमानें
बगीचे
रौंसें
बगीचे
रौंसें
बगीचे
रौंसें
बगीचे
हवेलियाँ
हवेलियाँ
हवेलियाँ
हवेलियाँ
हवेलियाँ
हवेलियाँ
गुम्मट व कमानें
मोम भर ऊँची दीवाल

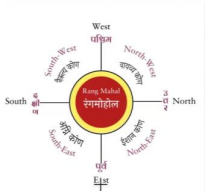
बड़ी रांग –महाहवेली की चादनी में टापूमहल , ताल एवं देहलान की शोभा



आठ सागर की बातुनी शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

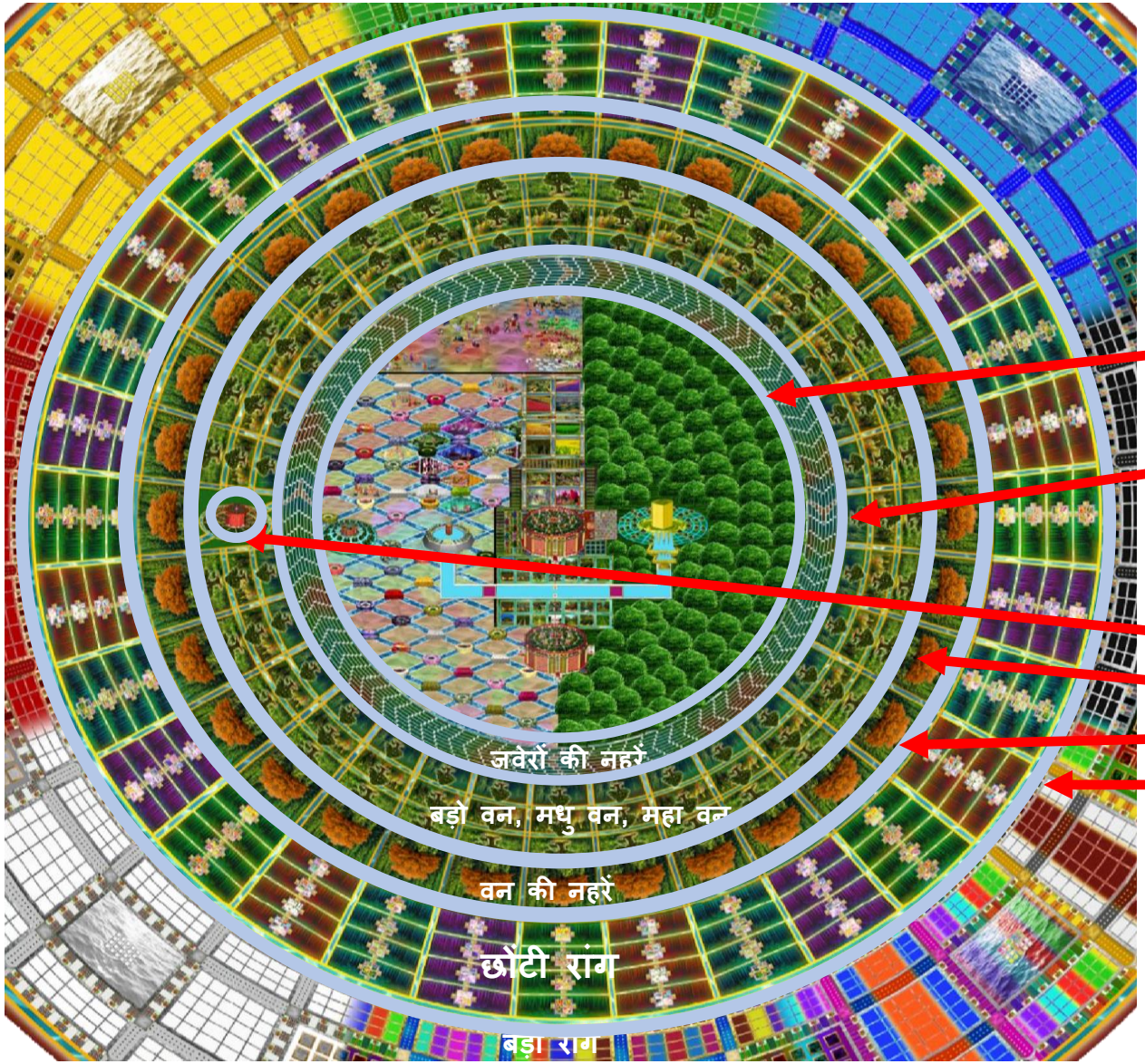




आठ सागर की बातुनी शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/





जवेरों की नहेर

बड़ी नहेर - जवेरों की नहेर & महावन के साथ लगकर

महानद

1. माणिक पहाड़ चारों ओर बाहरी side
2. महावन & वन की नहरे के साथ लगकर
3. चारहवेली/छोंटी रांग & वन की नहरे के साथ लगकर
4. चारहवेली/छोंटी रांग & बड़ी रांग के साथ लगकर

